SAMPLE QUESTION PAPER—2025 (Solved)

(Issued by Central Board of Secondary Education, New Delhi)

कक्षा—दसवीं

विषय—हिंदी (अ)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश—

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

- इस प्रश्न-पत्र में कुल **15 प्रश्न** हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- इस प्रश्न-पत्र में कुल **चार** खंड हैं— **क, ख, ग, घ।**
- **खंड—क** में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है।
- **खंड—ख** में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- **खंड—ग** में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है।
- **खंड—घ** में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।

खंड—क (अंक : 14)

(अपठित बोध)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 7

आज विश्व के कई देशों में अदरक वाली भारतीय चाय का चस्का लोगों को ऐसा लग गया है कि वहाँ हर कोई भारतीय चाय का शौकीन हो गया है। इसके अलावा भारत में कुल्हड़ वाली चाय भी काफ़ी लोकप्रिय है। मिट्टी के कुल्हड़ में परोसी गई चाय का अपना विशेष महत्व है क्योंकि इसकी सौंधी खुश्बू और लाजवाब स्वाद को इसके बिना अनुभव नहीं कर सकते हैं। भारत की सिफ़ारिश पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 मई को अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस घोषित किया है। भारत ने मिलान में हुई अंतर्राष्ट्रीय खाद्य और कृषि संगठन की बैठक में यह प्रस्ताव पेश किया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपनी अधिसूचना में कहा कि हम विश्व की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में चाय के योगदान को लेकर दुनिया को जागरूक करना चाहते हैं, ताकि वर्ष 2030 के सतत विकास से जुड़े लक्ष्यों को पूरा किया जा सके। संयुक्त राष्ट्र को विश्वास है कि 21 मई को अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस घोषित करने से इसके उत्पादन और खपत बढ़ाने में मदद मिलेगी। अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस का उद्देश्य दुनिया भर में चाय के लंबे इतिहास और गहरे सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। इस दिन का लक्ष्य चाय के स्थायी उत्पादन और खपत के पक्ष में गतिविधियों को लागू करने के लिए सामूहिक कार्यों को बढ़ावा देना और भूख और गरीबी से लड़ने में इसके महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। साथ ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने चाय के औषधीय गुणों के साथ सांस्कृतिक महत्व को भी मान्यता दी है।

विश्व में चाय के प्रमुख उत्पादकों में एशिया, अफ्रीका, दक्षिणी अमेरिका शामिल हैं जबकि विश्व के चार बड़े उत्पादक देशों में क्रमशः चीन, भारत, कीनिया और श्रीलंका शामिल हैं। विश्व के कुल चाय उत्पादन में इन देशों की हिस्सेदारी 75 प्रतिशत है। भारत विश्व में चाय उत्पादन का एक बड़ा केंद्र है। भारत में चाय का उत्पादन करने वाले राज्यों में असम, पश्चिमी बंगाल, केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु शामिल हैं। असम भारत का सर्वाधिक चाय उत्पादन करने वाला राज्य है। भारत में लगभग 13 हज़ार चाय बागान हैं, जो 60 लाख से अधिक श्रमिकों की आजीविका का प्रमुख साधन भी हैं। चाय एक श्रम आधारित उद्योग है इसलिए भारत जैसे देश में इसके विकास की अपार संभावनाएँ हैं। चाय की चुनाई के लिए अधिक मात्रा में श्रमिकों की आवश्यकता पड़ती है, क्योंकि चाय की पत्तियाँ एक-एक करके तोड़ी जाती हैं, जिनसे कोमल पत्तियाँ नष्ट न हों। अपनी कोमल अंगुलियों के कारण ही चाय के उद्यानों में स्त्री मज़दूर द्वारा पत्तियाँ तोड़ी जाती हैं। चाय की पत्ती तोड़ने के काम के लिए श्रमिकों को पूरे दिन खड़े रहना पड़ता है—चाहे वह चिलचिलाती धूप में हो या बारिश में। वे आमतौर पर उस हिस्से तक पहुँचने के लिए चार से पाँच किलोमीटर पैदल चलते हैं जहाँ वे चाय की पत्तियाँ चुनते हैं।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए : 1

कथन (A) —संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 मई को 'अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस' घोषित किया है।

कारण (R) —विश्व की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत बनाने में चाय की अहमियत को समझाना।

(*i*) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

(*ii*) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(*iii*) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(*iv*) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(ख) भारत में कुल्हड़ वाली चाय काफ़ी लोकप्रिय है क्योंकि— कथन के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए— 1

I. सौंधी खुशबू होती है।

II. लाजवाब स्वाद होता है।

III. बहुत महँगी होती है।

IV. आसानी से उपलब्ध है।

विकल्प—

(*i*) कथन I और II सही हैं।

(*ii*) कथन I, III और IV सही हैं।

(*iii*) केवल कथन III सही है।

(*iv*) कथन I, II और IV सही हैं।

(ग) नीचे दिए हुए कॉलम-1 को कॉलम-2 से सुमेलित कर सही विकल्प का चयन कीजिए— 1

कॉलम-1	कॉलम-2
I. विश्व में चाय का सबसे बड़ा उत्पादक देश	1. भारत
II. भारत में चाय का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य	2. चीन
III. विश्व में चाय का दूसरा बड़ा उत्पादक देश	3. असम

(*i*) (I) (1) (II) (2) (III) (3)

(*ii*) (I) (2) (II) (3) (III) (1)

(*iii*) (I) (3) (II) (1) (III) (2)

(*iv*) (I) (1) (II) (3) (III) (2).

(घ) चाय के उत्पादन और खपत बढ़ाने में 'अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस' की क्या भूमिका है ? 2

(ङ) चाय एक श्रम आधारित उद्योग है—कैसे? 2

उत्तर—(क) (*iii*) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(ख) (*i*) कथन (I) और (II) सही हैं।

(ग) (*ii*) (I) (2) (II) (3) (III) (1)

(घ) करोड़ों लोग चाय के व्यापार से जुड़े हुए हैं। उनके हितों की रक्षा और जागरूकता ज़रूरी है। इसी के चलते चायपत्ती की खपत और मांग बढ़ाने पर जोर डालने में 'अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस' की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

(ङ) चाय एक श्रम आधारित उद्योग है। अधिक मात्रा में श्रमिकों की आवश्यकता पड़ती है, बहुत सावधानी से चाय की पत्तियाँ एक-एक कर तोड़ी जाती हैं। श्रमिकों को पूरे दिन खड़े रहना पड़ता है, यह श्रमसाध्य कार्य है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 7

अर्जुन! देखो, किस तरह कर्ण सारी सेना पर टूट रहा,
किस तरह पांडवों का पौरुष होकर अशंक वह लूट रहा,
देखो जिस तरफ़, उधर उसके ही बाण दिखायी पड़ते हैं,
बस, जिधर सुनो, केवल उसके हुंकार सुनायी पड़ते हैं।
कैसी करालता! क्या लाघव! कितना पौरुष! कैसा प्रहार!
किस गौरव से यह वीर द्विरद कर रहा समर-वन में विहार!
व्यूहों पर व्यूह फटे जाते, संग्राम उजड़ता जाता है,
ऐसी तो नहीं कमल वन में भी कुंजर धूम मचाता है।
इस पुरुष-सिंह का समर देख मेरे तो हुए निहाल नयन,
कुछ बुरा न मानो, कहता हूँ, मैं आज एक चिर-गूढ़ वचन।
कर्ण के साथ तेरा बल भी मैं खूब जानता आया हूँ,
मन-ही-मन तुझसे बड़ा वीर, पर इसे मानता आया हूँ।
'औ' देख चरम वीरता आज तो यही सोचता हूँ मन में,
है भी कोई, जो जीत सके, इस अतुल धनुर्धर को रण में ?

—रामधारी सिंह दिनकर (रश्मिरथी सप्तम सर्ग भाग-3)

(क) इस काव्यांश में कौन किसकी प्रशंसा कर रहा है ? 1

(*i*) कृष्ण अर्जुन की।

(*ii*) कृष्ण कर्ण की

(*iii*) कर्ण कृष्ण की।

(*iv*) अर्जुन कर्ण की।

(ख) कवि ने कर्ण के युद्ध-कौशल की प्रशंसा में क्या कहा है ? उचित विकल्प का चयन कीजिए— 1

I. पांडव सेना के पुरुषार्थ को चुनौती दे रहा था।

II. पांडव सेना ने उसे चारों ओर से घेर लिया था।

III. समर क्षेत्र में केवल उसके बाण दिखाई दे रहे थे।

IV. समर क्षेत्र में केवल उसकी हुंकार सुनाई दे रही थी।

विकल्प—

(*i*) कथन I और II सही हैं।

(*ii*) कथन I, II और IV सही हैं।

(*iii*) केवल कथन III सही है।

(*iv*) कथन I, II और IV सही हैं।

(ग) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए : 1

कथन (A) : कर्ण की गर्जना से पांडव सेना में भगदड़ मच गई।

कारण (R) : कर्ण ने पांडवों की सेना पर भीषण आक्रमण कर दिया था।

(*i*) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

(*ii*) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(*iii*) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(*iv*) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(घ) श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कौन-सा गूढ़ वचन बताया ? 2

(ङ) कर्ण के युद्ध-कौशल को देखकर कृष्ण उसके बारे में क्या सोच रहे थे ? 2

उत्तर—(क) (*ii*) कृष्ण कर्ण की।

(ख) (*iv*) कथन (I), (II) और (IV) सही हैं।

(ग) (*iii*) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) श्रीकृष्ण ने अर्जुन से यह गूढ़ वचन बताया कि वह अर्जुन तथा कर्ण दोनों की वीरता को जानते हैं। वे दोनों के बल से परिचित हैं परन्तु मन-ही-मन वे कर्ण को अर्जुन से भी बड़ा वीर मानते रहे हैं।

(ङ) कृष्ण सोच रहे थे कि संसार में क्या कोई और ऐसा वीर है जो कर्ण की बराबरी कर सके? उसे युद्ध में पराजित कर सके?

© HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

खंड—ख (अंक : 16)

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 4 × 1 = 4

(क) हालदार साहब चौराहे पर रुकते थे और मूर्ति को देखते थे। (सरल वाक्य में बदलिए) 1

(ख) जब जाड़ा आता तब बालगोबिन भगत एक काली कमली ऊपर से ओढ़े रहते। (संयुक्त वाक्य में बदलिए) 1

(ग) रीड नरकट से बनाई जाती है जो डुमराँव में मुख्यत: सोन नदी के किनारों पर पाई जाती है।

(आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए) 1

(घ) खीरे के स्वाद के आनंद में नवाब साहब की पलकें मुँद गईं। (मिश्र वाक्य में बदलिए) 1

(ङ) काशी आज भी संगीत के स्वर पर जगती है और उसी की थापों पर सोती है।

(रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद लिखिए) 1

उत्तर—(क) हालदार साहब चौराहे पर रुककर मूर्ति को देखते थे।

(ख) जाड़ा आता और बालगोबिन भगत एक काली कमली ऊपर से ओढ़े रहते।

(ग) आश्रित उपवाक्य—जो डुमराँव में मुख्यत: सोन नदी के किनारों पर पाई जाती है।

आश्रित उपवाक्य का भेद- विशेषण आश्रित उपवाक्य।

(घ) जैसे ही नवाब साहब ने खीरे का आनंद लिया वैसे ही उनकी पलकें मुँद गईं।

(ङ) संयुक्त वाक्य ।

प्रश्न 4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 4 × 1 = 4

(क) वह गिने-चुने फ्रेमों को नेताजी की मूर्ति पर फिट कर देता है। (कर्मवाच्य में बदलिए)1

(ख) नवाब साहिब द्वारा जेब से चाकू निकाला गया और खीरे छिलने शुरू कर दिए गए। (कर्तृवाच्य में बदलिए) 1

(ग) बिना सहारे दादाजी अब चल नहीं पाते हैं।

(भाववाच्य में बदलिए) 1

(घ) स्वयं प्रकाश जी ने 'नेताजी का चश्मा' कहानी की रचना की। (वाच्य पहचानकर भेद बताइए) 1

(ङ) कर्म की प्रधानता वाले वाक्य में कौन-सा वाच्य होता है ? 1

उत्तर—(क) उसके द्वारा गिने-चुने फ्रेम नेताजी की मूर्ति पर फिट कर दिए जाते हैं।

(ख) नवाब साहब ने जेब से चाकू निकाला और खीरे छिलने शुरू कर दिए।

(ग) बिना सहारे दादा जी से अब चला नहीं जाता है।

(घ) कर्तृवाच्य

(ङ) कर्मवाच्य

प्रश्न 5. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) पानवाला नया पान खा रहा था। 1

(ख) वक्त काटने के लिए खीरे खरीदे होंगे। 1

(ग) विद्यालय के साथ ही एक डाकघर है। 1

(घ) वाह! भई खूब! क्या आइडिया है। 1

(ङ) वे बहुत कोमल और संवेदनशील व्यक्ति थे। 1

उत्तर—(क) नया-विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'पान' विशेष्य।

(ख) खरीदे होंगे-क्रिया, सकर्मक, पुल्लिंग, बहुवचन, भूतकाल।

(ग) के साथ-संबंधबोधक अव्यय, घर और डाकखाने के बीच संबंध दर्शा रहा है।

(घ) वाह! -विस्मयादिबोधक अव्यय, प्रशंसासूचक।

(ङ) वे-सर्वनाम, अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, आदरार्थक बहुवचन, कर्ता कारक।

प्रश्न 6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों की रेखांकित काव्य पंक्तियों में अलंकार पहचान कर लिखिए। 4 × 1 = 4

(क) सहस्त्रबाहु सम सो रिपु मोरा। 1

(ख) छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। 1

(ग) बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की। 1

(घ) तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा। बार-बार मोहि लागि बोलावा। 1

(ङ) बढ़त देखि जल सम वचन बोले रघुकुलभानु। 1

उत्तर—(क) उपमा अलंकार

(ख) अतिशयोक्ति अलंकार

(ग) मानवीकरण अलंकार

(घ) उत्प्रेक्षा अलंकार

(ङ) रूपक अलंकार

खंड—ग (अंक : 30)

(पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक)

प्रश्न 7. निम्नलिखित *पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों* के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए — 5 × 1 = 5

काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्भुत परंपरा है। यह आयोजन पिछले कई बरसों से संकटमोचन मंदिर में होता आया है। यह मंदिर शहर के दक्षिण में लंका पर स्थित है व हनुमान जयंती के अवसर पर यहाँ पाँच दिनों तक शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय गायन-वादन की उत्कृष्ट सभा होती है। इसमें बिस्मिल्ला खाँ अवश्य रहते हैं। अपने मज़हब के प्रति अत्यधिक समर्पित उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ की श्रद्धा काशी विश्वनाथ जी के प्रति भी अपार है। वे जब भी काशी से बाहर रहते हैं तब विश्वनाथ व बालाजी मंदिर की दिशा की ओर मुँह करके बैठते हैं, थोड़ी देर ही सही, मगर उसी ओर शहनाई का प्याला घुमा दिया जाता है और भीतर की आस्था रीड के माध्यम से बजती है।

(क) काशी के संकटमोचन मंदिर में आयोजित संगीत आयोजन की विशेषता है—

कथन के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए— 1

(I) यह आयोजन हनुमान जयंती के अवसर पर होता है।

(II) यह आयोजन पाँच दिनों तक चलता है।

(III) यह प्राचीन संस्कृति है।

(IV) शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय गायन-वादन होता है।

विकल्प—

(*i*) कथन I और II सही हैं।

(*ii*) कथन I, III और IV सही हैं।

(*iii*) केवल कथन III सही है।

(*iv*) कथन I, II और IV सही हैं।

(ख) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए : 1

कथन (A) : बिस्मिल्ला खाँ मिली-जुली संस्कृति के प्रतीक थे।

कारण (R) : अपने मजहब के प्रति अत्यधिक समर्पित उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ की श्रद्धा काशी विश्वनाथ जी के प्रति भी अपार थी।

(*i*) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

(*ii*) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(*iii*) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(*iv*) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(ग) काशी से बाहर के कार्यक्रमों में बिस्मिल्ला खाँ किनके प्रति अपनी आस्था प्रकट करते थे ? 1

(*i*) काशी विश्वनाथ के प्रति

(*ii*) काशी विश्वनाथ और बालाजी के प्रति

(*iii*) अपने माता-पिता के प्रति

(*iv*) अपने गुरु के प्रति

(घ) काशी की अद्भुत और प्राचीन परंपरा कौन-सी है ? 1

(*i*) संगीत आयोजन की

(*ii*) पर्वों के आयोजन की

(*iii*) गंगा-मेले के आयोजन की

(*iv*) पशु-मेले के आयोजन की

(ङ) इस गद्यांश का मूल भाव क्या है ? उचित विकल्प का चयन कीजिए— 1

(*i*) काशी की सांस्कृतिक परंपरा को दर्शाना।

(*ii*) बिस्मिल्ला खाँ के सांप्रदायिक सद्भाव को दर्शाना।

(*iii*) बिस्मिल्ला खाँ की संगीत के प्रति आसक्ति को दर्शाना।

(*iv*) बिस्मिल्ला खाँ के काशी के प्रति प्रेम को दर्शाना।

विकल्प—

(*i*) कथन I और II सही हैं।

(*ii*) कथन I, III और IV सही हैं।

(*iii*) केवल कथन III सही है।

(*iv*) कथन I, II और IV सही हैं।

उत्तर—(क) (*iv*) कथन, (I), (II) और (IV) सही हैं।

(ख) (*iii*) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(ग) (*ii*) काशी विश्वनाथ और बालाजी के प्रति

(घ) (*i*) संगीत आयोजन की

(ङ) (*i*) कथन (I) और (II) सही हैं।

प्रश्न 8. निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित *चार* प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए। 3 × 2 = 6

(क) कैप्टन के प्रति पानवाले ने क्या व्यंग्यात्मक टिप्पणी की थी ? इस व्यंग्यात्मक टिप्पणी पर आप अपनी प्रतिक्रिया लिखिए। 2

(ख) बालगोबिन भगत ने महिलाओं की सामाजिक स्थिति सुधारने के लिए क्या किया ? 2

(ग) लेखिका मन्नू भंडारी को साधारण से असाधारण बनाने में उनकी प्राध्यापिका 'शीला अग्रवाल' की भूमिका पर प्रकाश डालिए। 2

(घ) 'आज का भौतिक विज्ञान का विद्यार्थी न्यूटन के समान सुसंस्कृत नहीं है।' 'संस्कृति' पाठ के आधार पर स्पष्ट करें कि लेखक ने ऐसा क्यों कहा ? 2

उत्तर—(क) कैप्टन के प्रति पानवाले ने टिप्पणी की थी 'वो लँगड़ा क्या जाएगा फ़ौज में। पागल है पागल!

पानवाले द्वारा कैप्टन के ऊपर की गई यह टिप्पणी नैतिकता से हटकर उनकी शारीरिक दुर्बलताओं का मज़ाक उड़ाती है। कैप्टन जैसे देशभक्त व्यक्ति के प्रति ऐसा व्यंग्यात्मक कथन निंदनीय है तथा उनकी देशभक्ति का उपहास करता है जो देशभक्त को पागल तथा उसकी देशभक्ति को पागलपन बताता है। वह हर उस व्यक्ति को दुखी करता है, जो इस देश को सब कुछ समझता है। वास्तव में ऐसा देशभक्त श्रद्धा एवं सम्मान का पात्र होता है।

(ख) बालगोबिन भगत ने महिलाओं की सामाजिक स्थिति सुधारने के लिए दो कार्य किए—

(*i*) भगत जी ने अपने मृतक पुत्र की चिता को अग्नि अपनी पतोहू से दिलवाकर इस प्रचलित सामाजिक मान्यता का खंडन किया है कि स्त्रियाँ श्मशान घाट में नहीं जा सकतीं और न ही वे अपने किसी संबंधी की चिता को अग्नि दे सकती हैं।

(*ii*) विधवा विवाह का समर्थन कर अपनी पतोहू का पुनर्विवाह करवाने का निर्णय लिया।

(ग) हिंदी की प्राध्यापिका शीला अग्रवाल ने अपनी जोशीली बातों से लेखिका के मन में अंकुरित देशप्रेम की भावना को विशाल वृक्ष का रूप देने में सहायता की। उन्होंने लेखिका को कुछ भी पढ़ने की बजाए, केवल चुनकर पढ़ने की सीख दी। उन्होंने ही लेखिका का साहित्य की अच्छी पुस्तकों से परिचय करवाया तथा उन्हें साहसी और आत्मविश्वासी बनाया।

(घ) न्यूटन को संस्कृत मानव इसलिए कहा जाता है, क्योंकि उसने अपनी योग्यता, प्रवृत्ति एवं प्रेरणा के बल पर जनकल्याण के लिए गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार किया था। उसकी यह खोज मौलिक खोज थी। इस खोज के पीछे उसका अपना कोई स्वार्थ नहीं था। उसने यह कार्य कल्याण की भावना से किया था। आज कई लोग न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत के अतिरिक्त भौतिक विज्ञान से संबंधित उन अनेक बातों को भी जानते हैं, जो न्यूटन को पता नहीं थीं। इस पर भी इन लोगों को न्यूटन के समान संस्कृत व्यक्ति इसलिए नहीं कह सकते, क्योंकि इन लोगों ने स्वयं कोई आविष्कार नहीं किया है। ये लोग अन्य व्यक्तियों द्वारा की गई खोजों से ही ज्ञान प्राप्त करते हैं। उन्हें सभ्य तो कहा जा सकता है। न्यूटन की तरह संस्कृत व्यक्ति नहीं कहा जा सकता।

प्रश्न 9. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : (5 × 1 = 5)

ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।
प्रीति-नदी में पाऊँ न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।

(क) उपर्युक्त पद में वक्ता और श्रोता क्रमश: हैं : 1

(*i*) उद्धव—गोपियाँ

(*ii*) गोपियाँ—उद्धव

(*iii*) सूरदास—उद्धव

(*iv*) गोपियाँ—सूरदास।

(ख) 'पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी'—पंक्ति में किस स्थिति की ओर संकेत है ? सही विकल्प का चयन कीजिए— 1

(I) उद्धव के दुर्भाग्यशाली होने की ओर

(II) उद्धव के सौभाग्यशाली होने की ओर

(III) कृष्ण के प्रेम से प्रभावित होने की ओर

(IV) कृष्ण के प्रेम से अप्रभावित होने की ओर

विकल्प—

(*i*) कथन I सही है।

(*ii*) कथन I और II सही हैं।

(*iii*) केवल II और III सही हैं।

(*iv*) कथन I और IV सही हैं।

(ग) कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प चुनकर लिखिए : 1

कथन (A) —गोपियों ने व्यंग्य कसते हुए उद्धव को भाग्यशाली कहा है।

कारण (R) —कृष्ण के सान्निध्य में रहते हुए भी उद्धव के मन में कृष्ण के प्रति अनुराग उत्पन्न नहीं हुआ।

(*i*) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

(*ii*) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(*iii*) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(*iv*) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(घ) 'गुरु चाँटी ज्यौं पागी' पंक्ति में कौन किसका प्रतीक है ? 1

(*i*) गुर (गुड़) उद्धव का, चाँटी (चींटी) सूरदास का।

(*ii*) गुर (गुड़) उद्धव का, चाँटी (चींटी) श्रीकृष्ण का।

(*iii*) गुर (गुड़) श्रीकृष्ण का, चाँटी (चींटी) उद्धव का।

(*iv*) गुर (गुड़) श्रीकृष्ण का, चाँटी (चींटी) गोपियों का।

(ङ) उद्धव के व्यवहार की तुलना गोपियों ने किससे की है ? सही विकल्प का चयन कीजिए— 1

(I) जल में पड़े रहने वाले कमल के पत्ते से।

(II) जल में पड़ी रहने वाली तेल की गागर से।

(III) गुड़ से चिपकी रहने वाली चींटी से।

(IV) कृष्ण की प्रीति-नदी में पाँव डुबाने से।

विकल्प—

(*i*) कथन I सही है।

(*ii*) कथन I और II सही हैं।

(*iii*) केवल II और III सही हैं।

(*iv*) कथन I और IV सही हैं।

उत्तर—(क) (*ii*) गोपियाँ—उद्धव

(ख) (*iv*) कथन (I) और (IV) सही हैं।

(ग) (*iii*) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) (*iv*) गुर (गुड़) श्रीकृष्ण का, चाँटी (चींटी) गोपियों का।

(ङ) (*ii*) कथन (I) और (II) सही हैं।

प्रश्न 10. निर्धारित कविताओं के आधार पर आधारित निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए— (3 × 2 = 6)

(क) 'शक्ति और साहस' के साथ विनम्रता हो तो अच्छा प्रभाव पड़ता है' —इस कथन पर अपने विचार 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' पाठ के आलोक में लिखिए। 2

(ख) 'आत्मकथ्य' कविता के आधार पर उन तथ्यों का उल्लेख कीजिए जिनका उल्लेख कवि अपनी आत्मकथा में नहीं करना चाहता है? 2

(ग) 'चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य!' कवि ने स्वयं को 'चिर प्रवासी', 'इतर' और 'अन्य' क्यों कहा है ? 'यह दंतुरित मुस्कान' कविता के आधार पर लिखिए। 2

(घ) वर्तमान में संगतकार जैसे व्यक्तियों की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर—(क) शक्ति और साहस के साथ विनम्रता का होना आवश्यक है, क्योंकि विनम्रता के अभाव में शक्ति और साहस अनियंत्रित हो सकते हैं, जिसका परिणाम विनाशकारी होता है। जैसे परशुराम और लक्ष्मण दोनों में विनम्रता का अभाव था इसलिए दोनों को सभा के विरोध का सामना करना पड़ा। जबकि राम ने शक्ति और साहस के साथ-साथ अपने विनम्र स्वभाव के द्वारा विपरीत परिस्थिति को अपने अनुकूल कर लिया व सभा में सम्मान प्राप्त किया।

(ख) कवि आत्मकथा लिखने से इसलिए बचना चाहता है, क्योंकि उसे लगता है कि उसका जीवन सीधा-सादा साधारण-सा है। उसमें कुछ भी ऐसा नहीं, जिससे लोगों को किसी प्रकार की प्रसन्नता प्राप्त हो सके। उसका जीवन कष्टों व अभावों से भरा हुआ है, जिन्हें वह औरों के साथ बाँटना नहीं चाहता क्योंकि लोग दूसरों के दुखों का मज़ाक उड़ाते हैं। उसके जीवन में किसी के प्रति कोमल भाव अवश्य था, जो उसके निजी सुखद क्षण हैं। इसे वह किसी को बताना नहीं चाहता।

(ग) कवि अपनी घुमक्कड़ प्रवृत्ति के कारण प्रवासी जीवन व्यतीत करता है। अधिकांश समय घर से दूर रहने के कारण वे (कवि) अपने शिशु के लिए अपरिचित हैं। ऐसी स्थिति में शिशु के द्वारा न पहचाने जाने के कारण वे स्वयं को अन्य, इतर या अतिथि कह रहे हैं। ये भाव उनके अंतर्मन की पीड़ा और व्यथा को प्रदर्शित करता है।

(घ) सभी के जीवन में संगतकार जैसे व्यक्ति की बहुत उपयोगिता होती है। आज जो भी प्रतिभावान व्यक्ति है, उनकी सफलता के पीछे केवल उसकी ही मेहनत नहीं होती, बल्कि बहुत से लोगों की सहायता मिली होती है। वह अपनी सफलता इन्हीं संगतकारों के कारण बनाए रख सकता है। उदाहरण के लिए, गायक को सफल बनाने में सहायक गायकों, वाद्य यंत्रों को बजाने वालों, संगीत निर्देशकों आदि का योगदान रहता है। अत: संगतकार जैसे व्यक्ति के बिना किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल नहीं की जा सकती।

प्रश्न 11. पूरक पाठ्य पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए— (2 × 4 = 8)

(क) 'माता का अँचल' नामक पाठ में लेखक ने तत्कालीन समाज के पारिवारिक परिवेश का जो चित्रण किया है, उसे अपने शब्दों में लिखिए। 4

(ख) ऊँचाई की ओर बढ़ते जाने पर लेखिका को परिदृश्य में क्या अंतर नज़र आए ? 'साना-साना हाथ जोड़ि' यात्रा वृतांत के आधार पर लिखिए। 4

(ग) हिरोशिमा के बम विस्फोट में हुई क्षति को देखकर लेखक को कौन-सी घटना याद आई ? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लिखिए। 4

उत्तर—(क) 'माता का अँचल' पाठ में वर्णित कहानी तीस के दशक की ग्रामीण संस्कृति की है। जहाँ गाँव का जीवन साधारण, भाईचारा और आपसी प्रेम से बँधा हुआ दिखाई देता था। गाँव में मिट्टी के मकान, कुएँ, खेतों में बैलों से खेत जोतते किसान और पाठशाला में मास्टर जी दिखाई देते थे। भोलानाथ और उसके साथियों द्वारा खेलने की सामग्री धूल, मिट्टी के बरतन, कंकड़-पत्थर और कागज़ होते थे। हरे-भरे खेतों में गाय, बैल, बकरी चरते दिखाई देते थे। परिवार के सदस्यों में अपनत्व दिखाई देता था। गाँव के लोग प्रकृति के निकट थे और प्रकृति से प्रेम करते थे। खेल व मनोरंजन के साधन भी प्रकृति से जुड़े हुए सरल व सुलभ होते थे। संपूर्ण गाँव आत्मीयता के भाव से पूर्ण होता था।

(ख) लेखिका का यात्री दल यूमथांग जाने के लिए जीप द्वारा आगे बढ़ रहा था। जैसे-जैसे ऊँचाई बढ़ रही थी, वैसे-वैसे हिमालय का पल-पल बदलता वैभव और विराट रूप सामने आता जा रहा था। हिमालय विशालकाय होता जा रहा था। बाज़ार, लोग और बस्तियाँ कम होती जा रही थीं। घाटियों में बने घर ताश के बने घरों की तरह दिखाई दे रहे थे। आसमान में फैली घटाएँ गहराती हुई पाताल नापने लगी थीं। कहीं-कहीं किसी चमत्कार की तरह फूल मुसकराने लगे थे। सारा वातावरण अद्भुत शांति प्रदान कर रहा था। हिमालय कहीं चटक हरे रंग का मोटा कालीन ओढ़े प्रतीत हो रहा था और कहीं हलके पीले रंग का कालीन दिखाई दे रहा था। हिमालय का स्वरूप कहीं-कहीं पलस्तर उखड़ी दीवारों की तरह पथरीला लग रहा था। सब कुछ लेखिका को जादू की 'छाया' व 'माया' का खेल लग रहा था।

(ग) लेखक ने युद्ध के समय देखा कि भारत की पूर्वी सीमा पर सैनिक ब्रह्मपुत्र नदी में बम फेंककर हज़ारों मछलियाँ मार रहे थे। यद्यपि उन्हें कुछ ही मछलियों की आवश्यकता थी, किंतु वे इस प्रकार बम फेंककर हज़ारों जीवों को नष्ट कर रहे थे। यह देखकर ही लेखक ने अनुभव किया कि अणु-बम के द्वारा भी ऐसे ही असंख्य लोगों को व्यर्थ में ही मारा जा रहा है। हिरोशिमा पर गिराया गया अणु-बम इसका स्पष्ट उदाहरण है।

खंड—घ (अंक : 20)

(रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 12. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी *एक* विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए— (1 × 6 = 6)

(क) जल बचाओ, पृथ्वी बचाओ
- जल के बिना जीवन असंभव
- जल संरक्षण का महत्व
- जल संरक्षण के उपाय

(ख) जंक फूड और युवा पीढ़ी
- जंक फूड क्या है ?
- जंक फूड का बढ़ता चलन
- स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव।

(ग) समाचार पत्र के नियमित पठन का महत्व
- ज्ञान का भंडार
- पढ़ने की आदत का विकास
- जागरूकता।

उत्तर— (क) जल बचाओ, पृथ्वी बचाओ

जल के बिना धरती के किसी भी प्राणी का जीवन संभव नहीं है। हमारी धरती पर वैसे तो 70 प्रतिशत जल ही है। लेकिन मनुष्य के लिए पीने योग्य जल केवल दो प्रतिशत ही है जो कि हमें भूमिगत, नदियों, तालाबों और वर्षा के पानी से उपलब्ध होता है। बात सीधी-सी है कि पानी की कीमत को हम आज भी समझ नहीं पा रहे हैं। कहते हैं न पानी की असली कीमत तो वही आदमी बता सकता है जो रेगिस्तान की तपती धूप से निकलकर आया हो। संसार के दस व्यक्तियों में से दो को पीने के लिए शुद्ध पानी नहीं मिल पाता। पानी के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है जिससे लोगों को जागरूक किया जा सके और पानी की बरबादी को कम किया जा सके। हमें प्रकृति के संसाधनों को दूषित होने से बचाना है। संसार की बढ़ती हुई जनसंख्या और बढ़ते हुए औद्योगीकरण की वजह से पानी का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है। आज दुनियाभर के बहुत सारे देश जल की समस्या से पीड़ित हैं। जल-समस्या का मुख्य कारण जल की बढ़ती हुई माँग और जल का लगातार हो रहा दुरुपयोग है। हमने जल-संरक्षण का कोई समाधान नहीं ढूँढ़ा तो वह दिन दूर नहीं जब हम पानी की एक बूँद-बूँद के लिए तरसेंगे। अत: हमें जल-संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

(ख) जंक फूड और युवा पीढ़ी

बर्गर, पिज़्ज़ा, नूडल्स, फ्रेंच फ्राइस, कोल्ड ड्रिंक आदि ये सब अल्पाहार जंक फ़ूड कहलाते हैं। आधुनिक समय में हर वर्ग के लोग जंक फ़ूड के दीवाने दिखाई देते हैं। आज की युवा पीढ़ी फल व हरी सब्ज़ियों का सेवन न कर जंक फ़ूड को ही अपना पर्याप्त आहार समझने लगी है। समय के अभाव, सुविधाजनक व स्वादिष्ट होने के कारण युवा वर्ग जंक फ़ूड की ओर अधिक आकर्षित रहता है। जबकि यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इस फ़ूड में पौष्टिक तत्वों की कमी होने के कारण युवा वर्ग व बच्चे मोटापा, शुगर, हृदय रोग व उच्च रक्तचाप आदि बीमारियों का शिकार हो जाते हैं। जंक फ़ूड खाने में तो स्वादिष्ट होता है किंतु इसमें पोषक तत्त्वों की कमी होती है। तैलीय होने के कारण इसे पचने में काफी समय लगता है। पोषक तत्वों की कमी के कारण पेट तथा अन्य पाचन अंगों में खिंचाव रहता है। कब्ज़ व गैस की समस्या उत्पन्न हो जाती है। जंक फ़ूड का नियमित प्रयोग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। जीवन को भरपूर जीने व स्वस्थ रहने के लिए जंक फ़ूड से बचना चाहिए।

(ग) समाचार पत्र के नियमित पठन का महत्व

समाचार-पत्र जीवन की एक आवश्यकता बन गया है। वर्तमान काल में यदि संसार के किसी भी कोने में कोई भी घटना घटित होती है तो अगले दिन उसकी खबर समाचार-पत्रों में आ जाती है। समाचार-पत्र से हमें यह जानकारी मिलती है कि समाज, देश और विश्व में क्या चल रहा है। समाचार-पत्र विश्व के हरेक कोने से प्रत्येक विषय संबंधी जानकारी देता है। चाहे वह विज्ञान से संबंधित हो शिक्षा से, दवाइयों से, खेल-जगत से, व्यापार से या आधुनिक तकनीकों से। समाचार-पत्रों का नियमित पठन हमारी जिज्ञासा को शांत करने के साथ-साथ, हमारे बौद्धिक स्तर को समृद्ध करता है।

समाचार-पत्र वास्तव में ज्ञान का भंडार हैं। ये हमें देश-विदेश की घटित घटनाओं से परिचित कराते हैं। कम खर्च में अधिक विषयों की जानकारी हमें समाचार-पत्रों द्वारा ही उपलब्ध होती है। ये हमें नए शोधों, तकनीकों, बाज़ार के उतार-चढ़ाव और अन्य वस्तुओं के बारे में भी जानकारी देते हैं। समाचार-पत्र हमें देश-विदेश की भिन्न-भिन्न संस्कृतियों, परंपराओं, कलाओं से रू-ब-रू कराता है।

भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहाँ जनता का अपने देश पर शासन होता है और इसके लिए राजनीतिक गतिविधियों को जानना भी अति आवश्यक है। समाचार-पत्र इसका उत्तम माध्यम है। समाचार-पत्र का नियमित पठन नागरिकों को जागरूक बनाता है। यह देश के लोगों को नियमों, कानूनों और अधिकारों के बारे में ज़ागरूक करता है। समाचार-पत्र विद्यार्थियों में पढ़ने की स्वस्थ आदत का विकास करते हैं। हमारे बोलने और पढ़ने की क्षमता को बढ़ाते हैं तथा इसके साथ-साथ (हमारे शब्दकोश में भी) नए-नए शब्दों की जानकारी प्राप्त कर वृद्धि करते हैं।

प्रश्न 13. (क) आप अनुपमा/अनुपम हैं। आपके क्षेत्र को मुख्य सड़क से जोड़ने वाली सड़क पर लाइटें खराब हो गई हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है। इस ओर ध्यान आकर्षित कराते हुए सार्वजनिक लोक निर्माण विभाग को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। **1 × 5 = 5**

उत्तर—परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांक : 4 मार्च, 20XX
सेवा में
श्रीमान मुख्याधिकारी
लोक निर्माण विभाग
सोनीपत, हरियाणा

विषय—मुख्य सड़क से जोड़ने वाली सड़क पर खराब हो चुकी लाइटों के संबंध में।

माननीय महोदय,

मैं (अनुपम) आपका ध्यान सोनीपत से दिल्ली आने वाले मार्ग के एक किलोमीटर दूर बसे कलाँगाँव को जोड़ने वाली सड़क की ओर ले जाना चाहता हूँ।

इस गाँव को मुख्य सड़क से जोड़ने वाले मार्ग पर लगी लाइटों की दशा दयनीय हो चुकी है। इनमें से अधिकांश के बल्ब टूट गए हैं। इससे रात में आने-जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। अंधकार के कारण असामाजिक तत्व भी सक्रिय हो गए हैं। वे लोग अँधेरे का लाभ उठाकर लूट-पाट की वारदातों को लगातार अंज़ाम दे रहे हैं। इसके अतिरिक्त इस मार्ग पर रात्रि के समय कई वाहनों के टकराने से लोगों के जख्मी होने की कई घटनाएँ हो चुकी हैं।

अत: आपसे प्रार्थना है कि सड़क पर लगी इन लाइटों को अतिशीघ्र ठीक करवाने हेतु उचित कदम उठाने की कृपा करें।

सधन्यवाद
भवदीप
अनुपम

अथवा

(ख) आप अनुपमा/अनुपम हैं। आपने विद्यालय की भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। अपने दादा जी को विद्यालय की भाषण प्रतियोगिता की संपूर्ण जानकारी देते हुए लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

उत्तर—परीक्षा भवन
नई दिल्ली
तिथि .....
आदरणीय दादा जी
सादर प्रणाम!

मैं यहाँ कुशलतापूर्वक हूँ और आशा करता हूँ कि आप भी स्वस्थ और सकुशल होंगे। आपको यह जानकर अति प्रसन्नता होगी कि मैंने भाषण-प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। गत शनिवार हमारे विद्यालय में 'विज्ञापन की बढ़ती लोकप्रियता' विषय पर भाषण प्रतियोगिता थी। मुझे बहुत घबराहट हो रही थी। मुझे ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो मैं कुछ भी नहीं बोल पाऊँगा। किंतु जब मेरा नाम पुकारा गया तो मेरे सभी सहपाठियों ने तालियाँ बजाकर मेरा हौंसला बढ़ाया। मैंने बोलना शुरू किया तो धारा-प्रवाह बोलता ही चला गया। भाषण समाप्त होने पर सारा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा। प्रधानाचार्य व सभी अध्यापकों ने मेरी भूरि-भूरि प्रशंसा की।

दादा जी, यह सब आपके आशीर्वाद का ही परिणाम है कि मुझे भाषण-प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। मैं आगे भी आपके आशीर्वाद से सफलता प्राप्त करता रहूँगा।

दादी जी को मेरा प्रणाम।

आपका पोता
अनुपम

प्रश्न 14. (क) आप मेधावी/माधव हैं। आपने पत्रकारिता में अपना अध्ययन पूरा कर लिया है। किसी प्रसिद्ध दैनिक समाचार-पत्र में पत्रकार का पद रिक्त है। आप उक्त पद की योग्यता (पत्रकारिता में स्नातक) को धारण करते हैं। उक्त रिक्त पद हेतु समाचार-पत्र के प्रमुख को आवेदन भेजने के लिए लगभग 80 शब्दों में अपना एक स्ववृत तैयार कीजिए। **1 × 5 = 5**

उत्तर—सेवा में
संपादक
दैनिक भास्कर
पानीपत।

विषय—पत्रकार पद के लिए आवेदन।

महोदय

आज दिनांक 20 मार्च, ... को प्रकाशित दैनिक भास्कर से प्रकाशित विज्ञापन से ज्ञात हुआ है कि आपके कार्यालय को पत्रकार की आवश्यकता है। मैं इस पद के लिए अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ। मेरा स्ववृत्त इस आवेदन-पत्र के साथ संलग्न है। इसका अवलोकन करने पर आपको विश्वास होगा कि मैं इस पद के लिए पूर्णत: उपयुक्त उम्मीदवार हूँ। मैं आपके विज्ञापन में वर्णित सभी योग्यताओं को पूरा करता हूँ। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है—

नाम : माधव
पिता का नाम : श्री रमेश चंद
माता का नाम : श्रीमती समीरा
जन्मतिथि : 13-03 .....
वर्तमान पता : 72, विकास नगर, करनाल
स्थायी पता : 502, कर्णपुरी, दिल्ली
दूरभाष : 0184-2228180
मोबाइल नं० : 96184-82215
ई-मेल : 1980 madhav@yahoo.com

शैक्षणिक योग्यताएँ

क्र० सं०	परीक्षा/बोर्ड	विषय	श्रेणी	प्रतिशत
1.	दसवीं, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड	हिंदी, अंग्रेज़ी, गणित, साइंस, संस्कृत	प्रथम	70%
2.	बारहवीं, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड	हिंदी, अंग्रेज़ी, इतिहास, संस्कृत, गणित	प्रथम	71%
3.	स्नातक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय	हिंदी, अंग्रेज़ी, संस्कृत, गणित	प्रथम	72%
4.	मास कम्युनिकेशन कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय	पत्रकारिता	प्रथम	70%

अनुभव : भारत समाचार न्यूज एजेंसी, चंडीगढ़ में उपसंपादक के रूप में पाँच साल का अनुभव

रुचियाँ
- व्यंग्य लिखने में कुशलता
- उपन्यास लेखन में कुशलता
- बैडमिंटन व शतरंज में गहन रुचि
- विश्व की आठ भाषाओं का ज्ञान

इस योग्यता के साथ-साथ मैं कई वर्षों से स्वतंत्र लेखन से भी जुड़ा हुआ हूँ। मुझे पत्रकारिता में बेहद रुचि है। मैं आपको पूर्ण विश्वास दिलाता हूँ कि मैं अपना कार्य सत्यनिष्ठ एवं पूर्ण कर्तव्यपरायण से करूँगा।

आपसे अनुरोध है कि उपर्युक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए मेरे आवेदन-पत्र पर सकारात्मक विचार करते हुए मुझे पत्रकार पद पर नियुक्त करें।

सधन्यवाद।
भवदीय
माधव
(हस्ताक्षर)

अथवा

(ख) आप मेधावी/माधव हैं। ए०टी०एम० कार्ड न मिलने की सूचना देते हुए संबंधित बैंक शाखा प्रबंधक को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए।

उत्तर—

From : madhavi@gmail.com
To : ccare@sbico.in
CC : < .....>
BCC : < .....>
विषय—ए० टी० एम० (ATM) कार्ड के विषय में
सेवा में
बैंक प्रबंधक

सविनय निवेदन है कि मेरा नाम मेधावी है। मेरा आपके बैंक में खाता है। मेरा खाता नं० 206462XXXXX है। मैं पिछले चार वर्ष से आपके बैंक की खाताधारक हूँ। मैंने पिछले माह की 20 तारीख को ATM (ए. टी. एम) प्राप्त करने के लिए फार्म जमा करवाया था। लेकिन मुझे अभी तक ATM प्राप्त नहीं हुआ।

आपसे निवेदन है कि आप मुझे जल्द-से-जल्द ATM कार्ड देने की कृपा करें ताकि जिससे मुझे पैसे निकलवाने या जमा करवाने में कोई परेशानी न हो।

धन्यवाद
मेधावी
खाता नंबर : 2064XXXXXXX
पता : .....
मोबाइल नं० : 999XXXXXX

प्रश्न 15. (क) प्रदूषण से बचने के लिए पर्यावरण विभाग की ओर से जनहित में जारी एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए। **1 × 4 = 4**

उत्तर—

अथवा

(ख) आपके कक्षा अध्यापक को 'राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। उन्हें बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में संदेश लिखिए।

उत्तर—

बधाई संदेश

5 सितंबर, 20XX
नई दिल्ली
आदरणीय गुरुदेव

यह जानकर अति प्रसन्नता हुई कि आपको राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। आपने न केवल अपने विद्यालय का अपितु अपने राज्य का नाम भी रोशन किया है। इसके लिए आपको हार्दिक बधाई।

आपका शिष्य
क. ख. ग.

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

MODEL ANSWERS

(Sample Papers 1—11)

Holy Faith New Style Sample Paper–1

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं

विषय—हिंदी (अ)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश—

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(*i*) प्रश्न–पत्र चार खंडों में विभाजित किया गया है—क, ख, ग, घ।
(*ii*) **खंड-क** में प्रश्न अपठित गद्यांश व अपठित पद्यांश पर आधारित हैं।
(*iii*) **खंड–ख** में प्रश्न संख्या 3 से 6 तक प्रश्न हैं।
(*iv*) **खंड–ग** में प्रश्न संख्या 7 से 11 तक प्रश्न हैं।
(*v*) **खंड-घ** में प्रश्न संख्या 12 से 15 तक प्रश्न हैं।
(*vi*) यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
(*vii*) दो-दो अंक वाले, तीन अंक वाले, चार अंक वाले, पाँच अंक वाले व छः अंक वाले प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए सही विकल्प का ध्यान रखिए।

खंड—क

(बहुविकल्पी/लघूत्तरात्मक/अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प लिखिए :

(3 × 1 + 2 × 2) = 3 + 4 = 7

बहुत-से विद्वानों और चिंतकों ने इस बात को लेकर चिंता प्रकट की है कि भारतीय समाज आधुनिकता से बहुत दूर है और भारत के लोग अपने आप को आधुनिक बनाने की कोशिश भी नहीं कर रहे हैं। नैतिकता, सौंदर्यबोध और अध्यात्म के समान आधुनिकता कोई शाश्वत मूल्य नहीं है। वह कई चीज़ों का एक सम्मिलित नाम है। औद्योगीकरण आधुनिकता की पहचान है। साक्षरता का सर्वव्यापी प्रसार आधुनिकता की सूचना देता है। नगर-सभ्यता का प्राधान्य आधुनिकता का गुण है। सीधी-सादी अर्थव्यवस्था मध्यकालीनता का लक्षण है। आधुनिक देश वह है, जिसकी अर्थव्यवस्था जटिल और प्रसरणशील हो और जो 'टेक-ऑफ' की स्थिति को पार कर चुकी हो। आधुनिक समाज मुक्त और मध्यकालीन समाज बंद होता है। बंद समाज वह है जो अन्य समाजों से प्रभाव ग्रहण नहीं करता, जो अपने सदस्यों को भी धन या संस्कृति की दीर्घा में ऊपर उठने की खुली छूट नहीं देता, जो जाति-प्रथा और गोत्रवाद से पीड़ित है, जो अंधविश्वासी, गतानुगतिक और संकीर्ण है। आधुनिक समाज में उन्मुक्तता होती है। उस समाज के लोग अन्य समाजों के लोगों से मिलने-जुलने में नहीं घबराते, न वे उन्नति का मार्ग खास जातियों और खास गोत्रों के लिए सीमित रखते हैं। आधुनिक समाज सामरिक दृष्टि से भी बलवान समाज होता है। जो देश अपनी रक्षा के लिए भी लड़ने में असमर्थ है, उसे आधुनिक कहलाने का कोई अधिकार नहीं है। आधुनिक समाज के लोग आलसी और निकम्मे नहीं होते। आधुनिक समाज का एक लक्षण यह भी है कि उसकी हर आदमी के पीछे होने वाली आय अधिक होती है, उसके हर आदमी के पास कोई धंधा या काम होता है और अवकाश की शिकायत प्राय: हर एक को रहती है।

(i) गद्यांश के आधार पर सही तथ्य को चुनिए— 1
(क) आधुनिक समाज मुक्त तथा मध्यकालीन समाज खुला होता है।
(ख) आधुनिक समाज बंद तथा मध्यकालीन समाज मुक्त होता है।
(ग) आधुनिक समाज मुक्त तथा मध्यकालीन समाज बंद होता है।
(घ) आधुनिक समाज उन्मुक्त तथा मध्यकालीन समाज जड़ होता है।

उत्तर—(ग) आधुनिक समाज मुक्त तथा मध्यकालीन समाज बंद होता है।

(ii) शाश्वत मूल्यों में शामिल हैं— 1
(क) नैतिकता, सौंदर्यबोध और अध्यात्म
(ख) नैतिकता, सौंदर्यबोध और आधुनिकता
(ग) नैतिकता, अध्यात्म और आधुनिकता
(घ) सौंदर्यबोध, अध्यात्म और आधुनिकता।

उत्तर—(क) नैतिकता, सौंदर्यबोध और अध्यात्म।

(iii) आधुनिक समाज की विशिष्टताओं में शामिल हैं— 1
(*i*) उन्मुक्तता (*ii*) सामरिक बल
(*iii*) आलस्य

उपर्युक्त विकल्पों के आधार पर निम्नलिखित विकल्पों में सही विकल्प का चयन कीजिए—

(क) (*i*), (*ii*) और (*iii*) तीनों

(ख) (*i*) और (*iii*)

(ग) केवल (*iii*)

(घ) (*ii*) और (*i*).

उत्तर—(घ) (*ii*) और (*i*).

(iv) विद्वानों और चिंतकों ने किस बात के ऊपर चिंता व्यक्त की है ? **2**

उत्तर—विद्वानों और चिंतकों ने इस बात को लेकर चिंता व्यक्त की है कि भारतीय समाज से न सिर्फ आधुनिकता से दूर है बल्कि उसको लाने के प्रयास भी नहीं हो रहे।

(v) आधुनिक समाज कैसा होता है ? **2**

उत्तर—आधुनिक समाज उन्मुक्त होता है। इस समाज के लोग परिश्रमी होते हैं तथा ये अन्य समाजों के लोगों से मिलने-जुलने से भी नहीं घबराते। यह समाज सामरिक दृष्टि से भी बलवान समाज होता है।

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए : (3 × 1 + 2 × 2) = 3 + 4 = 7

सुनाता हूँ, मैंने भी देखा,
काले बादल में रहती चाँदी की रेखा।
काले बादल जाति-द्वेष के,
काले बादल विश्व क्लेश के,
काले बादल उठते पथ पर
नव स्वतंत्रता के प्रवेश के!
सुनता आया हूँ, है देखा,
काले बादल में हँसती चाँदी की रेखा।
आज दिशा है घोर अँधेरी
नभ में गरज रही रणभेरी,
चमक रही चपला क्षण-क्षण पर
झनक रही झिल्ली झन-झन कर,
नाच-नाच आँगन में गाते केकी-केका
काले बादल में लहरी चाँदी की रेखा!
काले बादल, काले बादल,
मन भय से हो उठता चंचल।
कौन हृदय में कहता पल-पल
मृत्यु आ रही साजे दल बल!
आग लग रही, घात चल रहे, विधि का लेखा!
काले बादल में छिपती चाँदी की रेखा!
मुझे मृत्यु की भीति नहीं है,
पर अनीति से प्रीति नहीं है,
यह मनुजोचित रीति नहीं है,
जन में प्रीति प्रतीति नहीं है!
देश जातियों का कब होगा,
नव मानवता में रे एका,
काले बादल में कल की
सोने की रेखा!

(i) 'काले बादल' और 'चाँदी की रेखा' किनका प्रतीक हैं ? इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए आगे दिए प्रतीकों को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए— **1**

(1) विपत्तियाँ (2) कालिमा
(3) आशा की किरण (4) बिजली
(क) (1, 2) (ख) (3, 4)
(ग) (1, 3) (घ) (2, 4)

उत्तर—(ग) (1, 3)

(ii) स्वतंत्रता प्राप्ति के मार्ग में किस प्रकार के बादल छाए हुए हैं ? नीचे दिए गए कारकों को पढ़कर इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कर लिखिए— **1**

(1) जाति द्वेष के (2) घनघोर घटाओं के
(3) परस्पर वैमनस्य के (4) वैश्विक अशांति के।
(क) (1, 2) (ख) (2, 3)
(ग) (3, 4) (घ) (1, 4)

उत्तर—(घ) (1, 4)

(iii) कैसे वातावरण में आशा की किरण छिप जाती है ? नीचे दिए कारकों को पढ़कर इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कर लिखिए— **1**

(1) जब तेज़ वर्षा हो
(2) जब मन निराशा से भयभीत हो
(3) जब षड्यंत्र रचे जा रहे हों
(4) जब बादल न छाए हों।
(क) (1, 2) (ख) (2, 3)
(ग) (3, 4) (घ) (1, 4)

उत्तर—(ख) (2, 3)

(iv) मोर-मोरनी द्वारा आँगन में नृत्य प्रस्तुत करने से क्या अभिप्राय है ? **2**

उत्तर—मोर-मोरनी द्वारा आँगन में नृत्य करना यह संदेश देता है कि निराशा के बादल छँटने लगे हैं और खुशियों ने दस्तक दे दी है।

(v) 'चाँदी की रेखा' को 'सोने की रेखा' में कब बदला जा सकता है ? **2**

उत्तर—देशों और जातियों की एकता होने पर चाँदी की रेखा को सोने की रेखा में बदला जा सकता है।

खंड—ख

3. 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के निर्देशानुसार सही उत्तर लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) 'सूर्योदय होते ही प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है।' (संयुक्त वाक्य में)

(ख) सरल वाक्य का एक उदाहरण लिखिए।

(ग) ''जो लोग पढ़ने के इच्छुक हैं, उन्हें यहाँ सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं।'' (सरल वाक्य में)

(घ) परिश्रमी व्यक्ति अवश्य सफल होता है। (मिश्र वाक्य में)

(ङ) ''उसकी दादी घर में आकर माँ से मिलकर चली गई।'' (मिश्र वाक्य में)

उत्तर—(क) सूर्योदय होता है और प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है।

(ख) सफलता साहसी के कदम चूमती है।

© HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

(ग) पढ़ने के इच्छुक लोगों को यहाँ सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं।
(घ) जो व्यक्ति परिश्रमी होता है, वह अवश्य सफल होता है।
(ङ) जैसे ही दादी घर में आई वैसे ही माँ से मिलकर चली गई।

4. निम्नलिखित वाक्य के पाँच रेखांकित पदों में से किन्हीं *चार* के पद-परिचय लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) नितिन कक्षा दसवीं में पढ़ता है।
(ख) माला पत्र लिखती है।
(ग) हम स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं।
(घ) आद्या धीरे-धीरे चलती है।
(ङ) कुछ लड़के बाहर खेल रहे हैं। कुछ खड़े हैं।

उत्तर—(क) दसवीं—विशेषण, संख्यावाचक, एकवचन।
(ख) माला—व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक
(ग) स्वतंत्रता—भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, संबंध कारक।
(घ) धीरे-धीरे—रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'चलती है' क्रिया का विशेषण।
(ङ) कुछ—अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, 'लड़के' विशेष्य, कुछ—अनिश्चयवाचक सर्वनाम।

5. 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) 'दादी जी पढ़ नहीं सकतीं।' (भाववाच्य में बदलिए)
(ख) आइए, नहाया जाए। (कर्तृवाच्य में बदलिए)
(ग) अवनि चाय बना रही है। (कर्मवाच्य में बदलिए)
(घ) माँ द्वारा बचपन में ही घोषित कर दिया गया था। (कर्तृवाच्य में बदलिए)
(ङ) घायल हंस उड़ न पाया। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर—(क) दादी जी से पढ़ा नहीं जा सकता।
(ख) आओ, नहाते हैं।
(ग) अवनि के द्वारा चाय बनाई जा रही है।
(घ) माँ ने बचपन में ही घोषित कर दिया था।
(ङ) घायल हंस से उड़ा नहीं जाता।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच में से किन्हीं *चार* निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) 'प्रातः नभ था बहुत नीला शंख जैसे।'
(ख) इस सोते संसार बीच जगकर सजकर रजनीबाले।
(ग) 'तुंग हिमालय के कंधों पर छोटी-बड़ी कई झीलें हैं।'
(घ) 'मैया मैं तो चंद्र-खिलौना लैहों।'
(ङ) हाय फूल-सी कोमल बच्ची, हुई राख की ढेरी थी।

उत्तर—(क) उत्प्रेक्षा अलंकार
(ख) मानवीकरण अलंकार
(ग) मानवीकरण अलंकार
(घ) रूपक अलंकार
(ङ) उपमा अलंकार।

खंड—ग

7. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5 × 1 = 5

मन की मन ही माँझ रही।
कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही।
अवधि अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही।
अब इन जोग सँदेसनि सुनि-सुनि विरहिनी बिरह दही।
चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तैं, उत तैं धार वही।
'सूरदास' अब धीर धरहिं क्यौं, मरजादा न लही।

(1) किसकी इच्छा मन में ही अधूरी रह गई ?
(क) श्रीकृष्ण की (ख) गोपियों की
(ग) उद्धव की (घ) सूरदास की।

(2) गोपियाँ किससे प्रेम करती हैं ?
(क) उद्धव से (ख) सुदामा से
(ग) श्रीकृष्ण से (घ) सूरदास से।

(3) किसने प्रेम की मर्यादा का उल्लंघन किया है ?
(क) गोपियों ने (ख) श्रीकृष्ण ने
(ग) उद्धव ने (घ) बलराम ने।

(4) उद्धव कृष्ण का कौन-सा संदेश लेकर आए थे ?
(क) प्रेम-संदेश (ख) अनुराग-संदेश
(ग) योग-संदेश (घ) इनमें से कोई नहीं।

(5) गोपियाँ तन-मन की व्यथा क्यों सहन कर रही थीं ?
(क) उद्धव से मिलने की आस में
(ख) राज-पाट पाने की आस में
(ग) बलराम से मिलने की आस में
(घ) श्रीकृष्ण से मिलने की आस में।

उत्तर—1. (ख), **2.** (ग), **3.** (ख), **4.** (ग), **5.** (घ)

8. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5 × 1 = 5

आषाढ़ की रिमझिम है। समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा है। कहीं हल चल रहे हैं, कहीं रोपनी हो रही है। धान के पानी-भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं। औरतें कलेवा लेकर मेंड़ पर बैठी हैं। आसमान बादल से घिरा; धूप का नाम नहीं। ठंडी पुरवाई चल रही है। ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर-तरंग झंकार-सी कर उठी। यह क्या है-यह कौन है! यह पूछना न पड़ेगा। बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेतों में रोपनी कर रहे हैं। उनकी अँगुली एक-एक धान के पौधे को, पंक्तिबद्ध, खेत में बिठा रही है। उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं, मेंड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाने लगती हैं, हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं, रोपनी करने वालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं! बालगोबिन भगत का यह संगीत है या जादू!

(1) किस महीने में समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा था ?
(क) ज्येष्ठ महीने में (ख) आषाढ़ महीने में
(ग) सावन महीने में (घ) भादों महीने में।

(2) बच्चे कहाँ उछल रहे थे ?
(क) पोखरों में
(ख) पानी के अटे धान के खेतों में
(ग) नदियों में (घ) नहरों में।

(3) कीचड़ में लिपटे बालगोबिन क्या कर रहे थे ?
(क) खेत में खुदाई कर रहे थे
(ख) धान की रोपाई कर रहे थे
(ग) गेहूँ की कटाई कर रहे थे
(घ) वृक्षों को पानी दे रहे थे।

HOLY FAITH INTERNATIONAL

(4) मेंड़ पर खड़ी औरतों के होंठ क्यों काँप उठते थे ?
(क) बालगोबिन का संगीत सुनकर
(ख) बच्चों का शोरगुल सुनकर
(ग) धानों की रोपाई देखकर
(घ) बादलों की गड़गड़ाहट सुनकर।

(5) रोपनी करने वालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम में क्यों चलती थीं ?
(क) बारिश की झड़ी के कारण
(ख) संगीत के जादू के कारण
(ग) वायु वेग के कारण
(घ) धानों की हरीतिमा को देखकर।

उत्तर—1. (ख), **2.** (ख), **3.** (ख), **4.** (क), **5.** (ख)

9. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए : 3 × 2 = 6

(क) नागार्जुन की कविता के आधार पर 'फ़सल' के किन्हीं दो रूपों को अपने शब्दों में समझाइए।

उत्तर—'फ़सल' कविता में कवि नागार्जुन ने फ़सल को एक जादू माना है। फ़सल एक नदी नहीं अनेक नदियों का योगदान होती है अर्थात् फ़सल जल के अभाव में न तो अपना अस्तित्व कायम रख सकती है और न ही लहलहा सकती है।

. फसल करोड़ों श्रमिकों व किसानों के हाथों के स्पर्श का जादू है अर्थात् फ़सल को उत्पन्न करने व विकसित करने में अनेक किसानों और मज़दूरों का परिश्रम लगता है। फ़सल सूर्य की किरणों का रूपांतरण व हवा की थिरकन से लहराती है।

(ख) 'छू गया तुमसे कि झरने लगे शेफालिका के फूल' उक्त पंक्ति का आशय नागार्जुन की कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—शिशु का गात (शरीर) इतना कोमल होता है कि उसका स्पर्श कवि की कठोरता को पिघला देता है। बच्चे की मर्मस्पर्शी काया बबूल या बाँस जैसे ठूँठ से भी शेफालिका के फूल झड़वा दे। शेफालिका को पारिजात भी कहते हैं। यह सफ़ेद रंग का कोमल खुशबू देने वाला फूल है। यहाँ कवि ने स्वयं को बबूल और बाँस की उपमा दी है तथा शिशु को शेफालिका के फूल की।

(ग) कवि की व्यथा मौन होकर क्यों सोई है, कवि उसे जगाना क्यों नहीं चाहता ?

उत्तर—कवि अपनी जीवन-गाथा किसी को सुनाना नहीं चाहता। उनकी कथा-वेदना युक्त है, नीरस है। वे अपनी इस आत्मकथा को सुनाकर लोगों के उपहास का पात्र नहीं बनना चाहते। वे अपनी व्यथा को मौन रखना चाहते हैं। उनका कहना है कि उनके जीवन की घटनाओं को कहानी के रूप में कहने का अभी समय नहीं आया है।

(घ) गोपियों द्वारा उद्धव को भाग्यवान कहने में क्या व्यंग्य निहित है ?

उत्तर—गोपियाँ उद्धव से व्यंग्य करते हुए कहती हैं कि तुम्हारे भाग्य की यह कैसी विडंबना है कि श्रीकृष्ण के पास होते हुए भी तुम उनके प्रेम से अछूते रह गए। श्रीकृष्ण के निकट रहकर भी उनके प्रति तुम्हारे मन में अनुराग उत्पन्न नहीं हुआ, तो तुमसे बढ़कर भाग्यवान कौन हो सकता है? इस कथन द्वारा गोपियाँ उन्हें भाग्यवान कहकर यह व्यंग्य कर रही हैं कि आपसे बढ़कर दुर्भाग्यशाली कोई नहीं हो सकता।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए : 3 × 2 = 6

(क) ''किंतु मालूम होता जैसे तागा टूट गया हो, माला का एक-एक दाना बिखरा हुआ।'' पंक्ति का आशय 'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर समझाते हुए बताइए कि गाँववालों को कैसे विदित हुआ कि अब भगत नहीं रहे।

उत्तर—बालगोबिन बूढ़े हो चुके थे, फिर भी प्रत्येक वर्ष की भाँति गंगा स्नान करने गए। उपवास के कारण तबीयत कुछ सुस्त हो गई। बुखार भी आने लगा। किंतु उन्होंने अपनी दिनचर्या नहीं छोड़ी। पहले की भाँति दो वक्त गीत-गायन, खेतीबारी आदि। लोगों ने आराम करने का सुझाव दिया परंतु वे नहीं माने। उस दिन संध्या के समय वे गीत गाए जा रहे थे लेकिन भोर के समय जब लोगों को उनके संगीत का स्वर सुनाई नहीं दिया तो उन्हें मालूम हुआ कि भगत अब इस दुनिया में नहीं रहे। उनकी मृत्यु के बाद उनका संगीत भी बिखर-सा गया था।

(ख) बच्चों द्वारा मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगाना क्या प्रदर्शित करता है ?

उत्तर—कैप्टन की मृत्यु के पश्चात् हालदार को ऐसा लगा कि अब नेताजी की मूर्ति चश्माविहीन ही रह जाएगी। किंतु जब उन्होंने मूर्ति पर सरकंडे से बना चश्मा लगा देखा तो वे भावुक हो गए। यह कार्य बच्चों ने किया था। बच्चों द्वारा मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगाना यह दिखलाता है कि बच्चों में भी देशभक्ति व देशप्रेम की भावना जागृत हो चुकी है। बच्चों के हृदय में भी अपने स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के प्रति आदर-भाव है और देश के निर्माण में वे भी अपने-अपने तरीके से योगदान देते हैं।

(ग) 'एक कहानी यह भी' की लेखिका ने अपनी माँ को 'व्यक्तित्वहीन' क्यों कहा है ?

उत्तर—लेखिका की माँ पढ़ी-लिखी नहीं थी। वह सुबह से लेकर शाम तक परिवार के सभी सदस्यों की इच्छाओं की पूर्ति में लगी रहती थी। लेखिका अपने पिता की आज्ञा का पालन करने के लिए सदा तैयार रहती थी। उनका अपना कोई स्वतंत्र व्यक्तित्व नहीं था। इसी कारण लेखिका ने अपनी माँ को व्यक्तित्वहीन कहा है।

(घ) 'संस्कृति' पाठ ने आग और सूई-धागे के आविष्कारों से क्या स्पष्ट किया है ?

उत्तर—मानव ने सूई-धागे का आविष्कार कपड़े सीने, शीतोष्ण से बचने के लिए, वस्त्र बनाने आदि के लिए किया होगा। शरीर को सजाने के लिए बनाए जाने वाले वस्त्रों के लिए भी सूई-धागे का आविष्कार हुआ होगा। रज़ाई, गद्दे, टेंट, परदा आदि बनाने के लिए भी सूई-धागे का ही उपयोग होता है। सूई-धागे के आविष्कार के पीछे मनुष्य की आवश्यकता ही रही होगी। अतः स्पष्ट है कि मनुष्य चिंतनशील प्राणी है। उसके मन में सदा कुछ-न-कुछ

जानने तथा करने की इच्छा बनी रहती है। मानव ने आग का आविष्कार कड़ी ठंड से स्वयं को बचाने, अंधकार को दूर करने, भोजन पकाने व जंगली जानवरों से स्वयं की रक्षा करने के लिए किया होगा।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए : 2 × 4 = 8

(क) एक संवेदनशील युवा नागरिक की हैसियत से विज्ञान का दुरुपयोग रोकने में आपकी क्या भूमिका है ?

उत्तर— आज विज्ञान का दुरुपयोग करके पॉलिथीन का उत्पादन हो रहा है। यह पॉलिथीन पर्यावरण के लिए अत्यंत हानिकारक है। इससे वातावरण प्रदूषित होने के साथ-साथ सभी जीवों का जीवन भी संकट में आ चुका है। इससे प्रभावित होकर कई पशु-पक्षी मर रहे हैं। अत: सबसे पहले हमें पॉलिथीन के उत्पादन पर रोक लगानी होगी। इसके साथ-साथ उत्पादन बढ़ाने के लिए अनेक प्रकार के रासायनिक पदार्थों का उपयोग हो रहा है। इनसे बहुत अधिक विष हमारे शरीर में जा रहा है। अत: इसके स्थान पर वही पुरानी गोबर खाद अथवा खाद का प्रयोग करके विज्ञान का दुरुपयोग रोका जा सकता है।

(ख) प्रकृति को संरक्षित रखने में आम नागरिक की भूमिका को 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— प्रकृति को संरक्षित रखने में आम नागरिक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। अपने शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाना हमारा कर्तव्य है। हम इस कार्य में अपना योगदान इस प्रकार दे सकते हैं कि हमें अधिक-से-अधिक पेड़ लगाने चाहिए और उनकी देखभाल करनी चाहिए। हमें सड़कों, गलियों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर कूड़ा-करकट नहीं फैलाना चाहिए। सार्वजनिक परिवहन प्रणाली का प्रयोग करना चाहिए। नदियों में कूड़ा नहीं फेंकना चाहिए। इसके अलावा दैनिक जीवन में जो वस्तुएँ हमें पर्यावरण को नुकसान न पहुँचाएं उनका प्रयोग करना चाहिए। हमें पर्यावरण संरक्षण का अभियान चलाकर आस-पास के लोगों को जागरूक करना चाहिए। इस प्रकार से हम पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति अपनी ज़िम्मेदारियों को सुनिश्चित कर सकते हैं।

(ग) भोलानाथ के पिता बच्चों के खेल में क्यों आ जाते थे ? उनके आने पर बच्चे खेल छोड़कर क्यों भाग खड़े होते थे ?

उत्तर— भोलानाथ के पिता को अपने पुत्र से बहुत स्नेह था। भोलानाथ भी अपना अधिकांश समय अपने पिता के साथ ही बिताता था। जब भोलानाथ अपने साथियों के साथ भिन्न-भिन्न तरह के रोचक खेल खेल रहा होता था, तब उसके पिता अचानक वहाँ प्रकट होकर खेल में शामिल हो जाते थे। अपने पुत्र और उसके साथियों के साथ खेलना उनका प्रेम दिखाने का एक माध्यम था। उनके आते ही बच्चे खेल छोड़कर इसलिए भाग खड़े होते थे, क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि उनकी बालकोचित दुनिया में कोई वयस्क प्रवेश करे। वे अपनी मौज-मस्ती और धमा-चौकड़ी मचाते हुए खेलना चाहते थे। अपने काल्पनिक खेल में भोलानाथ के पिता को देख वे शरमा जाते थे और खेल छोड़कर भाग जाते थे।

खंड—घ

रचनात्मक लेखन

12. दिए गए बिंदुओं के आधार पर किसी *एक* विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 6

(क) मधुर वचन हैं औषधि

संकेत बिंदु— •शांति देने वाले •उदाहरण (प्रकृति और आस-पास से) •भाईचारा और प्रेम •व्यक्तित्व में निखार।

(ख) देश पर पड़ता विदेशी प्रभाव

संकेत बिंदु— •अनेकता में एकता •स्वच्छंद आचरण •भारतीय संस्कृति।

(ग) साइबर युग, साइबर ठगी : सावधानियाँ एवं सुरक्षा उपाय

संकेत बिंदु— •बढ़ते ऑनलाइन कार्य •साइबर ठगी की बढ़ती घटनाएँ •सावधानियाँ •इससे बचने के उपाय।

उत्तर—(क) मधुर वचन हैं औषधि

संकेत बिंदु— •शांति देने वाले •उदाहरण (प्रकृति और आस-पास से) •भाईचारा और प्रेम •व्यक्तित्व में निखार।

वाणी ही मनुष्य का सर्वश्रेष्ठ अलंकार है। वाणी द्वारा ही मनुष्य अपने विचारों का आदान-प्रदान दूसरे व्यक्तियों से करता है। वाणी का मनुष्य के जीवन पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है। सुमधुर वाणी के प्रयोग से लोगों के साथ आत्मीय संबंध बन जाते हैं, जो व्यक्ति कर्कश वाणी का प्रयोग करते हैं, उनसे लोगों में कटुता की भावना उत्पन्न हो जाती है। जो लोग अपनी वाणी का मधुरता से प्रयोग करते हैं, उनकी सभी लोग प्रशंसा करते हैं। सभी लोग उनसे संबंध बनाने के इच्छुक रहते हैं। वाणी मनुष्य के चरित्र को भी स्पष्ट करने में सहायक होती है। जो व्यक्ति विनम्र और मधुर वाणी से लोगों के साथ व्यवहार करते हैं, उसके बारे में लोग यही समझते हैं कि इनमें सद्भावना विद्यमान है। मधुर वाणी मित्रों की संख्या में वृद्धि करती है। कोमल और मधुर वाणी से शत्रु के मन पर भी विजय प्राप्त की जा सकती है। वह भी अपने द्वेष और ईर्ष्या की भावना को त्याग करके मधुर संबंध बनाने का इच्छुक हो जाता है। यदि कोई अच्छी बात भी कठोर और कर्कश वाणी में कही जाए तो लोगों पर उसकी प्रतिक्रिया विपरीत होती है। लोग यही समझते हैं कि यह व्यक्ति अहंकारी है। इसलिए वाणी मनुष्य का सर्वश्रेष्ठ अलंकार है तथा उसे उसका सदुपयोग करना चाहिए। मधुर वचन औषधि के समान है जो बड़े-बड़े रोगों को कुछ पल में ठीक कर देती है।

(ख) देश पर पड़ता विदेशी प्रभाव

संकेत बिंदु— •अनेकता में एकता •स्वच्छंद आचरण •भारतीय संस्कृति।

हमारा भारत देश अपनी सांस्कृतिक विशेषताओं के लिए विश्व-भर में प्रसिद्ध है। भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन व समृद्ध संस्कृति है। अनेकता में एकता ही इसकी मूल पहचान है। अध्यात्म, सहिष्णुता, अहिंसा, धर्मनिरपेक्षता, परोपकार, मानव-सेवा आदि भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषताएँ हैं। किंतु आज की युवा पीढ़ी पर विदेशी संस्कृति का प्रभाव अधिक है। पाश्चात्य सभ्यता की चमक-दमक व स्वच्छंद आचरण युवा पीढ़ी को अपनी ओर अधिक आकर्षित करता है। आज की पीढ़ी अपने संस्कारों, रीति-रिवाज़ों व नैतिक मूल्यों को भुलाकर विदेशी रंग में रँगती जा रही है जिस कारण भारतीय युवाओं का चारित्रिक पतन होता दिखाई दे रहा है। जबकि विदेशी लोगों का रुझान भारतीय संस्कृति की ओर

देखा जा सकता है। कई विदेशी लोग भारतीय संस्कृति से इतने अधिक प्रभावित हैं कि वे अपने देश को छोड़कर सदा के लिए यहीं बस जाते हैं। विदेशी प्रभाव के कारण ही हमारे देश में संयुक्त-परिवार का स्थान एकल परिवार ने ले लिया है। अपनी संस्कृति को बनाए रखने के लिए हमें अपने बच्चों तथा युवा पीढ़ी को कहानियों, चित्रों व कलाकृतियों के माध्यम से इसकी विशेषताओं से समय-समय पर अवगत करवाना होगा तथा भारतीय संस्कृति की उपयोगिता से परिचित कराना होगा।

(ग) साइबर युग, साइबर ठगी : सावधानियाँ एवं सुरक्षा उपाय

संकेत बिंदु— •बढ़ते ऑनलाइन कार्य •साइबर ठगी की बढ़ती घटनाएँ •सावधानियाँ •इससे बचने के उपाय।

तकनीकी युग का एक महत्वपूर्ण पहलू साइबर युग है। यह बात बिल्कुल सही है कि यह आज हर आदमी की आवश्यकता बन गई है और अनेक जटिल कार्यों को इससे सरल बनाया गया है। कुछ ही वर्ष पूर्व जब किसी को पैसे भेजने का सबसे तीव्र साधन मनी-ऑर्डर था जिसमें कई दिन का समय लगता था और काफ़ी खर्चीला भी था लेकिन आज इंटरनेट के माध्यम से तत्काल पैसे भेजे या प्राप्त किए जा सकते हैं, इससे एक बड़ा परिवर्तन आया है न केवल मनुष्य का समय बचा है, आर्थिक क्षेत्र में प्रगति भी हुई है, नकद लेन-देन कम हुआ है जिससे पारदर्शिता भी आई है। परंतु हर काम के नकारात्मक पहलू अवश्य होते हैं। बढ़ते ऑनलाइन कार्यों के साथ ही साइबर ठगी भी बढ़ी है। अनेक तरीकों से लोगों की मेहनत की कमाई को सेकेंडों में साफ़ कर दिया जाता है। इस प्रकार की ठगी से बचने के लिए कुछ सावधानियाँ बरतनी बहुत आवश्यक हैं। अपना निजी डाटा किसी के भी साथ साझा न करें। यदि किसी भी प्रकार की ठगी होती है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। यद्यपि सरकार इन अपराधों को रोकने के लिए सजग दिखाई देती है, फिर भी हमें खुद ही जागरूक होना होगा तभी इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लग सकेगा।

13. आप मनस्वी मौर्य/मनस्विता मालवीय हैं। बरसात के दिनों में दुर्घटना को दावत देते खुले पड़े सीवर लाइन के मुख्य होलों के संदर्भ में दैनिक जागरण, अ०ब०स० नगर के संपादक को एक समाचार प्रकाशित करने का अनुरोध करते हुए लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। **5**

उत्तर— क०ख०ग० नगर
नई दिल्ली
दिनांक : XX/XX/20XX
संपादक
दैनिक जागरण
अ०ब०स० नगर

विषय— सीवर लाइन के खुले पड़े मुख्य होलों के संदर्भ में

महोदय/महोदया

मैं एक विद्यार्थी हूँ। मेरा नाम मनस्वी मौर्य है और आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र का नियमित पाठक हूँ। मैं बरसात के दिनों में दुर्घटना को दावत देते खुले पड़े सीवर लाइन के मुख्य होलों की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ।

बरसात का मौसम जहाँ चारों तरफ़ जल भराव हो रहा है वहीं सीवर लाइन के मुख्य होलों के ढक्कन खुले पड़े हैं जो कभी भी किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। इस संदर्भ में प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है। ऐसे में इस समस्या के निवारण में आपके सहयोग की आशा करता हूँ। यदि आप अपने समाचार-पत्र के माध्यम से इस समस्या को उठाएँगे तो प्रशासन का ध्यान इस ओर जाएगा और मुख्य होलों के ढक्कन बंद किए जा सकेंगे। अत: आपसे निवेदन है कि इस मुद्दे की गंभीरता को समझते हुए अपने समाचार-पत्र में प्रकाशित करने की कृपा करें। मैं आपका आभारी रहूँगा।

सधन्यवाद
भवदीय
मनस्वी मौर्य

अथवा

अपने पिता जी को पत्र द्वारा बताइए कि आपके विद्यालय में वार्षिक उत्सव किस प्रकार मनाया गया।

उत्तर— परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांक : 25 मार्च, 20XX

पूज्य पिता जी
सादर चरण-स्पर्श

आपका पत्र प्राप्त हुआ। घर में सभी सकुशल और सानंद हैं। वार्षिक उत्सव के कार्य में व्यस्त होने के कारण मैं समय से आपके पत्र का उत्तर न दे पाने के लिए क्षमा चाहता हूँ। 23 अक्तूबर को हमारे विद्यालय के प्राँगण में वार्षिकोत्सव मनाया गया। मुख्यातिथि के रूप में ज़िलाधीश महोदय को आमंत्रित किया गया था तथा उनकी उपस्थिति में यह उत्सव अत्यंत सफल और रोचक रहा। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात हमारे विद्यालय के प्रधानाचार्य महोदय ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए गत वर्ष की उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात प्राथमिक कक्षाओं के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिसे अभिभावकों, अध्यापकों व अतिथियों ने विशेष रूप से सराहा। इसके पश्चात सीनियर छात्र-छात्राओं द्वारा मूक अभिनय, लोकनृत्य प्रस्तुति तथा नाटक भी प्रस्तुत किया गया। आपको यह जानकर अति प्रसन्नता होगी कि मैंने भी लोकनृत्य में भाग लिया। इसके मध्य में जलपान का विशेष आयोजन किया गया था।

जलपान ग्रहण करने के पश्चात मुख्यातिथि के कर-कमलों द्वारा श्रेष्ठ विद्यार्थियों व अध्यापकों को सम्मानित किया गया। अंत में विद्यालय की ओर से सभी विद्यार्थियों को फल बाँटे गए तथा सबको एक पत्रिका भी दी गई। इस प्रकार विद्यालय का वार्षिक उत्सव सायं 4 बजे संपन्न हुआ।

शेष सब कुशल हैं। घर में माता जी को प्रणाम तथा सुधीर व मनीषा को प्यार।

आपका पुत्र
क०ख०ग०

14. आप तरुण वैश्य/तरुणा वैश्य हैं। आप बी०एड० कर चुके हैं। आपको विवेक इंटरनेशनल स्कूल, अ०ब०स० नगर में हिंदी अध्यापक/अध्यापिका पद के लिए आवेदन करना है। इसके लिए आप अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त (बायोडाटा) लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए। **5**

उत्तर— महोदय/महोदया,

मैंने दैनिक जागरण समाचार-पत्र में आपका विज्ञापन पढ़ा। आपको अध्यापक पद के लिए एक अध्यापक (हिंदी) की आवश्यकता है। अध्यापक पद के लिए मैं सभी वांछित शर्तें

पूरी करता हूँ और इस पद के लिए उपयुक्त हूँ, तथा आपके प्रतिष्ठित विद्यालय में काम करने का इच्छुक हूँ। मेरा संक्षिप्त स्ववृत्त निम्नलिखित है—

नाम	—	तरुण वैश्य
पिता का नाम	—	अरुण वैश्य
माता का नाम	—	सीमा वैश्य
जन्मतिथि	—	01-01-1998
राष्ट्रीयता	—	भारतीय
लिंग	—	पुरुष
ज्ञात-भाषाएँ	—	हिंदी, अंग्रेज़ी, उर्दू, संस्कृत

शैक्षणिक योग्यताएँ—

क्रम सं०	परीक्षा	उत्तीर्ण वर्ष	श्रेणी	संस्थान/विश्वविद्यालय
1.	बी०एड०	2022	प्रथम	दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली
2.	एम०ए०	2020	प्रथम	दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली
3.	बी०ए०	2018	प्रथम	दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली
4.	सीनियर सेकेंडरी	2015	प्रथम	सिटी पब्लिक स्कूल अ०ब०स० नगर
5.	हायर सेकेंडरी	2013	प्रथम	सिटी पब्लिक स्कूल अ०ब०स० नगर

अनुभव — 6 माह शिक्षण प्रशिक्षण अनुभव
स्थान — अ०ब०स०
दिनांक — 25-10-20XX
हस्ताक्षर

अथवा

आप रॉबर्ट पॉल/डॉली डिसूज़ा हैं। आपने अ०ब०स० प्रकाशन क०ख० नगर से ऑनलाइन कुछ पुस्तकें मँगवाई थीं। प्रकाशन द्वारा उनमें से दो पुस्तकें किसी अन्य लेखक की भेज दी गई हैं और एक पुस्तक के पहले कुछ पेज़ फटे हुए हैं। इसकी शिकायत करते हुए तथा इन पुस्तकों को शीघ्र लौटाने और नई पुस्तकें भिजवाने के लिए प्रकाशन के वरिष्ठ प्रबंधक को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए।

उत्तर— To : <.....>
CC : <.....>
BCC : <.....>
विषय—क्षतिग्रस्त पुस्तकें लौटाने के संदर्भ में
वरिष्ठ प्रबंधक

मैंने जो पुस्तकें आपके प्रकाशन से मँगाई थीं, वे मुझे प्राप्त हुईं, पैकिंग खोलने पर मुझे घोर निराशा हुई, उनमें से दो पुस्तकें किसी अन्य लेखक की भेज दी गई हैं तथा एक पुस्तक के पहले कुछ पृष्ठ फटे हुए हैं। मुझे लगता है कि पैकिंग करते समय उन्हें ठीक से जाँचा नहीं गया है।

अत: आपसे निवेदन है कि इन पुस्तकों को शीघ्र लौटाकर नई पुस्तकें भिजवाने का कष्ट करें। आपकी अति कृपा होगी।

सधन्यवाद
भवदीय
रॉबर्ट पॉल

15. आपके इलाके में एक पुस्तकालय की स्थापना हुई है। इस बात को जनसामान्य तक पहुँचाने के लिए लगभग 40 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **4**

अथवा

'कोरोना भगाओ, वैक्सीन लगवाओ' कोरोना मुक्त करने के लिए एक संदेश 40 शब्दों में लिखिए।

जन संदेश
जनहित में जारी संदेश

दिनांक : 10 जून, 20XX

कोरोना को मात मिली, देश जीता

- कोरोना से बचाव हेतु समय से वैक्सीन की दोनों खुराक लें।
- बूस्टर डोज़ लगवाना न भूलें।
- अनावश्यक रूप से यात्रा करने से बचें।
- फल व सब्ज़ियों का प्रयोग अच्छी तरह धोकर करें।
- इम्युनिटी बनाए रखें।

हम कामना करते हैं कि आप टीकाकरण करवाएँ, स्वस्थ रहें और सचेत रहें। महामारी से मुक्त रहें।

अध्यक्ष
क०ख०ग०

Holy Faith New Style Sample Paper–2

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं
विषय—हिंदी (अ)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश— इसके लिए Holy Faith New Style Sample Paper—1 देखें।

खंड—क

(बहुविकल्पी/लघूत्तरात्मक/अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए : (3 × 1 + 2 × 2) = 3 + 4 = 7

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार, बाल-श्रम को इस प्रकार परिभाषित किया गया है—''वह काम जो बच्चों को उनके बचपन, उनकी क्षमता और उनकी गरिमा से वंचित करता है और जो शारीरिक और मानसिक विकास के लिए हानिकारक है।''

एक सामाजिक बुराई के रूप में संदर्भित, भारत में बाल-श्रम एक अनिवार्य मुद्दा है जिससे देश वर्षों से निपट रहा है। लोगों का मानना है कि बाल-श्रम जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने का दायित्व सिर्फ़ सरकार का है। यदि सरकार चाहे तो कानून का पालन न करने वालों एवं कानून भंग करने वालों को सजा देकर बाल-श्रम को समाप्त कर सकती है, किंतु वास्तव में ये केवल सरकार की ज़िम्मेदारी नहीं है बल्कि इसे सभी सामाजिक संगठनों, मालिकों और अभिभावकों द्वारा भी समाधित करना चाहिए।

हमारे घरों में, ढाबों में, होटलों में, खानों, कारखानों में अनेक बाल-श्रमिक मिल जाएँगे, जो गरीबी और उच्च स्तर की बेरोज़गारी बाल श्रम का मुख्य कारण है। बाल-मज़दूरी इंसानियत के लिए अपराध है जो समाज के लिए श्राप बनती जा रही है तथा जो देश की वृद्धि और विकास में बाधक के रूप में बड़ा मुद्दा है। हमें सोचना होगा कि सभ्य समाज में यह अभिशाप क्यों मौजूद है ? जिस उम्र में बच्चों को सही शिक्षा मिलनी चाहिए, खेलकूद के माध्यम से अपने मस्तिष्क का विकास करना चाहिए उस उम्र में बच्चों से काम करवाने से बच्चों का शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और सामाजिक विकास रुक जाता है। शिक्षा का अधिकार मूल अधिकार होता है। शिक्षा से किसी भी बच्चे को वंचित रखना अपराध माना जाता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकारी स्तर से लेकर व्यक्तिगत स्तर तक सभी लोग इसके प्रति सजग रहें और बाल-श्रम के कारण बच्चों का बचपन न छिन जाए, इसके लिए कुछ सार्थक पहल करें। आम आदमी को भी बाल मज़दूरी के विषय में जागरूक होना चाहिए और अपने समाज में इसे होने से रोकना चाहिए। बाल-श्रम को खत्म करना केवल सरकार का कर्तव्य नहीं है हमारा भी कर्तव्य है कि हम इस अभियान में सरकार का पूरा साथ दें।

(i) बाल-श्रम जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिए लोगों की सोच कैसी है ? **1**

(1) बाल-श्रम समाप्त करना केवल सरकार का दायित्व है।

(2) बाल-श्रम को समाप्त करना केवल जनता का दायित्व है।

(3) बाल-श्रम को समाप्त करना केवल प्रशासन का दायित्व है।

(4) बाल-श्रम को समाप्त करना केवल समाजसेवी का दायित्व है।

विकल्प

(क) कथन (1) सही है।

(ख) कथन (1) व (2) सही हैं।

(ग) कथन (2) व (3) सही हैं।

(घ) कथन (3) व (4) सही हैं।

उत्तर— (क) कथन (1) सही है।

(ii) घरों में, ढाबों में, होटलों में, खानों, कारखानों में अनेक बाल-श्रमिकों को काम करता देखकर भी हम उदासीन क्यों बने रहते हैं ? **1**

(क) हम सिर्फ़ अपने बारे में ही सोचते हैं।

(ख) हम जागरूक बनना नहीं चाहते।

(ग) हम उनकी सहायता नहीं करना चाहते।

(घ) हम संवेदनाशून्य हो चुके हैं।

उत्तर— (घ) हम संवेदनाशून्य हो चुके हैं।

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए— **1**

कथन (A)— शिक्षा से किसी व्यक्ति को वंचित नहीं रखा जा सकता।

कारण (R)— शिक्षा प्राप्त करना व्यक्ति का मूल अधिकार है।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर— (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(iv) गद्यांश के आधार पर बताइए कि बाल-श्रम को रोकने के लिए सार्थक प्रयास क्यों किए जाने चाहिए ? **2**

उत्तर— सरकारी स्तर से लेकर व्यक्तिगत स्तर तक सभी लोगों को बाल-श्रम को रोकने के लिए सार्थक प्रयास करने चाहिए ताकि बाल-श्रम के कारण बच्चों का बचपन न छिन जाए।

© HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

(v) बाल-श्रम को परिभाषित कीजिए। **2**

उत्तर— वह काम जो बच्चों को उनके बचपन, उनकी क्षमता और उनकी गरिमा से वंचित करता है और जो शारीरिक और मानसिक विकास के लिए हानिकारक है, बाल श्रम कहलाता है।

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए :

(3 × 1 + 2 × 2) = 3 + 4 = 7

सच हम नहीं, सच तुम नहीं, सच है महज संघर्ष ही।
संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम
जो नत हुआ, वह मृत हुआ, ज्यों वृंत से झरकर कुसुम
जो पंथ भूल रुका नहीं,
जो हार देख झुका नहीं।
जिसने मरण को भी लिया हो जीत, है जीवन वही। सच हम नहीं...
ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे।
जो है जहाँ चुपचाप अपने आप से लड़ता रहे।
जो भी परिस्थितियाँ मिलें,
काँट चुभें, कलियाँ खिलें
टूटे नहीं इनसान, बस संदेश यौवन का यही। सच हम नहीं...
अपने हृदय का सत्य अपने आप हमको खोजना।
अपने नयन का नीर अपने आप हमको पोंछना।
आकाश सुख देगा नहीं,
धरती पसीजी है कहीं!
हर एक राही को भटककर ही दिशा मिलती रही। सच हम नहीं...

—जगदीश गुप्त

(i) 'आकाश सुख देगा नहीं, धरती पसीजी है कहीं....' का अर्थ है कि— **1**

(क) आकाश और धरती दोनों में संवेदनशीलता नहीं है।
(ख) ईश्वर उदार है, अत: वही सुख देता है, वही पसीजता है।
(ग) जुझारू बनकर स्वयं ही जीवन के दुख दूर किए जा सकते हैं।
(घ) सामूहिक प्रयत्नों से ही संकट की स्थिति से निकला जा सकता है।

उत्तर— (ग) जुझारू बनकर स्वयं ही जीवन के दुख दूर किए जा सकते हैं।

(ii) अपने-आप से लड़ने का अर्थ है— **1**

(क) अपनी अच्छाइयों व बुराइयों से भलीभाँति परिचित होना।
(ख) किसी मुद्दे पर दिल और दिमाग का अलग-अलग सोचना।
(ग) अपने किसी गलत निर्णय के लिए स्वयं को संतुष्ट कर लेना।
(घ) अपनी दुर्बलताओं की अनदेखी न करके उन्हें दृढ़ता से दूर करना।

उत्तर— (घ) अपनी दुर्बलताओं की अनदेखी न करके उन्हें दृढ़ता से दूर करना।

(iii) मरण अर्थात मृत्यु को जीतने का आशय है— **1**

(क) साधुता व साधना से अमरत्व प्राप्त करना।
(ख) योगाभ्यास व जिजीविषा से दीर्घायु हो जाना।
(ग) अर्थ, बल व दृढ़ इच्छाशक्ति से जीवन को कष्टमुक्त करना।
(घ) जीवन व जीवन के बाद भी आदर्श रूप में स्मरण किया जाना।

उत्तर— (घ) जीवन व जीवन के बाद भी आदर्श रूप में स्मरण किया जाना।

(iv) युवावस्था हमें क्या सिखाती है ? **2**

उत्तर— युवावस्था हमें स्वयं को चैतन्य, गतिशील, आत्म आलोचक व आशावादी बने रहना सीखाती है तथा प्रतिकूल परिस्थितियों के सामने घुटने न टेककर अपितु उससे दो-दो हाथ करने का हौंसला देती है।

(v) उपर्युक्त कविता का केंद्रीय भाव क्या है ? **2**

उत्तर— उपर्युक्त कविता का केंद्रीय भाव यह है कि हमें अपने लक्ष्य-संधान हेतु मार्ग में आने वाली मुसीबतों का स्वयं ही डटकर मुकाबला करना चाहिए। जीवन में अपने छाले, खुद सहलाने का दर्शन अपनाना चाहिए। प्रतिकूलता के विरुद्ध जूझते हुए आगे बढ़ना ही जीवन की सच्चाई है।

खंड—ख

3. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* के सही उत्तर लिखिए। निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए— 4 × 1 = 4

(क) 'सोहत ओढ़े पीत-पट स्याम सलोने गात।
मनो नीलमणि सैल पर आतप पर्‌यौ प्रभात।।'
(ख) 'उषा सुनहले तीर बरसती
जय लक्ष्मी-सी उदित हुई।'
(ग) 'पायो जी मैंने राम रत्न धन पायो।'
(घ) 'मखमल से झूले पड़े हाथी-सा टीला।'
(ङ) 'हिमकणों से पूर्ण मानो हो गए पंकज नए।'

उत्तर— (क) उत्प्रेक्षा अलंकार (ख) मानवीकरण अलंकार (ग) रूपक अलंकार (घ) उपमा अलंकार (ङ) उत्प्रेक्षा अलंकार।

4. 'पद-परिचय' पर आधारित निम्नलिखित वाक्य के पाँच रेखांकित पदों में से किन्हीं *चार* के सही पद-परिचय लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) 'चारों ओर छाई <u>हरियाली</u> मनमोहक लग रही थी।'
(ख) 'ड्राइवर ने <u>ज़ोर से</u> ब्रेक मारे।'
(ग) '<u>यह</u>' पुस्तक मैंने तब खरीदी थी, जब मैं पंद्रह वर्ष का था।'
(घ) 'हालदार साहब ने पान <u>खाया</u>।'
(ङ) <u>कुछ</u> लड़के बाहर खेल रहे हैं। चाय में <u>कुछ</u> पड़ा है।

उत्तर— (क) हरियाली — भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक।
(ख) ज़ोर-से—रीतिवाचक क्रियाविशेषण, विशेष्य-क्रिया-मारे।
(ग) यह—सार्वनामिक विशेषण, विशेष्य-पुस्तक।
(घ) खाया—सकर्मक क्रिया, कर्म-पान, सामान्य भूतकाल, कर्तृवाच्य।
(ङ) पहला कुछ—अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, विशेष्य लड़के
दूसरा कुछ—अनिश्चयवाचक सर्वनाम।

5. 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के सही उत्तर निर्देशानुसार लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) रवीना गज़ल नहीं गा पाती है। (कर्मवाच्य में)
(ख) चलो, अब घर चला जाए। (कर्तृवाच्य में)
(ग) दादी जी पढ़ नहीं सकतीं। (भाववाच्य में)
(घ) बिना सहारे बूढ़ी माँ से अब चला नहीं जाता है। (कर्तृवाच्य में)
(ङ) बालगोबिन भगत प्रभातियाँ गाते थे। (कर्मवाच्य में)

उत्तर—(क) रवीना के द्वारा गज़ल नहीं गाई जाती है।
(ख) चलो, अब घर चलें।
(ग) दादी जी से पढ़ा नहीं जा सकता।
(घ) बिना सहारे बूढ़ी माँ अब चल नहीं पाती हैं।
(ङ) बालगोबिन भगत के द्वारा प्रभातियाँ गाई जाती थीं।

6. 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) 'न तो तुम वहाँ जा सके, न ही मैं।' (सरल वाक्य में)
(ख) 'सूर्योदय होते ही प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है।' (संयुक्त वाक्य में)
(ग) 'आपके आवाज़ उठाने पर सभी आपके साथ खड़े हो जाएँगे।' (मिश्र वाक्य में)
(घ) मैंने उस व्यक्ति को देखा जो पीड़ा से कराह रहा था। (संयुक्त वाक्य में)
(ङ) वह कौन-सी पुस्तक है जो आपको बहुत पसंद है। (रेखांकित उपवाक्य के भेद लिखिए।)

उत्तर—(क) तुम और मैं दोनों वहाँ नहीं जा सके।
(ख) सूर्योदय होता है और प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है।
(ग) आप आवाज़ उठाएँगे तो सभी आपके साथ हो जाएँगे।
(घ) मैंने उस व्यक्ति को देखा और वह पीड़ा से कराह रहा था।
(ङ) प्रधान उपवाक्य।

खंड—ग

7. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5 × 1 = 5

तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात....
छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात
परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण।

(1) उपर्युक्त काव्यांश में कवि किसे संबोधित करते हुए कहता है ?
(क) पत्नी को (ख) छोटे बच्चे को
(ग) किशोरी बच्ची को (घ) माँ को।

(2) 'धूलि-धूसर' में कौन-सा अलंकार है ?
(क) अनुप्रास अलंकार
(ख) पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार
(ग) रूपक अलंकार
(घ) मानवीकरण अलंकार।

(3) कविता में किसकी मुसकान मृतक में भी जान डाल देती है ?
(क) शिशु की (ख) प्रेयसी की
(ग) माता की (घ) पिता की।

(4) बच्चे का शरीर किससे सना हुआ है ?
(क) पेंट से (ख) खून से
(ग) मिट्टी से (घ) कीचड़ से।

(5) 'झोंपड़ी में कमल खिलने' से कवि का क्या तात्पर्य है ?
(क) आनंदित न होना (ख) धन-संपदा आना
(ग) अत्यधिक आनंदित होना (घ) छत का होना।

उत्तर—1. (ख), **2.** (क), **3.** (क), **4.** (ग), **(5)** (ग)

8. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5 × 1 = 5

पिता के ठीक विपरीत थीं हमारी बेपढ़ी-लिखी माँ। धरती से कुछ ज़्यादा धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें। पिता जी की हर ज़्यादती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित-अनुचित फ़रमाइश और ज़िद को अपना फ़र्ज समझकर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थीं वे। उन्होंने ज़िंदगी भर अपने लिए कुछ माँगा नहीं, चाहा नहीं...केवल दिया ही दिया। हम भाई-बहनों का सारा लगाव (शायद सहानुभूति से उपजा) माँ के साथ था लेकिन निहायत असहाय मजबूरी में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका...न उनका त्याग न उनकी सहिष्णुता। खैर, जो भी हो, अब यह पैतृक-पुराण यहीं समाप्त कर अपने पर लौटती हूँ।

(1) निम्न में से कौन-सा कथन गलत है ?
(क) लेखिका के पिता पढ़े-लिखे थे।
(ख) लेखिका की माँ का धैर्य धरती से भी ज़्यादा था।
(ग) लेखिका त्याग की मूर्ति थी।
(घ) लेखिका की माँ अनपढ़ थी।

(2) माँ का त्याग लेखिका के लिए उसका आदर्श क्यों नहीं बन सका ?
(क) लेखिका को अपनी माँ का स्वभाव पसंद नहीं था।
(ख) लेखिका की माँ का त्याग और सहनशीलता मज़बूरी व परिस्थितियों की देन थी।
(ग) लेखिका की माँ अहंकारी थी।
(घ) लेखिका की माँ स्वार्थपरस्त थी।

(3) उपर्युक्त गद्यांश में लेखिका ने किसके विषय में चर्चा की है ?
(क) अपनी माँ के विषय में
(ख) अपनी बहन के विषय में
(ग) स्वयं के विषय में
(घ) अपनी सखी के विषय में।

(4) माँ सहज भाव से क्या स्वीकार करती थी ?
(क) पिता की हर ज़्यादती
(ख) बच्चों की हर उचित-अनुचित माँग
(ग) सबकी आज्ञा का पालन
(घ) ये सभी विकल्प सही हैं।

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

(5) गद्यांश में माँ की क्या विशेषताएँ बताई गई हैं ?

(क) सहनशील (ख) धैर्यवान

(ग) त्यागमयी (घ) ये सभी विकल्प।

उत्तर—1. (ग), **2.** (ख), **3.** (क), **4.** (घ), **5.** (घ)।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए : 3 × 2 = 6

(क) आत्मकथा लिखने के लिए किन गुणों की आवश्यकता होती है ? कवि के लिए यह कार्य कठिन क्यों था ? सोचकर लिखिए।

उत्तर— आत्मकथा लिखने के लिए व्यक्तित्व की विशालता के साथ-साथ सच्चाई, साहस और ईमानदारी की आवश्यकता होती है। लेखक के अंदर ये गुण तो थे, किंतु विनम्रता व महानता के कारण वे स्वयं के जीवन की आत्मकथा लिखने योग्य नहीं मानते थे, उन्हें लगता था कि अभी उन्होंने इतने बड़े कार्य नहीं किए हैं कि उनकी आत्मकथा में लोगों के लिए कुछ प्रेरणा हो।

(ख) कवि ने बादलों को मानव मन को सुख से भर देने वाला क्यों कहा है ?

उत्तर— कवि के अनुसार, बादल मानव-मन को सुख से भर देने का कार्य करते हैं। वर्षा के आगमन पर तपती धरती झूमने-गाने लगती है। पेड़-पौधे लहलहाने लगते हैं। भयंकर गरमी से बेचैन और उदास धरती पर रहने वाले जीव वर्षा के आगमन पर प्रसन्न और सुखी हो जाते हैं, इसलिए कवि ने बादलों को मानव मन को सुख से भर देने वाला कहा है।

(ग) 'छू गया तुमसे कि झरने लगे शेफालिका के फूल' उक्त पंक्ति का आशय नागार्जुन की कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— शिशु का गात (शरीर) इतना कोमल होता है कि उसका स्पर्श कवि की कठोरता को पिघला देता है। बच्चे की मर्मस्पर्शी काया ऐसी है कि वह बबूल या बाँस जैसे ठूँठ से भी शेफालिका के फूल झड़वा दे। शेफालिका को पारिजात भी कहते हैं। यह सफ़ेद रंग का कोमल खुशबू देने वाला फूल है। यहाँ कवि ने स्वयं को बबूल और बाँस की उपमा दी है तथा शिशु को शेफालिका के फूल की।

(घ) 'भृगुसुत' तथा 'गाधिसूनु' शब्द यहाँ किन-किन के लिए प्रयुक्त हुए हैं ? 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— परशुराम जमदग्नि के पुत्र और भृगु ऋषि के पौत्र थे। 'भृगुसुत' शब्द का प्रयोग परशुराम के लिए किया गया है। जब परशुराम फरसा दिखाते हुए अपने पराक्रम का स्वयं बखान कर लक्ष्मण को डराना चाहते हैं, तो लक्ष्मण उनसे कहते हैं कि मैंने तो आपको भृगुवंशी समझा था। आपको जनेऊ पहने हुए देखकर अपने क्रोध को दबा लिया। 'गाधिसूनु' शब्द यहाँ पर ऋषि विश्वामित्र के लिए आया है, क्योंकि वे ऋषि गाधि के पुत्र थे।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए : 3 × 2 = 6

(क) भारत रत्न बिस्मिल्ला खाँ पर 'सादा जीवन उच्च विचार' वाली कहावत चरितार्थ होती है, कैसे ?

उत्तर— भारत रत्न बिस्मिल्ला खाँ भारत रत्न मिलने के बाद भी फटी तहमद पहनते थे। उनका मानना था कि भारत रत्न तहमद पर नहीं बल्कि शहनाई पर मिला है। वे शारीरिक सौंदर्य पर ध्यान न देकर अपनी कला पर ध्यान देते थे। उनका कहना था कि अगर मैं बनाव-शृंगार पर ध्यान देता तो देखते ही उम्र बीत जाती और शहनाई भी नहीं बजा पाता। उनका कहना था फटी लुंगी तो सिल सकती है परंतु सुर फट जाए तो वह ठीक नहीं हो सकता। ये धर्म उसे मानते थे जो शांति प्रदान करने वाला हो। जीवन को सरल, सहज और सादगी से व्यतीत करना उन्हें अच्छे से आता है। वे जीवन की आवश्यकताओं को उतना बढ़ाते थे, जितनी वे पूरी कर लेते थे। वे अकेले रहकर शान और ठाठ से जीने से बेहतर अपनों के साथ खुशी-खुशी सीमित आवश्यकताओं के साथ जीना मानते थे।

(ख) लेखक के अनुसार जनकल्याण के क्या-क्या कार्य हो सकते हैं ?

उत्तर— लेखक के अनुसार जनकल्याण के कार्य हो सकते हैं—

(*i*) किसी भूखे को अपना खाना देना, रोगी बच्चे को सारी रात गोद में लेकर माता का बैठे रहना।

(*ii*) लेनिन का ब्रेड स्वयं न खाकर दूसरों को देना।

(*iii*) कार्ल मार्क्स का आजीवन मज़दूरों को सुखी देखने के लिए प्रयास करना।

(*iv*) सिद्धार्थ का मानवता के कल्याण के लिए सभी सुखों का त्याग करना आदि।

(ग) पाठ के आधार पर बालगोबिन भगत के गायन की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर— (*i*) बालगोबिन भगत कबीर के पदों को अपने मधुर कंठ से सजीव कर देते थे। जैसा नियम उनके बाकी कार्यों में था वैसा ही नियम उनके गायन में भी था।

(*ii*) सरदी हो या गरमी प्रत्येक मौसम या परिस्थिति में उनका संगीत चलता था।

(*iii*) कार्तिक से शुरू होने वाली प्रभातियाँ हों या भादों में अद्धरात्रि का गायन, लोगों को बिजली के समान चौंका देता था।

(*iv*) गरमियों की उमसभरी शाम में उनका गीत शीतलता प्रदान करने वाला था।

(*v*) लोग शाम को वहीं उनके आँगन में एकत्रित हो जाते और नृत्य-संगीत में खो जाते।

(*vi*) इस प्रकार उनका संगीत लोगों में ऊर्जा , उत्साह और आनंद भरने वाला था।

(घ) सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे ?

उत्तर— चश्मेवाला कभी सेनानी नहीं रहा, परंतु उसके अंदर देशभक्ति की भावना कूट-कूटकर भरी हुई थी। उसके मन में स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने वाले सेनानियों के प्रति सम्मान था। वह नेताजी सुभाषचंद्र का बहुत सम्मान करता था। नेताजी की चश्माविहीन प्रतिमा को देखकर वह आहत हो गया। वह चश्मे बेचता था। अत: नेताजी की चश्माविहीन प्रतिमा पर चश्मा लगाकर उनकी इस कमी को पूरा किया करता था। उसकी इस देशभक्ति की भावना को देखकर लोग उसे कैप्टन कहकर सम्मान देते थे।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए : 2 × 4 = 8

(क) 'माता का अँचल' पाठ में भोलानाथ का अपने माता-पिता से बहुत लगाव है। बचपन में हर बच्चा एक पल के लिए भी माता-पिता का साथ नहीं छोड़ना चाहता है, किंतु माता-पिता के बूढ़े हो जाने पर इनमें से ही कुछ उन्हें साथ न रखकर वृद्धाश्रम में पहुँचा देते हैं। ऐसे लोगों को आप किन शब्दों में समझाएँगे ? विचार करके लिखिए।

उत्तर— बढ़ती उपभोक्तावादी सोच, एकल परिवार को प्राथमिकता, वैयक्तिकता का प्रभावित होना, संवेदनशीलता में कमी आना आदि माता-पिता को दूर रखने के प्रमुख कारण हैं। ऐसे लोगों को भावात्मक रूप से समझाने की आवश्यकता है, उन्हें यह कहकर समझाया जा सकता है कि जैसा वे अपने माता-पिता के साथ कर रहे हैं, वैसा कल उनके साथ भी हो सकता है। वे वृद्धाश्रम भेजने से पूर्व माता-पिता के स्थान पर स्वयं को रखकर देखें। उन्हें यह समझाना होगा जब वे छोटे थे, तो माता-पिता ने उन्हें कितने प्यार से पाला-पोसा और उन्हें यहाँ तक पहुँचाया और अभी भी माता-पिता का स्नेह उनके लिए कम नहीं हुआ।

(ख) रचनाकार की भीतरी विवशता ही उसे लेखन के लिए मज़बूर करती है और लिखकर ही रचनाकार उससे मुक्त हो पाता है। 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर हिरोशिमा घटना से जोड़ते हुए इस कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर— भीतरी विवशता लेखन के लिए मज़बूर करती है, जो आंतरिक अनुभूति से उत्पन्न होती है। किसी घटना विशेष का अनुभव जब घनीभूत होता है, तब मन में संवेदनशीलता अकुलाती है और यही अकुलाहट अभिव्यक्ति का आधार बनती है। अनुभव, आंतरिक अनुभूति, विवशता, संवेदना के बाद पृष्ठों पर कुछ उतरता है, बाहरी दबाव की अपेक्षा लेखन के लिए आंतरिक अनुभूति कहीं अधिक प्रभावी है। लेखक ने हिरोशिमा की विभीषिका को पत्थर पर उतरी मनुष्य की छाया से महसूस किया और इसी अनुभूति के घनीभूत होते ही हिरोशिमा पर कविता लिख दी।

(ग) प्रकृति को संरक्षित रखने में आम नागरिक की भूमिका को 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— प्रकृति को संरक्षित रखने में आम नागरिक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। अपने शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाना हमारा कर्तव्य है। हम इस कार्य में अपना योगदान इस प्रकार दे सकते हैं कि हमें अधिक-से-अधिक पेड़ लगाने चाहिए और उनकी देखभाल करनी चाहिए। हमें सड़कों, गलियों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर कूड़ा-करकट नहीं फैलाना चाहिए। सार्वजनिक परिवहन प्रणाली का प्रयोग करना चाहिए। नदियों में कूड़ा नहीं फेंकना चाहिए। इसके अलावा दैनिक जीवन में जो वस्तुएँ हमें पर्यावरण को नुकसान न पहुँचाएं उनका प्रयोग करना चाहिए। हमें पर्यावरण संरक्षण का अभियान चलाकर आस-पास के लोगों को जागरूक करना चाहिए। इस प्रकार से हम पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति अपनी ज़िम्मेदारियों को सुनिश्चित कर सकते हैं।

खंड—घ

रचनात्मक लेखन

12. दिए गए बिंदुओं के आधार पर किसी *एक* विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 6

(क) सोशल मीडिया और किशोर

संकेत बिंदु— •सोशल मीडिया •सोशल मीडिया के प्रमुख प्लेटफार्म •बुराइयाँ।

(ख) ऑनलाइन शिक्षा : शिक्षा जगत में नवीन क्रांति

संकेत बिंदु— •वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अनिवार्यता •सकारात्मक प्रभाव • कमियाँ।

(ग) जीवन का कठिन दौर और मानसिक मज़बूती

संकेत बिंदु— •मानसिक दृढ़ता से मुश्किल हालातों का सामना संभव •कठिन हालातों से दो-दो हाथ करने की शक्ति •अनेक संघर्षशील व्यक्तियों के उदाहरण •मानसिक दृढ़ता का संकल्प।

उत्तर—(क) सोशल मीडिया और किशोर

संकेत बिंदु— •सोशल मीडिया •सोशल मीडिया के प्रमुख प्लेटफार्म •बुराइयाँ।

सोशल मीडिया आज हमारे जीवन में एक बड़ी भूमिका निभा रहा है। सोशल मीडिया एक बहुत ही सशक्त माध्यम है और इसका प्रभाव प्रत्येक व्यक्ति पर पड़ता है। सोशल मीडिया के बिना हमारे जीवन की कल्पना करना मुश्किल है, परंतु इसके अत्यधिक उपयोग की वजह से हमें इसकी कीमत भी चुकानी पड़ती है। सोशल मीडिया देश-विदेश में हो रही किसी भी घटनाओं को लोगों तक तुरंत पहुँचाने का काम करता है। सोशल मीडिया का प्रयोग कंप्यूटर, मोबाइल, टैबलेट,लैपटॉप आदि किसी भी साधन का उपयोग करके किया जा सकता है। व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब आदि सोशल मीडिया के प्रमुख प्लेटफार्म हैं। इसके जरिए किसी भी ख़बर को पलभर में पूरे देश व विदेश में फैलाया जा सकता है। हम इस सच्चाई को अनदेखा नहीं कर सकते कि सोशल मीडिया आज हमारे जीवन में मौजूद सबसे बड़े घटकों में से एक है। इसके माध्यम से हम किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा दुनिया के किसी भी कोने में बसे अपने प्रियजनों से बात कर सकते हैं। सोशल मीडिया एक आकर्षक तत्व है और आज यह हमारे जीवन से जुड़ा हुआ है। युवा हमारे देश का भविष्य हैं। वे देश की अर्थव्यवस्था को बना या बिगाड़ सकते हैं, वहीं सोशल नेटवर्किंग साइटों पर उनका सबसे अधिक सक्रिय रहना, उन पर अत्यधिक प्रभाव डाल रहा है। जो कुछ भी हमें जानना होता है उसे बस हम एक क्लिक करके उसके बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इन दिनों सोशल नेटवर्किंग साइटों से जुड़े रहना सबको पसंद है। कुछ लोगों का मानना है कि यदि आप डिजिटल रूप में उपस्थित नहीं हैं, तो आपका कोई अस्तित्व नहीं है। सोशल नेटवर्किंग साइटों पर उपस्थिति का बढ़ता दबाव और प्रभावशाली प्रोफ़ाइल, युवाओं को बड़े पैमाने पर प्रभावित कर रही है। सोशल नेटवर्क के सकारात्मक प्रभाव हैं लेकिन बाकी सभी चीज़ों की तरह इसकी भी कुछ बुराइयाँ हैं। इसके कुछ नकारात्मक प्रभाव भी हैं—यह परीक्षा में नकल करने में मदद करता है। छात्रों के शैक्षणिक श्रेणी और प्रदर्शन को खराब करता है। निजता का अभाव उपयोगकर्ता हैकिंग, आइडेंटिटी की चोरी, फ़िशिंग अपराध इत्यादि जैसे साइबर अपराधों का शिकार हो सकता है। दुनिया भर में लाखों लोग हैं जो सोशल मीडिया का उपयोग प्रतिदिन करते हैं। इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं का एक मिश्रित उल्लेख दिया गया है। इसमें बहुत सारी ऐसी चीज़ें हैं जो हमें सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण हैं, तो कुछ ऐसी चीज़ें भी हैं जो हमें नुकसान पहुँचा सकती हैं।

(ख) ऑनलाइन शिक्षा : शिक्षा जगत में नवीन क्रांति

संकेत बिंदु— • वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अनिवार्यता • सकारात्मक प्रभाव • कमियाँ।

ऑनलाइन शिक्षा, शिक्षा का ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा शिक्षक इंटरनेट के माध्यम से देश के किसी भी कोने या प्रांत के बच्चों को स्काइप, ज़ूम वीडियो और व्हाट्सअप के माध्यम से आसानी से पढ़ाया जा सकता है। इसमें शिक्षक और विद्यार्थी अपनी सहूलियत के अनुसार समय का चुनाव करके ऑनलाइन शिक्षा हेतु जुड़ सकते हैं। वर्तमान काल में कोविड-19 के कारण लॉकडाउन के समय आई अनेक समस्याओं में एक समस्या बच्चों की शिक्षा और युवाओं के रोज़गार से जुड़ी हुई थी। ऑनलाइन शिक्षा ने लॉकडाउन में चल रही इस समस्या को हल कर दिया। ऑनलाइन शिक्षा समय की बचत करती है तथा इस माध्यम द्वारा शिक्षक रचनात्मक ढंग से विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करता है। ऑनलाइन शिक्षा के कारण शिक्षक-शिष्य का भौतिक तालमेल न होने के कारण शिष्य नैतिकता से दूर व अनुशासन रहित हो जाता है। ऑनलाइन शिक्षा के लिए इंटरनेट की सुविधा ज़रूरी होती है। इसके द्वारा विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्द्धा की भावना उत्पन्न नहीं हो पाती। ऑनलाइन शिक्षा में विद्यार्थी शिक्षक द्वारा ली गई क्लास को रिकार्ड करके बाद में उसे फिर देख सकता है। ऑनलाइन शिक्षा-प्रणाली के अंतर्गत शिक्षकों को तकनीकी शिक्षा प्रशिक्षण देने का कदम उठाया जाना चाहिए। प्रत्येक पाठ्यक्रम सभी भाषाओं में उपलब्ध होना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को अव्यवस्था का सामना न करना पड़े। जिन क्षेत्रों में इंटरनेट की उचित व्यवस्था नहीं है, उन क्षेत्रों में इंटरनेट गतिविधियों को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाना चाहिए। आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवारों के बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा के लिए ज़रूरी साधन उपलब्ध करवाने में मदद करनी चाहिए। यह एक नई प्रकार की शिक्षा है। इसे ज़्यादा-से-ज़्यादा बढ़ावा देना चाहिए।

(ग) जीवन का कठिन दौर और मानसिक मज़बूती

संकेत बिंदु— • मानसिक दृढ़ता से मुश्किल हालातों का सामना संभव • कठिन हालातों से दो-दो हाथ करने की शक्ति • अनेक संघर्षशील व्यक्तियों के उदाहरण • मानसिक दृढ़ता का संकल्प।

जीवन के कठिन दौर में मानसिक मज़बूती की बहुत ज़रूरत होती है। जीवन में आई मुश्किल का सामना करने के लिए हमें अपनी सकारात्मक सोच को बनाए रखना बहुत ज़रूरी है। हमें नकारात्मक सोच नहीं रखनी चाहिए। जीवन में आया कठिन समय निकल जाता है। हमें हिम्मत रखनी चाहिए। हमें हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। कठिन समय जीवन में बहुत कुछ सिखा जाता है। हमें कठिन दौर में डरना नहीं चाहिए। यदि मानसिक संतुलन मज़बूत रहेगा तो हम कठिन समय का सामना आसानी से कर सकते हैं। कठिन दौर तो भगवान राम के जीवन में भी आया था, लेकिन उन्होंने धैर्य का परिचय दिया और कठिन समय पर विजय प्राप्त की। जीवन संघर्ष का ही दूसरा नाम है। इस सृष्टि में छोटे-से-छोटे प्राणी से लेकर बड़े-से-बड़े प्राणी तक सभी को किसी-न-किसी रूप में संघर्ष करना पड़ता है। बिना संघर्ष के जीवन का कोई अस्तित्व नहीं है। जीवन में संघर्ष हमें बहुत कुछ सिखाता है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि समय और परिस्थितियाँ हमेशा एक जैसी नहीं होती हैं। हर व्यक्ति के जीवन में कभी अच्छा समय आता है, तो कभी बुरे दौर से उसे गुज़रना पड़ता है, लेकिन ऐसा माना जाता है कि व्यक्ति की पहचान उसके बुरे वक्त में ही होती है। ऐसा कहने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि जीवन के अच्छे दौर में तो सामान्य व्यक्ति भी सही फैसला करने में सक्षम होता है लेकिन जब स्थिति प्रतिकूल हो, तो उस समय व्यक्ति की सही प्रतिभा का आकलन किया जाता है।

13. आप तनुज/तनुजा हैं। विद्यालय के पुस्तकालय में छात्रों को समसामयिक विषयों पर पुस्तकों का अभाव खटकता है। प्रधानाचार्य जी को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर इस विषय से संबंधित पुस्तकें मंगवाने के लिए निवेदन कीजिए। 5

उत्तर— छात्रावास
उदयपुर, राजस्थान
दिनांक : 16 मार्च, 20XX
सेवा में
प्रधानाचार्य जी
विषय— समसामयिक विषयों पर पुस्तकें मँगवाने हेतु
महोदय

सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय में दसवीं कक्षा का छात्र तनुज हूँ। हमारे विद्यालय के पुस्तकालय में सभी विषयों से संबंधित पुस्तकों का होना गर्व की बात है। परंतु महोदय इन पुस्तकों के अलावा समसामयिक विषयों का ज्ञान कराने वाली पुस्तकों का नितांत अभाव है। आज के प्रतियोगी काल में सामयिक विषयों की जानकारी साप्ताहिक या मासिक प्रकाशित होने वाली पुस्तकों से ही मिलती है। सामान्य-ज्ञान जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में विद्यार्थी इन पुस्तकों के अभाव में भला किस प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की सोच पाएगा। अत: अद्यतन जानकारी और सामान्य ज्ञान इन्हीं पुस्तकों से संभव है।

अत: महोदय आपसे अनुरोध है कि पुस्तकालय प्रबंधक को समसामयिक पुस्तकें मँगवाने के लिए अनुमति प्रदान कर हमें अनुगृहीत करें। हमें पूर्ण उम्मीद है कि आप छात्रों के हित में प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान करेंगे।

सधन्यवाद
आपका आज्ञाकारी
तनुज
कक्षा 10 अ

अथवा

आपका एक मित्र शिमला में रहता है। आप उसके आमंत्रण पर ग्रीष्मावकाश में वहाँ गए थे और प्राकृतिक सौंदर्य का खूब आनंद उठाया था। घर वापस आने पर कृतज्ञता व्यक्त करते हुए मित्र को पत्र लिखिए।

उत्तर— परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांक : 21 मार्च, 20XX
प्रिय मित्र
सप्रेम नमस्ते

मैं कुशलपूर्वक तुम्हारे घर शिमला से दिल्ली रात नौ बजे पहुँच गया। मैंने तुम्हारे साथ गत सप्ताह जो गरमी की छुट्टियाँ बिताईं उसका स्मरण आजीवन रहेगा। रोज़ शाम पाँच बजे मॉल रोड पर घूमना और वहाँ की ठंडी-ठंडी हवाओं का आनंद मेरे हृदय पर अमिट छाप छोड़ गया। वहाँ के टेढ़े-मेढ़े पहाड़ी रास्ते, पहाड़ व हरियाली देख वापस दिल्ली आने का मन नहीं कर रहा था। वहाँ के रमणीय स्थल एवं प्राकृतिक सुंदरता का आनंद मात्र तुम्हारे साथ ही उठा पाया।

मैं हृदय से आभारी हूँ उन सुखद दिनों का जो मैंने तुम्हारे साथ प्रदूषण रहित शिमला में बिताए। रात में स्वच्छ, तारों से भरा आसमान, घंटों तक रात-रात भर तुम्हारे साथ बातें करना, मन कर रहा है उड़कर वापस तुम्हारे पास आ जाऊँ। सरदी की छुट्टियों में तुम भी दिल्ली आना। तुम्हारी मधुर स्मृतियों के साथ।

तुम्हारा मित्र

क०ख०ग०

14. आप स्मित/स्मिता हैं। अ०ब०स० कपड़े की फैक्टरी में एक सुपरवाइज़र की आवश्यकता है। आपने इसी वर्ष 12वीं की परीक्षा विज्ञान विषयों के साथ प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है। अपनी शैक्षणिक योग्यता और रुचि का वर्णन करते हुए इस पद के लिए लगभग 80 शब्दों में अपना स्ववृत्त तैयार कीजिए। **5**

उत्तर— महोदय/महोदया,

मैंने बिजनेस टाइम समाचार-पत्र में आपका विज्ञापन पढ़ा। आपकी कपड़े की फैक्टरी में एक सुपरवाइज़र की आवश्यकता है। सुपरवाइज़र पद के लिए मैं सभी वांछित शर्तें पूरी करती हूँ और इस पद के लिए उपयुक्त हूँ तथा आपके प्रतिष्ठित कंपनी में सेवाएँ देने की इच्छुक हूँ। मुझे टेक्सटाइल उद्योग में काम करने की रुचि है। मेरा संक्षिप्त स्ववृत्त इस प्रकार है—

नाम	:	स्मिता
पिता का नाम	:	सागर सिंधवी
माँ का नाम	:	अनुपमा सिंधवी
जन्मतिथि	:	15-10-20XX
वर्तमान पता	:	235, श्याम नगर, नई दिल्ली
स्थायी पता	:	302, नेहरू विहार, प्रयागराज
मोबाइल नं०	:	9818XXXX48
ई-मेल	:	Smita@gmail.com
भाषाओं का ज्ञान	:	हिंदी, अंग्रेज़ी, फ्रेंच

शैक्षणिक योग्यताएँ

क्रम सं०	डिग्री/डिप्लोमा	वर्ष	विद्यालय/ विश्वविद्यालय /महाविद्यालय	श्रेणी	प्रतिशत
1.	सीनियर सेकेंडरी	2022	केंद्रीय विद्यालय	प्रथम	75%
2.	हायर सेकेंडरी	2020	केंद्रीय विद्यालय	प्रथम	71%

अन्य संबंधित योग्यताएँ

1. डिप्लोमा इन इम्ब्रॉयडरी

2. **उपलब्धियाँ—**

विद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाली वस्त्र-प्रदर्शनी की प्रस्तुतिकर्ता

3. वस्त्र डिजाइनिंग में सर्टिफिकेट कोर्स

कार्येतर अभिरुचियाँ—

नए-नए फैशन के कपड़ों की डिज़ाइनों का अवलोकन व अनुप्रयोग करने की रुचियाँ

उद्घोषणा

मैं यह लिखित घोषणा करती हूँ कि मेरे द्वारा प्रदत्त उपरोक्त सभी सूचनाएँ मेरे ज्ञान और विश्वास के आधार पर सत्य और पूर्ण हैं।

स्थान :.....

दिनांक :.....

हस्ताक्षर

अथवा

अपनी सहेली को दसवीं कक्षा में टॉप करने पर बधाई देते हुए 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए।

उत्तर— To : <navitasharma@gmail.com>

Cc : <.....>

विषय— टॉप करने पर बधाइयाँ

प्रिय नविता

तुमने दसवीं की बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च अंक हासिल कर पूरे देश का नाम रोशन किया है। तुम्हारे टॉप आने का समाचार सुनकर पूरे जनपद में जश्न मनाया जा रहा है। इसके लिए मेरी ओर से ढेर सारी शुभकामनाएँ। जीवन में तुम्हें और भी अभूतपूर्व उपलब्धियाँ हासिल हों, मेरी ईश्वर से यही कामना है।

सप्रेम

भाविका

15. आपके विद्यालय के बच्चों ने दीपावली के दीए, मोमबत्ती आदि तैयार किए हैं। उनकी बिक्री के लिए लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। **4**

उत्तर—

अथवा

'बाल दिवस' के सफल आयोजन के लिए छात्रों को प्राचार्य की ओर से लगभग 40 शब्दों में एक साधुवाद बधाई संदेश लिखिए।

उत्तर—

क०ख०ग० विद्यालय शुभकामना संदेश

15 नवंबर, 20XX

नई दिल्ली

प्रिय विद्यार्थियों

'बाल दिवस' पर आयोजित कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन करने के लिए मैं व्यक्तिगत तौर पर विद्यालय परिवार के सभी छात्रों का साधुवाद करता हूँ। अनुशासन को बनाए रखने व प्रतिस्पर्द्धा की भावना से प्रतियोगिताओं में भाग लेने के कारण आप सब शाबाशी के पात्र हैं।

प्राचार्य

क०ख०ग० विद्यालय

© HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

Holy Faith New Style Sample Paper–3

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं
विषय—हिंदी (अ)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश— इसके लिए Holy Faith New Style Sample Paper—1 देखें।

खंड—क

(बहुविकल्पी/लघूत्तरात्मक/अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए : (3 × 1 + 2 × 2) = 3 + 4 = 7

वैज्ञानिकों का मानना है कि दुनियाभर में बढ़ते पर्यावरण संकट को कम करने में जैविक खेती एक उपचारक भूमिका निभा सकती है। गौरतलब है कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में प्राकृतिक खेती बड़े पैमाने पर अपनाई जा रही है। धीरे-धीरे दक्षिण, मध्य भारत और उत्तर भारत में भी यह किसानों में लोकप्रिय हो रही है। अब किसानों ने जैविक खेती को एक सशक्त विकल्प के रूप में अपना लिया है। गौरतलब है कि जैविक या प्राकृतिक खेती की तरफ भारतीय किसानों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। धीरे-धीरे जैविक खेती का प्रचलन बढ़ रहा है। जैविक बीज, जैविक खाद, पानी, किसानों के यंत्रों आदि की आसानी से उपलब्धता जैविक खेती की लोकप्रियता को और अधिक बढ़ा सकती है।

प्राकृतिक खेती को लेकर अनुसंधान भी बहुत हो रहे हैं। किसान नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। इससे कृषि वैज्ञानिक भी प्राकृतिक खेती को लेकर अधिक उत्साहित हैं। कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि जैविक या प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने से पर्यावरण, खाद्यान्न, भूमि, इनसान की सेहत, पानी की शुद्धता को और बेहतर बनाने में मदद मिलती है। रासायनिक खादों और कीटनाशकों के इस्तेमाल से होने वाली बीमारियों और समस्याओं की जानकारी न होने की वजह से किसान इनका प्रयोग काफ़ी ज्यादा करने लगे हैं। वहीं दूसरी तरफ सिक्किम में प्राकृतिक खेती से पर्यावरण को जितनी मदद मिली है उससे साफ़ हो गया है कि प्राकृतिक खेती को अपनाकर कई समस्याओं का समाधान हो सकता है।

(*i*) सही कथन का चयन कीजिए— **1**

(क) उत्तर भारत में जैविक खेती के लिए प्रेरणा की ज़रूरत है।

(ख) पूर्वोत्तर राज्यों में जैविक खेती के प्रति अधिक उत्साह है।

(ग) लोगों में प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी का अभाव है।

(घ) प्राकृतिक खेती के लिए विश्वविद्यालय से शिक्षित होना ज़रूरी है।

उत्तर— (ख) पूर्वोत्तर राज्यों में जैविक खेती के प्रति अधिक उत्साह है।

(*ii*) वर्तमान समय में खेती के लिए, अनुसंधानों में बढ़ोतरी किसके बारे में हुई है ? **1**

(क) जैविक खेती (ख) रासायनिक खाद

(ग) नई-नई दवाइयाँ (घ) नए बीज।

उत्तर— (क) जैविक खेती।

(*iii*) किसान कीटनाशकों और रासायनिक खादों का अधिक प्रयोग क्यों करने लगे हैं ? **1**

(क) सहज उपलब्धता के कारण

(ख) दुष्प्रभावों की जानकारी न होने के कारण

(ग) अधिक प्रचार-प्रसार के कारण

(घ) सस्ती होने के कारण।

उत्तर— (ख) दुष्प्रभावों की जानकारी न होने के कारण।

(*iv*) जैविक खेती को किसानों की पहली पसंद बनाने के लिए क्या करना चाहिए ? **2**

उत्तर— जैविक खेती को किसानों की पहली पसंद बनाने के लिए जैविक बीज, जैविक खाद, पानी, किसानों के यंत्र आदि सुविधाएँ आसानी से उपलब्ध करवानी चाहिए।

(*v*) आज जैविक खेती की माँग क्यों बढ़ती जा रही है ? **2**

उत्तर— वैज्ञानिकों का मानना है कि संसार में बढ़ते पर्यावरण संकट को कम करने में जैविक खेती एक उपचारक की भूमिका निभा सकती है। यही कारण है कि आज जैविक खेती की माँग बढ़ती जा रही है।

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए :

(3 × 1 + 2 × 2) = 3 + 4 = 7

और न कोई इस मंदिर का हो सकता अधिकारी
भारतवासी ही हम इसके रक्षक और पुजारी
भाई, भारतभूमि हमारी।
आज जो यह तुम देख रहे हो महलें और अटारी
लगा रक्त का गारा इसमें तन की ईंट हमारी
तन-मन देकर खूब सजाई यह सुंदर फुलवारी
फूल सूँघ लो पर न तोड़ना मर्जी बिना हमारी

जग सिर बिच यह नीलकमल सम विकसित मुनि मनहारी।
हम इसके मधु पीवनहारे कारे भ्रमर सुखारी
रत्नवती इस वसुंधरा के हम ही हैं भंडारी
इस यशुमति के पुत्र सदा हम गोप कृष्ण हलधारी।।

(*i*) महलें और अटारी का तात्पर्य है— 1

(क) दुख-अशांति
(ख) बड़े-बड़े महल
(ग) सुख-समृद्धि के प्रतीक
(घ) लहलहाते खेत।

उत्तर—(ग) सुख-समृद्धि के प्रतीक।

(*ii*) 'रक्त का गारा और तन की ईंट' बताते हैं— 1

(क) स्वतंत्रता संग्राम की गाथा
(ख) भवन निर्माण की गाथा
(ग) भारतीयों के मेहनत की गाथा
(घ) त्याग-बलिदान की गाथा।

उत्तर—(घ) त्याग-बलिदान की गाथा।

(*iii*) 'हलधारी' शब्द से किसकी ओर संकेत किया गया है ? कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए— 1

कथन

(*i*) देश के श्रमिक
(*ii*) देश के किसान
(*iii*) देश के निर्माता
(*iv*) देश के नेता

विकल्प

(क) कथन (*i*) व (*ii*) सही हैं।
(ख) कथन (*i*) व (*iv*) सही हैं।
(ग) कथन (*ii*) व (*iii*) सही हैं।
(घ) कथन (*iii*) व (*iv*) सही हैं।

उत्तर—(क) कथन (*i*) व (*ii*) सही हैं।

(*iv*) किसे रत्नवती कहा गया है और क्यों ? 2

उत्तर—वसुंधरा को रत्नवती कहा गया है क्योंकि इसके किसान अन्न-रूपी रत्न उपजाते हैं।

(*v*) उपर्युक्त कविता का केंद्रीय भाव लिखिए। 2

उत्तर—भारतवासी अपनी मातृभूमि के रक्षक और पुजारी हैं तथा भारत के लोग अपने तन-मन और रक्त से भारत रूपी फुलवारी को सुसज्जित करते हैं।

खंड—ख

3. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए— (पाँच में से किन्हीं *चार* के उत्तर लिखिए) 4 × 1 = 4

(क) ''कैसे कलुषित प्राण हो गए।
मानो मन पाषाण हो गए।।''

उत्तर—उत्प्रेक्षा अलंकार।

(ख) ''इधर उठाया धनुष क्रोध में और चढ़ाया उस पर बाण।
धरा, सिंधु, नभ काँपे सहसा, विकल हुए जीवों के प्राण।।''

उत्तर—अतिशयोक्ति अलंकार।

(ग) ''एक दिवस सूरज ने सोची,
छुट्टी ले लेने की बात।
सोचा कुछ पल सुकूँ मिलेगा,
चलने दो धरती पर रात।''

उत्तर—मानवीकरण अलंकार।

(घ) 'एक रामघनश्याम हित चातक तुलसी दास।'

उत्तर—रूपक अलंकार।

(ङ) 'चँवर सदृश डोल रहे, सरसों के सर अनंत।'

उत्तर—उपमा अलंकार।

4. 'पद परिचय' पर आधारित निम्नलिखित वाक्य के पाँच रेखांकित पदों में से किन्हीं *चार* के पद परिचय लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) <u>हम</u> देहरादून घूमने गए।
(ख) शशि <u>दसवीं</u> कक्षा में पढ़ती है।
(ग) वह <u>स्कूल</u> से अभी-अभी आया है।
(घ) वह मेरी बात पर <u>बहुत</u> हँसा।
(ङ) योग्य पिता की <u>संतान</u> भी योग्य होती है।

उत्तर—हम—पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तमपुरुष, पुल्लिंग, बहुवचन कर्ता कारक, 'गए' क्रिया का कर्ता।

(ख) दसवीं—विशेषण, संख्यावाचक विशेषण, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य का विशेषण।
(ग) स्कूल से—संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अपादान कारक।
(घ) बहुत—परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'हँसना' क्रिया का विशेषण।
(ङ) संतान—संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग।

5. 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) बालगोबिन भगत कबीर को 'साहब' मानते थे। (कर्मवाच्य में बदलिए)
(ख) भोर में लोगों से बालगोबिन भगत का गीत नहीं सुना गया। (वाक्य में वाच्य का भेद बताइए)
(ग) 'धान के पानी-भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं।' (कर्मवाच्य में बदलिए)
(घ) वह अब भी बैठ नहीं सकता। (भाववाच्य में बदलिए)
(ङ) इन मच्छरों में रातभर कैसे सोया जाए ? (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर—(क) बालगोबिन भगत द्वारा कबीर को 'साहब' माना जाता था।

(ख) भाववाच्य।
(ग) धान के पानी भरे खेतों में बच्चे के द्वारा उछला जा रहा है।
(घ) उसके द्वारा अब भी नहीं बैठा जा सकता।
(ङ) इन मच्छरों में रात भर कैसे सोएँगे ?

6. 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) 'रसूलन और बतूलन ने गाना गाया क्योंकि इसी से अमीरुद्दीन को खुशी मिलती है।' (सरल वाक्य में बदलिए)

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

(ख) 'दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुज़रे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया।' (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) हुड़दंग तो इतना मचाया कि कॉलेज वालों को थर्ड इयर भी खोलना पड़ा। (वाक्य भेद बताइए)

(घ) डलिया में आम हैं, दूसरे फलों के साथ आम रखे हैं। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ङ) हमें स्वयं करना पड़ा और पसीने छूट गए। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर—(क) रसूलन और बतूलन के गायन से अमीरुद्दीन को खुशी मिलती है।

(ख) दूसरी बार हालदार साहब उधर से गुज़रे और उनको मूर्ति में अंतर दिखाई दिया।

(ग) मिश्र वाक्य।

(घ) डलिया में दूसरे फलों के साथ आम रखे हैं।

(ङ) जब हमें स्वयं करना पड़ा तब पसीने छूट गए।

खंड—ग

7. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5 × 1 = 5

हमारैं हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम बचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जकरी।
सुनत जोग लागत है ऐसी, ज्यौं करुई ककरी।
सु तौ व्याधि हमकौं ले आए, देखी सुनी न करी।
यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपो, जिनके मन चकरी।।

(1) श्रीकृष्ण गोपियों के लिए किसकी लकड़ी के समान हैं ?
(क) कबूतर की (ख) मुरगे की
(ग) हारिल की (घ) उद्धव की।

(2) गोपियाँ सोते-जागते क्या जपती रहती हैं ?
(क) कान्ह-कान्ह (ख) नंद-नंदन
(ग) दिवस-निसि (घ) पान्ह-पान्ह।

(3) गोपियों को योग का संदेश किसके समान कड़वा लगता है ?
(क) मूली (ख) ककड़ी
(ग) तोरई (घ) खीरा।

(4) 'सु तौ व्याधि हमकौं ले आए'—पंक्ति में 'व्याधि' का क्या अर्थ है ?
(क) शिकारी (ख) रोग
(ग) शिकार (घ) मरीज।

(5) गोपियाँ योग संदेश को कैसे लोगों के लिए उपयुक्त मानती हैं ?
(क) जिनके मन शांत और स्थिर हैं।
(ख) जिनके मन चकरी की तरह अस्थिर हैं।
(ग) जिनके पास धन-दौलत है।
(घ) ये सभी विकल्प।

उत्तर—1. (ग), **2.** (क), **3.** (ख), **4.** (ख), **5.** (ख)

8. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5 × 1 = 5

हमारी समझ में मानव संस्कृति की जो योग्यता आग व सूई-धागे का आविष्कार कराती है; वह भी संस्कृति है जो योग्यता तारों की जानकारी कराती है, वह भी संस्कृति है; और जो योग्यता किसी महामानव से सर्वस्व त्याग कराती है, वह भी संस्कृति है। और सभ्यता ? सभ्यता है संस्कृति का परिणाम। हमारे खाने-पीने के तरीके, हमारे ओढ़ने पहनने के तरीके, हमारे गमना-गमन के साधन, हमारे परस्पर कट मरने के तरीके; सब हमारी सभ्यता हैं। मानव की जो योग्यता उससे आत्म-विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति ? और जिन साधनों के बल पर वह दिन-रात आत्म-विनाश में जुटा हुआ है, उसे हम उसकी सभ्यता समझें या असभ्यता ? संस्कृति का यदि कल्याण की भावना से नाता टूट जाएगा तो वह असंस्कृति होकर ही रहेगी।

(1) लेखक के अनुसार संस्कृति का स्वरूप क्या नहीं है ?
(क) नई वस्तुओं की खोज
(ख) खोज की गई वस्तुओं के प्रयोग का तरीका
(ग) विनाश के साधनों को जुटाने की प्रेरणा
(घ) भूखों को भोजन खिलाने की प्रेरणा।

(2) लेखक ने सभ्यता किसको कहा है ?
(क) संस्कृति को
(ख) संस्कृति के परिणामों को
(ग) वैज्ञानिक साधनों की जानकारी न होने को
(घ) आविष्कृत अविनाशक उपकरणों को।

(3) संस्कृति असंस्कृति कब कहलाती है ?
(क) जब राक्षसी प्रवृत्तियाँ पनपने लगती हैं।
(ख) जब कल्याणकारी नहीं रहतीं।
(ग) जब दूसरी संस्कृतियों से टकराव होता है।
(घ) जब मनुष्य अपनी संस्कृति को श्रेष्ठ मानने लगता है।

(4) सभ्यता और संस्कृति—
(क) अलग-अलग हैं। (ख) एक ही हैं।
(ग) परस्पर मित्र हैं। (घ) परस्पर संबद्ध हैं।

(5) 'मानव की जो योग्यता उससे आत्म-विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति ?' यह वाक्य निम्नलिखित में से किस प्रकार का है ?
(क) साधारण वाक्य
(ख) मिश्र वाक्य
(ग) संयुक्त वाक्य
(घ) क्रिया-विशेषण उपवाक्य।

उत्तर—1. (ग), **2.** (ख), **3.** (ख), **4.** (घ), **5.** (ख)

9. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए : 3 × 2 = 6

(क) 'अट नहीं रही है' कविता में कवि ने फागुन मास के सौंदर्य को किस प्रकार चित्रित किया है ?

उत्तर—फागुन की सुंदरता अपनी चरम सीमा पर है। चारों ओर हरियाली-ही-हरियाली है। सभी पेड़-पौधों की डालियाँ हरे और

लाल पत्तों से लदी हैं, जिनमें सुगंधित फूल-माला रूप में लटके हुए हैं। चारों ओर मदहोशी छाई है। डाल-डाल पर पत्ते और फूल झूम रहे हैं। प्रकृति अपनी अनोखी छटा बिखेर रही है।

(ख) ''मिट्टी के गुण-धर्म को सुरक्षित कैसे रखा जा सकता है ?'' 'फ़सल' कविता के आधार पर लिखिए।

उत्तर— मिट्टी के गुण धर्म को सुरक्षित रखने में मानव की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। मनुष्य द्वारा प्रदूषण न फैलाना मिट्टी के गुण-धर्म को सुरक्षित रखने में मदद कर सकता है। यदि मनुष्य रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों, खरपतवार-नाशकों के स्थान पर प्राकृतिक पदार्थों का प्रयोग करें, तो वे मिट्टी के गुण-धर्म को सुरक्षित रख सकते हैं। मनुष्य औद्योगिक अपशिष्ट की रोकथाम करके मिट्टी के गुण-धर्म को सुरक्षित रख सकता है।

(ग) 'छू गया तुमसे कि झरने लगे शेफालिका के फूल' उक्त पंक्ति का आशय नागार्जुन की कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— शिशु का गात (शरीर) इतना कोमल होता है कि उसका स्पर्श कवि की कठोरता को पिघला देता है। बच्चे की मर्मस्पर्शी काया ऐसी है कि वह बबूल या बाँस जैसे ठूँठ से भी शेफालिका के फूल झड़वा दे। शेफालिका को पारिजात भी कहते हैं। यह सफ़ेद रंग का कोमल खुशबू देने वाला फूल है। यहाँ कवि ने स्वयं को बबूल और बाँस की उपमा दी है तथा शिशु को शेफालिका के फूल की।

(घ) आत्मकथ्य से उद्धृत निम्नलिखित काव्य-पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए—

''उसकी स्मृति पाथेय बनी है थके पथिक की पंथा की।''

उत्तर— 'पाथेय' का शाब्दिक अर्थ है—'संबल' या 'पथ का सहारा'। कवि के हृदय में किसी अति सौंदर्यशाली के लिए अप्रतिम प्रेमभाव था। कवि के हृदय में उसके प्रति मधुर स्मृतियाँ थीं, जिन्हें वह न तो औरों के सामने व्यक्त करना चाहता था और न ही 'स्मृति रूपी सहारे' को अपने से दूर करना चाहता था। कवि के मन में छिपी यही मधुर स्मृतियाँ उसके सुखों का संबल थीं, जो उन्हें ऊर्जावान बनाने के साथ-साथ शांति प्रदान करती थीं।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए : 3 × 2 = 6

(क) आशय स्पष्ट कीजिए—

बार-बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर-गृहस्थी-जवानी-ज़िंदगी सब कुछ होम देने वालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढ़ती है।

उत्तर— उपर्युक्त वाक्य के माध्यम से लेखक ने चिंता व्यक्त की है कि उस देश का भविष्य कैसा होगा, जिस देश में देशवासी देश-सेवा करने वालों की हँसी उड़ाते हैं। देशभक्त देश के लिए घर-गृहस्थी, जवानी-ज़िंदगी आदि सब कुछ न्योछावर कर देते हैं। ऐसे देशभक्तों का सम्मान करने की अपेक्षा उनके जीवन का मज़ाक उड़ाया जाता है। जब ऐसे अवसरवादियों को मौका मिलता है, तो उनके लिए देश गौण और स्वार्थ महत्वपूर्ण हो जाता है। अपने स्वार्थ के लिए वे मर्यादा की सारी सीमाएँ भूल जाते हैं।

(ख) बालगोबिन भगत अपने सुस्त और बोदे से बेटे के साथ कैसा व्यवहार करते थे और क्यों ?

उत्तर— बालगोबिन भगत अपने सुस्त और बोदे से बेटे से बहुत स्नेह और प्यार करते थे। उनके अनुसार जो बालक सुस्त और बोदे होते हैं, उन्हें अत्यधिक प्यार और निगरानी की आवश्यकता होती है, क्योंकि ऐसे बालक दूसरों की कृपा पर निर्भर होते हैं। इसलिए उन पर नज़र रखना आवश्यक होता है।

(ग) नवाब साहब ने खीरा न खाने का जो कारण बताया, क्या वह सही था ? 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर कारण सहित लिखिए।

उत्तर— नवाब साहब द्वारा खीरा खाने के तरीके से उदर पूर्ति नहीं होती है। नवाब साहब द्वारा खीरे का मानसिक या मनोवैज्ञानिक स्तर पर सेवन किया गया। शारीरिक या भौतिक स्तर पर नहीं क्योंकि उदर पूर्ति तब तक संभव नहीं है जब तक खाद्य पदार्थ का सेवन न किया जाए और वो खाद्य-पदार्थ पेट में न चला जाए। नवाब साहब वास्तव में यह दिखाना चाहते थे कि वे इतने बड़े खानदानी रईस हैं कि खीरे जैसी तुच्छ खाद्य वस्तु उनके उदर में जाने लायक नहीं है। वे तो केवल उसकी सुगंध ही पाना चाहते थे। इसके अलावा वे अपनी रईसी का झूठा प्रदर्शन करके यह जताना चाहते थे कि उनका पेट तो सुगंध मात्र से ही भर जाता है। उन्होंने तो लेखक के सामने डकार लेकर इस बात का प्रमाण देने की भी कोशिश की। इन सबसे उनके अहंकारी स्वभाव या दिखावटीपन की भावना का पता चलता है।

(घ) भंडारी जी के मित्र की किस बात पर लेखिका के पिता जी आग बबूला हो गए ? 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर बताइए।

उत्तर— हड़ताल के समय लेखिका ने अजमेर के मुख्य बाज़ार के चौराहे पर भाषण दिया था। इसी बात को लेकर लेखिका के पिता से शिकायत करते हुए उनके एक मित्र ने कहा कि बुद्धि खराब हो गई है। वह लड़कों के साथ हड़ताल करवाती है और हुड़दंग मचाती फिर रही है। ऐसा करना उसे कतई शोभा नहीं देता। अपने मित्र की इस बात को सुनकर लेखिका के पिता गुस्से से आग-बबूला हो गए। इसी संदर्भ में लेखिका ने लिखा है कि वे तो आग लगाकर चले गए और पिता जी दिनभर भभकते रहे।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए : 2 × 4 = 8

(क) ''भोलानाथ और उसके साथियों के खेल, वर्तमान खेलों की अपेक्षा मूल्यों का विकास करने में अधिक सहायक थे।'' 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— भोलानाथ और उसके साथियों द्वारा खेले जाने वाले खेल बालकों का शारीरिक व मानसिक विकास करने के साथ-साथ उनमें जीवन-मूल्यों को भी विकसित करते थे। उस समय बच्चों के पास खेलने के लिए अधिक साधन नहीं होते थे। उनके खेल प्रकृति से जुड़े होते थे, जो उन्हें प्रकृति के प्रति प्रेम-भाव को सिखाते थे। वे प्राय: मिट्टी, खेत, पानी, पेड़, मिट्टी के बरतनों को ही अपना खेल का साधन बनाते थे। भोलानाथ और उसके साथियों द्वारा बारात का स्वाँग रचाना उनका समाज के प्रति रुझान दिखाता है कि वे खेल-खेल में सामाजिक मूल्यों को जानने व समझने का प्रयास करते थे। खेती करना, दुकान जमाना, घर बसाना आदि खेल जीवन को वास्तविकता से परिचित कराते थे तथा इससे ईमानदारी, मेल-जोल की भावना, सहयोग तथा संगठन आदि जीवन मूल्य विकसित होते थे। वर्तमान खेल बालकों में ईर्ष्या-द्वेष, छल-कपट की

भावना तथा केवल जीत को ही प्राथमिकता देते हैं। अत: यह सही कहा गया है कि भोलानाथ और उसके साथियों के खेल, वर्तमान खेलों की अपेक्षा मूल्यों का विकास करने में अधिक सहायक थे।

(ख) हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है। आपकी दृष्टि में विज्ञान का दुरुपयोग कहाँ-कहाँ और किस तरह से हो रहा है ?

उत्तर— हिरोशिमा पर अणु-बम गिराए जाने की घटना ने संपूर्ण मानवता को हिलाकर रख दिया था। यह विज्ञान का निकृष्टतम प्रयोग था। आज विज्ञान का दुरुपयोग करके मानव विश्व का संहार करने में व्यस्त है। विज्ञान का दुरुपयोग करके परमाणु बम, एटम बम, हाइड्रोजन बम, मिसाइलें तथा अनेक ऐसे विनाशकारी अस्त्र-शस्त्र बनाए जा रहे हैं, जिनसे संसार क्षण भर में नष्ट हो सकता है। विज्ञान द्वारा अनेक विषैली गैसें तैयार की जा रही हैं। इन गैसों से किसी भी देश की जलवायु को विषाक्त करके लोगों को समाप्त किया जा सकता है। इसके साथ-साथ विज्ञान का दुरुपयोग लोगों को आलसी, निकम्मा, चरित्रहीन आदि बनाने में भी हो रहा है। विज्ञान के नए-नए प्रयोग मनुष्य को हिंसा और अनेक कुप्रवृत्तियों की ओर धकेल रहे हैं। विज्ञान के उपकरणों के अंधाधुंध प्रयोग के कारण वातावरण में तेज़ी से बदलाव आ रहा है जिससे प्रदूषण का स्तर निरंतर बढ़ता जा रहा है।

(ग) ''हम सभी नदियों और पर्वतों के ऋणी हैं''—कैसे ?'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— नदियाँ और पर्वत हमारे जीवन के आधार हैं। ऊँचे-ऊँचे पर्वतों के घुमावदार, सँकरे रास्ते हमें कठिन परिस्थितियों से जूझना सिखाते हैं और पर्वतों की हरियाली ऊर्जा देती है। इसी प्रकार पर्वतों की चोटियों से निकलकर अपना रास्ता बनाती, बलखाती नदियाँ, निरंतर आगे बढ़ते रहने का संदेश देती हैं। पर्वतों और नदियों का सौंदर्य मनुष्य को नया जीवन देता है। उसमें जीने की उमंग पैदा करता है, ठीक उसी प्रकार जैसे गंतोक की यात्रा लेखिका के जीवन को प्रफुल्लित कर देती है।

खंड—घ

रचनात्मक लेखन

12. दिए गए बिंदुओं के आधार पर किसी *एक* विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 6

(क) आज़ादी का अमृत महोत्सव

संकेत बिंदु— • शुरुआत कब और कहाँ •विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम • नए संकल्प • भारत की पहचान।

(ख) बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय

संकेत बिंदु— • दूसरों की कमियाँ देखना स्वाभाविक प्रवृत्ति • इस प्रवृत्ति का समाज पर प्रभाव • अपने अंदर झाँकना आवश्यक •आत्मनिरीक्षण का संकल्प।

(ग) विद्यालयों की ज़िम्मेदारी-बेहतर नागरिक-बोध

संकेत बिंदु— •व्यक्तित्व निर्माण में विद्यालय का स्थान • राष्ट्र और समाज के प्रति उत्तरदायित्व •नागरिक अधिकारों-कर्तव्यों का बोध।

उत्तर—(क) आज़ादी का अमृत महोत्सव

संकेत बिंदु— • शुरुआत कब और कहाँ •विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम • नए संकल्प • भारत की पहचान।

भारत में 25 मार्च, 2021 को आज़ादी के अमृत महोत्सव का शुभारंभ किया गया। अमृत महोत्सव का अर्थ है—नए विचारों का अमृत अर्थात् आत्मनिर्भरता का अमृत, भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले सेनानियों की स्वाधीनता का अमृत, संकल्पों का अमृत। देश की आज़ादी को पूर्ण रूप से 75 वर्ष पूरे हो चुके थे और इसी उपलक्ष्य में 75 हफ्तों का अमृत महोत्सव मानने का निर्णय लिया गया था।

आज़ादी के अमृत महोत्सव का कार्यक्रम 75 सप्ताहों तक चलाया गया था। 15 अगस्त, 2022 को स्वतंत्रता दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें देशभक्ति के गीत-संगीत तथा नृत्य प्रस्तुति दी गई, इसके साथ ही महनीय व्यक्तियों द्वारा प्रवचन एवं भाषण दिए गए। वहीं आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम में पद-यात्रा भी शामिल की गई थी जिसका नाम फ्रीडम मार्च रखा गया है। इस पद-यात्रा में करीब 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया था जिसमें 25 दिनों के भीतर 241 मील की दूरी तय की गई थी।

आज़ादी पाने के लिए न जाने कितने स्वतंत्रता-सेनानियों ने अपने जीवन की आहुतियाँ दी हैं। उनके बलिदान को याद करने और आज़ादी के पावन राष्ट्रीय त्योहार के उपलक्ष्य में नए संकल्प लेने का है। नए संकल्प से हर भारतवासी के मन में अपने प्रिय मातृभूमि के प्रति देश-भक्ति की भावना को जगाकर नवनिर्माण में सहयोग दे सकें। वे देश की गरिमा को बनाए रखें और आज़ादी की महत्ता को समझते हुए देश के विकास में अपना योगदान दें।

अमृत महोत्सव साबरमती आश्रम से प्रारंभ किया गया था। समारोह का मुख्य उद्देश्य देश के आज़ादी का 75 वर्ष की खुशियाँ मनाना है। आज़ादी के 75 वर्षों में भारत ने विज्ञान, तकनीक, कृषि, साहित्य, खेल आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय तरक्की कर अपनी पहचान बनाई है। बीते 75 सालों में अपनी अंदरूनी समस्याओं, चुनौतियों के बीच देश ने ऐसा कुछ ज़रूर हासिल किया है, जिसकी तरफ़ दुनिया आकर्षित हो रही है।

(ख) बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय

संकेत बिंदु— • दूसरों की कमियाँ देखना स्वाभाविक प्रवृत्ति • इस प्रवृत्ति का समाज पर प्रभाव • अपने अंदर झाँकना आवश्यक •आत्मनिरीक्षण का संकल्प।

आज आदमी दूसरों के सद्गुणों को नकार कर उनके दोष मात्र ढूँढ़ रहा है जब व्यक्ति दूसरों में बुराई ढूँढ़ता है तथा अपने विवेक से ये पता करना चाहता है कि कौन सबसे बड़ा दोषी है तब यदि वह अपनी बुराइयों को देखने का प्रयास करे तो वह पाएगा कि संसार में कोई भी बुरा नहीं है। सब किसी-न-किसी परिस्थिति में बँधे हुए तथा वे दोष जो व्यक्ति ने दूसरों में ढूँढ़े हैं, वे किन्हीं परिस्थितियों का नतीजा हैं। इसलिए कोई भी मन से बुरा नहीं है कोई भी दोषी नहीं है। दूसरों की बुराई ढूँढ़ने से व्यक्ति ही नहीं समाज भी प्रभावित होता है और सामाजिक एकता क्षीण होती है। व्यक्ति जो दूसरों के दोषों के कारण उनको बुरा कहता है, जब वह अपने अंदर झाँकता है तो पाता है कि उससे बुरा इस दुनिया में कोई नहीं है। क्योंकि जो व्यक्ति मात्र दोष ढूँढ़ने के लिए प्रयत्न करता है भला उससे बड़ा दोषी संसार में और कौन होगा ? इसीलिए स्वयं को सबसे बड़ा दोषी मानते हुए दूसरों की सकारात्मकता को देखना ही जीवन को सार्थकता की ओर ले जा सकता है। दूसरों की सकारात्मकता को नकार कर उनमें दोष ढूँढ़ने वाला व्यक्ति संसार में सबसे बड़ा दोषी स्वयं है। जो बुरा खोजने में अपने मन को लगाए हुए है। हमें आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता है और दूसरों के निरीक्षण से पहले आत्मनिरीक्षण करना होगा तभी यह समाज एक आदर्श समाज बन सकेगा।

(ग) विद्यालयों की ज़िम्मेदारी-बेहतर नागरिक-बोध

संकेत बिंदु— •व्यक्तित्व निर्माण में विद्यालय का स्थान • राष्ट्र और समाज के प्रति उत्तरदायित्व •नागरिक अधिकारों-कर्तव्यों का बोध।

विद्यालय हमें सिखाते हैं कि घर, परिवार, समाज, संस्थाओं और लोक में रहते हुए कर्तव्यों का निर्वहन कैसे करें। हमारा योगदान क्या और कैसे हो। पाठ्यक्रमों, परीक्षाओं, उपाधियों से परे व्यक्ति को एक श्रेष्ठ राष्ट्रभक्त और समर्पित व्यक्ति बनाने का दायित्व विद्यालय का ही है। लोकमंगल और राष्ट्रकल्याण के भाव को जगाते ऐसे विद्यालय समाज के गौरव होते हैं। समाज उनकी ओर अनेक आकांक्षाओं से निहारता है। उनसे ज्ञान की चमक बिखेरने की अपेक्षा करता है। बदलते दौर में विद्यालय की भूमिका लगातार चुनौतीपूर्ण बन रही है। सामाजिक रचना के साथ वैश्विक स्तर पर होने वाले परिवर्तनों का असर गहरा है। इन परिवर्तनों के बीच में ही विद्यालय को स्वयं को ढालना होगा, बदलना होगा। आज की शिक्षा नि:संदेह संस्कार-केंद्रित नहीं रही। प्रतियोगिता की दुनिया में सभी मानदंड बिखर गए। शिक्षा चारित्रिक-निर्माण का माध्यम थी, परंतु अब यह महज रोज़गार हासिल करने का अटपटा-सा उपकरण बनकर रह गई। विद्यालय व्यक्तित्व को तराशे और संस्कारित करे, यह उम्मीद की जाती है। हमारे सामाजिक शब्दकोश में यह व्यक्तित्व विकास जैसे शब्द नहीं थे। विद्यालय दायित्वों से भरा हुआ है। विद्यालय अपने दायित्वों का निर्वाह करने में थोड़ी भी चूक करते हैं तो केवल छात्र का भविष्य ही नहीं बल्कि राष्ट्र के भविष्य के सामने भी एक प्रश्न-चिह्न खड़ा हो जाता है। इसलिए आवश्यक है कि जीवन की सुरक्षा जिस प्रकार करते हैं वैसे ही अपने दायित्वों का निर्वाह भी करें। वर्तमान में प्रत्येक ज़िम्मेदार नागरिक को जिन दायित्वों का निर्वहन करना है, उनमें सीमा सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा, देश की धरोहरों की सुरक्षा, स्वच्छता का ध्यान, साक्षरता का प्रचार-प्रसार आदि उल्लेखनीय हैं। सभी चुनौतियाँ राष्ट्रवासियों की उम्मीदों एवं आशाओं से जुड़ी हैं। एकता, समता के साथ व्यवहार एवं जीवन शैली वर्ग शुचिता ही सही समाधान हो सकता है। हर नागरिक को परिवार व समाज से पहले अपने राष्ट्र के बारे में सोचना चाहिए। किसी भी देश का नाम उसके नागरिकों के अच्छा या बुरा होने से ऊँचा होता है। भारतीय संस्कृति में विद्यालय की महिमा और विराटता व्यापक है।

13. किसी मुद्दे पर आपका अपने मित्र से मतभेद हो गया है। उसे लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर अपना पक्ष स्पष्ट करते हुए बताइए कि यह मित्रता आपके लिए क्या महत्व रखती है ? **5**

उत्तर —55, जनकपुरी
नई दिल्ली
दिनांक : 25 फ़रवरी, 20XX
प्रिय मित्र सुरेश
सप्रेम नमस्कार

मैं यहाँ अपने परिवार के साथ सकुशल हूँ और उम्मीद करता हूँ कि तुम भी अपने परिवारजनों के साथ कुशलतापूर्वक होंगे। सर्वप्रथम मैं दिल से तुम्हें चुनाव में विजयी होने के लिए बधाई देता हूँ। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में तुम आम आदमी पार्टी के टिकट पर लड़ रहे थे और तुम चाहते हो कि चुनाव प्रचार में मैं तुम्हारा साथ दूँ। परंतु मैं उस पार्टी की विचारधारा से सहमत नहीं था और मैंने तुम्हारे साथ प्रचार न करने का निर्णय लिया था। इस कारण तुम मुझसे नाराज़ हो गए। तुम इस बात से भली-भाँति परिचित हो कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को स्वेच्छा से पार्टी या नेता का चुनाव या समर्थन करने का अधिकार है और मैंने भी उसी अधिकार का प्रयोग किया। मुझे आशा है कि तुम मेरी बात समझोगे और अपनी नाराज़गी दूर करोगे। हमारी मित्रता बहुत घनिष्ठ है जिसमें मतभेद हो सकते हैं नाराज़गी नहीं। मुझे आशा है कि तुम पत्र पढ़कर शीघ्र ही उत्तर दोगे। तुम्हारे पत्र की प्रतीक्षा में।

तुम्हारा मित्र
क०ख०ग०

अथवा

किसी बस में वारदात कर भाग रहे अपराधी को संवाहक द्वारा पकड़कर पुलिस को सौंपने की घटना की विवरण सहित जानकारी देते हुए परिवहन विभाग के प्रबंधक को पत्र लिखकर उसे पुरस्कृत करने का अनुरोध कीजिए।

उत्तर— परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांक : 2 फ़रवरी, 20XX
परिवहन प्रबंधक
परिवहन विभाग
गाज़ियाबाद
उत्तर प्रदेश

विषय—संवाहक द्वारा बस वारदात कर भागते अपराधियों को पकड़ने के लिए उसे पुरस्कृत करने का अनुरोध करने हेतु महोदय

मैं गत रविवार दिल्ली बस अड्डे से गाज़ियाबाद की उत्तर प्रदेश परिवहन बस से यात्रा कर रहा था। अचानक दो बदमाश बस में घुस आए और बंदूक दिखाकर सभी यात्रियों को लूटने लगे। सभी यात्री नकद और ज़ेवर उन्हें देने लगे। इतने में बस संवाहक ने आक्रोश में आकर दोनों बदमाशों को धर दबोचा। बस यात्रियों ने भी उनका साथ दिया और बदमाशों को पकड़कर बस पुलिस स्टेशन गई। वहाँ संवाहक ने बदमाशों द्वारा लूट का पूरा विवरण लिखवाया और एफ०आई०आर० की कॉपी ले दुबारा बस गंतव्य की ओर चलवा दी।

मैं इस घटना की चश्मदीद गवाह हूँ, घटना के दौरान मेरी घबराहट के कारण बुरी हालत थी। ऐसे बहादुर संवाहक को परिवहन विभाग और पुलिस की ओर से पुरस्कृत किया जाना चाहिए।

भवदीय
क०ख०ग०

14. योग प्रशिक्षण केंद्र 'आरोग्य' प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **4**

अथवा

आपकी बहन का चयन राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एन०डी०ए०) में हो गया है। उनके लिए लगभग 40 शब्दों में बधाई संदेश लिखिए।

बधाई संदेश

6 नवंबर, 20XX
प्रात: 6.30 बजे
नई दिल्ली
प्रिय स्वाति
राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में चयन हेतु तुम्हें बहुत-बहुत बधाई।
''हो भविष्य उज्ज्वल-ही उज्ज्वल
शुभकामना देता मेरा ये अंतस्तल''
तुम्हारे उज्ज्वल भविष्य के लिए तुम्हें ढेर सारी शुभकामनाएँ एवं बधाइयाँ।
पारुल

15. आप सचिन हैं। आप बी०बी०ए० कर चुके हैं। आपको क ख ग कंपनी लिमिटेड मुंबई में सहायक प्रबंधक के पद के लिए आवेदन करना है। इसके लिए आप अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त (बायोडाटा) लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए। **5**

उत्तर— महोदय/महोदया,

मैंने 'टाइम्स ऑफ इंडिया' समाचार-पत्र में आपका विज्ञापन पढ़ा, जिसमें दर्शाया गया है कि आपको अपनी विशाल कंपनी में सहायक प्रबंधक पद के लिए एक योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवार चाहिए; जिसने बी०बी०ए० किया हो। मैं उपर्युक्त पद के लिए अर्ह हूँ और इस कंपनी में काम करने का इच्छुक हूँ। मेरा संक्षिप्त स्ववृत्त निम्नलिखित है—

आवेदित पद का नाम—		सहायक प्रबंधक
नाम	—	सचिन
पिता का नाम	—	देवेंद्र कुमार
माता का नाम	—	रीना देवी
जन्मतिथि	—	01-01-1996
राष्ट्रीयता	—	भारतीय
वैवाहिक स्तर	—	विवाहित
पता	—	XXX जयहिंद कॉलोनी, मुंबई
ज्ञात भाषाएँ	—	हिंदी, अंग्रेज़ी, मराठी

शैक्षणिक योग्यताएँ—

क्र० सं०	परीक्षा का नाम	उत्तीर्ण वर्ष	श्रेणी	संस्थान/वि०वि०
1.	बी०बी०ए०	2018	प्रथम	महाराष्ट्र वि०वि०, दिल्ली।
2.	सीनियर सेकेंडरी	2015	प्रथम	XXX स्कूल, मुंबई।
3.	हायर सेकेंडरी	2013	प्रथम	XXX स्कूल, मुंबई।

स्थान :
दिनांक :
हस्ताक्षर :

अथवा

आप योगिता सिंघल हैं। आप टाटा स्टील लिमिटेड में बिजनेस अधिकारी हैं। कुछ परिस्थितियों के चलते आप अपने पद से इस्तीफा देना चाहती हैं। कंपनी के मुख्य प्रबंधक को अपनी समस्या बताते हुए 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए।

उत्तर— To <GM@abc.com>
Cc >>>
विषय— नौकरी से इस्तीफा देना
महोदय
मैं आपको अपने पद से इस्तीफा देने के संबंध में लिख रही हूँ। मैं जिस पद पर कार्यरत हूँ उसमें कितनी जवाबदारियाँ हैं, आप उनसे परिचित ही हैं, वेतनमान में मुझे क़ाफी असमानता दिख रही है, वर्तमान में इस कंपनी के लिए काफ़ी संघर्ष किया है। शायद इस संघर्ष को नज़रअंदाज़ किया गया है। अत: मुझे जल्दी ही ज़िम्मेदारियों से मुक्त कर क्लीनचिट दी जाए। प्रत्युत्तर में आपके मेल की प्रतीक्षा है।
सादर
योगिता सिंघल

HOLY FAITH INTERNATIONAL PVT. LTD.

Holy Faith New Style Sample Paper–4

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं
विषय—हिंदी (अ)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश— इसके लिए Holy Faith New Style Sample Paper—1 देखें।

खंड—क

(बहुविकल्पी/लघूत्तरात्मक/अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(3 × 1 + 2 × 2) = 3 + 4 = 7

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का साबरमती आश्रम (गुजरात) दुनियाभर में प्रसिद्ध है। लेकिन उतना ही प्रसिद्ध उनका सेवाग्राम आश्रम भी है। गांधी जी ने अपने सायंकाल के 12 वर्ष इसी आश्रम में बिताए। आज गांधी जी के आदर्श पर साहित्य की भरमार है लेकिन किसी को उनके आदर्श की गूँज सुननी हो तो वह सेवाग्राम आश्रम स्थित गांधी जी की कुटी में सुन सकता है। जो उनके जीवनदर्शन को समझना चाहते हैं, उनके लिए भी यह कुटिया मददगार हो सकती है। देश में गांधी जी के कई अन्य आश्रम भी उनकी याद दिलाते हैं लेकिन सेवाग्राम आश्रम सबसे अलग है। यह कुटिया आज भी उसी रूप में मौजूद है जैसे यह गांधी जी के समय थी।

विश्वविख्यात चिंतक इवान इलिच जब इस आश्रम में कुछ दशक पहले आए तो वे गांधी जी की कुटिया से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके। उनका कहना था कि मैं इस कुटिया के जरिए गांधी जी की दृष्टि को समझने का जितना प्रयास करता गया, उतना ही उनकी सादगी, सफ़ाई और सौंदर्यवृत्ति का स्पष्ट दर्शन होता गया। गांधी जी की कुटिया का संदेश है—सबके साथ प्यार और बराबरी का संबंध कायम करना। मैं पूरी तरह से निश्चिंत हूँ कि जिन लोगों को गांधी जी की इस कुटिया का महत्व समझ में नहीं आता और जो रहने के लिए बड़ी-बड़ी जगहों और आलीशान मकान की चाह रखते हैं उनके मस्तिष्क, शरीर और जीवन-पद्धति में दिवालियापन छाया हुआ है। मुझे उन पर दया आती है कि वे अपने सचेतन भाव को अचेतन मकानात के हवाले सौंप देते हैं। इस प्रक्रिया में वे अपने शरीर का लचीलापन और ज़िंदगी की जिंदादिली दोनों को खो बैठते हैं। गांधी जी की यह कुटिया उस आनंद का प्रतीक है, जो मनुष्य को आम जन के साथ एक स्तर पर रहने से प्राप्त होता है। जहाँ स्वावलंबन मंत्र की साधना होती है और यह समझ बनती है कि बेकार की वस्तुओं को अपने घर में जमाकर मनुष्य अपने वातावरण से आनंद प्राप्त करने की क्षमता खो बैठता है।

(i) इवान इलिच किससे बहुत प्रभावित हुए ? **1**

(क) जीवन-दर्शन से (ख) गांधी जी की कुटिया से

(ग) धन-संपदा से (घ) किसी से नहीं।

उत्तर—(ख) गांधी जी की कुटिया से।

(ii) गांधी जी का साबरमती आश्रम कहाँ स्थित है ? **1**

(क) गुजरात (ख) कोलकाता

(ग) मथुरा (घ) बनारस।

उत्तर—(क) गुजरात।

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— **1**

कथन (A)—गांधी जी का सेवाग्राम आश्रम परस्पर मेल और समता का संदेश देता है।

कारण (R)—गांधी जी ने अपने जीवन के 12 वर्ष सेवाग्राम आश्रम में गुजारे थे।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

उत्तर—(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iv) गांधी जी की कुटिया क्या संदेश देती है ? **2**

उत्तर—गांधी जी की कुटिया सरलता व सादगी से स्वच्छ जीवन जीने तथा परस्पर प्रेम, भाईचारा, समता से रहने का संदेश देती है।

(v) गांधी जी के आदर्शों की गूँज कहाँ सुनाई देती है? **2**

उत्तर—गांधी जी के आदर्शों की गूँज उनसे संबंधित साहित्य में सुनाई देती है।

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए :

(3 × 1 + 2 × 2) = 3 + 4 = 7

'फ़सल' किसान के कच्चे-अधपके
सपनों की लहलहाती आस है
यह उसके हृदय की गहराइयों में
अंकुरित एक विश्वास है
यह विश्वास है—
ढही हुई दीवार की चिनाई का
अट्ठारह पार कर चुकी बेटी की सगाई का
परचुनिए की उधारी चुकाने का
मन के अपनों को नए परिधान पहनाने का
इसी विश्वास की सलामती के लिए
वह मूँदता है आँखें

दिन में न जाने कितनी बार....
और दुआएँ प्रेषित करता है ऊपर तक
भरोसे और आशंका की रस्साकशी में
न जाने कितनी बार वह जागता है नींद से
और जगा देना चाहता है उस परमात्मा को भी
जिसके बारे में सुनता आया है कि सभी कुछ उसके ही हाथ है....
और इसीलिए जब फ़सल सौंधियाती है
असल में, किसान के सपने सौंधियाते हैं
और फ़सल घर आ जाने पर, सपने पक जाते हैं....

(*i*) 'दुआएँ प्रेषित करता है ऊपर तक' का आशय है— **1**

(क) ईश्वर को प्रसन्न करने के लिए व्रत-उपवास रखना।
(ख) सामूहिक यज्ञ करके फ़सल की कुशलता की कामना करना।
(ग) फ़सल की कुशलता हेतु मन-ही-मन ईश्वर से प्रार्थना करना।
(घ) निवेदन को ग्राम्य विकास से जुड़े अधिकारियों तक पहुँचाना।

उत्तर—(ग) फ़सल की कुशलता हेतु मन-ही-मन ईश्वर से प्रार्थना करना।

(*ii*) 'भरोसे और आशंका की रस्साकशी में' पंक्ति के आधार पर किसान की मनोदशा से जुड़ा सही विकल्प है— **1**

(क) ईश्वर पर अटूट विश्वास कि वे फ़सल को कोई हानि नहीं होने देंगे।
(ख) ईश्वर पर विश्वास, किंतु फ़सल की कुशलता को लेकर मन आशंकित रहना।
(ग) परिश्रम पर पूर्ण विश्वास किंतु 'भाग्य में क्या लिखा है' इससे सदा आशंकित रहना।
(घ) स्वयं पर भरोसा करना, किंतु प्राकृतिक आपदाओं की आशंका से सदैव भयभीत बने रहना।

उत्तर—(ख) ईश्वर पर विश्वास, किंतु फ़सल की कुशलता को लेकर मन आशंकित रहना।

(*iii*) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प को चुनिए— **1**

कथन (A)—किसान अपनी फ़सल के साथ भावात्मक रूप से जुड़ा होता है।
कारण (R)—व्यवसाय और व्यवसायी के बीच ऐसे संबंध स्वाभाविक हैं।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर—(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(*iv*) किसान के हृदय की गहराइयों में अंकुरित हुए विश्वास की परिधि में क्या-क्या आता है ? **2**

उत्तर—किसान के हृदय की गहराइयों में अंकुरित हुए विश्वास की परिधि में ढही हुई दीवार की चिनाई, बेटी की सगाई, परचूनवाले की उधारी तथा नए वस्त्रों की खरीदारी आदि आवश्यक कार्य एवं कुछ भावात्मक सपने आते हैं।

(*v*) फ़सल किसानों की आस क्यों होती है ? **2**

उत्तर—फ़सल किसानों के कच्चे-अधपके सपनों की लहलहाती आस होती है क्योंकि फ़सल से ही उनके जीवन की ज़रूरी इच्छाओं के साकार होने की संभावना जुड़ी होती है। फ़सल से किसानों का भावात्मक लगाव होता है।

खंड—ख

3. 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के सही उत्तर दीजिए।

निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए— 4 × 1 = 4

(क) ''वह शर उधर गांडीव गुण से भिन्न जैसे ही हुआ।
धड़ से जयद्रथ का उधर सिर छिन्न वैसे ही हुआ।''
(ख) ''आ रही रवि की सवारी,
नव किरण का रथ सजा है
कलि कुसुम से पथ सजा है''
(ग) ''फूले कांस सकल मह छाई।
जनु बरसा रितु प्रकट बुढ़ाई।''
(घ) 'अंबर पनघट में डुबो रही, तारा घट उषा नागरी।'
(ङ) 'लघु तरणि हंसिनी सी सुंदर।'

उत्तर—(क) अतिशयोक्ति अलंकार
(ख) मानवीकरण अलंकार
(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार
(घ) रूपक अलंकार
(ङ) उपमा अलंकार।

4. निम्नलिखित वाक्य के पाँच रेखांकित पदों में से किन्हीं *चार* के पद-परिचय लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) उसका लखनवी अंदाज़ लेखक को प्रभावित न कर सका।
(ख) उसने प्राकृतिक दृश्यों को देखा।
(ग) 'उन्होंने खीरे को बड़ी नज़ाकत से बाहर फेंक दिया।'
(घ) तू यहाँ क्यों खड़ा है ?
(ङ) मैंने एक लड़ाकू विमान देखा।

उत्तर—(क) लखनवी—गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग।
(ख) देखा—सकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, पुल्लिंग, एकवचन।
(ग) नज़ाकत से—क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'फेंक दिया' का विशेषण।
(घ) तू—सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यम पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन।
(ङ) विमान—संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, क्रिया का कर्म।

5. 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* के निर्देशानुसार सही उत्तर लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) मेरे मित्र से चला नहीं जाता। (कर्तृवाच्य में)
(ख) उनके सामने कौन बोलेगा ? (भाववाच्य में)
(ग) भाई साहब ने मुझे पतंग दी। (कर्मवाच्य में)
(घ) मेरे द्वारा समय की पाबंदी पर निबंध लिखा गया। (कर्तृवाच्य में)
(ङ) ''तुमने अच्छी चाल चली।'' (कर्मवाच्य में)

उत्तर—(क) मेरा मित्र चल नहीं सकता।
(ख) उनके सामने किससे बोला जाएगा।

(ग) भाई साहब के द्वारा मुझे पतंग दी गई।
(घ) मैंने समय की पाबंदी पर निबंध लिखा।
(ङ) तुम्हारे द्वारा अच्छी चाल चली गई।

6. 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के निर्देशानुसार सही उत्तर लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) सरल वाक्य किसे कहते हैं ?
(ख) 'न तो वह वहाँ जा सका, न ही मैं' (सरल वाक्य में बदलिए)
(ग) हुड़दंग तो इतना मचाया कि कॉलेज वालों को थर्ड इयर मी खोलना पड़ा। (वाक्य-भेद लिखिए)
(घ) मैं जल्दी से बाहर जाकर ओले देखने लगा। (मिश्र वाक्य में बदलिए)
(ङ) नेता जी की मूर्ति बनाने का काम स्थानीय कलाकार ने मज़बूरी में किया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर—(क) एक ही उद्देश्य और एक ही विधेय वाले वाक्य को सरल वाक्य कहते हैं।
(ख) वह और मैं दोनों वहाँ नहीं जा सके।
(ग) मिश्र वाक्य।
(घ) जब मैं जल्दी से बाहर गया तब ओले देखने लगा।
(ङ) नेता जी की मूर्ति बनाने का काम हो गया और उसे स्थानीय कलाकार ने मज़बूरी में किया।

खंड—ग

7. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5 × 1 = 5

कौसिक सुनहु मंद येहु बालकु।
कुटिलु कालबस निज कुल घालकु।।
भानुबंस राकेस कलंकू।
निपट निरंकुसु अबुधु असंकू।।
कालकवलु होइहि छन माहीं।
कहौं पुकारि खोरि मोहि नाहीं।।
तुम्ह हटकहु जौ चहहु उबारा।
कहि प्रतापु बलु रोषु हमारा।।
लखन कहेउ मुनि सुजसु तुम्हारा।
तुम्हहि अछत को बरनै पारा।।
अपने मुहु तुम्ह आपनि करनी।
बार अनेक भाँति बहु बरनी।।
नहिं संतोषु त पुनि कछु कहहू।
जनि रिस रोकि दुसह दुख सहहू।।
बीरब्रती तुम्ह धीर अछोभा।
गारी देत न पावहु सोभा।।
सूर समर करनी करहिं कहि न जनावहिं आपु।
बिद्यमान रन पाइ रिपु कायर कथहिं प्रतापु।।

(1) परशुराम अपना यश किसके समक्ष बखान रहे हैं ?
(क) विष्णु के समक्ष (ख) महादेव के समक्ष
(ग) श्रीहरि के समक्ष (घ) विश्वामित्र के समक्ष।

(2) परशुराम ने कौशिक कहकर किसका संबोधन किया है ?
(क) राजा दशरथ का (ख) वशिष्ठ का
(ग) राजा बृहस्पति का (घ) विश्वामित्र का।

(3) परशुराम लक्ष्मण के बारे में कौन-सी क्रोधभरी बात कह रहे हैं ?
(क) लक्ष्मण कुल का घातक बन रहा है।
(ख) लक्ष्मण केवल अपना दाँव चलाना चाहता है।
(ग) लक्ष्मण मेरे सामने से पीठ दिखाना चाहता है।
(घ) लक्ष्मण धनुष-बाण सहित आत्मसमर्पण करना चाहता है।

(4) शत्रु को युद्ध में पाकर कौन अपनी वीरता की डींगें हाँका करता है ?
(क) योद्धा (ख) कायर
(ग) मुनि (घ) तपस्वी।

(5) परशुराम विश्वामित्र को अपने बारे में क्या बता रहे हैं ?
(क) वे बड़े प्रतापी हैं।
(ख) वे बड़े बलशाली हैं।
(ग) वे अत्यंत क्रोधी हैं।
(घ) उपर्युक्त सभी विकल्प सही हैं।

उत्तर—1. (घ), **2.** (घ), **3.** (क), **4.** (ख), **5.** (घ)

8. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5 × 1 = 5

नमक मिर्च छिड़क दिए जाने से ताज़े खीरे की पनियाती फाँकें देखकर पानी मुँह में ज़रूर आ रहा था, लेकिन इनकार कर चुके थे। आत्मसम्मान निबाहना ही उचित समझा, उत्तर दिया, ''शुक्रिया, इस वक्त तलब महसूस नहीं हो रही, मेदा भी ज़रा कमजोर है, किबला शौक फरमाएँ। नवाब साहब ने सतृष्ण आँखों से नमक-मिर्च के संयोग से चमकती खीरे की फाँकों की ओर देखा। खिड़की के बाहर देखकर दीर्घ नि:श्वास लिया। खीरे की एक फाँक उठाकर होंठों तक ले गए। फाँक को सूँघा। स्वाद के आनंद में पलकें मूँद गईं। मुँह में भर आए पानी का घूँट गले से उतर गया। नवाब साहब ने फाँक को खिड़की से बाहर छोड़ दिया। तब नवाब साहब खीरे की फाँकों को नाक के पास ले जाकर, वासना से रसास्वादन कर खिड़की के बाहर फेंकते गए।

(1) नमक-मिर्च छिड़कने से खीरे की फाँकें कैसी हो गई थीं ?
(क) पनियाती (ख) रसीली
(ग) कसैली (घ) रसयाती।

(2) कौन इनकार कर चुके थे ?
(क) नवाब साहब (ख) लेखक
(ग) मुसाफ़िर (घ) कोई अन्य।

(3) सतृष्ण आँखों का क्या अर्थ है ?
(क) लालच से भरी आँखें (ख) नींद से भरी आँखें
(ग) इच्छा से भरी आँखें (घ) आँसू से भरी आँखें।

(4) नवाब साहब ने खीरे की फाँकों का क्या किया ?
(क) लेखक को दे दिया (ख) खा लिया
(ग) छोड़ दिया
(घ) सूँघकर खिड़की से बाहर फेंक दिया।

(5) नवाब साहब ने खीरे की फाँकों को कैसी नज़रों से देखा ?
(क) लालची (ख) बेबस
(ग) सतृष्ण (घ) भूखी।

उत्तर—1. (क), **2.** (ख), **3.** (ग), **4.** (घ), **5.** (ग)

9. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए : 3 × 2 = 6

(क) 'निराला' ने 'उत्साह' कविता के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन के क्या संदेश दिए हैं ? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

उत्तर—'उत्साह' कविता एक आह्वान गीत है। किसी को जब संकट के समय बुलाया जाता है, तो उसमें क्रंदन ध्वनि होती है, 'गरजने' शब्द में भी एक क्रांति, क्रंदन भाव छिपा है। फुहार, रिमझिम, बरसना सौम्य शब्द हैं। निराला एक विद्रोही, क्रांति भाव के कवि हैं। वे समाज में क्रांति के माध्यम से परिवर्तन लाना चाहते हैं। इस प्रकार उत्साह कविता में सुंदर कल्पना और क्रांति चेतना दोनों का समावेश है।

(ख) ''मिट्टी के गुण-धर्म को सुरक्षित कैसे रखा जा सकता है ?'' 'फ़सल' कविता के आधार पर लिखिए।

उत्तर—मिट्टी के गुण धर्म को सुरक्षित रखने में मानव की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। मनुष्य द्वारा प्रदूषण न फैलाना मिट्टी के गुण-धर्म को सुरक्षित रखने में मदद कर सकता है। यदि मनुष्य रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों, खरपतवार-नाशकों के स्थान पर प्राकृतिक पदार्थों का प्रयोग करें, तो वे मिट्टी के गुण-धर्म को सुरक्षित रख सकते हैं। मनुष्य औद्योगिक अपशिष्ट की रोकथाम करके मिट्टी के गुण-धर्म को सुरक्षित रख सकता है।

(ग) कवि जयशंकर प्रसाद आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहते हैं ?

उत्तर—कवि जयशंकर प्रसाद आत्मकथा लिखने से इसलिए बचना चाहते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि उनका जीवन साधारण-सा है। उसमें कुछ भी ऐसा नहीं, जिससे लोगों को किसी प्रकार का आह्लाद प्राप्त हो सके। उनका जीवन पीड़ाओं व अभावों से भरा हुआ है, जिन्हें वह औरों के साथ साझा नहीं करना चाहते, क्योंकि लोग दूसरों के दुखों का परिहास उड़ाते हैं। उनके जीवन में किसी के प्रति कोमल भाव अवश्य था, जो उसके व्यक्तिगत सुखद क्षण हैं। इसे वह किसी को साझा नहीं करना चाहते।

(घ) परशुराम के प्रति लक्ष्मण के व्यवहार पर अपने विचार लिखिए।

उत्तर—मुनि परशुराम जी ने अपने गुरु शिवजी का धनुष टूटा देखा तो वे महाराज जनक की सभा में क्रोध प्रकट करने लगे। जब लक्ष्मण ने परशुराम को कहा कि धनुष तोड़ने वाले के मन में आपके गुरु के अपमान का भाव नहीं है। इस बात पर भी परशुराम प्रचंड होने लगे तो लक्ष्मण ने व्यंग्य कटाक्ष और चुनौती के स्वर में अपनी प्रतिक्रिया दी।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए : 3 × 2 = 6

(क) बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के आश्चर्य का कारण क्यों थी?

उत्तर—बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के आश्चर्य का कारण इसलिए थी क्योंकि वे अपने नियमों का दृढ़ता से पालन करते थे। वे सुबह मुँह अँधेरे उठते और गाँव से दो मील दूर नदी पर स्नान के लिए जाते। वापसी में पोखर के ऊँचे स्थान पर बैठकर खँजड़ी बजाते हुए गीत गाते। यह नियम न सरदी देखता और न ही गरमी। वे बिना पूछे न ही किसी की वस्तु छूते और न ही व्यवहार में लाते थे। कई बार तो वे अपने नियमों पर इतना दृढ़ हो जाते थे कि शौच के लिए भी दूसरों के खेतों का प्रयोग नहीं करते थे। नियमों पर उनकी दृढ़ता ही लोगों के आश्चर्य का कारण बनी थी।

(ख) कस्बे से गुज़रते हुए हालदार साहब सदा चौराहे पर क्यों रुकते थे ? दो कारण लिखिए।

उत्तर— हालदार साहब हमेशा चौराहे पर रुकते थे, पान खाते थे, और नेताजी की मूर्ति को निहारते थे। नेताजी सुभाषचंद्र बोस के प्रति उनके हृदय में विशेष सम्मान, आदर का भाव था, जो उनकी मूर्ति को देखकर और भी प्रबल हो उठता था। उनके हृदय में नेताजी के कार्यों की स्मृति श्रद्धा का भाव जगा देती थी। स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने वाले सेनानियों के प्रति आदर और सम्मान का भाव रखते थे। वे नेताजी की मूर्ति को निहारते हुए प्रसन्नता का अनुभव करते थे।

(ग) मनुष्य के जीवन में आस-पड़ोस का बहुत महत्व होता है, परंतु महानगरों में रहने वाले लोग प्राय: पड़ोस कल्चर से वंचित रह जाते हैं। इस बारे में अपने विचार लिखिए।

उत्तर—मनुष्य के जीवन में उसके आस-पड़ोस का बहुत महत्व होता है। मनुष्य के संकट की घड़ी में पड़ोसी ही सबसे पहले काम आता है। परंतु आजकल के शहरी जीवन में कोई किसी से वास्ता नहीं रखना चाहता। लोग अपनी-अपनी दिनचर्या में व्यस्त रहते हैं। उन्हें आस-पड़ोस के लोगों से मिलने का समय भी नहीं मिलता। महानगरों के लोग फ़्लैट और कोठियों में कैद होकर रह गए हैं और पड़ोस कल्चर से वंचित हो गए हैं।

(घ) भदंत आनंद कौसल्यायन के अनुसार 'संस्कृति' से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर—संस्कृति का अभिप्राय श्रेष्ठ कृति अथवा कर्म है। कर्म विचार पर आधारित होता है। इसलिए जो ज्ञान एवं भाव हमारे कर्मों को श्रेष्ठ बनाते हैं, वही संस्कृति है। संस्कृति का कार्य मनुष्य को सद्कर्मों की ओर ले जाना है। यह मानव के भौतिक जीवन को सुधारने का काम करती है। यह सभ्यता को विकसित तथा उन्नत बनाती है। जो समाज जितना अधिक सुसंस्कृत होगा, उसकी सभ्यता भी उतनी ही अधिक विकसित तथा उन्नत होगी।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए : 2 × 4 = 8

(क) 'बच्चे रोना-धोना, पीड़ा, आपसी झगड़े ज़्यादा देर तक अपने साथ नहीं रख सकते हैं ।'' 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर इस कथन को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— बच्चे रोना-धोना, पीड़ा आपसी झगड़े ज़्यादा देर तक अपने साथ नहीं रख सकते हैं। बच्चे स्वभाव के बहुत ही निश्छल, कोमल एवं चंचल होते हैं। बाल मनोविज्ञान की स्वाभाविक मनोवृत्ति है कि बच्चों की सबसे अधिक रुचि साथियों के साथ खेलने में होती है। आपस में खेलते हुए वह अपने सभी दुख भूल जाते हैं। जैसे गुरुजी की मार फटकार से रोता हुआ बालक भोलानाथ पिता जी का कंधा आँसुओं से तर कर देता है किंतु घर जाते समय रास्ते में ज़ोर-ज़ोर से नाचते-गाते साथियों का झुंड मिलने पर भोलानाथ अचानक रोना भूल जाता है और हठ करके बाबू जी की गोद से उतरकर बालकों की मंडली में मिलकर नाचना-गाना शुरू कर देता है।

(ख) यात्राएँ विभिन्न संस्कृतियों से परिचित होने का अच्छा माध्यम हैं। 'साना-साना हाथ जोड़ि' यात्रा वृत्तांत के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए।

उत्तर—यह सत्य है कि यात्राएँ विभिन्न संस्कृतियों से परिचित होने का अच्छा माध्यम हैं। लेखिका जब पर्वतीय प्रदेशों की यात्रा करती हैं, तो वह न केवल वहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य देखती हैं, बल्कि वहाँ की भाषा, परंपराएँ, रीति-रिवाज़, मान्यताएँ आदि भी बारीकी से देखती हैं। लेखिका वहाँ के जीवन की विषमताओं की साक्षी बनती हैं। लेखिका यूमथांग में एक स्थान पर कतार में लगी सफ़ेद बौद्ध पताकाओं से परिचित होती हैं, जो किसी बुद्धिस्ट की मृत्यु पर उसकी आत्मा की शांति के लिए पवित्र स्थान पर फहराई जाती हैं। एक अन्य स्थान पर इस मान्यता का भी उन्हें पता चलता है कि खेदुम नामक देवी-देवताओं के निवास स्थान पर गंदगी फैलाने से गंदगी फैलाने वाले की मृत्यु हो जाती है।

(ग) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि आपके विचार से विज्ञान का दुरुपयोग कैसे हो रहा है और उससे कैसे बचा जा सकता है ?

उत्तर—हिरोशिमा पर अणु-बम गिराए जाने की घटना ने संपूर्ण मानवता को हिलाकर रख दिया था। यह विज्ञान का निकृष्टतम प्रयोग था। आज विज्ञान का दुरुपयोग करके मानव विश्व का संहार करने में व्यस्त है। विज्ञान का दुरुपयोग करके परमाणु बम, एटम बम, हाइड्रोजन बम, मिसाइलें तथा अनेक ऐसे विनाशकारी अस्त्र-शस्त्र बनाए जा रहे हैं, जिनसे संसार क्षण भर में नष्ट हो सकता है। विज्ञान द्वारा अनेक विषैली गैसें तैयार की जा रही हैं। इन गैसों से किसी भी देश की जलवायु को विषाक्त करके लोगों को समाप्त किया जा सकता है। इसके साथ-साथ विज्ञान का दुरुपयोग लोगों को आलसी, निकम्मा, चरित्रहीन आदि बनाने में भी हो रहा है।

विज्ञान के नए-नए प्रयोग मनुष्य को हिंसा और अनेक कुप्रवृत्तियों की ओर धकेल रहे हैं। विज्ञान के उपकरणों के अंधाधुंध प्रयोग के कारण वातावरण में तेज़ी से बदलाव आ रहा है जिससे प्रदूषण का स्तर निरंतर बढ़ता जा रहा है।

खंड—घ

रचनात्मक लेखन

12. दिए गए बिंदुओं के आधार परे किसी *एक* विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 6

(क) जंक फ़ूड

संकेत बिंदु— •जंक फ़ूड क्या होता है ? •युवा पीढ़ी और जंक फ़ूड, • जंक फ़ूड खाने के दुष्परिणाम।

(ख) ऑनलाइन खरीददारी : समय की माँग

संकेत बिंदु— •ऑनलाइन खरीददारी से अभिप्राय • बदलते समय की आवश्यकता • खरीददारी करते समय संयम की आवश्यकता • खरीददारी के समय सावधानियाँ।

(ग) ग्लोबल वार्मिंग

संकेत बिंदु— •मानव प्रेरक कारक •बढ़ता तापमान विभिन्न खतरा •ग्लोबल वार्मिंग के कारक।

उत्तर—(क) जंक फ़ूड

संकेत बिंदु— •जंक फ़ूड क्या होता है ? •युवा पीढ़ी और जंक फ़ूड, • जंक फ़ूड खाने के दुष्परिणाम।

बर्गर, पिज़्ज़ा, नूडल्स, फ्रेंच फ्राइस, कोल्ड ड्रिंक आदि ये सब अल्पाहार जंक फ़ूड कहलाते हैं। आधुनिक समय में हर वर्ग के लोग जंक फ़ूड के दीवाने दिखाई देते हैं। आज की युवा पीढ़ी फल व हरी सब्ज़ियों का सेवन न कर जंक फ़ूड को ही अपना पर्याप्त आहार समझने लगी है। समय के अभाव, सुविधाजनक व स्वादिष्ट होने के कारण युवा वर्ग जंक फ़ूड की ओर अधिक आकर्षित रहता है। जबकि यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इस फ़ूड में पौष्टिक तत्वों की कमी होने के कारण युवा वर्ग व बच्चे मोटापा, शुगर, हृदय रोग व उच्च रक्तचाप आदि बीमारियों का शिकार हो जाते हैं। जंक-फ़ूड खाने में तो स्वादिष्ट होता है किंतु इसमें पोषक तत्वों की कमी होती है। तैलीय होने के कारण इसे पचने में काफ़ी समय लगता है। पोषक तत्वों की कमी के कारण पेट तथा अन्य पाचन अंगों में खिंचाव रहता है। कब्ज़ व गैस की समस्या उत्पन्न हो जाती है। जंक फ़ूड का नियमित प्रयोग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। जीवन को भरपूर जीने व स्वस्थ रहने के लिए जंक फ़ूड से बचना चाहिए।

(ख) ऑनलाइन खरीददारी : समय की माँग

संकेत बिंदु— •ऑनलाइन खरीददारी से अभिप्राय • बदलते समय की आवश्यकता • खरीददारी करते समय संयम की आवश्यकता • खरीददारी के समय सावधानियाँ।

ऑनलाइन खरीददारी एक उभरती हुई ई-कॉमर्स तकनीक है। इसमें एक समय में सीमित उत्पादों के ग्राहकों को बाज़ारों की भीड़ का सामना न करना पड़े। इसके विकल्प के रूप में ऑनलाइन खरीददारी करने का तरीका आसान और अधिक सुविधाजनक सिद्ध हो रहा है। विक्रेता उत्पाद विवरण ऑनलाइन अपलोड कर रहे हैं जिसे वेबसाइट को ब्राउज करते समय आसानी से देखा जा सकता है। सर्वसुलभता के कारण ऑनलाइन खरीददारी आज के समय की माँग है।

समाज के कई वर्ग ऐसे हैं, जिनके लिए ऑनलाइन खरीददारी करना आसान नहीं है, वे खरीददारी के पारंपरिक तरीकों पर ही निर्भर हैं। लोग खरीददारी के दौरान वस्तुओं को मूल रूप से देखकर ही पूर्ण रूप से संतुष्ट होते हैं। वे अवलोकन करने के बाद ही उत्पाद पर भरोसा करते हैं और उसे खरीदते हैं। इसलिए अभी भी एक बड़े वर्ग के लिए पारंपरिक खरीददारी उनकी पहली प्राथमिकता बनी हुई है। समय की बचत करने के लिए उन्हें समय परिवर्तन को समझना होगा, अर्थात् उन्हें डिजिटल प्लेटफार्म में आना ही होगा। ऑनलाइन खरीददारी आज के समय की एक आवश्यकता बन गई है। खरीददारी करने से पूर्व विश्वसनीय कंपनियों से उत्पाद मँगवाने चाहिए। भुगतान करते समय क्रेडिट व डेबिट कार्ड के विवरण जाँच-परख कर फीड करें। संयम रखकर ही उत्पाद का चुनाव करें और भुगतान करें, ऐसा करने से आप खरीददारी से लाभान्वित होंगे और ठगी से बचाव कर पाएंगे। उत्पाद की बेहतर जाँच करके उनका चयन करें तथा व्यक्तिगत बैंकिंग विवरण देने से परहेज़ करें। आपके द्वारा की गई जल्दबाज़ी ही आपके लिए घातक सिद्ध हो सकती हैं।

जो भी उत्पाद आप ऑर्डर कर रहे हैं उसके बारे में 'ग्राहक अवलोकन' अवश्य देखें। उसके बाद का विवरण ज़रूर देखें।

- उत्पाद की गारंटी/वारंटी कितनी शेष है।
- आप अगर उत्पाद खरीद रहे हैं तो उसका सेवा प्रदाता आपके क्षेत्र में है या नहीं इसकी जाँच करें।
- भुगतान विकल्प में अकसर कैश ऑन डिलीवरी का विकल्प चयन करें क्योंकि इससे ठगी होने के अवसर कम होते हैं।
- सामान आने के बाद ई-कार्ट मास्टर के सामने ही पैक को खोलकर देखें कि उसमें आपका ऑर्डर किया हुआ सामान है या नहीं।
- ऑनलाइन खरीददारी करते वक्त आपको यह पता होना चाहिए कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से बेचे जाने वाले सामानों पर कंट्री ऑफ ओरिजिन

यानी सामान किस देश में बना है, यह होना ज़रूरी है।

- ऑर्डर कैंसिल करने पर कंपनियाँ आपसे किसी प्रकार का अतिरिक्त अधिभार नहीं ले सकती हैं। इसके अलावा अगर आपके पास कोई खराब या जाली उत्पाद आ गया है, इस स्थिति में उत्पाद वापस या रिफंड की प्रक्रिया ज़रूरी है।

(ग) ग्लोबल वार्मिंग

संकेत बिंदु— • मानव प्रेरक कारक • बढ़ता तापमान विभिन्न खतरा • ग्लोबल वार्मिंग के कारक।

पृथ्वी की सतह पर औसतन तापमान का बढ़ना ग्लोबल वार्मिंग (वैश्विक तापमान) कहलाता है। ग्लोबल वार्मिंग मुख्य रूप से मानव प्रेरक कारकों के कारण होता है। औद्योगीकरण में ग्रीनहाउस गैसों का अनियंत्रित उत्सर्जन तथा जीवाश्म ईंधन का जलना ग्लोबल वार्मिंग का मुख्य कारण है। ग्रीनहाउस गैस वायुमंडल में सूर्य की गरमी को वापस जाने से रोकता है। यह एक प्रकार का प्रभाव है जिसे ''ग्रीनहाउस गैस प्रभाव'' के नाम से जाना जाता है। इसके फलस्वरूप पृथ्वी की सतह पर तापमान बढ़ रहा है। पृथ्वी के बढ़ते तापमान के फलस्वरूप पर्यावरण प्रभावित होता है अत: इस पर ध्यान देना आवश्यक है। पर्यावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा में वृद्धि के कारण पृथ्वी की सतह पर निरंतर तापमान का बढ़ना ग्लोबल वार्मिंग है। ग्लोबल वार्मिंग दुनिया के सभी देशों के लिए एक बड़ी समस्या है, जिसका समाधान सकारात्मक शुरुआत के साथ करना चाहिए। पृथ्वी का बढ़ता तापमान विभिन्न खतरों को जन्म देता है, साथ ही इस ग्रह पर जीवन के अस्तित्व के लिए संकट पैदा करता है। यह क्रमिक और स्थायी रूप से पृथ्वी के जलवायु में परिवर्तन उत्पन्न करता है तथा इससे प्रकृति का संतुलन प्रभावित होता है। पृथ्वी की सतह पर औसतन तापमान का बढ़ना ग्लोबल वार्मिंग कहलाता है। ग्लोबल वार्मिंग मुख्य रूप से मानव प्रेरक कारकों के कारण होता है। औद्योगीकरण में ग्रीनहाउस गैसों का अनियंत्रित उत्सर्जन तथा जीवाश्म ईंधन का जलना ग्लोबल वार्मिंग का मुख्य कारण है। ग्रीनहाउस गैस वायुमंडल में सूर्य की गरमी को वापस जाने से रोकता है। यह एक प्रकार का प्रभाव है जिसे ''ग्रीनहाउस गैस प्रभाव'' के नाम से जाना जाता है। इसके फलस्वरूप पृथ्वी की सतह पर तापमान बढ़ रहा है। ग्लोबल वार्मिंग में वृद्धि के कारण, पृथ्वी से वायुमंडल में जल-वाष्पीकरण अधिक होता है जिससे बादल में ग्रीन हाउस गैस का निर्माण होता है जो पुन: ग्लोबल वार्मिंग का कारण बनता है। जीवाश्म ईंधन का जलना, उर्वरकों का उपयोग, अन्य गैसों में वृद्धि जैसे—ट्रोपोस्फेरिक ओज़ोन, और नाइट्रस ऑक्साइड भी ग्लोबल वार्मिंग के कारक हैं। तकनीकी आधुनिकीकरण, प्रदूषण विस्फोट, औद्योगिक विस्तार की बढ़ती माँग, जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा शहरीकरण ग्लोबल वार्मिंग वृद्धि में प्रमुख रूप से सहायक है।

13. आपके क्षेत्र की सड़कें बदहाल अवस्था में हैं जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाएँ होती रहती हैं। उसकी जानकारी देते हुए उपयुक्त कार्यवाई हेतु शहरी/ग्रामीण विकास मंत्री को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। 5

परीक्षा भवन
करनाल
दिनांक : 20 जून, 20XX
सेवा में
श्रीमान मंत्री महोदय
विकास मंत्रालय
पंचकूला (हरियाणा)

विषय— सड़क मरम्मत हेतु

महोदय/मान्यवर

मैं आपका ध्यान हमारे शहर के वार्ड नं० 5 की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। पिछले कई वर्षों से इस वार्ड की सड़कों की ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। सड़क जगह-जगह से टूटी-फूटी पड़ी है। सड़क के बीचों-बीच गहरे गड्ढे हैं जिन्हें खानापूर्ति के लिए कभी-कभार भर दिया जाता है। जो एक-दो बार की बरसात में ही फिर उखड़ जाती हैं। बरसात के दिनों में पानी भर जाने के कारण गड्ढों की गहराई का पता नहीं चलता और कई बार दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण लोग अपनी जान गँवा बैठते हैं। इस सड़क पर आवाजाही सबसे अधिक होती है, क्योंकि यही सड़क वार्ड नं० 6 और वार्ड नं० 4 को भी जोड़ती है। इस सड़क पर प्रतिदिन दुर्घटना होना आम बात हो गई है।

अत: आपसे अनुरोध है कि इस सड़क की मरम्मत जल्द-से-जल्द करवाने के आदेश दें, ताकि कोई बड़ी दुर्घटना होने से बचा जा सके। वार्ड नं० 6 के निवासी आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद सहित।

भवदीय
क०ख०ग०
निवासी, वार्ड नं० 6

अथवा

आपका मित्र पढ़ाई में बहुत अच्छा है, लेकिन किताबी कीड़ा बनकर रह गया है। उसे अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय होने की आवश्यकता और लाभों के विषय में बताते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

उत्तर— परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांक : 16 सितंबर, 20XX
प्रिय मित्र रोहित
सप्रेम अभिवादन

यहाँ सब सकुशल हैं। तुम कैसे हो ? काफ़ी दिनों से तुम्हारा कोई पत्र नहीं आया और न ही तुम्हारी कोई सूचना मिली। कल बाज़ार में मेरी मुलाकात तुम्हारे पिता जी से हुई, तो उन्होंने बताया कि तुम दिन-रात किताबों में ही डूबे रहते हो, जिसके कारण तुम्हारा स्वास्थ्य बिगड़ता जा रहा है। माना पढ़ाई करना अच्छी बात है, परंतु पढ़ाई के साथ-साथ एक विद्यार्थी को सांस्कृतिक गतिविधियों और खेलों में भी भाग लेना चाहिए। अंग्रेज़ी की एक कहावत है 'Health is Wealth' सेहत गँवाकर पढ़ाई करना ठीक नहीं। खेल तथा अन्य सांस्कृतिक गतिविधियाँ विद्यार्थी में ऊर्जा का संचार करती हैं। इससे न केवल शरीर को अपितु मस्तिष्क को भी नया जीवन मिलता है। खेलों से शरीर स्वस्थ और तरोताज़ा रहता है। इससे चुस्ती, स्फूर्ति और शक्ति मिलती है। मेरा तुमसे अनुरोध है कि तुम पढ़ाई के साथ-साथ खेलों और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में भी अपनी रुचि उत्पन्न करोगे। शेष कुशल है। जब भी घर आओ तो ज़रूर मिलना। पत्र के इंतज़ार में।

तुम्हारा मित्र
क०ख०ग०

14. जल संरक्षण हेतु लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **4**

अथवा

आप सौम्य गर्ग/सौम्या गर्ग हैं। आपके भैया-भाभी की पहली वैवाहिक वर्षगाँठ (एनिवर्सरी) है। इस अवसर पर उनके लिए लगभग 40 शब्दों में शुभकामना एवं बधाई संदेश लिखिए।

बधाई संदेश

अ०ब०स० कॉलोनी
क०ख० नगर
दिनांक : XX/XX/20XX
आदरणीय भैया-भाभी
सादर नमस्ते
मैं यहाँ कुशलतापूर्वक हूँ और ईश्वर से कामना करता हूँ कि आप लोग भी सकुशल होंगे। दस दिन बाद आपकी शादी को एक वर्ष पूरा हो जाएगा। इस पावन अवसर पर मैं आप दोनों को हृदय से शुभकामनाएँ देता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि आपकी अनुपम जोड़ी सदैव बनी रहे। आपके विवाह की पहली वर्षगाँठ के इस शुभ अवसर को पूरा परिवार उल्लास के साथ मनाएगा।
एक बार पुन: हार्दिक शुभकामनाओं के साथ बधाई देते हुए पत्र समाप्त करता हूँ।
आपका प्रिय
सौम्य गर्ग

15. आप गोविंद सिंह हैं। आप बी०बी०ए० कर चुके हैं। आपको सिटी स्कूल अ०ब०स० नगर में लिपिक पद के लिए आवेदन करना है। इसके लिए आप अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त (बायोडाटा) लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए। **5**

उत्तर— महोदय/महोदया,
मैंने 'दैनिक भास्कर' समाचार-पत्र में आपका विज्ञापन पढ़ा, जिसमें दर्शाया गया है कि आपको अपने महान विद्यालय के लिए एक योग्य एवं अनुभवी लिपिक की आवश्यकता है। मैं उपर्युक्त पद के लिए अर्ह हूँ और इस विद्यालय में कार्य करने के लिए इच्छुक हूँ। मेरा संक्षिप्त स्ववृत्त निम्नलिखित है—

आवेदित पद का नाम	—	लिपिक
नाम	—	गोविंद सिंह
पिता का नाम	—	कृष्णवीर सिंह
माता का नाम	—	सीमा देवी
जन्मतिथि	—	01-01-1998
राष्ट्रीयता	—	भारतीय
वैवाहिक स्तर	—	अविवाहित
पता	—	अ०ब०स० कॉलोनी, नई दिल्ली
ज्ञात भाषाएँ	—	हिंदी, अंग्रेज़ी।

शैक्षणिक योग्यताएँ—

क्र० सं०	परीक्षा का नाम	उत्तीर्ण वर्ष	श्रेणी	संस्थान/वि०वि०
1.	बी०बी०ए०	2020	प्रथम	दिल्ली वि०वि० दिल्ली।
2.	सीनियर सेकेंडरी	2017	प्रथम	XXX स्कूल, नई दिल्ली।
3.	हायर सेकेंडरी	2015	प्रथम	XXX स्कूल, नई दिल्ली।

अनुभव— दो वर्ष का लिपिक पद पर कार्य करने का अनुभव।
स्थान :
दिनांक :
उम्मीदवार
हस्ताक्षर

अथवा

आप रूपाली/मयंक हैं। ई-मेल द्वारा बैंक प्रबंधक को अपनी पास-बुक खोने की सूचना लगभग 80 शब्दों में दीजिए।

उत्तर— To : ccare@sbico.in
CC : <.....>
BCC : <.....>
विषय— पास बुक खो जाने पर
सेवा में
बैंक प्रबंधक
सविनय निवेदन है कि मेरा नाम रूपाली है। यात्रा करते समय मेरी पास बुक गुम हो गई है।
अत: आपसे निवेदन है कि आप मेरे खाते पर एक नई पास बुक प्रदान करने की कृपा करें। इसके लिए बहुत आभार।

दिनांक	—	.....
नाम	—	.....
खाता संख्या	—	.....
पता	—	307, रामकुंज निर्माण विहार
मोबाइल नं०	—	981067XXXX

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

Holy Faith New Style Sample Paper–5

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं
विषय—हिंदी (अ)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश— इसके लिए Holy Faith New Style Sample Paper—1 देखें।

खंड—क

(बहुविकल्पी/लघूत्तरात्मक/अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए :(3 × 1 + 2 × 2) = 3 + 4 = 7

विज्ञान-शिक्षण के पक्षधरों ने कल्पना की थी कि शिक्षा में इसकी शुरुआत पारंपरिकता, कृत्रिमता और पिछड़ेपन को दूर करेगी। यह सोच पुराने समय से चली आ रही—'तथ्य प्रचुर पाठ्यचर्या' जिसके अंतर्गत-आलोचना, चुनौती, सृजनात्मकता व विवेचनात्मकता का अभाव था, आदि के कारण पैदा हो रही थी। मानवतावादियों ने सोचा था कि वैज्ञानिक-पद्धति मध्यकालीन मतवाद के अंधविश्वासों को जड़ से मिटा देगी। किंतु हमारे शिक्षकों ने रासायनिक प्रतिक्रियाओं की समझ को भी प्रेमचंद की कहानियों की तरह केवल पढ़ा व रटाकर उन्हें नीरस बना दिया। शिक्षा में विज्ञान-शिक्षण सम्मिलित करने के लिए यह तर्क दिया गया था कि इससे बच्चे विज्ञान की खोजों से परिचित हो सकेंगे तथा अपने वास्तविक जीवन में घट रही घटनाओं के बारे में कुछ सीखेंगे। वे वैज्ञानिक विधि का अध्ययन कर तार्किक रूप से कैसे सोचना है, के कौशल में पारंगत होंगे। इन उद्देश्यों में से केवल पहले ही में एक सीमित सफलता मिली है। दूसरे व तीसरे में व्यावहारिक रूप से बच्चे कुछ भी नहीं प्राप्त कर पा रहे हैं। अधिकतर बच्चों से भौतिकी और रसायन विज्ञान के तथ्यों के बारे में कुछ जानने की उम्मीद की जा सकती है, लेकिन वे शायद ही जानते हों कि उनका कंप्यूटर अथवा कार के इंजन कैसे कार्य करते हैं अथवा क्यों उनकी माता जी सब्ज़ी पकाने के लिए उसे छोटे टुकड़ों में काटती हैं जबकि वैज्ञानिक पद्धति में रुचि रखने वाले किसी भी उज्ज्वल लड़के को ये बातें सहज रूप से ही ज्ञात हो जाती हैं।

वैज्ञानिक पद्धति की शिक्षा अधिकांश विद्यालयों में भली प्रकार से नहीं दी जा रही है। दरअसल, शिक्षकों ने अपनी सुविधा और परीक्षा केंद्रित सोच के कारण, यह सुनिश्चित कर लिया है कि छात्र वैज्ञानिक पद्धति न सीख कर ठीक इसका उल्टा सीखें, अर्थात वे जो बताएँ, उस पर आँख मूँद कर विश्वास करें और पूछे जाने पर उसे जस-का-तस परीक्षा में लिख दें। वैज्ञानिक पद्धति को आत्मसात करने के लिए लंबे व्यक्तिगत अनुभव तथा परिश्रम व धैर्य पर आधारित वैज्ञानिक मूल्यों की आवश्यकता होती है और जब तक इसे संभव बनाने के लिए शैक्षिक या सामाजिक प्रणालियों को बदल नहीं दिया जाता है, वैज्ञानिक तकनीकों में सक्षम केवल कुछ बच्चे ही सामने आएँगे तथा इन तकनीकों को आगे विकसित करने वालों की संख्या इसका भी अंश मात्र ही होगी।

(i) निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए— **1**

कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए—

कथन

(*i*) अपने सीमित ज्ञान के कारण विज्ञान पढ़ाने में रुचि नहीं ली है।

(*ii*) विज्ञान शिक्षा को लागू करने के प्रयासों को विफल किया है।

(*iii*) बच्चों को अनुभव आधारित ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया है।

(*iv*) मानवतावादियों का समर्थन करते हुए कार्य किया है।

विकल्प

(क) कथन (*i*) सही है।

(ख) कथन (*i*) व (*ii*) सही हैं।

(ग) कथन (*ii*) व (*iii*) सही हैं।

(घ) कथन (*iii*) व (*iv*) सही हैं।

उत्तर— (ख) कथन (*i*) व (*ii*) सही हैं।

(ii) स्कूल शिक्षा में विज्ञान-शिक्षण के प्रति लेखक का क्या रवैया है ? **1**

(क) तटस्थ (ख) सकारात्मक

(ग) व्यंग्यात्मक (घ) नकारात्मक

उत्तर— (घ) नकारात्मक

(iii) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प को चुनिए— **1**

कथन (A)— वैज्ञानिक पद्धति की शिक्षा अधिकांश विद्यालयों में दी जा रही है।

कारण (R)— शिक्षकों की सोच तथ्य रटाने पर आधारित है।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर— (क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(iv) वैज्ञानिक पद्धति को किस प्रकार आत्मसात कर सकते हैं ? **2**

उत्तर—वैज्ञानिक पद्धति को आत्मसात करने के लिए लंबे व्यक्तिगत अनुभव तथा परिश्रम व धैर्य पर आधारित वैज्ञानिक मूल्यों की आवश्यकता होती है।

(v) शिक्षा में विज्ञान-शिक्षण को सम्मिलित क्यों किया गया था ? **2**

उत्तर—शिक्षा में विज्ञान-शिक्षण को इसलिए सम्मिलिति किया गया था ताकि इससे बच्चे विज्ञान की खोजों से परिचित हो सकेंगे तथा वास्तविक जीवन में घट रही घटनाओं के बारे में कुछ सीख सकेंगे।

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए :

(3 × 1 + 2 × 2) = 3 + 4 = 7

हम धरती के बेटे बड़े कमेरे हैं।
भरी थकन में सोते फिर भी—
उठते बड़े सवेरे हैं।।
धरती की सेवा करते हैं
कभी न मेहनत से डरते हैं
लू हो चाहे ठण्ड सयानी
चाहे झर-झर बरसे पानी
ये तो मौसम हैं हमने
तूफ़ानों के मुँह फेरे हैं।
खेत लगे हैं अपने घर से
हमको गरज नहीं दफ़्तर से
दूर शहर से रहने वाले
सीधे-सादे, भोले-भाले
रखवाले अपने खेतों के
जिनमें बीज बिखेरे हैं।
हाथों में लेकर हल-हँसिया
गाते नई फ़सल के रसिया
धरती को साड़ी पहनाते
दूर-दूर तक भूख मिटाते
मुट्ठी पर दानों को रखकर
कहते हैं बहुतेरे हैं।
हम धरती के बेटे बड़े कमेरे हैं।
भरी थकन में सोते फिर भी—
उठते बड़े सवेरे हैं।।

(i) 'हम धरती के बेटे बड़े कमेरे हैं!' में 'कमेरे' से आशय है— **1**

(क) परिश्रमी (ख) काम
(ग) किसान (घ) मज़दूर

उत्तर—(क) परिश्रमी

(ii) किसान 'धरती की सेवा'.....करते हैं। **1**

(क) खेतों में फ़सल उगाकर
(ख) सरदी, गरमी, बरसात सहकर
(ग) बिना विश्राम परिश्रम कर
(घ) खेतों के पास घर बनाकर।

उत्तर—(क) खेतों में फ़सल उगाकर

(iii) कथन (A) और कारण (R) पर विचार करते हुए सही विकल्प चुनिए— **1**

कथन (A) : हमारे घर खेतों के पास स्थित होते हैं।

कारण (R) : हमारे घर शहरों से दूर होते हैं।

(क) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।
(ख) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) व कारण (R) दोनों सही हैं और कथन (A) कारण (R) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) व कारण (R) सही हैं और कथन (A) कारण (R) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर—(घ) कथन (A) व कारण (R) सही हैं और कथन (A) कारण (R) की सही व्याख्या नहीं है।

(iv) कवि ने किसानों को किसका रसिया कहा है और क्यों ? **2**

उत्तर—कवि ने किसानों को 'फसलों का रसिया' कहा है क्योंकि किसान अपनी मेहनत से उगाई गई फ़सलों से बहुत प्यार करते हैं।

(v) 'धरती को साड़ी पहनाते' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। **2**

उत्तर—धरती को साड़ी पहनाने का आशय है किसानों द्वारा धरती को फ़सलों के आवरण से ढक दिया जाना है।

खंड—ख

3. 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए :

निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार लिखिए—

4 × 1 = 4

(क) सिर फट गया उसका वहीं, मानो अरुण रंग का घड़ा।
(ख) कलियाँ दरवाज़े खोल-खोल जब झुरमुट में मुसकाती हैं।
(ग) लहरें व्योम चूमती उठतीं।
(घ) 'पीपर पात सरिस मन डोला।'
(ङ) 'भजमन चरण कंवल अविनासी।'

उत्तर—(क) उत्प्रेक्षा अलंकार
(ख) मानवीकरण अलंकार
(ग) अतिशयोक्ति अलंकार
(घ) उपमा अलंकार
(ङ) रूपक अलंकार।

4. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पाँच पदों में से चार पदों का पद-परिचय लिखिए—

''धान के खेतों में छोटे बच्चे उछल रहे हैं। वहाँ धूप का नाम नहीं लेकिन सब मस्ती कर रहे हैं।'' 4 × 1 = 4

उत्तर—धान—जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक।
(ख) छोटे—गुणवाचक विशेषण, 'बच्चे, विशेष्य, बहुवचन, पुल्लिंग,
(ग) उछल—अकर्मक क्रिया, बहुवचन पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य।
(घ) वहाँ—स्थानवाचक क्रिया-विशेषण, 'कर रहे हैं' क्रिया का विशेषण।
(ङ) लेकिन—समानाधिकरण समुच्चयबोधक योजक, दो वाक्यों को जोड़ रहा है।

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

5. 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) 'स्वयंप्रकाश ने अपना बचपन राजस्थान में बिताया।' (वाक्य का वाच्य-भेद बताइए)

(ख) 'उनके द्वारा कहानियाँ रोचक किस्सागोई शैली में लिखी गई हैं।' (वाक्य का वाच्य-भेद बताइए)

(ग) 'माँ से रोया भी नहीं जाता।' (वाक्य का वाच्य-भेद बताइए)

(घ) 'सफ़र का वक्त काटने के लिए ही उन्होंने खीरे खरीदे होंगे।' (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ङ) भाववाच्य का एक उदाहरण दीजिए।

उत्तर—(क) कर्तृवाच्य

(ख) कर्मवाच्य

(ग) भाववाच्य

(घ) सफ़र का वक्त काटने के लिए ही उनके द्वारा खीरे खरीदे गए होंगे।

(ङ) उससे तो उठा भी नहीं जा सकता।

6. 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) 'समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा है और रोपनी कर रहा है।' (सरल वाक्य में बदलिए)

(ख) कबीर के जो सीधे-सादे पद थे, वे उनके कंठ से निकलकर सजीव हो उठते। (रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)

(ग) रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए—
कभी झूठ नहीं बोलते और खरा व्यवहार रखते।

(घ) घर से दूर होने के कारण वे उदास थे। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ङ) मूर्तिकार मूर्ति बनाने के साथ पढ़ाता भी है। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर—(क) समूचा गाँव खेतों में उतरकर रोपनी कर रहा है।

(ख) विशेषण आश्रित उपवाक्य।

(ग) विशेषण आश्रित उपवाक्य।

(घ) वे घर से दूर थे इसलिए उदास थे।

(ङ) मूर्तिकार मूर्ति बनाता है और वह पढ़ाता भी था।

खंड—ग

7. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5 × 1 = 5

मधुप गुन-गुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी।
इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास
यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य-मलिन उपहास
तब भी कहते हो-कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती।
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे-यह गागर रीती।

(1) जयशंकर प्रसाद जी ने 'मधुप' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया है ?
(क) पत्ते के लिए (ख) मन रूपी भौंरा के लिए
(ग) पत्नी के लिए (घ) फूल के लिए

(2) कवि किन भावों से भरा हुआ है ?
(क) आशा के भावों से (ख) संदिग्ध भावों से
(ग) हास्यपूर्ण भावों से (घ) निराशा के भावों से

(3) व्यंग्य-मलिन उपहास क्या है ?
(क) किसी की हँसी उड़ाना
(ख) खराब ढंग से निंदा करना
(ग) अनुचित रूप से अधिकार करना
(घ) किसी पर दोष लगाना

(4) कवि का जीवन किन भावों से नहीं भरा है ?
(क) सफलता (ख) दुख
(ग) निराशा (घ) पीड़ा

(5) 'मधुप गुन-गुनाकर कह जाता कौन कहानी' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?
(क) अनुप्रास अलंकार (ख) मानवीकरण अलंकार
(ग) श्लेष अलंकार (घ) अतिशयोक्ति अलंकार

उत्तर—**1.** (ख), **2.** (घ), **3.** (ख), **4.** (क), **5.** (क)।

8. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5 × 1 = 5

हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक् रह गए। एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लँगड़ा आदमी सिर पर गाँधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टँगे बहुत-से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं! फेरी लगाता है! हालदार साहब चक्कर में पड़ गए। पूछना चाहते थे, इसे कैप्टन क्यों कहते हैं ? क्या यही इसका वास्तविक नाम है ? लेकिन पानवाले ने साफ़ बता दिया था कि अब इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं। ड्राइवर भी बेचैन हो रहा था। काम भी था। हालदार साहब जीप में बैठकर चले गए।

(1) हालदार साहब को क्या अच्छा नहीं लगा ?
(क) देशभक्त का मान करना।
(ख) देशभक्त का मज़ाक उड़ाना।
(ग) देशभक्त की अवहेलना करना।
(घ) उपर्युक्त सभी विकल्प सही हैं।

(2) कैप्टन का हुलिया कैसा था ?
(क) मोटा-छरहरा (ख) लंबा-तगड़ा
(ग) मरियल-लँगड़ा (घ) कूबड़ा

(3) कैप्टन कैसा व्यक्ति था ?
(क) सच्चा देशभक्त (ख) श्रद्धालु
(ग) कूटनीतिक (घ) धार्मिक

(4) कैप्टन चश्मे कहाँ बेचता था ?
(क) दुकान में (ख) ठेले पर
(ग) फेरी लगाकर (घ) खोखे में

(5) हालदार साहब किस पर बैठकर चले गए ?
(क) ट्रेन में (ख) हवाई जहाज़ में
(ग) जीप में (घ) ताँगे में

उत्तर—**1.** (ख), **2.** (ग), **3.** (क), **4.** (ग), **5.** (ग)।

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

9. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए : 3 × 2 = 6

(क) कवि की व्यथा मौन होकर क्यों सोई है, कवि उसे जगाना क्यों नहीं चाहता ?

उत्तर— कवि अपनी जीवन-गाथा किसी को सुनाना नहीं चाहता। उनकी कथा-वेदना युक्त है, नीरस है। वे अपनी इस आत्मकथा को सुनाकर लोगों के उपहास का पात्र नहीं बनना चाहते। वे अपनी व्यथा को मौन रखना चाहते हैं। उनका कहना है कि उनके जीवन की घटनाओं को कहानी के रूप में कहने का अभी समय नहीं आया है।

(ख) 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर वसंत ऋतु की शोभा का वर्णन कीजिए।

उत्तर— वसंत की प्राकृतिक सुंदरता यौवन की चरम सीमा पर है। चारों ओर हरियाली-ही-हरियाली है। सभी पेड़-पौधों की डालियाँ हरे और लाल पत्तों से लदी हैं जिसमें सुगंधित फूल मालाकार में लटके हुए हैं। चारों ओर मादकता छाई है। डाल-डाल पर पत्ते और फूल झूम रहे हैं। प्रकृति अपनी अद्‌भुत छटा बिखेर रही है।

(ग) कवि को ऐसा क्यों प्रतीत होता है कि बालक उन्हें पहचान नहीं पाया है ?

उत्तर— कवि को ऐसा इसलिए प्रतीत होता है कि बालक उन्हें पहचान नहीं पाया, क्योंकि बालक ने कवि को पहली बार देखा है। वह उन्हें एकटक देख रहा है। कवि बहुत समय बाद अपने घर आए हैं, जिस कारण बालक उनसे अपरिचित है।

(घ) मुख्य गायक को संगतकार कब-कब, कहाँ और किस प्रकार सँभालता है ?

उत्तर— (*i*) संगतकार मुख्य गायक या गायिका के स्वर में अपना स्वर मिलाकर उनके स्वर को प्रभावी बनाते हैं। मुख्य गायक या गायिका के सुरों के भटक जाने पर स्थायी पंक्ति को बार-बार गाकर उन्हें सँभलने का अवसर देते हैं।

(*ii*) संगतकार उनके स्वर में स्वर मिलाकर मुख्य गायक-गायिका को यह अनुभूति कराने में सफल होते हैं कि वे अकेले नहीं हैं। वे मुख्य गायक-गायिका के तारसप्तक में चले जाने पर अपने स्वर से उसे सँभाल लेते हैं। संगतकार मुख्य गायक-गायिका के प्रभाव को बनाए रखने के लिए पूरी तरह तैयार रहते हैं। वे मुख्य गायक-गायिका को उनके साथ होने का एहसास दिलाते हैं। मुख्य कलाकार स्वयं को अकेला न समझे, इसीलिए कभी-कभी यूँ ही उनके साथ अपना स्वर लगा देते हैं।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए : 3 × 2 = 6

(क) नवाब साहब की सनक नकारात्मक थी, किंतु हर सनक नकारात्मक नहीं होती। सोदाहरण सिद्‌ध कीजिए कि किस सनक को सकारात्मक कहा जा सकता है ?

उत्तर— कभी-कभी किसी सनक का सकारात्मक रूप भी हो सकता है। उसकी सनक दूसरों को सुधरने के लिए मजबूर कर देती है। जैसे किसी को हर काम समय पर करने की आदत होती है। वह अपना सारा काम घड़ी के अनुसार करता है। आरंभ में उसकी इस आदत से लोग परेशान होते हैं, लेकिन फिर धीरे-धीरे लोगों को समय पर काम करने की आदत हो जाती है। इससे उनमें अनुशासन की भावना आ जाती है। किसी-किसी व्यक्ति को सफ़ाई बहुत पसंद होती है। यदि उसके आस-पास का वातावरण बिखरा रहता है, तो वह चुपचाप सभी का काम करता रहता है; वह किसी से कुछ नहीं कहता। लोग उसको सफाई-पसंद सनकी कहते हैं, परंतु वह फिर भी बिखरे हुए और गंदे सामान को साफ़ करके उचित स्थान पर रखता रहता है। उनकी इस आदत से लोगों में शर्मिंदगी का एहसास होता है और धीरे-धीरे वे भी अपनी आदतें सुधारने में लग जाते हैं। इस तरह हम कह सकते हैं कि सनक का सकारात्मक रूप भी होता है।

(ख) मन्नू भंडारी और उसकी बहन के व्यक्तित्व में क्या अंतर था ?

उत्तर— लेखिका बचपन से ही काली, दुबली और मरियल-सी थी। इसके विपरीत उसकी बड़ी बहन सुशीला बहुत गोरी, स्वस्थ और हँसमुख थी। लेखिका के पिता को गोरा रंग बहुत पसंद था। वे हर बात में सुशीला से लेखिका की तुलना करते थे। पिता द्‌वारा की गई इस तुलना के कारण लेखिका के भीतर एक हीन भावना पैदा हो गई थी। आजीवन उस हीन भावना ने लेखिका का पीछा नहीं छोड़ा।

(ग) मंगलध्वनि किसे कहते हैं ? बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— शहनाई एक ऐसा वाद्‌य-यंत्र है, जिसे मांगलिक अवसरों पर बजाया जाता है। शहनाई प्रभात की मंगल-ध्वनि का भी सूचक है। उन्होंने सामान्य मांगलिक कार्यों से लेकर अनेक सुप्रसिद्ध मांगलिक अवसरों पर शहनाई बजाई है। इसी मंगल ध्वनि की साधना बिस्मिल्ला खाँ ने पूरी लगन से की थी। वे सुरों के सच्चे साधक थे। आठ वर्षों की सुर-साधना के बाद भी उन्हें लगता था कि अभी उनके शहनाई वादन में कुछ कमी रह गई है। उनके सुरों में वह जादू था कि सुनने वाले मंत्रमुग्ध हो जाते थे। काशी विश्वनाथ और बालाजी मंदिर में शहनाई पर मंगल ध्वनि बजाते थे, जिससे लोगों का जीवन मंगलकारी हो। इसी कारण उन्हें शहनाई की मंगल-ध्वनि का नायक कहा जाता है।

(घ) संस्कृत व्यक्ति की संतान के संबंध में लेखक के क्या विचार हैं ?

उत्तर— लेखक के विचार में एक संस्कृत व्यक्ति किसी नई चीज़ की खोज करता है। वह वस्तु जब उसकी संतान को अनायास ही प्राप्त हो जाती है, तो वह एक संस्कृत व्यक्ति नहीं, बल्कि सभ्य व्यक्ति कहलाता है, क्योंकि उस वस्तु की खोज उसने नहीं की थी। खोज करने वाला उसका पूर्वज ही संस्कृत व्यक्ति है। उसी ने अपनी बुद्‌धि और विवेक से उस वस्तु की खोज की थी। उसकी संतान को तो वह वस्तु उत्तराधिकारी के रूप में प्राप्त होती है। इसलिए उसकी संतान सभ्य हो सकती है, संस्कृत नहीं।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए : 2 × 4 = 8

(क) वर्तमान दौर में प्रकृति के साथ किस तरह का खिलवाड़ किया जा रहा है ? इसे रोकने के लिए आप क्या-क्या कदम उठा सकते हैं ? 'साना-साना हाथ जोड़ि...' पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर— वर्तमान समय में प्रकृति के साथ निरंतर छेड़छाड़ की जा रही है। आज की पीढ़ी अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए प्राकृतिक संतुलन को लगातार बिगाड़ रही है। वह यह नहीं

जानती कि प्रकृति माँ के समान पालन-पोषण करती है और बदले में हमसे कुछ भी नहीं माँगती। नए-नए शहरों को बसाने और औद्योगिक क्षेत्र बनाने के लिए जंगलों को साफ़ किया जा रहा है जिसके कारण अनेक दुर्लभ प्रजातियों के जंगली जीवों का जीवन संकट में पड़ गया है।

शहरों से हरियाली गायब हो गई है, वे कंक्रीट के जंगलों में परिवर्तित होते जा रहे हैं। प्रतिदिन सड़कों पर लाखों की संख्या में नई गाड़ियों का चलना वायु को प्रदूषित कर रहा है। वायु, जल तथा भूमि इन सबका दुरुपयोग प्राकृतिक वातावरण को असंतुलित कर रहा है। अगर इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो वह दिन दूर नहीं, जब धीरे-धीरे मानव का अस्तित्व भी समाप्त हो जाएगा। यदि मनुष्य प्रकृति का लाभ उठाना चाहता है, एक स्वस्थ जीवन जीना चाहता है तो उसे प्रकृति की ओर मुड़ना होगा। नए वृक्ष लगाकर जंगलों को फिर से जीवन देना होगा ताकि वन्य-जीवों को संरक्षण प्रदान हो सके। जल के दुरुपयोग को रोकना होगा। औद्योगिक संस्थानों से निकलने वाले दूषित जल की निकासी के लिए अलग प्रबंध करने होंगे। प्लास्टिक के उपयोग में कमी लानी होगी। सरकार को भी इस दिशा में कठोर कदम उठाने होंगे ताकि प्राकृतिक संतुलन को ठीक किया जा सके।

(ख) 'माता का अँचल' शीर्षक की उपयुक्तता बताते हुए कोई अन्य शीर्षक बताइए।

उत्तर—किसी भी साहित्य रचना का शीर्षक उसके मुख्य पात्र, कथावस्तु या देशकाल पर आधारित होता है। माता का अँचल कहानी का मुख्य पात्र भोलानाथ है। पूरी कहानी भोलानाथ के इर्द-गिर्द ही घूमती है। भोलानाथ का जुड़ाव अपने पिता से अधिक होता था। अपनी माता से दूध पीने और खाना खाने तक उसका नाता था। पूरी कहानी भोलानाथ और इसके पिता से संबंधित घटनाओं पर ही आधारित है। परंतु अंत में साँप को देखकर घबराया हुआ वह अपनी माँ के अँचल में छिप जाता है, पिता उसे गोद लेने का प्रयास करते हैं परंतु वह अपनी माँ के प्रेम और सुरक्षित अँचल में शांति व सुरक्षा का अनुभव करता है। इस घटना से यह पता चलता है कि बच्चा चाहे अपने पिता से कितना भी निकट हो लेकिन विपत्ति आने पर वह माँ की गोद में ही सुरक्षित महसूस करता है। इसलिए इस कहानी के लिए 'माता का अँचल' शीर्षक उपयुक्त है। इस कहानी के अन्य शीर्षक माँ की ममता, सुनहरा बचपन, मेरा बचपन भी हो सकते हैं।

(ग) हिरोशिमा पर लिखी कविता लेखक के अंत व बाह्य दोनों दबाव का परिणाम है, यह आप कैसे कह सकते हैं ?

उत्तर— लेखक जब एक बार जापान घूमने गया तो उसने हिरोशिमा के अस्पताल में जाकर अनेक ऐसे घायल लोगों को देखा, जो हिरोशिमा पर गिराए गए अणु-बम का शिकार हुए थे। वहीं एक दिन जापान की सड़क पर घूमते हुए उसने झुलसे हुए पत्थर पर एक मानव की छाया भी देखी, जो अणु-बम से भाप बन गया था। यह देखकर उसका हृदय व्यथित हो उठा। उसने अनुमान लगा लिया कि वह घटना कितनी दुखद और व्यथापूर्ण रही होगी। इसी व्यथा ने उसे झकझोर कर रख दिया। उसका मन व्याकुल हो उठा और अपने इसी अंत: दबाव से मुक्ति पाने के लिए उसने भारत आकर हिरोशिमा पर कविता लिखी। इसके अतिरिक्त लेखक जैसे प्रसिद्ध व्यक्ति पर यह बाहरी दबाव भी था कि वह अपनी जापान-यात्रा से लौटकर कुछ लिखे। इस प्रकार कहा जा सकता है कि हिरोशिमा पर लिखी कविता लेखक के अंत: और बाह्य दोनों दबाव का ही परिणाम है।

खंड—घ

रचनात्मक लेखन

12. दिए गए बिंदुओं के आधार पर किसी *एक* विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 6

(क) एक भारत, श्रेष्ठ भारत

(ख) पर्यावरण संरक्षण : समय की माँग

(ग) विद्यालयों की ज़िम्मेदारी-बेहतर नागरिक-बोध

उत्तर—(क) एक भारत, श्रेष्ठ भारत

संकेत बिंदु— •उद्देश्य •राज्य सरकार की भूमिका •संस्कृति और सभ्यता।

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की 140वीं वर्षगाँठ पर की थी। भारत सरकार द्वारा शुरू की जाने वाली यह नई पहल है, जिसका उद्देश्य पूरे देश के लोगों को एक-दूसरे से जोड़कर एकता, शांति और सद्भावना को बढ़ावा देना है। इस योजना के अंतर्गत एक राज्य को दूसरे राज्य से फूड फेस्टिवल, संगीत, साहित्यिक, बुक फेस्टिवल और यात्रा आदि द्वारा लोकप्रिय करना है। इस योजना के तहत दो राज्य आपस में अपने छात्रों का आदान-प्रदान करेंगे जो एक वर्ष तक दूसरे राज्य की संस्कृति, परंपरा और भाषा के बारे में सीखेंगे। इस योजना के क्रियान्वयन में केंद्र सरकार और राज्य सरकार की भूमिका अहम होगी। यह योजना एक प्रतियोगिता के समान होगी जिसमें जीतने वाले को स्वयं प्रधानमंत्री द्वारा सम्मानित किया जाएगा। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' से एक राज्य के लोगों के मन में, दूसरे राज्य के लोगों के प्रति सम्मान की भावना का विकास होगा और दोनों राज्यों के बीच संबंध और अधिक मज़बूत बनेंगे। एक भारत श्रेष्ठ भारत से न सिर्फ़ देश के सभी राज्यों के बीच अच्छे संबंध बनेंगे, बल्कि व्यापार, शिक्षा, पर्यटन आदि के क्षेत्रों में भी वृद्धि होगी जिससे रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे। दो अलग-अलग राज्यों के लोगों को एक-दूसरे राज्यों की संस्कृति और सभ्यता को समझने एवं अपनाने का मौका मिलेगा, जो निश्चित रूप से पर्यटन क्षेत्र में वृद्धि करेगा जिससे आत्मनिर्भर भारत के सपने को बल मिलेगा।

(ख) पर्यावरण संरक्षण : समय की माँग

संकेत बिंदु— • मानव और पर्यावरण में अटूट संबंध • संरक्षण की आवश्यकता क्यों ? •संरक्षण की योजनाओं का प्रभाव •सुझाव। पर्यावरण संरक्षण का तात्पर्य है—पर्यावरण की सुरक्षा करना। आधुनिक विकास की इस अंधी दौड़ में पर्यावरण व प्रकृति को भारी क्षति उठानी पड़ रही है। वृक्ष-वनस्पतियों का मानव जीवन में अत्यधिक महत्व है। यह मानव के जीवन का आधार है। जिस प्रकार पशु-पक्षी, पेड़-पौधे, नदी-तालाब, झरने, पर्वत प्रकृति का हिस्सा हैं, उसी प्रकार मनुष्य भी प्रकृति का ही अटूट हिस्सा है। वह अपने परिवार, मित्रों, सगे-संबंधियों से तो दूर रह सकता है, परंतु प्रकृति से दूर नहीं रह सकता।

विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस संयुक्त राष्ट्र में पर्यावरण के लिए मनाया जाता है। इस दिन पर्यावरण के संरक्षण के लिए जगह-जगह

वृक्षारोपण किया जाता है। पर्यावरण संरक्षण की ज़िम्मेदारी केवल सरकार की न होकर देश के प्रत्येक व्यक्ति की है। प्रत्येक व्यक्ति अगर अपनी ज़िम्मेदारी समझे तो सभी प्रकार के कचरे, गंदगी और बढ़ती आबादी के लिए स्वयं उपाय करके पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी दे सकता है, किंतु विकास के नाम पर पर्यावरण को मानव ही विकृत कर रहा है। पर्यावरण व्यापक शब्द है जिसका सामान्य अर्थ प्रकृति द्वारा समस्त भौतिक और सामाजिक वातावरण जिसके अंतर्गत जल, वायु, पेड़-पौधे, पर्वत, प्राकृतिक संपदा सभी पर्यावरण संरक्षण के उपाय के अंतर्गत आते हैं। आज पर्यावरण का ध्यान रखना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य और ज़िम्मेदारी है।

(ग) विद्यालयों की ज़िम्मेदारी-बेहतर नागरिक-बोध

संकेत बिंदु— •व्यक्तित्व निर्माण में विद्यालय का स्थान • राष्ट्र और समाज के प्रति उत्तरदायित्व •नागरिक अधिकारों-कर्तव्यों का बोध।

विद्यालय हमें सिखाते हैं कि घर, परिवार, समाज, संस्थाओं और लोक में रहते हुए कर्तव्यों का निर्वहन कैसे करें। हमारा योगदान क्या और कैसे हो। पाठ्यक्रमों, परीक्षाओं, उपाधियों से परे व्यक्ति को एक श्रेष्ठ राष्ट्रभक्त और समर्पित व्यक्ति बनाने का दायित्व विद्यालय का ही है। लोकमंगल और राष्ट्रकल्याण के भाव को जगाते ऐसे विद्यालय समाज के गौरव होते हैं। समाज उनकी ओर अनेक आकांक्षाओं से निहारता है। उनसे ज्ञान की चमक बिखेरने की अपेक्षा करता है। बदलते दौर में विद्यालय की भूमिका लगातार चुनौतीपूर्ण बन रही है। सामाजिक रचना के साथ वैश्विक स्तर पर होने वाले परिवर्तनों का असर गहरा है। इन परिवर्तनों के बीच में ही विद्यालय को स्वयं को ढालना होगा, बदलना होगा। आज की शिक्षा नि:संदेह संस्कार-केंद्रित नहीं रही। प्रतियोगिता की दुनिया में सभी मानदंड बिखर गए। शिक्षा चारित्रिक-निर्माण का माध्यम थी, परंतु अब यह महज रोज़गार हासिल करने का अटपटा-सा उपकरण बनकर रह गई है। विद्यालय व्यक्तित्व को तराशे और संस्कारित करे, यह उम्मीद की जाती है। हमारे सामाजिक शब्दकोश में यह व्यक्तित्व विकास जैसे शब्द नहीं थे। विद्यालय दायित्वों से भरा हुआ है। विद्यालय अपने दायित्वों का निर्वाह करने में थोड़ी भी चूक करते हैं तो केवल छात्र का भविष्य ही नहीं बल्कि राष्ट्र के भविष्य के सामने भी एक प्रश्न-चिह्न खड़ा हो जाता है। इसलिए आवश्यक है कि जीवन की सुरक्षा जिस प्रकार करते हैं वैसे ही अपने दायित्वों का निर्वाह भी करें। वर्तमान में प्रत्येक ज़िम्मेदार नागरिक को जिन दायित्वों का निर्वहन करना है, उनमें सीमा सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा, देश की धरोहरों की सुरक्षा, स्वच्छता का ध्यान, साक्षरता का प्रचार-प्रसार आदि उल्लेखनीय हैं। सभी चुनौतियाँ राष्ट्रवासियों की उम्मीदों एवं आशाओं से जुड़ी हैं। एकता, समता के साथ व्यवहार एवं जीवन शैली वर्ग शुचिता ही सही समाधान हो सकता है। हर नागरिक को परिवार व समाज से पहले अपने राष्ट्र के बारे में सोचना चाहिए। किसी भी देश का नाम उसके नागरिकों के अच्छा या बुरा होने से ऊँचा होता है। भारतीय संस्कृति में विद्यालय की महिमा और विराटता व्यापक है।

13. अपनी दादी जी को उनकी चित्र प्रदर्शनी पर अपनी प्रतिक्रिया लिखते हुए उन्हें बधाई-पत्र लिखिए। 5

उत्तर— परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांक : 31 मार्च, 20XX

आदरणीया दादी जी
सादर प्रणाम
आशा है आप कुशलपूर्वक होंगी। हम सब भी यहाँ कुशलपूर्वक हैं। आपकी और दादा जी की बहुत याद आती है।
दादी जी आपको बहुत-बहुत बधाई। अभी-अभी दादा जी का फ़ोन आया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष की राष्ट्रीय स्तर की चित्र कला प्रदर्शनी में आपके चित्र भी थे। आपको 'विशेष चित्रकार' सम्मान मिला। आपको इसके लिए हार्दिक बधाई। मुझे सुनकर इतनी प्रसन्नता हुई कि मैं तुरंत आपको पत्र लिखने बैठ गया हूँ। यह हम सभी के लिए गौरवान्वित पल है। आपकी कला दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की करे ; यही ईश्वर से प्रार्थना है। आप सचमुच इस सम्मान की अधिकारिणी हैं। ईश्वरीय प्रतिभा के साथ-साथ आपकी मेहनत का बहुमूल्य योगदान इसमें है। प्रतिभा और साधना का यह पल आपके और हमारे जीवन का अनमोल क्षण है। मेरी जैसे ही गरमियों की छुट्टियाँ होंगी, मैं आपके पास आऊँगा और आपसे चित्रकला के गुण सीखूँगा। रंगों की दुनिया मुझे भी आकर्षित करती है। अब पत्र समाप्त करता हूँ।
मेरी ओर से दादा जी और छोटे चाचा जी को प्रणाम।
आपका पौत्र
क०ख०ग०

अथवा

नगर निगम के शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखकर विद्यालयों में दोपहर के समय वितरित किए जाने वाले भोजन के गिरते स्तर की ओर उनका ध्यान आकृष्ट कीजिए।

उत्तर— नगर शिक्षा अधिकारी
मुनीरका
नई दिल्ली
दिनांक : 24 मई, 20XX
विषय—दोपहर के भोजन के गिरते स्तर हेतु
महोदय
सविनय निवेदन है कि गत मंगलवार मैं अपनी छोटी बहन को विद्यालय से लेने गई क्योंकि अध्यापिका का फ़ोन आया था जिसमें उन्होंने सूचित किया कि वह उल्टियाँ कर रही है। जब मैं विद्यालय गई वहाँ दोपहर का भोजन वितरित हो रहा था। भोजन का स्तर और उसके परोसे जाने का तरीका इतना अस्वास्थयकर था कि मुझे समझते देर न लगी कि बहन को उल्टियाँ क्यों लगी हैं ? वहाँ दाल-चावल परोसे जा रहे थे। चावल कच्चे और मैले लग रहे थे जैसे कि ठीक प्रकार से न धुले हों। दाल में दाल तो थी नहीं मात्र पानी-पानी था। इस प्रकार का भोजन भी बहुत गंदगी से परोसा जा रहा था। न तो वहाँ कोई पौष्टिकता का ध्यान रखा जा रहा था और न ही स्वच्छता का।
आपसे विनम्र निवेदन है कि आप विद्यालयों में वितरित हो रहे दोपहर के भोजन के स्तर को सुधारने हेतु कदम उठाएँ।
सधन्यवाद
भवदीया
क०ख०ग०

14. आपके चाचा जी ने रेडीमड कपड़ों की एक दुकान खोली है। वे प्रचार-प्रसार के लिए स्थानीय समाचार-पत्र में उसका विज्ञापन देना चाहते हैं। आप उनके लिए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **4**

उत्तर—

अथवा

अपने मित्र को 'लोहड़ी' पर लगभग 40 शब्दों में एक शुभकामना संदेश लिखिए।

उत्तर—

शुभकामना संदेश

13 जनवरी, 20XX
नई दिल्ली
मित्रवर
दिल की खुशी और अपनों का प्यार,
मुबारक हो आपको लोहड़ी का त्योहार।
लोहड़ी की शुभकामनाएँ।
आपको व आपके परिवार को लोहड़ी के पर्व पर ढेर सारी शुभकामनाएँ। हर वर्ष लोहड़ी आपके लिए खुशियाँ लेकर आए।
आर्यन

15. विवेकानंद सीनियर विद्यालय, इंद्रप्रस्थ में हिंदी विषय पी०जी०टी० का पद रिक्त है। विज्ञापन के अनुसार अपनी योग्यता प्रस्तुत करते हुए शिक्षा निदेशक को आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते हुए 80 शब्दों में स्ववृत्त लेखन कीजिए। **5**

उत्तर— सेवा में
शिक्षा निदेशक
शिक्षा निदेशालय
इंद्रप्रस्थ, दिल्ली-53

विषय—पी०जी०टी० हिंदी पद के लिए आवेदन-पत्र

महोदय

मैं मनोज शर्मा विगत कुछ वर्षों से दिल्ली सरकार के अधीन संविदा शिक्षक के रूप में काम कर रहा हूँ। मुझे ज्ञात हुआ कि विवेकानंद सीनियर विद्यालय इंद्रप्रस्थ में हिंदी पी०जी०टी० का पद रिक्त है। मैं इस पद के लिए उचित योग्यता रखता हूँ। अत: महोदय से निवेदन करना चाहता हूँ कि मुझे विवेकानंद सीनियर स्कूल, इंद्रप्रस्थ में बतौर हिंदी प्रवक्ता के पद पर नियुक्त करने की कृपा करें।

धन्यवाद
निवेदक
मनोज शर्मा
235, इंद्रप्रस्थ, दिल्ली

मेरा स्ववृत्त लेखन इस प्रकार है—

नाम	— मनोज शर्मा
पिता का नाम	— ओमकार शर्मा
माता का नाम	— जानकी शर्मा
वर्तमान पता	— 207, इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, दिल्ली-1
दूरभाष	— 0113254656
ई-मेल	— ABC@gmail.com

शैक्षणिक योग्यताएँ—

क्रम सं०	कक्षा	वर्ष	विद्यालय /बोर्ड	विषय	उत्तीर्ण/ प्रतिशत
1.	दसवीं	2006	CBSE	अंग्रेज़ी, हिंदी, गणित, संस्कृत, विज्ञान	75%
2.	बारहवीं	2008	CBSE	अंग्रेज़ी, हिंदी, गणित, अर्थशास्त्र	85%
3.	स्नातक	2011	दिल्ली विश्वविद्यालय	हिंदी	90%
4.	बी०एड०	2012	इंदप्रस्थ विश्वविद्यालय	हिंदी	90%
5.	परास्नातक	2014	दिल्ली विश्वविद्यालय	हिंदी	92%

अन्य योग्यताएँ

- कंप्यूटर में एक वर्ष का डिप्लोमा
- जर्मन व स्पैनिश की जानकारी
- अनुवाद का दो साल का अनुभव

उपलब्धियाँ

- विद्यालय स्तर पर एन०सी०ई०आर०टी० में उच्च प्रशिक्षण योग प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर द्वितीय पुरस्कार
- कार्योतर गतिविधियाँ और अभिरुचियाँ
- सांस्कृतिक कार्यक्रमों को आयोजित करने का अनुभव
- नाट्य अकादमी द्वारा सम्मानित

स्थान :
दिनांक :
हस्ताक्षर :

अथवा

डिजिटल घड़ी के खराब होने की शिकायत करते हुए ग्राहक सेवा अधिकारी को 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए।

उत्तर—To : <CCofficer@gmail.com>
Cc : <.....>

विषय—डिजिटल घड़ी की तकनीकी कमी की शिकायत

महोदय

मैंने टाइमवियर डिजिटल वॉच जिसकी निर्माता कंपनी परफेक्ट टाइम इंडस्ट्रीज है, ऑन लाइन बुक करवायी थी। जैसे ही मैंने डिब्बे के अंदर से घड़ी निकालकर कलाई में पहनी तो पाँच मिनट तक समय सही दिखाया परंतु उसके बाद बंद होने के बाद स्क्रीन में लाइट ही नहीं दिखी। इसके ऑन न होने से मुझे बेहद निराशा हुई। मैं कंपनी द्वारा भेजे गए अनुपयुक्त उत्पाद से काफ़ी आहत हुआ।

आशा करता हूँ कि समस्या का निदान त्वरित होगा और वापसी पर जल्दी कार्रवाई कर जाँच किया हुआ उत्पाद प्रेषित कर अपनी ज़िम्मेदारी का निर्वहन करेंगे।

भवदीय
नमन चौहान

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

Holy Faith New Style Sample Paper–6

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं
विषय—हिंदी (अ)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश— इसके लिए Holy Faith New Style Sample Paper—1 देखें।

खंड—क

(बहुविकल्पी/लघूत्तरात्मक/अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(3 × 1 + 2 × 2) = 3 + 4 = 7

हमारे देश में हिंदी फिल्मों के गीत अपने आरंभ से ही आम दर्शक के सुख-दुःख के साथ रहे हैं। वर्तमान समय में हिंदी फ़िल्मों के गीतों ने आम जन के हृदय में लोकगीतों-सी आत्मीय जगह बना ली है। जिस तरह से एक ज़माने में लोकगीत जनमानस के सुख-दुःख, आकांक्षा, उल्लास और उम्मीद को स्वर देते थे, आज फ़िल्मी गीत उसी भूमिका को निभा रहे हैं। इतना ही नहीं देश की विविधता को एकता के सूत्र में बाँधने में हिंदी फ़िल्मों का योगदान सभी स्वीकार करते हैं। हिंदी भाषा की शब्द-संपदा को समृद्ध करने का जो काम राजभाषा विभाग तत्सम शब्दों की सहायता से कर रहा है वही कार्य फ़िल्मी गीत और डायलॉग लिखने वाले विविध क्षेत्रीय भाषाओं के मेल से करते हुए दिखाई पड़ रहे हैं। यह गाने जन-जन के गीत इसी कारण बन सके क्योंकि इनमें राजनीति के उतार-चढ़ाव की अनुगूँजों के साथ देहाती, कस्बायी और नए बने शहरों का देशज जीवन दर्शन भी आत्मसात किया जाता रहा है। भारत की जिस गंगा-जमुनी संस्कृति की महिमामंडन बहुधा होता है उसकी गूँज भी इन गीतों में मिलती है। आजादी की लड़ाई के दौरान लिखे प्रदीप के गीत हों या स्वाधीनता प्राप्ति के साथ ही होने वाले देश के विभाजन की विभीषिका, सभी को इन गीतों में बहुत संवेदनशील रूप में व्यक्त किया गया है।

हिंदी फ़िल्मी गीतों के इस संसार में हिंदी-उर्दू का 'झगड़ा' भी कभी पनप नहीं सका। प्रदीप, नीरज जैसे शानदार हिंदी कवियों, इंद्रीवर तथा शैलेंद्र जैसे श्रेष्ठ गीतकारों और साहिर, कैफ़ी, मजरूह जैसे मशहूर शायरों को हिंदी सिनेमा में हमेशा एक ही बिरादरी का माना जाता रहा है। यह सिनेमा की इस दुनिया की ही खासियत है कि एक तरफ गीतकार साहिर ने 'कहाँ हैं कहाँ हैं/ मुहाफ़िज़ खुदी के/जिन्हें नाज है हिंद पर/वो कहाँ है' लिखा तो दूसरी तरफ़ उन्होंने ही 'संसार से भागे फिरते हो/भगवान को तुम क्या पाओगे! ये भोग की एक तपस्या है/ तुम प्यार के मारे, क्या जानोगे/ अपमान रचयिता का होगा/रचना को अगर ठुकराओगे!' जैसी पंक्तियाँ भी रची हैं। परवर्तियों में गुलज़ार ऐसे गीतकार हैं जिन्होंने उर्दू, हिंदी, पंजाबी, राजस्थानी के साथ पुरबिया बोलियों में मन को मोह लेने वाले गीतों की रचना की है। बंदिनी के 'मोरा गोरा अंग लइले, मोहे श्याम रंग दइदे' 'कजरारे-कजरारे तेरे कारे-कारे नयना!' 'यारा सिली सिली रात का ढलना' और 'चप्पा चप्पा चरखा चाले' जैसे गीतों को रचकर उन्होंने भारत की साझा संस्कृति को मूर्तिमान कर दिया है। वस्तुतः भारत में बनने वाली फ़िल्मों में आने वाले गीत उसे विश्व-सिनेमा में एक अलग पहचान देते हैं। ये गीत सही मायने में भारतीय संस्कृति की खूबसूरती को अभिव्यक्त करते हैं।

(i) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए : 1

कथन (A)— हिंदी फिल्मों के गाने जन-जन के गीत बन गए हैं।

कारण (R)— इन गीतों में राजनीति की अनुगूँजों के साथ, देहाती, कस्बायी और नए बने शहरों का जीवन दर्शन भी आत्मसात किया जाता रहा है।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर— (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(ii) 'हिंदी फिल्मी गीतों के इस संसार में हिंदी-उर्दू का 'झगड़ा' भी कभी पनप नहीं सका।' उपर्युक्त कथन के पक्ष में निम्नलिखित तर्कों पर विचार कीजिए। 1

(1) यहाँ सभी गीतकारों को एक ही बंधुत्व वर्ग का माना जाता है।

(2) ये गीतकार सभी भाषाओं में समान रूप से गीत लिखते हैं।

(3) इन गीतकारों में वैमनस्य व प्रतिस्पर्धा का भाव नहीं है।

(क) (1) सही है।

(ख) (2) सही है।

(ग) (3) सही है।

(घ) (1) और (2) सही हैं।

उत्तर— (क) (1) सही है।

(iii) उपर्युक्त गद्यांश में हिंदी फ़िल्मी गीतों की किस विशेषता पर सर्वाधिक बल दिया गया है ? 1

(क) ये गीत कलात्मक श्रेष्ठता व सर्वधर्म समभाव को अभिव्यक्त करते हैं।

(ख) ये गीत सांप्रदायिक सद्भाव को अभिव्यक्त करते हैं।

(ग) ये गीत पारस्परिक प्रेम व सद्भाव को अभिव्यक्त करते हैं।

(घ) ये गीत हमारी तहज़ीब की खूबसूरती को अभिव्यक्त करते हैं।

उत्तर— (घ) ये गीत हमारी तहज़ीब की खूबसूरती को अभिव्यक्त करते हैं।

(*iv*) हिंदी फ़िल्मी गीतों और लोकगीतों में क्या समानता है ? **2**

उत्तर—हिंदी फिल्मी गीत और लोकगीत दोनों ही लोगों के आनंद, उनके शोक उनके हर्ष और उनकी आशाओं को स्वर देते हैं। यही कारण है कि इन दोनों में समानता है।

(*v*) हिंदी भाषा की शब्द-संपदा को समृद्ध करने का काम किसने और किस प्रकार किया ? **2**

उत्तर—हिंदी भाषा की शब्द संपदा को समृद्ध करने का काम फ़िल्मी गीतों ने विविध क्षेत्रीय भाषाओं के मेल से किया है।

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए :

(3 × 1 + 2 × 2) = 3 + 4 = 7

मान लूँ मैं हार कैसे ?
रोकना मुझको असंभव रूप की मदिरा पिलाकर,
ईंट-पत्थर और काँटे राह में मेरी बिछाकर,
रुक नहीं सकता कदम पर उठ गया जलती चिता पर,
उठ गया तो क्या चिता, शव उठ चलेगा साथ पथ पर,
सौंप दूँ दुर्भाग्य को अपना मनुज-अधिकार कैसे ?
आज अंतर-प्यास मेरी रस नहीं, विष चाहती है,
दग्ध प्राणों में प्रलय की गूँज भरना चाहती है,
चाहता मन सिंधु-नभ-थल-गिरि-अटल को जीत लेना,
ज़िंदगी मेरी कहीं पर भी न रुकना चाहती है,
मैं मरुस्थल का पथिक हूँ, सींच दूँ रसधार कैसे ?

(*i*) लक्ष्य की ओर बढ़ते पथिक के मार्ग में बाधक नहीं है— **1**

(क) रूप की मदिरा
(ख) मार्ग की बाधाएँ
(ग) दुर्भाग्य का अभिशाप
(घ) पथिक का साहस।

उत्तर—(ग) दुर्भाग्य का अभिशाप

(*ii*) अपराजेय पथिक हार न मानता हुआ चाहता है—कथनों को पढ़कर सबसे सही विकल्प चुनिए। **1**

(*i*) मदिरा द्वारा अंतर की प्यास बुझाना
(*ii*) उत्साही जीवन में विनाश की हुँकार भरना
(*iii*) मार्ग की बाधाओं को हटाना
(*iv*) विजय के मार्ग को प्रशस्त करना।

विकल्प

(क) कथन (*ii*) सही है।
(ख) कथन (*i*) व (*iii*) सही हैं।
(ग) कथन (*i*), (*iii*) व (*iv*) सही हैं।
(घ) कथन (*i*), (*ii*) व (*iv*) सही हैं।

उत्तर—(ग) कथन (*i*), (*iii*) व (*iv*) सही हैं।

(*iii*) मरुस्थल का पथिक क्या करना चाहता है ? **1**

(क) मरुस्थल को उर्वर बनाना चाहता है।
(ख) वह निरंतर आगे-ही-आगे बढ़ना चाहता है।
(ग) वह नभ, थल, गिरि, अटल को जीत लेना चाहता है।
(घ) वह मरुस्थल का त्याग करना चाहता है।

उत्तर—(ग) वह नभ, थल, गिरि, अटल को जीत लेना चाहता है।

(*iv*) पथिक किस पर विजय प्राप्त करना चाहता है ? **2**

उत्तर—हिंदी फ़िल्मी गीत और लोकगीत दोनों ही लोगों के आनंद, उनके शोक उनके हर्ष और उनकी आशाओं को स्वर देते हैं। यही कारण है कि इन दोनों में समानता है।

(*v*) 'मैं मरुस्थल का पथिक हूँ'—पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। **2**

उत्तर—'मैं मरुस्थल का पथिक हूँ।'—पंक्ति से कवि का आशय यह है कि वह जीवन की दुर्गम और नीरस राह का राहगीर है।

खंड—ख

3. 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* के निर्देशानुसार सही उत्तर लिखिए :

4 × 1 = 4

(क) 'रसूलन और बतूलन ने गाना गाया क्योंकि इसी से अमीरुद्दीन को खुशी मिलती है।' (सरल वाक्य में)

(ख) 'दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुज़रे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया।' (संयुक्त वाक्य में)

(ग) मिश्र वाक्य का एक उदाहरण दीजिए।

(घ) मुझे विश्वास है कि—आज तुम्हें नौकरी अवश्य मिल जाएगी। (रेखांकित उपवाक्य का भेद बताइए)

(ङ) धन आते ही घमंड हो जाता है। (मिश्र वाक्य में)

उत्तर—(क) रसूलन और बतूलन के गायन से अमीरुद्दीन को खुशी मिलती है।

(ख) दूसरी बार हालदार साहब उधर से गुजरे और उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया।

(ग) उन्होंने कभी सोचा भी न था कि इतने आदमी एकत्रित होंगे।

(घ) प्रधान उपवाक्य।

(ङ) जब धन आता है, तब घमंड हो जाता है।

4. 'वाच्य' पर आधारित पाँच में से किन्हीं *चार* के निर्देशानुसार सही उत्तर लिखिए : **4 × 1 = 4**

(क) बालगोबिन भगत कबीर को 'साहब' मानते थे। (कर्म वाच्य में बदलिए)

(ख) भोर में लोगों से बालगोबिन भगत का गीत नहीं सुना गया। (वाक्य का वाच्य-भेद बताइए।)

(ग) 'धान के पानी-भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं।' (वाच्य-भेद बताइए)

(घ) माँ द्वारा भिखारी को भोजन दिया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ङ) हमने नहीं गाया। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर—(क) बालगोबिन भगत के द्वारा कबीर को 'साहब' माना जाता था।

(ख) भाववाच्य

(ग) कर्तृवाच्य

(घ) माँ ने भिखारी को भोजन दिया।

(ङ) हमसे नहीं गाया गया।

5. निम्नलिखित वाक्य के पाँच रेखांकित पदों में से किन्हीं *चार* के पद-परिचय लिखिए : **4 × 1 = 4**

(क) पानवाला <u>नया</u> पान खा रहा था।

(ख) <u>माँ की</u> याद आती है।

(ग) <u>यह</u> साइकिल मेरे बड़े भाई की है।

(घ) मधुर गान तो <u>सदा ही</u> सुनने को मिलते।

(ङ) वह <u>घने</u> जंगलों में भटक गया।

उत्तर—(क) नया—गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, विशेष्य 'पान' की विशेषता।

(ख) माँ की—जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, संबंध कारक।

(ग) यह—सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, विशेष्य 'साइकिल' की विशेषता।

(घ) सदा ही—कालवाचक क्रियाविशेषण, 'सुनने' क्रिया की विशेषता।

(ङ) घने—विशेषण, गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन।

6. 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए : **4 × 1 = 4**

निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए :

(क) 'प्रीति-नदी में पाउँ न बोरयो'

(ख) 'उस काल मारे क्रोध के, तन काँपने उसका लगा।
मानो हवा के जोर से, सोता हुआ सागर जगा'

(ग) बाल कल्पना के-से पाले।

(घ) 'बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की।'

(ङ) भूप सहस दस एकहिं बारा। लगे उठावन टरत न टारा।

उत्तर—(क) रूपक अलंकार (ख) उत्प्रेक्षा अलंकार (ग) उपमा अलंकार (घ) मानवीकरण अलंकार (ङ) अतिशयोक्ति अलंकार।

खंड—ग

7. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।।
बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोही।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।।
सहसबाहुभुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा।।

(1) सारा संसार महाबाहु परशुराम को.....के रूप में जानता है।

(क) ऋषि भृगु के शिष्य

(ख) क्षत्रियों को बचाने वाले

(ग) ऋषि विश्वामित्र के भक्त

(घ) क्षत्रियों का संहार करने वाले

(2) परशुराम क्रोधित होने पर भी.....की वजह से लक्ष्मण पर आक्रमण नहीं कर रहे थे।

(क) श्रीराम

(ख) गुरु विश्वामित्र

(ग) लक्ष्मण के क्रोधित होने

(घ) लक्ष्मण को बालक समझने

(3) कथन (*i*) : परशुराम ने सहस्त्रबाहु को छोड़कर सभी राजाओं का फरसे से वध कर डाला था।

कथन (*ii*) : परशुराम ने पृथ्वी को राजाओं से रहित कर दिया था।

दिए गए कथनों के लिए सही विकल्प पहचानिए—

(क) कथन (*i*) सही है और कथन (*ii*) उसका गलत कारण है।

(ख) कथन (*i*) सही है और कथन (*ii*) उसका सही कारण है।

(ग) कथन (*i*) गलत और कथन (*ii*) सही है।

(घ) कथन (*i*) और कथन (*ii*) दोनों सही हैं।

(4) लक्ष्मण के अनुसार धनुष तोड़ने में राम का कोई दोष नहीं था क्योंकि.....।

(क) धनुष को चलाने पर वह खुद से टूट गया था।

(ख) धनुष तोड़ने के लिए कहा गया था।

(ग) धनुष हाथ लगाते ही टूट गया था।

(घ) धनुष बहुत पुराना हो गया था।

(5) परशुराम बार-बार लक्ष्मण को फरसा क्यों दिखा रहे थे ?

(क) दरबार के दूसरे लोगों को चेतावनी देने के लिए

(ख) अपना क्रोधी इतिहास बताने के लिए

(ग) दरबारियों को वहाँ से भगाने के लिए

(घ) लक्ष्मण को डराने के लिए

उत्तर—1. (घ), **2.** (घ), **3.** (घ), **4.** (घ), **5.** (घ)

8. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

5 × 1 = 5

हालदार साहब की आदत पड़ गई, हर बार कस्बे से गुज़रते समय चौराहे पर रुकना, पान खाना और मूर्ति को ध्यान से देखना। एक बार जब कौतूहल दुर्दमनीय हो उठा तो पानवाले से पूछ लिया, क्यों भई, क्या बात है ? यह तुम्हारे नेताजी का चश्मा हर बार बदल कैसे जाता है? पानवाले के खुद के मुँह में पान ठुँसा हुआ था। वह एक काला मोटा और खुशमिज़ाज़ आदमी था। हालदार साहब का प्रश्न सुनकर वह आँखों ही आँखों में हँसा। उसकी तोंद थिरकी। पीछे घूमकर उसने दुकान के नीचे पान थूका और अपनी लाल काली बत्तीसी दिखाकर बोला, कैप्टन चश्मेवाला करता है। क्या करता है ? हालदार साहब कुछ समझ नहीं पाए। चश्मा चेंज करता है। पानवाले ने समझाया।

(1) हालदार साहब ने चौराहे पर रुकने की आदत क्यों डाली ?

(क) उन्हें पानवाले के पान आकर्षित करते थे।

(ख) उन्हें पानवाले से बात करना अच्छा लगता था।

(ग) उन्हें चश्मे के बदलते फ्रेम देखने में आनंद आता था।

(घ) उन्हें चश्मे के फ्रेम बदलने का कारण जानने की जिज्ञासा थीं।

(2) गद्यांश में हालदार साहब के लिए 'दुर्दमनीय' शब्द का प्रयोग किया गया है क्योंकि.....।

(क) उनकी उत्सुकता बढ़ गई थी?

(ख) वे स्वयं पर नियंत्रण कर रहे थे।

(ग) वे पानवाले से प्रश्न करने में हिचकिचा रहे थे।

(घ) उनके लिए जिज्ञासा पर नियंत्रण करना कठिन हो गया था।

(3) गद्यांश में पानवाले के.....और.....का सजीव वर्णन किया गया है।

(क) शारीरिक गठन, भाव-भंगिमाओं

(ख) भावनात्मक विचार, सदाचार

(ग) मानवीय विचारों, निपुणता

(घ) दैनिक अनुभव, स्फूर्ति

(4) हालदार साहब को पान वाले की बात समझ में नहीं आ रही थीं क्योंकि.....

(क) उन्हें पानवाले की बात पर अविश्वास था।

(ख) पानवाला आधा-अधूरा उत्तर दे रहा था।

(ग) पानवाले के मुँह में पान ठुँसा हुआ था।

(घ) उनके स्वभाव में थोड़ी नासमझी थी।

(5) कथन (*i*) : कैप्टन द्वारा नेताजी का चश्मा बदलना पानवाले के लिए हास्य का विषय था।

कथन (*ii*) : चश्मेवाले द्वारा नेताजी को चश्मे पहना देशभक्तों के प्रति सम्मान था।

कथन (*iii*) : हालदार साहब के लिए चश्मे का बदलना व्यंग्य का विषय था।

उपर्युक्त कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए—

(क) कथन (*i*) सही है किंतु (*ii*) और (*iii*) गलत हैं।

(ख) कथन (*i*) गलत किंतु (*ii*) और (*iii*) सही हैं।

(ग) कथन (*i*), (*ii*) सही हैं किंतु (*iii*) गलत है।

(घ) कथन (*i*), (*ii*) और (*iii*) तीनों सही हैं।

उत्तर—1. (घ), **2.** (घ), **3.** (क), **4.** (ख), **5.** (ग)

9. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित 4 प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए :

3 × 2 = 6

(क) क्या आपको नवाब साहब का व्यवहार सामान्य लगा ? क्यों? युक्तियुक्त उत्तर दीजिए।

उत्तर—नहीं हमें नवाब साहब का व्यवहार सामान्य नहीं लगा। नवाब साहब प्रदर्शन-प्रिय थे, इसलिए नवाबी खत्म होने के बाद भी अपना अंदाज़ बनाए हुए थे। नवाब साहब नहीं चाहते थे कि कोई भी उन्हें रेल के सेकेंड क्लास डिब्बे में सफ़र करते देखे, इसलिए लेखक के डिब्बे में आने पर उनके मुख पर असंतोष दिखाई दिया। नवाब साहब सफ़र के दौरान खीरे का मज़ा लेना चाहते थे, परंतु लेखक के सामने खीरा खाने में संकोच कर रहे थे। लेखक के सामने अपना लखनवी अंदाज़ दिखाने के लिए उन्होंने खीरा काटा और उसकी फाँकों को सूँघकर खिड़की से बाहर फेंक दिया। इन सभी गतिविधियों से नवाब साहब की बनावटी और झूठी नवाबी शान, काल्पनिक रईसी का दिखावा करने वाली जीवन-शैली आदि स्वभावगत विशेषताएँ स्पष्ट दिखाई देती हैं।

(ख) महानगरों की 'फ्लैट-क्लचर' और लेखिका मन्नू भंडारी के 'पड़ोस-कल्चर' में क्या अंतर दिखाई देता है ? विचार करते हुए लिखिए।

उत्तर—महानगरों की 'फ़्लैट-कल्चर' में जीवन केवल अपने तक सीमित हो गया है, यहाँ एकाकीपन प्रिय होता जा रहा है, किसी को किसी से कोई मतलब नहीं है। ऐसा जीवन असहाय और असुरक्षित होता है। इसके विपरीत परंपरागत 'पड़ोस कल्चर' में घर की दीवारें पड़ोस तक फैली हुई थीं अर्थात जीवन केवल अपने तक सिमटा हुआ नहीं था। सब अपनत्व के बंधन में बँधे थे, ऐसा जीवन अधिक आनंदपूर्ण व सुरक्षित था।

(ग) 'मंगल ध्वनि' का क्या अभिप्राय है ? बिस्मिल्ला खाँ को 'शहनाई की मंगल ध्वनि का नायक' क्यों कहा गया है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— शहनाई एक ऐसा वाद्य-यंत्र है, जिसे मांगलिक अवसरों पर बजाया जाता है। शहनाई प्रभात की मंगल-ध्वनि का भी सूचक है। उन्होंने सामान्य मांगलिक कार्यों से लेकर अनेक सुप्रसिद्ध मांगलिक अवसरों पर शहनाई बजाई है। इसी मंगल ध्वनि की साधना बिस्मिल्ला खाँ ने पूरी लगन से की थी। वे सुरों के सच्चे साधक थे। आठ वर्षों की सुर-साधना के बाद भी उन्हें लगता था कि अभी उनके शहनाई वादन में कुछ कमी रह गई है। उनके सुरों में वह जादू था कि सुनने वाले मंत्रमुग्ध हो जाते थे। काशी विश्वनाथ और बालाजी मंदिर में शहनाई पर मंगल ध्वनि बजाते थे, जिससे लोगों का जीवन मंगलकारी हो। इसी कारण उन्हें शहनाई की मंगल-ध्वनि का नायक कहा जाता है।

(घ) सच्चे अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जा सकता है? संस्कृति पाठ के आधार पर तर्क सहित लिखिए।

उत्तर—लेखक ने उस व्यक्ति को 'संस्कृत व्यक्ति' बताया है जिसकी योग्यता, बुद्धि, विवेक, प्रेरणा अथवा प्रवृत्ति उसे किसी नए तथ्य का दर्शन करवाती है और वह जनकल्याण के लिए नि:स्वार्थ भाव से कार्य करता है। संस्कृत व्यक्ति सदा अच्छे कार्य करता है। वह प्राणीमात्र के कल्याण की चिंता करता है। अपने कार्यों से वह किसी का अहित नहीं करता। वह स्वयं कष्ट उठाकर दूसरों को सुख देता है।

10. निर्धारित कविताओं के आधार पर चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए—

3 × 2 = 6

(क) गोपियों ने श्री कृष्ण के प्रति अपने एकनिष्ठ प्रेम को किन उदाहरणों द्वारा स्पष्ट किया है ?

उत्तर—गोपियों ने कृष्ण के प्रति अपने अन्नय प्रेम को विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से प्रकट किया है। वे कहती हैं कि कृष्ण के प्रति हमारा प्रेम गुड़ से चिपकी हुई चींटियों के समान है। गोपियाँ मन, कर्म और वचन से कृष्ण के प्रति समर्पित हैं। कृष्ण उनके लिए हारिल की लकड़ी के समान हैं। उन्हें योग का संदेश कड़वी ककड़ी के समान प्रतीत होता है, क्योंकि वे केवल कृष्ण का प्रेम चाहती हैं। वे दिन-रात सोते-जागते केवल कृष्ण का स्मरण करती हैं।

(ख) 'साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है।' इस कथन पर 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' पाठ के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

उत्तर—श्रीराम के छोटे भाई लक्ष्मण थे। वे साहसी, वीर और तेजस्वी थे, परंतु अपने उग्र स्वभाव के कारण वे श्रीराम के लिए मुनि परशुराम का क्रोध सहन नहीं कर पाए। उन्होंने परशुराम के अहंकार को चुनौती दे दी। वे बहुत उग्र और असंयमी होते जाते हैं। यहाँ तक कि सभा में बैठे लोग भी उनके व्यवहार को अनुचित कहने लगते हैं। अंततः लक्ष्मण को शांत करने के लिए श्रीराम को

बीच में आना पड़ता है। यदि लक्ष्मण में विनय का गुण भी होता तो स्थिति इतनी नहीं बिगड़ती और परशुराम के साथ उनका विवाद नहीं बढ़ता।

(ग) आत्मकथा सुनाने के संदर्भ में 'अभी समय भी नहीं' कवि ऐसा क्यों कहता है?

उत्तर—कवि का मानना है कि अभी उसने जीवन में कोई बड़ी उपलब्धियाँ प्राप्त नहीं की हैं, जिन्हें दूसरों के सामने प्रकट किया जा सके। वह अपने अभावग्रस्त जीवन के कष्टों को अपने हृदय में छिपाकर रखना चाहता है। उसका जीवन अभी संघर्षमय है। वह इस संघर्ष के समय में अपने दु:खों को प्रकट नहीं करना चाहता। यही कारण है कि कवि आत्मकथा सुनाने के लिए इस समय को उपयुक्त नहीं मानता।

(घ) फ़सल 'हाथों की स्पर्श की गरिमा और महिमा' किस प्रकार है ? विचार कीजिए।

उत्तर—किसान निरंतर फसल के लिए परिश्रम करते हैं। उनकी देखभाल से फ़सल लहलहाने लगती है। इसमें हज़ारों खेतों की उपजाऊ मिट्टी की विशेषताएँ छिपी हैं। फ़सल तो नदियों द्वारा लाए गए पानी का जादू है। इसमें न जाने कितनों का परिश्रम छिपा है। यह उन हाथों के स्पर्श का परिणाम है। अत: फसल लाखों-करोड़ों मनुष्यों के स्पर्श की गरिमा है।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए : 2 × 4 = 8

(क) 'माता का प्रेम, पिता के प्रेम की अपेक्षा अधिक गहन होता है।' 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर विचार कीजिए।

उत्तर—माता का प्रेम पिता के प्रेम की अपेक्षा अधिकतम होता है। बच्चे का माता से बहुत लगाव होता है। दोनों के बीच ममत्व का रिश्ता होता है। भोलानाथ जब अपने पिता से गोरस और भात खाते तो माता भी उन्हें खिलाने की हठ करतीं। उन्हें लगता था कि भोलानाथ के पिता बच्चे को खिलाने का ढंग नहीं जानते। माँ भोलानाथ को अलग-अलग पक्षियों के नाम से कौर बनाकर खिलाया करती थीं। माँ के इस ममत्वपूर्ण व्यवहार से भोलानाथ का स्वास्थ्य बेहतर रहता था। कोई परेशानी आने पर भोलानाथ अपने पिता से प्यार करने के बावजूद अपनी माँ की गोद में छिप जाता था। माँ के आँचल में भोलानाथ अपने को बिलकुल सुरक्षित महसूस करता था।

(ख) 'मैं क्यों लिखता हूँ' प्रश्न के उत्तर में लेखक क्या कारण बताता है ?

उत्तर—किसी भी लेखक को लिखने के लिए निम्न बातें प्रेरित करती हैं—

(*i*) **आंतरिक विवशता**—लेखक को उसकी आंतरिक विवशता ही लिखने के लिए बाध्य करती है। उसकी आंतरिक विवशता से मुक्ति पाने की इच्छा और तटस्थ रहकर उसे देखने तथा पहचानने की भावना ही उसे लिखने के लिए प्रेरित करती है।

(*ii*) **संपादक और प्रकाशक का आग्रह**—कई बार लेखक संपादक और प्रकाशक के आग्रह पर भी लेखन कार्य करते हैं।

(*iii*) **आर्थिक विवशता**—लेखन कार्य करने पर सम्मान के साथ-साथ पारिश्रमिक भी मिलता है। कई बार लेखक अपनी आर्थिक आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए भी लेखन-कार्य करता है।

(*iv*) **प्रसिद्धि पाने के लिए**—कुछ लेखक ऐसे भी होते हैं जिन्हें कोई आकांक्षा नहीं होती। वे केवल अपनी आत्मसंतुष्टि के लिए लेखन-कार्य करते हैं और एक दिन ऐसा आता है जब उसकी अपनी विशेष पहचान बन जाती है।

(ग) 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' किस शहर को कहा गया है और क्यों ?

उत्तर—लेखिका ने गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' कहा है, क्योंकि पर्वतीय क्षेत्र होने के कारण गंतोक की परिस्थितियाँ भी अत्यंत कठोर हैं। अपनी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए यहाँ लोगों को बहुत परिश्रम करना पड़ता है। यहाँ प्रकृति अपना सौंदर्य बिखेरती है। इसके नैसर्गिक रूप को कायम रखने के लिए पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण पहाड़ों को काटकर रास्ता बनाना पड़ता है। पत्थरों पर बैठकर औरतें पत्थर तोड़ती हैं। बच्चे भी अपनी माँ के साथ कार्य करते हैं। यहाँ का जीवन कठोर है। लोगों ने इन कठिनाइयों में भी शहर के कण-कण को सुंदर बनाया है।

खंड—घ

रचनात्मक लेखन

12. दिए गए बिंदुओं के आधार पर किसी *एक* विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 6

(क) 'सार-सार को गहि रहे, थोथा देय उड़ाय'

संकेत-बिंदु—• सूक्ति का अर्थ • समाज के लोगों में संबंध • कथन का स्पष्टीकरण • वैचारिक अभिव्यक्ति

(ख) मेट्रो रेल

संकेत बिंदु—• महानगरीय सुखद स्वप्न • सुविधाजनक • भविष्य • लोकप्रिय क्यों ?

(ग) मेक इन इंडिया

संकेत बिंदु—• आशय • भारत की पृष्ठभूमि • उद्देश्य • विकास में अग्रसर होने का विकल्प।

उत्तर—(क) 'सार-सार को गहि रहे, थोथा देय उड़ाय'

संकेत-बिंदु—• सूक्ति का अर्थ • समाज के लोगों में संबंध • कथन का स्पष्टीकरण • वैचारिक अभिव्यक्ति

'सार-सार को गहि रहे, थोथा देय उड़ाय' सूक्ति का अर्थ है सार्थक को अपना लेना चाहिए और निरर्थक या व्यर्थ को छोड़ देना चाहिए। कबीरदास जी द्वारा रचित यह पूर्ण दोहा इस प्रकार है—

''साधु ऐसा चाहिए जैसा सूप सुभाय।
सार-सार को गहि रहे, थोथा देय उड़ाय।''

सज्जन के गुण सूप के समान होने चाहिए। जिस प्रकार अनाज साफ़ करने वाला सूप अनाज के दानों को एक ओर कर लेता है और भूसे को उड़ा देता है। उसी प्रकार इस संसार को भी ऐसे सज्जनों की ज़रूरत है जो सार्थक को बचा लेंगे और निरर्थक को छोड़ देंगे। समाज में अलग-अलग विचारधाराओं तथा मान्यताओं को मानने वाले व्यक्ति हैं। हमें समाज में ऐसे व्यक्तियों के विचारों को ग्रहण करना चाहिए जो हमें उन्नति की ओर लेकर जाएँ। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। जो अपनी आवश्यकताओं और ज़रूरतों को पूरा करने के लिए समाज के अनेक लोगों से संबंध बनाता है। प्रत्येक व्यक्ति की सोच और मानवीय मूल्य अलग-अलग होते हैं किंतु सत्पुरुष उन्हीं गुणों को अपनाता है जो सार्थक

होते हैं जिस प्रकार सूप भूसे को अनाज के दानों से अलग कर देता है, उसी प्रकार सज्जन भी गुण ग्रहण करते हैं और अवगुणों को छोड़ देते हैं।

(ख) मेट्रो रेल

संकेत बिंदु—• महानगरीय सुखद स्वप्न • लोकप्रिय क्यों ? सुविधाजनक • भविष्य

महानगरों का जीवन भीड़-भाड़ युक्त, भाग-दौड़ वाला तथा थकान-भरा होता है। ऐसे में यदि कुछ ऐसी सुविधाएँ मिल जाएँ, जो जीवन को आसान बनाने के साथ-साथ समय और धन की भी बचत कराने वाली हों तो वे सोने पर सुहागे के समान प्रतीत होती हैं। महानगरों में रहने वाले लोगों को प्रतिदिन रोज़गार की खातिर लंबी दूरियाँ तय करनी पड़ती हैं। ऐसे में हर कोई आवागमन के तीव्रतम और सुविधाजनक साधन को अपनाना चाहता है। उसके लिए ही मेट्रो रेल का आविष्कार हुआ। मेट्रो रेल महानगरों के यातायात का तीव्रतम साधन है। इसके मार्ग सुरक्षित तथा अबाधित हैं। इससे घंटों की दूरी को मिनटों में तय किया जा सकता है। मेट्रो रेल हर दो-तीन मिनट बाद आती है और यात्रियों को अपने गंतव्य तक ले जाती है। सड़कों के जाम और धूल आदि से मुक्त वातानुकूलित यह यात्रा आनंददायी प्रतीत होती है। मेट्रो में बैठने तथा खड़े होने की व्यवस्था अत्यंत स्वच्छ और सुंदर है। इसके स्टेशन भी साफ़-सुथरे और सरदी, गरमी व वर्षा से मुक्ति दिलाने वाले हैं। सरकार इस परियोजना के प्रति काफ़ी उदार है। यही कारण है कि इसके विस्तार की योजनाएँ बनाई जा रही हैं। एन० सी० आर० क्षेत्रों की सीमाओं को जोड़ने के बाद अब इसे दूसरे शहरों से भी जोड़ने की तैयारी चल रही है। भीड़-भाड़ भरे महानगरों में जहाँ आदमी का सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल लगता है, वहाँ मेट्रो रेल का होना एक सपने जैसा है।

(ग) मेक इन इंडिया

संकेत बिंदु—• आशय • भारत की पृष्ठभूमि • उद्देश्य • विकास में अग्रसर होने का विकल्प।

25 सितंबर, 2014 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नई दिल्ली में 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी। इस अभियान का मुख्य लक्ष्य भारत को आर्थिक वैश्विक पहचान दिलाना है तथा भारत को वैश्विक उत्पादन केंद्र का एक स्थान बनाना है। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक लागू करना तथा भारत में दस मिलियन लोगों से ज़्यादा के लिए रोज़गार के अवसर उत्पन्न करना है। यह एक प्रभावशाली योजना है जो यहाँ भारत में अपने व्यवसाय को लगाने के लिए प्रमुख विदेशी कंपनियों को आकर्षित करेगी। भारत में आज तक बेरोज़गारी, निरक्षरता, भ्रष्टाचार, गरीबी और स्वास्थ्य सेवाओं में कमी रही है। मेक इन इंडिया अभियान इन सभी समस्याओं को भारत से दूर करने की एक बहुत अच्छी पहल है। इस योजना का उद्देश्य बड़े निवेशकों की मदद से मूल्यवान रोज़गार हर घर के लोगों तक सुनिश्चित करना है। ज़्यादा-से-ज्यादा सामान भारत में बने जिससे कीमत कम होगी और बाहर निर्यात होने से देश की अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। देश में रोज़गार बढ़ेगा, बेरोज़गारी दूर होगी। मेक इन इंडिया कैंपेन को जन-जन तक पहुँचाने के लिए 13 फ़रवरी, 2016 को मुंबई में मेक इन इंडिया वीक इवेंट मनाया गया था जिसमें 2500 अंतर्राष्ट्रीय व 8000 राष्ट्रीय कंपनियों ने भाग लिया। यह योजना भारत को विकसित बनाने में एक बहुत ही सराहनीय पहल है। भारत सरकार अपनी पूरी कोशिश कर रही है लेकिन इसे सफल बनाने के लिए हमें भी कोशिश करनी चाहिए। हमें सरकार द्वारा चलाई जा रही इन योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए ताकि भारत विश्व में एक महान आर्थिक शक्ति के रूप में उभर सके। सभी को रोज़गार मिले और समाज का उद्धार हो।

13. आपके क्षेत्र के पार्क को कूड़ेदान बना दिया गया था। पुलिस की पहल और मदद ने उसे पुनः खेल का मैदान बना दिया है। अतः आप पुलिस आयुक्त के नाम धन्यवाद पत्र लिखिए। 5

उत्तर— छात्रावास
कीर्ति नगर
नई दिल्ली
दिनांक : 5 मई, 20XX
सेवा में
श्रीमान पुलिस आयुक्त महोदय
कीर्ति नगर
नई दिल्ली

विषय—पुलिस विभाग द्वारा पार्क की हालत सुधारने पर धन्यवाद पत्र

महोदय

कीर्ति नगर दिल्ली में जो पार्क था वहाँ आस-पास रहने वाले लोगों ने उस स्थान पर कूड़ा-करकट फेंककर उसे पूरा कूड़ादान बना दिया था। जो पार्क बच्चों, वृद्धों के लिए ताज़ी हवा और शारीरिक गतिविधियों के लिए बना था वहाँ बदबू और गंदगी का प्रकोप चारों ओर था। वहाँ खेलना और घूमना तो दूर की बात, वहाँ से गुज़रना भी मुश्किल हो गया था। इस फैली अव्यवस्था पर कोई संज्ञान नहीं ले रहा था। यहाँ के निवासियों ने एक दफ़्तर से दूसरे दफ़्तर तक बहुत चक्कर लगाए परंतु कोई लाभ नहीं हुआ।

मगर पुलिस विभाग द्वारा पहल करने तथा उसे साफ़-सुथरा रखने के लिए जो सराहनीय कार्य किया गया है उसका हम सभी कीर्ति नगर के वासी तहे दिल से आपका और आपके विभाग का धन्यवाद करते हैं। अब सभी वहाँ घूम सकते हैं और बच्चे खेल सकते हैं।

हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि आगे के लिए वहाँ कोई कूड़ा नहीं फेंकेगा।

धन्यवाद

समस्त कीर्ति नगर निवासी

अथवा

आपका मित्र पढ़ाई में बहुत अच्छा है, लेकिन किताबी कीड़ा बनकर रह गया है। उसे अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय होने की आवश्यकता और लाभों के विषय में बताते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

उत्तर— परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांक : 16 सितंबर, 20XX
प्रिय मित्र रोहित
सप्रेम अभिवादन

यहाँ सब सकुशल हैं। तुम कैसे हो ? काफ़ी दिनों से तुम्हारा कोई पत्र नहीं आया और न ही तुम्हारी कोई सूचना मिली। कल बाज़ार में मेरी मुलाकात तुम्हारे पिता जी से हुई, तो उन्होंने बताया कि तुम दिन-रात किताबों में ही डूबे रहते हो, जिसके

कारण तुम्हारा स्वास्थ्य बिगड़ता जा रहा है। माना पढ़ाई करना अच्छी बात है, परंतु पढ़ाई के साथ-साथ एक विद्यार्थी को सांस्कृतिक गतिविधियों और खेलों में भी भाग लेना चाहिए। अंग्रेज़ी की एक कहावत है 'Health is Wealth' सेहत गँवाकर पढ़ाई करना ठीक नहीं। खेल तथा अन्य सांस्कृतिक गतिविधियाँ विद्यार्थी में ऊर्जा का संचार करती हैं। इससे न केवल शरीर को अपितु मस्तिष्क को भी नया जीवन मिलता है। खेलों से शरीर स्वस्थ और तरोताज़ा रहता है। इससे चुस्ती, स्फूर्ति और शक्ति मिलती है। मेरा तुमसे अनुरोध है कि तुम पढ़ाई के साथ-साथ खेलों और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में भी अपनी रुचि उत्पन्न करोगे। शेष कुशल है। जब भी घर आओ तो ज़रूर मिलना। पत्र के इंतज़ार में।

तुम्हारा मित्र

क०ख०ग०

14. देश की जनता को 'मतदान अधिकार' के प्रति जागरूक करने के लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त कार्यालय की ओर से लगभग 40 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **4**

अथवा

मित्र/सखी को नृत्य प्रतियोगिता में सफल होने तथा प्रथम स्थान पाने के लिए लगभग 40 शब्दों में एक शुभकामना संदेश लिखिए।

शुभकामना संदेश

दिनांक : 6 नवंबर, 20XX

समय : प्रात: 6.00 बजे

प्रिय आयुषि

आया है वह अवसर जिसमें

तुम्हारी मेहनत है रंग लाई

यूँ ही मिलती रहे सफलता और हम देते रहें बधाई।

अंतरविद्यालय नृत्य प्रतियोगिता में सफल होने व प्रथम स्थान प्राप्त करने पर तुम्हें हार्दिक शुभकामनाएँ। तुम्हें बचपन से ही नृत्य का शौक था और तुम नृत्य को ही अपने जीवन का लक्ष्य बनाना चाहती हो। यह तुम्हारी सफलता की पहली सीढ़ी है। तुम्हें एक बार फिर से ढेर सारी शुभकामनाएँ।

श्रुति

15. आपका नाम सुनीता/सुरेश है। आप राजेंद्र नगर के निवासी हैं। दैनिक समाचार-पत्र से पता चला है कि स्थानीय राजकीय माध्यमिक विद्यालय में पुस्तकालय अध्यक्ष का पद रिक्त है। आप उक्त पद की योग्यता (बी०लिब०/ पुस्तकालय विज्ञान में स्नातक) को धारण करते हैं। उक्त रिक्त पद हेतु राजकीय माध्यमिक विद्यालय प्रमुख को भेजने हेतु लगभग 80 शब्दों में अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त लिखिए। **5**

उत्तर— सेवा में

विद्यालय प्रमुख

राजकीय माध्यमिक विद्यालय

पानीपत।

विषय : पुस्तकालय अध्यक्ष पद के लिए आवदेन।

महोदय,

आज दिनांक 20 मार्च ..... को प्रकाशित दैनिक जागरण से प्रकाशित विज्ञापन से ज्ञात हुआ है कि आपके विद्यालय के पुस्तकालय विभाग में पुस्तकालय अध्यक्ष पद की आवश्यकता है। मैं इस पद के लिए अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर रही हूँ। मेरा स्ववृत्त इस आवेदन-पत्र के साथ संलग्न है। इसका अवलोकन करने पर आपको विश्वास होगा कि मैं इस पद के लिए पूर्णत: उपयुक्त उम्मीदवार हूँ। मैं आपके विज्ञापन में वर्णित सभी योग्यताओं को पूरा करती हूँ। मेरा संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है—

नाम : सुनीता

पिता का नाम : श्री रमेश चंद

माता का नाम : श्रीमती समीरा

जन्मतिथि : 13-03- .....

वर्तमान पता : 72, राजेंद्र नगर, पानीपत

स्थायी पता : 502 I, कर्णपुरी, दिल्ली,

दूरभाष : 0184-2228180

मोबाइल नं० : 96184-82215

ई-मेल : 1980sunita@yahoo.com

शैक्षणिक योग्यताएँ

शैक्षणिक अहर्ताएँ	परीक्षा बोर्ड	विषय	श्रेणी	प्रतिशत
दसवीं	हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड	हिंदी, अंग्रेज़ी, गणित, साइंस, संस्कृत	प्रथम	70%
बारहवीं	हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड	हिंदी, अंग्रेज़ी, इतिहास, संस्कृत, गणित	प्रथम	71%
स्नातक	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय	हिंदी, अंग्रेज़ी, संस्कृत, गणित	प्रथम	72%
बी० लिब०	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय		प्रथम	70%

अनुभव

दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी में सहायक अध्यक्ष के रूप में पाँच साल का अनुभव

रुचियाँ

- व्यंग्य लिखने में कुशलता
- साहित्य लेखन में कुशलता
- बैडमिंटन व शतरंज में गहन रुचि
- विश्व की आठ भाषाओं का ज्ञान

इस योग्यता के साथ-साथ मैं कई वर्षों से स्वतंत्र लेखन से भी जुड़ी हुई हूँ। मुझे लेखन में बेहद रुचि है। मैं आपको पूर्ण विश्वास दिलाती हूँ कि मैं अपना कार्य सत्यनिष्ठ एवं पूर्ण कर्तव्यपरायणता से करूँगी।

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

आपसे अनुरोध है कि उपर्युक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए मेरे आवेदन-पत्र पर सकारात्मक विचार करते हुए मुझे पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर नियुक्त करें।
सधन्यवाद
भवदीय,
(हस्ताक्षर)
सुनीता

अथवा

आप रूपाली/मयंक हैं। ई-मेल द्वारा बैंक प्रबंधक को अपनी पास-बुक खोने की सूचना लगभग 80 शब्दों में दीजिए।

उत्तर— To : ccare@sbico.in
CC : <.....>
BCC : <.....>

विषय—पास बुक खो जाने पर
सेवा में
बैंक प्रबंधक
सविनय निवेदन है कि मेरा नाम रूपाली है। यात्रा करते समय मेरी पास बुक गुम हो गई है।
अत: आपसे निवेदन है कि आप मेरे खाते पर एक नई पास बुक प्रदान करने की कृपा करें। इसके लिए बहुत आभार।

दिनांक	—	.....
नाम	—	.....
खाता संख्या	—	.....
पता	—	307, रामकुंज निर्माण विहार
मोबाइल नं०	—	981067XXXX

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

Holy Faith New Style Sample Paper–7

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं
विषय—हिंदी (अ)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश—इसके लिए Holy Faith New Style Sample Paper—1 देखें।

खंड—क

(बहुविकल्पी/लघूत्तरात्मक प्रश्न/अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए : (3 × 1 + 2 × 2) = 3 + 4 = 7

कोलकाता भी दूसरे बड़े शहरों की तरह एक बड़ी नदी के किनारे बसा है। गंगा से निकली एक धारा ही है हुगली नदी। लेकिन दूसरे कई नगरों की तरह कोलकाता में नदी का बहाव एकतरफा नहीं है। हुगली ज्वारी नदी है और बंगाल की खाड़ी से उसका मुहाना 140 किलोमीटर की दूरी पर ही है। हर रोज ज्वार के समय समुद्र नदी के पानी को वापस कोलकाता तक ठेलता है। ज्वार और भाटे के बीच जल स्तर एक ही दिन में कई फुट ऊपर-नीचे हो जाता है।

शहर के पश्चिम में बहने वाली हुगली नदी में कोलकाता अपना मैला पानी बहाकर उसे भुला नहीं सकता। नीचे बह जाने की बजाय क्या पता ज्वार के पानी के साथ अपशिष्ट पदार्थ वापस शहर लौट आएँ ? शहर के कुल मैले पानी का एक छोटा-सा हिस्सा ही हुगली में बहाया जाता है, वह भी चोरी-छिपे। इसका परिणाम यह है कि कोलकाता में हुगली अधिक दूषित नहीं है। लेकिन हर बड़े शहर को अपना मैला पानी फैंकने के लिए एक नदी चाहिए। तो फिर कोलकाता का मैला पानी कहाँ जाता है ? हुगली से उलटी दिशा में, शहर के पूरब में बहने वाली एक छोटी-सी नदी कुल्टीगंग में। पर नदी तक पहुँचने के पहले इस मैले पानी के बड़े हिस्से का उपचार होता है। कुल्टीगंग में गिरने वाला मैला पानी उतना दूषित नहीं होता है जितना वह शहर से निकलते समय होता है। यहाँ मैले पानी की सफ़ाई का तरीका भी दूसरे शहरों से निराला है। कोई 30,000 एकड़ में फैले तालाब और खेत कोलकाता के कुल मैले पानी का दो-तिहाई हिस्सा साफ़ करते हैं। यही नहीं, इससे कई हज़ार लोगों को रोज़गार मिलता है मैले पानी से मछलियाँ, सब्ज़ियाँ और धान उगाकर। इसका एक कारण है यहाँ का अनूठा भूगोल, जो बना है गंगा के मुहाने पर होने वाले मिट्टी और पानी के प्राकृतिक खेल से। पता नहीं कब से गंगा की बड़ी धार यहाँ से बहकर बंगाल की खाड़ी में विसर्जित होती थी। पर यह संगम केवल गंगा और बंगाल की खाड़ी भर का नहीं रहा है। छोटी-बड़ी कई नदियों की कई धाराएँ हिमालय की मिट्टी गाद या साद के रूप में लेकर यहाँ जमा करती रही हैं। कह सकते हैं कि यहाँ हिमालय और समुद्र मिलते हैं।

(*i*) कोलकाता में बहने वाली.....नदियों का उल्लेख अनुच्छेद में हुआ है। 1

(क) गंगा, कुल्टीगंग, यमुना
(ख) गंगा, हुगली, उल्टीगंगा
(ग) गंगा, यमुना, हुगली
(घ) हुगली, गंगा, कुल्टीगंग

उत्तर—(घ) हुगली, गंगा, कुल्टीगंग

(*ii*) गद्यांश आधारित निम्नलिखित कथनों को पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए— 1

कथन
(1) हुगली नदी में जल-स्तर ज्वार और भाटे के अनुरूप ऊपर-नीचे होता रहता है।
(2) कुल्टीगंग कोलकाता के पूरब में बहती है।
(3) कोलकाता की अधिकतर नदियाँ उलटी दिशा की ओर बहती हैं।

विकल्प
(क) कथन (1) सही है।
(ख) कथन (1) और (2) सही हैं।
(ग) कथन (2) और (3) सही हैं।
(घ) कथन (3) और (1) सही हैं।

उत्तर—(ख) कथन (1) और (2) सही हैं।

(*iii*) निम्नलिखित कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए— 1

कथन (A) : कोलकाता के बगल में बंगाल की खाड़ी में हिमालय और समुद्र मिलते हैं।

कारण (R) : यहाँ गंगा और अन्य नदियाँ मिट्टी गाद या साद इकट्ठा करती हैं।

(क) कथन (A) गलत है पर कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) सही है, पर कारण (R) गलत है।
(ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं।
(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

उत्तर—(ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं।

(*iv*) कुल्टीगंग में गिरने वाला कोलकाता का मैला पानी उतना दूषित क्यों नहीं होता ? **2**

उत्तर—कुल्टीगंग में गिरने वाला कोलकाता का मैला पानी उतना दूषित इसलिए नहीं होता क्योंकि यह मैला पानी नदी में गिरने से पूर्व खेतों और तालाबों से उपचारित होता है।

(*v*) कोलकाता अपना मैला पानी कहाँ और क्यों नहीं बहा सकता ? **2**

उत्तर—कोलकाता हुगली नदी में अपना मैला पानी नहीं बहा सकता क्योंकि समुद्र पानी वापस हुगली नदी में भेजता हैं; जिससे ज्वार के पानी के साथ अपशिष्ट पदार्थ वापस लौट सकता है।

2. अग्रलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए : (3 × 1 + 2 × 2) = 3 + 4 = 7

हम जंग न होने देंगे।
विश्व शांति के हम साधक हैं,
जंग न होने देंगे।
कभी न खेतों में फिर खूनी खाद फलेगी,
खलिहानों में नहीं मौत की फ़सल खिलेगी,
आसमान फिर कभी न अंगारे उगलेगा,
ऐटम से फिर नागासाकी नहीं जलेगी
युद्धविहीन विश्व का सपना भंग न होने देंगे।
हथियारों के ढेरों पर जिनका है डेरा,
मुँह में शांति, बगल में बम, धोखे का फेरा,
कफ़न बेचने वालों से कह दो चिल्लाकर,
दुनिया जान गई है उनका असली चेहरा,
कामयाब हों उनकी चालें, ढंग न होने देंगे।
हमें चाहिए शांति, ज़िंदगी हमको प्यारी,
हमें चाहिए शांति, सृजन की है तैयारी,
हमने छेड़ी जंग भूख से, बीमारी से,
आगे आकर हाथ बँटाए दुनिया सारी,
हरी-भरी धरती को खूनी रंग न लेने देंगे।

(*i*) किस स्वप्न को कवि नहीं टूटने देना चाहता? पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए— **1**
(*i*) संसार की संपन्नता का स्वप्न
(*ii*) युद्ध रहित संसार का स्वप्न
(*iii*) विश्व शांति का स्वप्न
(*iv*) पारस्परिक श्रेष्ठता का स्वप्न
विकल्प—
(क) कथन (*ii*) सही है।
(ख) कथन (*i*) व (*iii*) सही हैं।
(ग) कथन (*i*), (*iii*) व (*iv*) सही हैं।
(घ) कथन (*i*), (*ii*), (*iii*) व (*iv*) सही हैं।

उत्तर— (क) कथन (*ii*) सही है।

(*ii*) कवि ऐसे युद्ध को सार्थक समझता है जो— **1**
(क) राक्षसी शक्तियों का संहारक हो।
(ख) भूख और रोग का विनाशक हो।
(ग) अशांति के समर्थकों का सहयोगी हो।
(घ) विश्व के कल्याण का साधक हो।

उत्तर—(ख) भूख और रोग का विनाशक हो।

(*iii*) **कथन (A) :** विश्वशांति का साधक भारत को कहा गया है।
कारण (R) : भारत युद्धविहीन विश्व का सपना साकार करना चाहता है। **1**
(क) कथन (A) गलत है और कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) सही है, और कारण (R) गलत है।
(ग) कथन (A) सही है, और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी गलत व्याख्या है।

उत्तर—(ग) कथन (A) सही है, और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।

(*iv*) 'खलिहानों में नहीं मौत की फ़सल खिलेगी' का आशय स्पष्ट कीजिए। **2**

उत्तर—'खलिहानों में नहीं मौत की फ़सल खिलेगी' का आशय है कि युद्ध अब अपार जनसंहार का कारण नहीं बनेगा।

(*v*) कवि ने 'कफ़न बेचने वाला' किसे कहा है? **2**

उत्तर—कवि ने कफ़न बेचने वाला उन देशों को कहा है जो घातक अस्त्र-शस्त्र की खरीद फ़रोख्त करते हैं।

खंड—ख

3. 'वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के निर्देशानुसार सही उत्तर लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) कवि ने शिशु के मुँह से कई बातें सुनीं।
(वाक्य भेद बताइए)

(ख) स्तंभ (I) का स्तंभ (II) से सही मिलान करके लिखिए—

स्तंभ (I)	स्तंभ (II)
(1) सरल वाक्य	(*i*) या तुम शहर जाओगे या मैं जाऊँगा।
(2) संयुक्त वाक्य	(*ii*) वह काम हो गया जिसे करने के लिए आपने कहा था।
(3) मिश्र वाक्य	(*iii*) बारिश के मौसम में बिजली चमकती है।

(ग) गाना अच्छा लगता है।
(रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए)

(घ) उपवाक्य किसे कहते हैं?

(ङ) पत्थर की मूर्ति पर चश्मा असली था। (मिश्र वाक्य में)

उत्तर—(क) सरल वाक्य

(ख) (1) बारिश के मौसम में बिजली चमकती है। (सरल वाक्य)
(2) या तुम शहर जाओगे या मैं जाऊँगा। (संयुक्त वाक्य)
(3) वह काम हो गया जिसे करने के लिए आपने कहा था। (मिश्र वाक्य)

(ग) सरल वाक्य

(घ) उपवाक्य, वाक्य का अंश होता है, जिसमें उद्देश्य और विधेय होते हैं।

(ङ) मूर्ति पत्थर की थी, लेकिन उस पर चश्मा असली था।

4. 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के निर्देशानुसार सही उत्तर लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) कॉलम-1 को कॉलम-2 के साथ सुमेलित करके लिखिए—

कॉलम-1	कॉलम-2
(1) विराट द्वारा चौका लगाया गया।	(*i*) कर्तृवाच्य
(2) अंपायरों ने मैच में सही निर्णय दिए।	(*ii*) कर्मवाच्य
(3) दर्शकों से स्टेडियम में रुका नहीं जा सका।	(*iii*) भाववाच्य

(ख) सुधा द्वारा स्कूल जाया जा रहा है। (कर्तृवाच्य में)

(ग) भाववाच्य का उदाहरण दीजिए।

(घ) पानवाला नया पान खा रहा था। (भाववाच्य में बदलिए)

(ङ) छुट्टियों में दो और रेलगाड़ियाँ चलाई जाएँगी।
(वाच्य-भेद बताइए)

उत्तर—(क) (*i*) कर्तृवाच्य— (2) अंपायरों ने मैच में सही निर्णय दिए।
(*ii*) कर्मवाच्य—(1) विराट द्वारा चौका लगाया गया।

(*iii*) भाववाच्य— (3) दर्शकों से स्टेडियम में रुका नहीं जा सका।
(ख) सुधा स्कूल जा रही है।
(ग) हमसे गाया नहीं गया।
(घ) पानवाले से नया पान खाया जा रहा था।
(ङ) कर्मवाच्य।

5. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित निम्नलिखित वाक्य के पाँच रेखांकित पदों में से किन्हीं *चार* के पद-परिचय लिखिए : **4 × 1 = 4**

(क) दौड़ में एथलीट तेज़ी से दौड़ा।
(ख) रिया मुंबई जा रही है।
(ग) 'तालाब में कमल खिलते हैं।'
(घ) अभिनव किसे देख रहा है ?
(ङ) 'प्रधानाचार्य ने आपको बुलाया है।'

उत्तर—(क) तेज़ी से—रीतिवाचक, क्रियाविशेषण, 'दौड़ा' क्रिया की विशेषता।
(ख) रिया—व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ताकारक।
(ग) खिलते हैं—सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल।
(घ) किसे—सर्वनाम, प्रश्नवाचक, एकवचन, कर्मकारक।
(ङ) आपको—मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन कर्म कारक।

6. निम्नलिखित पाँच काव्य पंक्तियों में से किन्हीं *चार* के सही अलंकार लिखिए : **4 × 1 = 4**

(क) 'मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।'
(ख) ''सोहत ओढ़े पीत पट, स्याम सलोने गात।
मनहु नील मनि सैल पर, आतप पर्‌यो प्रभात।।'
(ग) कहती हुई यूँ उत्तरा के नेत्र जल से भर गए।
हिम कणों से पूर्ण मानो हो गए पंकज नए।।
(घ) 'शशि-मुख पर घूँघट डाले अंचल में दीप छिपाये।'
(ङ) 'कोटि-कुलिस-सम वचन तुम्हारा।'

उत्तर—(क) मानवीकरण अलंकार
(ख) उत्प्रेक्षा अलंकार
(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार
(घ) रूपक अलंकार
(ङ) उपमा अलंकार।

खंड—ग

7. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

हमारैं हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम वचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जकरी।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी।
सु तौ ब्याधि हमकौ लै आए, देखी सुनी न करी।
यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपौ, जिनके मन चकरी।

(1) गोपियों ने अपनी तुलना हारिल के पक्षी से क्यों की है ?
(क) हारिल पक्षी सदैव लकड़ी लिए उड़ता है।
(ख) गोपियों को हारिल पक्षी पसंद है।
(ग) श्रीकृष्ण के प्रति अपने एकनिष्ठ प्रेम के कारण।
(घ) श्रीकृष्ण के प्रति अपनी नाराज़गी के कारण।

(2) 'नंद-नंदन' विशेषण किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?
(क) श्रीकृष्ण के लिए (ख) गोपियों के लिए
(ग) उद्धव के लिए (घ) नंद के लिए

(3) कथन (1) : गोपियों का श्रीकृष्ण से एकनिष्ठ प्रेम था।
कथन (2) : उनके विरहाग्नि में जलने का यही कारण था।
दिए गए कथनों के लिए सही विकल्प पहचानिए—
(क) कथन (1) सही है और कथन (2) उसका गलत कारण है।
(ख) कथन (1) सही है और कथन (2) उसका सही कारण है।
(ग) कथन (1) गलत और कथन (2) सही है।
(घ) कथन (1) और कथन (2) दोनों सही हैं।

(4) गोपियों को योग साधना.....लगती है।
(क) हारिल की लकड़ी की तरह
(ख) हारिल पक्षी के समान
(ग) जिसे कभी न देखा हो
(घ) कड़वी ककड़ी के समान

(5) गोपियाँ योग का संदेश किनके लिए उपयुक्त समझती हैं ?
(क) जो श्रीकृष्ण से प्रेम नहीं करते।
(ख) जिनका मन स्थिर नहीं है।
(ग) जिनका मन स्थिर है।
(घ) श्रीकृष्ण के लिए।

उत्तर—1. (ग), **2.** (क), **3.** (ख), **4.** (घ) **5.** (ख)।

8. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

खेतीबाड़ी करते, परिवार रखते भी, बालगोबिन भगत साधु थे—साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरने वाले। कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो-टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते। किसी की चीज़ नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी-कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कुतूहल होता! कभी वह दूसरे के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते। वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब 'चीज़' साहब की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता, सिर पर लादकर पहले उसे 'साहब' के दरबार में ले जाते—जो उनके घर से चार कोस दूर पर था। एक कबीरपंथी मठ से मतलब! वह दरबार में 'भेंट' रूप रख लिया जाता। 'प्रसाद' रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुज़र चलाते!

(1) लेखक ने बालगोबिन भगत को साधु कहा है क्योंकि—
(क) वे साधु के समान दिखते थे।
(ख) वे मोह-माया से दूर थे।
(ग) वे सच्चे साधुओं जैसे ही उत्तम आचार-विचार रखते थे।
(घ) वे किसी से झगड़ा नहीं करते थे।

(2) बालगोबिन भगत का कौन-सा कार्य-व्यवहार लोगों के आश्चर्य का विषय था ?

(क) जीवन के सिद्धांतों और आदर्शों का गहराई से अपने आचरण में पालन करना ।

(ख) गीत गाते रहना।

(ग) किसी से झगड़ा करना।

(घ) अपना काम स्वयं करना।

(3) बालगोबिन भगत कबीर के आदर्शों पर चलते थे क्योंकि—

(क) कबीर भगवान का रूप थे।

(ख) वे कबीर की विचारधारा से प्रभावित थे।

(ग) कबीर उनके गाँव के मुखिया थे।

(घ) कबीर उनके मित्र थे।

(4) बालगोबिन भगत के खेत में जो कुछ पैदा होता, उसे वे सर्वप्रथम किसे भेंट कर देते ?

(क) गरीबों को (ख) मंदिरों को

(ग) गाँववालों को (घ) कबीरपंथी मठ को

(5) भगत किसे अपना साहब मानते थे?

(क) कबीर को (ख) ईश्वर को

(ग) पुत्र को (घ) संत को

उत्तर—1. (ग), **2.** (क), **3.** (ख), **4.** (घ) **5.** (क)।

9. पद्य पाठों के आधार निम्नलिखित किन्हीं चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए :

3 × 2 = 6

(क) संगतकार किन-किन रूपों में मुख्य गायक-गायिकाओं की मदद करते हैं ?

उत्तर—(*i*) संगतकार मुख्य गायक या गायिका के स्वर में अपना स्वर मिलाकर उनके स्वर को प्रभावी बनाते हैं। मुख्य गायक या गायिका के सुरों के भटक जाने पर स्थायी पंक्ति को बार-बार गाकर उन्हें सँभलने का अवसर देते हैं।

(*ii*) संगतकार उनके स्वर में स्वर मिलाकर मुख्य गायक-गायिका को यह अनुभूति कराने में सफल होते हैं कि वे अकेले नहीं हैं। वे मुख्य गायक-गायिका के तारसप्तक में चले जाने पर अपने स्वर से उसे सँभाल लेते हैं। संगतकार मुख्य गायक-गायिका के प्रभाव को बनाए रखने के लिए पूरी तरह तैयार रहते हैं। वे मुख्य गायक-गायिका को उनके साथ होने का एहसास दिलाते हैं। मुख्य कलाकार स्वयं को अकेला न समझे, इसीलिए कभी-कभी यूँ ही उनके साथ अपना स्वर लगा देते हैं।

(ख) कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को गोपियों ने किस प्रकार अभिव्यक्त किया है ?

उत्तर—गोपियों ने कृष्णा के प्रति अपने अनन्य प्रेम को विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से प्रकट किया है। वे कहती हैं कि कृष्ण के प्रति हमारा प्रेम गुड़ से चिपकी हुई चींटियों के समान है। गोपियाँ मन, कर्म और वचन से कृष्ण के प्रति समर्पित हैं। कृष्ण उनके लिए हारिल की लकड़ी के समान हैं। उन्हें योग का संदेश कड़वी ककड़ी के समान प्रतीत होता है, क्योंकि वे केवल कृष्ण का प्रेम चाहती हैं। वे दिन-रात सोते-जागते केवल कृष्ण का स्मरण करती हैं।

(ग) परशुराम ने अपने विषय में सभा में क्या-क्या कहा, निम्न पद्यांश के आधार पर लिखिए—

बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।।
सहसबाहुभुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा।।
मातु पितहि जनि सोचबस करसि महीसकिसोर।।
गर्भन्ह के अर्भक दलन परसु मोर अति घोर।।

उत्तर—परशुराम ने स्वयं के लिए कहा कि वे बाल-ब्रह्मचारी हैं; स्वभाव से अति क्रोधी हैं। सारा संसार जानता है कि वे क्षत्रिय वंश के नाशक हैं। उन्होंने बहुत बार अपने बाहुबल से पृथ्वी के क्षत्रिय राजाओं का वध कर उनके राज्य ब्राह्मणों को सौंप दिए हैं। वे सहस्त्रबाहु जैसे अपार बलशाली की भुजाओं को काट देने वाले निडर, पराक्रमी और वीर हैं। उन्होंने अपने फरसे से लक्ष्मण को डराने के लिए कहा कि अरे राजा के पुत्र! तू मेरे द्वारा मारा जाएगा। क्यों अपने माता-पिता को चिंता में डालता है? वे मानते थे कि उनका फरसा बड़ा भयानक है, जो गर्भ में ही बच्चों का नाश कर देने वाला है। गुस्सा आने पर वे छोटे-बड़े में कोई अंतर नहीं करते; वे किसी का भी वध कर देते हैं।

(घ) 'उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की' —कथन के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है ?

उत्तर—उपर्युक्त कथन के माध्यम से कवि कहना चाहता है कि उसका प्रेम स्वप्न की तरह मादक था, किंतु वह प्रेम विकसित न हो सका। उनकी इस गहरी पीड़ा को समझने वाला कोई सहृदय उन्हें नहीं मिला। अत: चाँदनी रात की प्रिय के साथ हुई उज्ज्वल गाथाएँ उसके हृदय में छिपी हुई हैं, जो वह किसी को सुनाना नहीं चाहता।

10. गद्य पाठों के आधार निम्नलिखित *चार* प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए—

3 × 2 = 6

(क) शहनाई की दुनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है?

(ख) बालगोबिन भगत की पहचान लिखिए।

(ग) 'नेताजी का चश्मा' पाठ का संदेश क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

(घ) इस आत्मकथा में लेखिका के पिता ने रसोई को 'भटियारखाना' कहकर क्यों संबोधित किया है ?

उत्तर—(क) शहनाई की दुनिया में डुमराँव को इसलिए याद किया जाता है क्योंकि ये दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। शहनाई बजाने के लिए जिस रीड का प्रयोग किया जाता है, वह रीड नरकट नामक घास से बनती है। नरकट घास डुमराँव गाँव में सोन नदी के किनारे पाई जाती है। विश्वप्रसिद्ध भारत-रत्न प्राप्तकर्ता तथा शहनाई वादक बिस्मिल्लाह खाँ का जन्म भी डुमराँव गाँव में ही हुआ था। यही इसकी प्रसिद्धि का कारण है।

(ख) बालगोबिन भगत लगभग 60 वर्ष के थे। बाल पक गए थे। मँझोले कद के गोरे-चिट्टे आदमी थे। उनकी दाढ़ी लंबी थी और सिर पर कबीरपंथियों की भाँति कनपटी टोपी पहने रहते थे। माथे पर रामानंदी चंदन और गले में तुलसी की जड़ों की माला बाँधे रहते थे। वे कपड़े बिलकुल कम पहनते थे। कमर में एक लँगोटी मात्र पहने रहते थे। सरदियों में शरीर के ऊपर काली कमली ओढ़ लेते थे। इस तरह से उनकी वेशभूषा साधुओं के समान थी। उनकी केवल वेशभूषा ही साधुओं के समान नहीं थी, अपितु उनका जीवन आदर्श साधुता से परिपूर्ण था। वे स्वाभिमानी होने के साथ-साथ बहुत विनम्र भी थे। उन्होंने अपने जीवन में कभी किसी का आश्रय

नहीं लिया। वे किसी की चीज़ छूते नहीं थे और बिना पूछे किसी की वस्तु को व्यवहार में नहीं लाते थे। उनका व्यक्तित्व उच्च आदर्श से परिपूर्ण था।

(ग) इस पाठ से यह संदेश मिलता है कि हमें देशभक्ति का परिचय अपने क्रियाकलापों से देना चाहिए। देश की आज़ादी में करोड़ों भारतीयों का योगदान है। हमें अपने महान बलिदानियों का उचित सम्मान करना चाहिए। किसी की विवशता का मज़ाक नहीं उड़ाना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति देश के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते हुए अपनी देशभक्ति दिखा सकता है। देशभक्ति का संबंध मन की भावना से होता है, इसे प्रकट करने के लिए ज़रूरी नहीं कि हम शरीर से शक्तिशाली हों या फ़ौजी जवान हों। कोई भी देशवासी किसी भी उम्र का देशप्रेमी हो सकता है। 'नेताजी का चश्मा' कहानी पाठक को सोचने पर विवश करती है।

(घ) 'भटियारखाना' शब्द का अर्थ है, वह भट्ठी जिसमें हर समय रोटियाँ सेंकी जाती हैं। लेखिका के पिता यह मानते थे कि रसोई-घर के काम में लगे होने के कारण लड़कियों की प्रतिभा नष्ट हो जाती है। वे केवल भोजन पकाने तक ही सीमित रह जाती हैं जिसके कारण वे अपनी प्रतिभा का उचित उपयोग नहीं कर पातीं। प्रतिभा को भट्टी में झोंकने वाला स्थान होने के कारण वे रसोई-घर को 'भटियारखाना' कहते थे।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए : 2 × 4 = 8

(क) लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया ?

(ख) 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर स्तंभ **(I)** का स्तंभ **(II)** से सही मिलान कीजिए—

स्तम्भ (I) पाठ के वाक्य	स्तम्भ (II) मूल विचार
(1) माँ बच्चे के अंगों को दबाकर अपने आँचल से पोंछकर चूम लेती।	(*i*) दूसरों के कष्ट न समझना।
(2) चिड़िया की जान जाए, लड़कों का खिलौना।	(*ii*) ठेठ आंचलिकता का प्रभाव।
(3) बुढ़वा बेईमान माँगे करैला का चोखा।	(*iii*) वात्सल्य का सैलाब।

(ग) पर्वतीय क्षेत्रों पर होने वाले व्यावसायिक प्रगति और विकास का इन स्थलों तथा प्राकृतिक वातावरण पर क्या प्रभाव पड़ रहा है ? इस प्रभाव को रोकने के लिए एक सजग नागरिक के रूप में हम क्या प्रयास कर सकते हैं ?

उत्तर—(क) लेखक हिरोशिमा गया और वहाँ अणु-विस्फ़ोट के दुष्परिणामों को प्रत्यक्ष रूप में देखकर भी विस्फ़ोट का भोक्ता नहीं बना सका। किंतु जब लेखक जापान की सड़कों पर घूम रहा था तो उसने एक जले हुए पत्थर पर एक लंबी उजली छाया देखी। यह छाया विस्फ़ोट पदार्थ के कारण भाप बन गया होगा। वह विस्फ़ोट इतना भयंकर था कि पत्थर भी उससे झुलस गया था। लेखक ने जब उस पत्थर को देखा, तो वह हैरान रह गया। उसके मन-मस्तिष्क में अणु-विस्फ़ोट के समय हुई सारी घटना कल्पना के माध्यम से घूम गई। उसने मन-ही-मन वहाँ घटी सारी घटना को महसूस कर लिया। उस क्षण उसे ऐसा प्रतीत हुआ जैसे उस अणु-विस्फ़ोट के समय वह वहाँ मौजूद है और वह विस्फ़ोट उसके सामने हुआ है। इस प्रकार लेखक अपनी अनुभूति से हिरोशिमा के विस्फ़ोट का भोक्ता बन गया।

स्तम्भ (I) पाठ के वाक्य	स्तम्भ (II) मूल विचार
(1) माँ बच्चे के अंगों को दबाकर अपने आँचल से पोंछकर चूम लेती।	(*i*) वात्सल्य का सैलाब।
(2) चिड़िया की जान जाए, लड़कों का खिलौना।	(*ii*) दूसरों के कष्ट न समझना।
(3) बुढ़वा बेईमान माँगे करैला का चोखा।	(*iii*) ठेठ आंचलिकता का प्रभाव।

(ग) विकास और प्रगति के नाम पर पर्वतीय क्षेत्रों के प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। इसके कारण प्राकृतिक असंतुलन की स्थिति पैदा हो गई है। इन क्षेत्रों में प्रदूषण तेज़ी से बढ़ रहा है। प्रदूषण के कारण स्नोफॉल लगातार कम होता जा रहा है। तापमान में वृद्धि होती जा रही है, पहाड़ों की बरफ़ तेजी से पिघल रही है, जिसके कारण समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। इस प्रभाव को रोकने के लिए एक सजग नागरिक के रूप में हमें इन स्थलों के प्राकृतिक वातावरण की सुरक्षा के प्रति जागरूक रहकर प्रयास करने में अहम् भूमिका निभानी चाहिए। हमें स्थानीय लोगों की सहायता से इन स्थलों के लिए विशेष सफ़ाई अभियान चलाकर इन क्षेत्रों में फैली गंदगी को मिटाना चाहिए। इसके अलावा सैलानियों को भी हम इसके लिए प्रेरित कर सकते हैं। इस प्रकार पर्वतीय क्षेत्रों की सुरक्षा स्वच्छता के प्रति अपना बहुमूल्य योगदान दे सकते हैं।

खंड—घ

रचनात्मक लेखन

12. दिए गए बिंदुओं के आधार पर किसी *एक* विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 6

(क) जंगल की सुरक्षा

संकेत-बिंदु— • सुरक्षा से अभिप्राय • लाभ • हानि • हमारी भूमिका

(ख) इंटरनेट की दुनिया

संकेत बिंदु— • इंटरनेट से तात्पर्य • सूचना का मुख्य साधन • लाभ तथा हानि • सावधानियाँ

(ग) आधुनिक जीवन

संकेत बिंदु—

• आवश्यकताओं में वृद्धि • अशांति • क्या करें • समाधान।

उत्तर—(क) जंगल की सुरक्षा

संकेत-बिंदु— • सुरक्षा से अभिप्राय • लाभ • हानि • हमारी भूमिका

किसी भी देश या राष्ट्र के लिए जंगलों का होना अनिवार्य है। जंगल भूमि का वह भाग होता है जो घने पेड़-पौधों से भरा रहता है तथा जो विभिन्न प्रजातियों के जीव-जंतुओं के रहने का स्थान होता है; जहाँ वे अपने-आप को सुरक्षित अनुभव करते हैं। जिस

प्रकार मानव शरीर में फेफड़ों की अति आवश्यकता होती है, उसी प्रकार किसी भी देश की उन्नति और अच्छे स्वास्थ्य के लिए जंगलों का होना भी अनिवार्य है क्योंकि ये जंगल ही हमें स्वच्छ वायु प्रदान करते हैं तथा प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखते हैं। जंगल एक प्राकृतिक अस्पताल है। यहाँ अनेक दुर्लभ जड़ी-बूटियाँ पाई जाती हैं। जंगल धरती के तापमान को सामान्य रखने में सहायक होते हैं। मृदा अपरदन को रोककर भूमि कटाव को कम करते हैं। जंगलों की सुरक्षा करने से अभिप्राय है—वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण तथा मृदा प्रदूषण को रोकना। जंगलों को काटकर मनुष्य अपने विनाश का स्वयं कारण बना है। धरती का अस्तित्व जंगलों के अस्तित्व से ही है। यदि समय रहते जंगलों को सुरक्षित न किया गया तो एक दिन मानव सभ्यता ही लुप्त हो जाएगी। जंगल ही वर्षा लाने, भूमि का जल-स्तर बढ़ाने तथा भूस्खलन की रोकथाम करने में सहायक होते हैं। अत: सबका यह कर्तव्य है कि जंगलों को काटने से बचना चाहिए तथा अपनी स्वार्थपूर्ति पर लगाम लगानी चाहिए। जंगल अनमोल हैं।

(ख) इंटरनेट की दुनिया

संकेत बिंदु— • इंटरनेट से तात्पर्य • सूचना का मुख्य साधन • लाभ तथा हानि • सावधानियाँ

इंटरनेट विश्व के सभी कंप्यूटर को जोड़ने का एक नेटवर्क है जिसके माध्यम से दुनिया के किसी भी कंप्यूटर से एक दूसरे कंप्यूटर को जोड़ा जा सकता है। आज के समय में छोटा या बड़ा सभी कामों को इंटरनेट के माध्यम से ही पूरा किया जाता है। आप घर पर बैठकर अपना कोई भी काम इंटरनेट की सहायता से आसानी से कर सकते हैं। इंटरनेट आई० टी० के क्षेत्र में क्रांति लाने वाला संसार का सबसे बलशाली और बड़ा नेटवर्क है। इंटरनेट के माध्यम से हम कोई भी सूचना, चित्र, वीडियो आदि दुनिया के किसी भी कोने से किसी भी कोने तक पल भर में भेज सकते हैं। इंटरनेट के माध्यम से हम ई-मेल भेज सकते हैं और प्राप्त भी कर सकते हैं। इंटरनेट के माध्यम से हम दुनिया के किसी भी कोने में बैठे हुए अपने दोस्त अथवा संबंधियों से बात कर सकते हैं। इसे इंटरनेट चैटिंग कहते हैं जिसकी वजह से फेसबुक और वाट्सएप आदि बहुत अधिक प्रसिद्ध हो रहे हैं। इंटरनेट के माध्यम से हम ई-मेल भेज सकते हैं और प्राप्त भी कर सकते हैं। इंटरनेट के माध्यम से हम दुनिया के किसी भी कोने में बैठे हुए अपने दोस्त अथवा संबंधियों से बात कर सकते हैं। इसे इंटरनेट चैटिंग कहते हैं जिसकी वजह से फेसबुक और वाट्सएप आदि बहुत अधिक प्रसिद्ध हो रहे हैं। इंटरनेट की सहायता से बिजली, पानी और टेलीफोन के बिल का भुगतान घर पर बैठे बिना किसी परेशानी के और बिना लंबी पंक्तियों में खड़े हुए किया जा सकता है। इंटरनेट से हमें घर बैठे रेलवे टिकट बुकिंग, होटल रिजर्वेशन, ऑनलाइन शॉपिंग, ऑनलाइन शिक्षा, ऑनलाइन बैंकिंग, नौकरी, खोज आदि सुविधाएँ मिल जाती हैं। जहाँ इंटरनेट पर सुविधा की वजह से व्यक्तिगत जानकारी की चोरी बढ़ गई है जैसे—क्रेडिट कार्ड नंबर, बैंक कार्ड नंबर आदि। आज के समय में इंटरनेट का प्रयोग जासूसों के द्वारा देश की सुरक्षा व्यवस्था को भेदने के लिए किया जाने लगा है जो कि सुरक्षा दृष्टि से खतरनाक है। इंटरनेट की वजह से सोशल साइटों का चलन बढ़ गया है। अब लोग परिवार में बैठकर बातें करने की जगह पर अकेले रहना पसंद करते हैं। क्योंकि सोशल साइटों पर ही उनकी एक अलग दुनिया बन गई है जिससे परिवार बिखरने लगे हैं। इंटरनेट पर अत्यधिक मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री विद्यमान है, जिसका बुरा प्रभाव सबसे अधिक बच्चों पर और युवा पीढ़ी पर पड़ा है। हमें इंटरनेट के नुकसानों से दूर भी रहना चाहिए।

(ग) आधुनिक जीवन

संकेत बिंदु—

• आवश्यकताओं में वृद्धि • अशांति • क्या करें • समाधान।

आधुनिक जीवन-शैली के कारण हम प्रकृति तथा पारिवारिक संबंधों से बहुत दूर होते चले जा रहे हैं। शहरीकरण से आधुनिक युग का प्रारंभ हुआ। उसके बाद औद्योगिक क्रांति से इसमें व्यापक प्रगति हुई। आधुनिकता का सीधा प्रभाव मनुष्य के जीवन पर पड़ा है। इससे उसका जीवन और अधिक एकांकी हो गया है। पहले नगर, परिवार, समाज आदि सभी एकता के सूत्र में बँधे हुए थे। आधुनिक युग की सभी संस्थाएँ स्वतंत्र हो गई हैं, जो अपने तुच्छ स्वार्थ सिद्धि में लगे हुए है। आज हमने ऊँचे-ऊँचे भवन बना लिए, परंतु उनमें रहने के लिए हमारे पास समय नहीं है। हमने आने-जाने के लिए खूब चौड़े मार्ग तो बना लिए लेकिन हम संकुचित विचारों से बुरी तरह ग्रस्त हैं। हम अनावश्यक खर्च करते हैं और बदले में काम बहुत कम होता है। हम बहुत-सी वस्तुएँ खरीदते हैं, किंतु उनका आनंद कम उठा पाते हैं। हमारे घर बहुत बड़े-बड़े हैं, किंतु उनमें रहने वाले परिवार छोटे हैं। हमारे पास सुविधाएँ बहुत हैं किंतु समय कम। हमारे पास डिग्रियाँ बहुत हैं लेकिन ''कार्य-बोध'' बहुत कम हैं। हमारे पास ज्ञान बहुत है लेकिन ठीक निर्णय लेने की क्षमता कम है। हम बहुत निपुण हैं लेकिन समस्याओं में उलझे रहते हैं। हमें छोटी-सी बात पर गुस्सा आ जाता है। हमारे पास पर्याप्त दवाइयाँ हैं किंतु स्वास्थ्य बहुत दुर्बल हो गया है। आधुनिक जीवन शैली के चलते हम रात देर तक जागते हैं और सुबह थकान के साथ उठते हैं। हम पढ़ते कम हैं और टी० वी० अधिक देखते हैं। हमारी 'जीवन-शैली' कितनी बुरी तरह बिगड़ी और बिखरी हुई है इस बात का शायद हमें अंदाजा भी नहीं, और इस बिखराव के कारण हमें कितनी भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। हमारे पास प्रकृति की एक अमूल्य धरोहर और उपहार है, इसलिए हमें इसको सुसभ्य ढंग से जीने की कला अवश्य सीखनी चाहिए और अपनानी चाहिए अन्यथा हमारी संस्कृति को बहुत हानि होगी।

13. अपने क्षेत्र के विधायक को पत्र लिखकर क्षेत्र के एकमात्र सरकारी अस्पताल की अव्यवस्था की जानकारी दीजिए और उसमें सुधार के लिए अनुरोध कीजिए। 5

उत्तर— परीक्षा भवन
शाहदरा, दिल्ली
दिनांक : 14 जून, 20XX
विधायक
द्वारका
नई दिल्ली

विषय—सरकारी अस्पताल की अव्यवस्था की जानकारी व सुधार हेतु

महोदय

मैं आपके क्षेत्र द्वारका की निवासी हूँ। द्वारका स्थित सरकारी अस्पताल में मैं अपने पिता जी का इलाज करवाने हेतु गई। अस्पताल खचाखच भरा था। पर्ची बनाने व नंबर देने वाली खिड़की बंद थी। सरकारी अस्पताल के कर्मचारी यदि देर से काम पर आएँगे तो अव्यवस्था तो होगी ही। जैसे-तैसे एक डॉक्टर का नंबर आया। डॉक्टर एक और मरीज़ अनगिनत। बड़े अनमने ढंग से डॉक्टर ने पिता जी का निरीक्षण किया। फिर एक

शीशी देकर उसमें मूत्र जाँच करवाने को कहा। जब मैं शौचालय पहुँची तो वहाँ इतनी गंदगी और बदबू थी, जिसका बयान मैं शब्दों में नहीं कर सकती। फिर दवाइयाँ लेने की पंक्ति में खड़ी हुई। नंबर देर से आया, परंतु वहाँ दवाइयाँ ही उपलब्ध न थीं। आपसे विनम्र निवेदन है कि अस्पताल की व्यवस्था सुचारु करवाने के लिए आवश्यक कदम उठाएँ।

आपकी आभारी

भवदीया

क०ख०ग०

अथवा

आप विभू/विभूति हैं। अपने मित्र तेजस्विन शंकर को राष्ट्रमंडल खेल में ऊँची कूद के लिए पदक जीतने पर लगभग 100 शब्दों में बधाई-पत्र लिखिए।

उत्तर— अ०ब०स० कॉलोनी

रामनगर

दिनांक : XX/XX/20XX

प्रिय मित्र तेजस्विन शंकर

सप्रेम नमस्कार

आपका पत्र मुझे कल मिला। यह जानकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हुई कि आपने इस वर्ष आयोजित राष्ट्रमंडल खेल में हुई ऊँची कूद प्रतिस्पद्र्धा में स्वर्णपदक हासिल किया। नि:संदेह यह विद्यालय के लिए ही नहीं परंतु देश के लिए भी गर्व की बात है।

मेरे साथ-साथ पूरी मित्र मंडली तुम्हारी इस बड़ी उपलब्धि से बहुत उत्साहित है। यहाँ तक पहुँचने के लिए कड़े संघर्ष से गुज़रना पड़ता है। मैं हृदय से तुम्हें हार्दिक शुभकामनाओं के साथ बधाई देता हूँ। आगे भी मंज़िल पाते रहो।

आपका प्रिय मित्र

विभू

14. प्रदूषण से बचने के लिए जनहित में जारी एक विज्ञापन पर्यावरण विभाग की ओर से लगभग 40 शब्दों में लिखिए। **4**

अथवा

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए 40 शब्दों में शुभकामना एवं बधाई संदेश लिखिए।

शुभकामना संदेश

दिनांक : 15 अगस्त, 20XX

प्रात: 6 बजे

स्वतंत्रता-दिवस की शुभकामनाएँ

समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ। आइए, देशवासियों स्वतंत्रता-दिवस के इस शुभ अवसर पर तिरंगे की शान-आन-बान को बनाए रखने तथा मातृभूमि की रक्षा का प्रण लेते हुए भारत देश को निरंतर प्रगति के पथ पर ले जाने का दृढ़ निश्चय करें।

'सबका साथ, सबका विकास'

मुख्यमंत्री

15. आप सचिन हैं आप बी०बी०ए० कर चुके हैं। आपको क ख ग कंपनी लिमिटेड मुंबई में सहायक प्रबंधक के पद के लिए आवेदन करना है। इसके लिए आप अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त (बायोडाटा) लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए। **5**

उत्तर— महोदय/महोदया,

मैंने 'टाइम्स ऑफ इंडिया' समाचार-पत्र में आपका विज्ञापन पढ़ा, जिसमें दर्शाया गया है कि आपको अपनी विशाल कंपनी में सहायक प्रबंधक पद के लिए एक योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवार चाहिए; जिसने बी०बी०ए० किया हो। मैं उपर्युक्त पद के लिए अर्ह हूँ और इस कंपनी में काम करने का इच्छुक हूँ। मेरा संक्षिप्त स्ववृत्त निम्नलिखित है—

आवेदित पद का नाम—		सहायक प्रबंधक
नाम	—	सचिन
पिता का नाम	—	देवेंद्र कुमार
माता का नाम	—	रीना देवी
जन्मतिथि	—	01-01-1996
राष्ट्रीयता	—	भारतीय
वैवाहिक स्तर	—	विवाहित
पता	—	XXX जयहिंद कॉलोनी, मुंबई
ज्ञात भाषाएँ	—	हिंदी, अंग्रेज़ी, मराठी

शैक्षणिक योग्यताएँ—

क्र० सं०	परीक्षा का नाम	उत्तीर्ण वर्ष	श्रेणी	संस्थान/वि०वि०
1.	बी०बी०ए०	2018	प्रथम	महाराष्ट्र वि०वि०, दिल्ली।
2.	सीनियर सेकेंडरी	2015	प्रथम	XXX स्कूल, मुंबई।
3.	हायर सेकेंडरी	2013	प्रथम	XXX स्कूल, मुंबई।

स्थान :

दिनांक :

हस्ताक्षर

अथवा

आपका नाम सुनीता/सुरेश है। आप राजेंद्र नगर के निवासी हैं। पिछले कुछ दिनों से आपके क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति अव्यवस्थित है। अपने क्षेत्र में अनियमित विद्युत आपूर्ति की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए राज्य विद्युत आपूर्ति निगम के महानिदेशक के नाम लगभग 80 शब्दों में एक शिकायती ई–मेल लिखिए।

उत्तर— To : p& c@gmail.com

CC : upperoffice@gmail.com

BCC : < .....>

Subject : अनियमित विद्युत आपूर्ति के सुधार हेतु

महोदय

मेरा नाम सुरेश है। मैं राजेंद्र नगर का निवासी हूँ। पिछले कई दिनों से मेरे मुहल्ले में लगातार विद्युत आपूर्ति अव्यवस्थित चल रही है। इस समय हमारी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा भी चल रही है। मुहल्ले के सभी लोग अव्यवस्थित विद्युत आपूर्ति से त्रस्त हैं। अत: महोदय इस ओर ध्यान आकर्षित कर समस्या का निदान करें। अति कृपा होगी।

सधन्यवाद

सुरेश

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

Holy Faith New Style Sample Paper–8

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं
विषय—हिंदी (अ)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश— इसके लिए Holy Faith New Style Sample Paper—1 देखें।

खंड—क

(बहुविकल्पी/लघूत्तरात्मक, अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए :

(3 × 1 + 2 × 2) = 3 + 4 = 7

एक इतालवी कहावत है, ''ईश्वर करे कि आपके दु:ख उतने ही अल्पायु रहें, जितने कि आपके नववर्ष के संकल्प होते हैं।'' हर कोई स्वस्थ रहना चाहता है, सफल होना चाहता है; लेकिन क्या हर कोई इसकी पात्रता रखता है ? आपको जीवन में वह नहीं मिलता, जो आप चाहते हैं; बल्कि वह मिलता है, जिसके आप योग्य होते हैं या जिसके पात्र होते हैं। अपनी इच्छा को पात्रता में कैसे बदल सकते हैं ? इच्छा के साथ जब 'निरंतर निर्देशित स्व-प्रेरित प्रयास' जुड़ जाता है, तब वह पात्रता बन जाती है।

थॉमस एडीसन ने कहा है, ''प्रतिभावान होने में 1 प्रतिशत प्रेरणा और 99 प्रतिशत प्रयास होता है।'' मेरे एक मित्र ने एक बार टिप्पणी की थी, ''यदि मैं उतना समझदार नहीं हूँ, जितने कि अन्य लोग हैं तो मैं इसमें कुछ नहीं कर सकता। यह तो ईश्वर की गलती है। मैं यदि भावनात्मक रूप से उतना दृढ़ नहीं हूँ तो भी मैं क्या कर सकता हूँ ? यह तो मेरे लालन-पालन में हुई गलती है लेकिन यदि मैं अन्य लोगों से ज़्यादा प्रयास नहीं करता हूँ तो इसमें कोई बहाना नहीं चलेगा क्योंकि यह तो मेरी ही गलती है।''

नववर्ष में लिए गए संकल्प कभी फ़रवरी का मुँह भी नहीं देख पाते। सफलता के रहस्यों में से एक रहस्य है कि हम 'सेल्फ स्टार्टर' बनें, न कि 'किक स्टार्टर' केवल स्व-प्रेरणा ही उस प्रेरणा को बनाए रखती है। पीटर ड्रकर का कहना है कि ''इससे अधिक निरर्थक कुछ और नहीं है कि उस कार्य को बड़ी कुशलतापूर्वक किया जाए, जिसे किया ही नहीं जाना चाहिए था।''

(*i*) किसके अभाव में नए साल के संकल्प अल्पायु रह जाते हैं ? **1**

(क) पारिवारिक सहयोग के
(ख) आर्थिक संपन्नता के
(ग) सामाजिक रुतबे के
(घ) दृढ़ इच्छाशक्ति के

उत्तर—(घ) दृढ़ इच्छाशक्ति के

(*ii*) 'इच्छा के साथ जब निरंतर निर्देशित स्व-प्रेरित प्रयास' जुड़ जाता है तब वह पात्रता बन जाती है। **1**
उपर्युक्त कथन के अनुसार 'पात्रता' के लिए कौन-सी बात आवश्यक नहीं है ?

(क) अभिलाषा (ख) दृढ़-निश्चय
(ग) सफलता (घ) परिश्रम

उत्तर—(ग) सफलता

(*iii*) कथन (*i*) : हमें अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अनवरत प्रयासरत रहना चाहिए। **1**

कथन (*ii*) : कई बार उचित समय की प्रतीक्षा हेतु हमें स्वयं को निष्क्रिय भी करना पड़ता है।

उपर्युक्त कथनों के आधार पर सही विकल्प का चयन कीजिए—

(क) कथन (*i*) और (*ii*) दोनों सही हैं।
(ख) कथन (*i*) सही और (*ii*) गलत है।
(ग) कथन (*i*) गलत और (*ii*) सही है।
(घ) कथन (*i*) और (*ii*) दोनों गलत हैं।

उत्तर—(ख) कथन (*i*) सही और (*ii*) गलत है

(*iv*) सफलता प्राप्त करने हेतु लिए गए संकल्प कब पूरे होंगे और हम अपने लक्ष्य को कैसे प्राप्त कर सकते हैं ? **2**

उत्तर—सफलता प्राप्त करने हेतु लिए गए संकल्प तभी पूरे होंगे जब हम अपने लक्ष्य को लेकर निरंतर कोशिश करते रहेंगे।

(*v*) उपर्युक्त गद्यांश में लेखक ने क्या संदेश दिया है ? **2**

उत्तर—उपर्युक्त गद्यांश में लेखक यह संदेश देना चाहता है कि हमें भाग्यवाद का सहारा नहीं लेना चाहिए अपितु धर्मवाद को अपनाकर निरंतर लक्ष्य प्राप्ति की ओर अग्रसर होना चाहिए।

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए :

(3 × 1 + 2 × 2) = 3 + 4 = 7

मधुर! बादल, और बादल, और बादल आ रहे हैं,
और संदेशा तुम्हारा बह उठा है, ला रहे हैं।
गरज में पुरुषार्थ उठता, बरस में करुणा उतरती,
उग उठी हरीतिमा क्षण-क्षण नया शृंगार करती।
बूँद-बूँद मचल उठी हैं, कृषक-बाल लुभा रहे हैं,
नेह! संदेशा तुम्हारा बह उठा है, ला रहे हैं।
तड़ित की तह में समाई मूर्ति दृग झपका उठी है,
तार-तार की धार तेरी, बोल जी के गा उठी हैं।
पंथियों से, पंछियों से नीड़ के रुख जा रहे हैं,
मधुर! बादल, और बादल, और बादल आ रहे हैं।
झाड़ियों का झूमना, तरु-वल्लरी का लहलहाना,
द्रवित मिलने के इशारे, सजल छुपने का बहाना।

तुम नहीं आए, न आवो, छवि तुम्हारी ला रहे हैं,
मधुर! बादल, और बादल, और बादल छा रहे हैं
और संदेशा तुम्हारा बह उठा है, ला रहे हैं।

(*i*) **कथन (A) :** गरजते हुए बादल किसानों के लिए बारिश का संदेश ला रहे हैं।
कारण (R) : अत्यधिक बारिश कृषि उत्पादों के लिए अनुकूल परिवेश का निर्माण करती है। **1**
उपर्युक्त कथन (A) और कारण (R) के आधार पर सही विकल्प पहचानिए :
(क) कथन (A) गलत है और कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी गलत व्याख्या है।

उत्तर—(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी गलत व्याख्या है।

(*ii*) उपर्युक्त कविता का मुख्य विषय.....का मोहक वर्णन करना है। **1**
(क) आसमान की काली घटाओं
(ख) बादल और बिजली के मिलन
(ग) हरे-भरे पेड़-पौधों की सुंदरता
(घ) बादलों के आगमन से प्रकृति के उत्साह

उत्तर—(घ) बादलों के आगमन से प्रकृति के उत्साह

(*iii*) गरज में पुरुषार्थ उठता बरस में करुणा उतरती, **1**
उग उठी हरीतिमा क्षण-क्षण नया शृंगार करती।
रेखांकित शब्दों के आधार पर उपर्युक्त पंक्तियों में .....अलंकार है।
(क) श्लेष (ख) उपमा
(ग) अनुप्रास (घ) मानवीकरण

उत्तर—(घ) मानवीकरण।

(*iv*) उपर्युक्त पद्यांश में कौन, किसकी ओट में अपनी आँखें झपका रहा है ? **2**

उत्तर—उपर्युक्त पद्यांश में मेघ, बिजली की परतों की ओट में अपनी आँखें झपका रहे हैं।

(*v*) तुम नहीं आए, न आवो, छवि तुम्हारी ला रहे हैं,
मधुर! बादल, और बादल, और बादल छा रहे हैं
उपर्युक्त पंक्तियों में किसकी छवि लाने की बात कही जा रही है और क्यों? **2**

उत्तर—उपर्युक्त पंक्तियों में बारिश की छवि लाने की बात कही जा रही है क्योंकि गरजते हुए बादल किसानों के लिए बारिश का संदेश लाते हैं।

खंड—ख

3. रचना के आधार पर वाक्य भेद पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए : 4 × 1 = 4

(क) (*i*) भारतीय नौसेना को विध्वंसक पोत मिलाने वाला है।
(*ii*) गोविंद भोग के अलावा चावल की एक और दुर्लभ किस्म है।
(*iii*) यदि आप लेखक बनना चाहते हैं तो अपने लेख इस पते पर भेजें।
उपर्युक्त कथनों के आधार पर सरल वाक्य चुनकर लिखिए।

(ख) **स्तंभ (I) और (II) का सही मिलान करके लिखिए—**

स्तंभ (I)	स्तंभ (II)
(*a*) सरल वाक्य	(*i*) मैंने अभ्यास किया इसलिए सफलता मिली।
(*b*) संयुक्त वाक्य	(*ii*) यदि जाँच की होती तो खराब सामान न आता।
(*c*) मिश्र वाक्य	(*iii*) शिक्षार्जन मेरे लिए मज़ेदार अनुभव रहा।

(ग) मुझे प्रथम आना था.....नहीं आ सकी।
उपर्युक्त वाक्य को संयुक्त वाक्य बनाने के लिए उचित संयोजक लिखिए।

(घ) काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्‌भुत परंपरा है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ङ) मालिक ने कहा कि कल छुट्टी रहेगी। (रेखांकित उपवाक्य का उपभेद लिखिए)

उत्तर—(क) (*i*) और (*ii*)
(ख) (*a* – *iii*), (*b* – *i*), (c – *ii*)
(ग) लेकिन।
(घ) काशी में जो संगीत आयोजन की परंपरा है। वह प्राचीन एवं अद्‌भुत है।
(ङ) क्रियाविशेषण उपवाक्य।

4. 'वाच्य' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4 × 1 = 4

(क) इस कड़कती धूप में मज़दूर द्‌वारा भोजन भी नहीं किया जाता। (वाच्य-भेद बताइए)
(ख) कर्मवाच्य की पहचान बताइए।
(ग) दादा जी अख़बार पढ़ रहे हैं। (कर्मवाच्य में बदलिए)
(घ) मज़दूरों से पत्थर तोड़े जा रहे हैं। (कर्तृवाच्य में बदलिए)
(ङ) किस वाच्य में क्रिया सदा अन्य पुरुष, एकवचन में होती है?

उत्तर—(क) कर्मवाच्य
(ख) कर्मवाच्य में क्रिया का संबंध कर्म से होता है।
(ग) दादा जी से अख़बार पढ़ी जा रही है।
(घ) मज़दूर पत्थर तोड़ रहे हैं।
(ङ) भाववाच्य में।

5. 'पद-परिचय' पर आधारित निम्नलिखित वाक्य के रेखांकित पदों में से किन्हीं चार के पद-परिचय लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) राकेश झटपट यह कार्य कर लेगा।
(ख) महक जल्दी घर पहुँच गई।
(ग) अमित के लिए थोड़ी मिठाई लेकर आइए।
(घ) वहाँ दस छात्र बैठे हैं।
(ङ) रूहैल आज दिल्ली जाएगा।

उत्तर—(क) झटपट—रीतिवाचक, क्रियाविशेषण, 'कर लेगा' क्रिया की विशेषता।

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

(ख) पहुँच गई—अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल।
(ग) थोड़ी—अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण, 'मिठाई' विशेष्य का विशेषण, स्त्रीलिंग, बहुवचन।
(घ) दस—संख्यावाचक विशेषण, 'छात्र' विशेषण का विशेषण।
(ङ) रूहैल—व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक।

6. 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के निर्देशानुसार सही उत्तर लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) ''पड़ी अचानक नदी अपार, घोड़ा कैसे उतरे पार।
राणा ने सोचा इस पार, तब तक चेतक था उस पार।।''
उपर्युक्त पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है ?
(ख) 'मखमल के झूले पड़े हाथी-सा टीला।' (काव्य-पंक्ति में उपयुक्त अलंकार बताइए)
(ग) रूपक अलंकार की परिभाषा लिखिए।
(घ) मानवीकरण अलंकार क्या होता है?
(ङ) फूले कांस सकल महि छाई। जुन बरसा रितु प्रकट बुढ़ाई।

उत्तर—(क) अतिशयोक्ति अलंकार
(ख) उपमा अलंकार
(ग) जहाँ पर उपमेय और उपमान में कोई अंतर न दिखाई दे, वहाँ रूपक अलंकार होता है।
(घ) मानवीकरण अलंकार में प्रकृति पर मानवीय क्रियाओं का आरोप लगाया जाता है।
(ङ) उत्प्रेक्षा अलंकार।

खंड—ग

7. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए : 5 × 1 = 5

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी।।
अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु।।
चहत उड़ावन फूँकि पहारू।।
इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं।
जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।
देखि कुठारू सरासन बाना।
मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी।
जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी।।
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई।।
हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।
बधं पापु अपकीरति हारें।
मारतहूँ पा परिअ तुम्हारें।।

(1) परशुराम बार-बार अपना कुठार किसे और क्यों दिखा रहे हैं ?
(क) राम को भयभीत करने के लिए
(ख) लक्ष्मण को भयभीत करने के लिए
(ग) विश्वामित्र को भयभीत करने के लिए
(घ) महाराज जनक को भयभीत करने के लिए

(2) अग्रलिखित पंक्तियों में से किस पंक्ति से लक्ष्मण के शक्तिशाली होने का पता चलता है?
(क) बिहसि लखनु बोले मृदु बानी।।
अहो मुनीसु महाभट मानी।।
(ख) पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु।।
चहत उड़ावन फूँकि पहारू।।
(ग) देखि कुठारू सरासन बाना।
मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
(घ) इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं।
जे तरजनी देखि मरि जाही।।

(3) रघुकुल में किन-किन के प्रति अपनी वीरता का प्रदर्शन नहीं किया जाता है ?
(क) देवता, ब्राह्मण, ईश्वर-भक्त और गाय पर
(ख) स्त्रियों, बच्चों, ईश्वर-भक्त और गाय पर
(ग) देवता, राजा, वीर योद्धा और स्त्रियों पर
(घ) स्त्रियों, बच्चों, राजा और गाय पर

(4) 'बिहसि लखनु बोले मृदु बानी।।
अहो मुनीसु महाभट मानी।।' यह कथन.....का उदाहरण है।
(क) व्यंग्य का (ख) हास्य का
(ग) क्रोध का (घ) वैराग्य का

(5) उपर्युक्त पद्यांश में लक्ष्मण के चरित्र की कौन-सी विशेषता उजागर होती है ?
(क) वीरता (ख) धैर्य
(ग) शिष्टता (घ) विनम्रता

उत्तर—1. (ख), **2.** (घ), **3.** (क), **4.** (क), **5.** (क)।

8. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए : 5 × 1 = 5

जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब उस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्व मूर्ति के रंग-रूप या कद का नहीं, उस भावना का है वरना तो देशभक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है। दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुज़रे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है। पहले मोटे फ्रेमवाला चौकोर चश्मा था, अब तार के फ्रेमवाला गोल चश्मा है। हालदार साहब का कौतूहल और बढ़ा। वाह भई क्या आइडिया है। मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती लेकिन चश्मा तो बदल ही सकती है।

(1) 'जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई' अर्थात
(क) जीप कस्बे में बिना रुके आगे बढ़ गई।
(ख) जीप कस्बे में रुक कर आगे बढ़ गई।
(ग) जीप कस्बे में रुक गई।
(घ) जीप कस्बे में नहीं गई।

(2) हालदार साहब किसके विषय में सोचते रहे ?
(क) नेताजी के बारे में (ख) मूर्ति के बारे में
(ग) चौराहे के बारे में (घ) कस्बे के बारे में

(3) 'वरना तो देशभक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है।' से आशय है...
(क) आजकल देशभक्त होना संभव नहीं है।

HOLY FAITH INTERNATIONAL

(ख) आजकल देशभक्त होना हास्यास्पद हो गया है।
(ग) आजकल सभी देशभक्त हो गए हैं।
(घ) आजकल देशभक्ति की प्रासंगिकता नहीं है।

(4) दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुज़रे तो उन्हें मूर्ति में क्या अंतर दिखाई दिया ?
(क) मूर्ति पर कोई चश्मा नहीं था।
(ख) मूर्ति पर पुराना चश्मा था।
(ग) मूर्ति पर एक नया चश्मा था।
(घ) मूर्ति क्षतिग्रस्त थी।

(5) 'नेताजी का चश्मा' पाठ...
(क) देशभक्ति के भाव पर व्यंग्य करता है।
(ख) देशभक्ति की प्रासंगिकता पर सवाल उठाता है।
(ग) देशभक्ति के महत्व को स्थापित करता है।
(घ) देशभक्ति के प्रति उम्मीद जगाता है।

उत्तर—1. (क), **2.** (ख), **3.** (ख), **4.** (ग), **5.** (घ)

9. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए : 3 × 2 = 6

(क) निराला की कविता 'अट नहीं रही है' का केंद्रीय भाव लिखिए।

उत्तर—'अट नहीं रही है' कविता में कवि ने फागुन की मादकता, उसकी सुंदरता और उल्लास को प्रकट किया है। फागुन में प्रकृति की सुंदरता अत्यंत मनमोहक होती है अर्थात प्रकृति के कण-कण में फागुन की सुंदरता दिखाई देती है। पेड़-पौधों की शाखाएँ हरे-हरे पत्तों ओर आकर्षित करती प्रतीत होती हैं। रंग-बिरंगे फूल अपनी सुगंध से वातावरण को सुगंधित कर देते हैं। ऐसा प्रतीत होता है मानो प्राकृति ईश्वरीय शोभा को लेकर व्याप्त हो रही है।

(ख) लक्ष्मण ने परशुराम से यह क्यों कहा था कि उन्हें गाली देना शोभा नहीं देता ?

उत्तर—लक्ष्मण ने परशुराम से कहा कि आप तो शूरवीर, ज्ञानी, धैर्यवान पुरुष हैं। ऐसे में आपके मुख से अपशब्द शोभा नहीं देते। गाली देना तो असभ्यता, मूर्खता और कायरता का प्रतीक है। इस प्रकार लक्ष्मण परशुराम को अपनी वाणी पर नियंत्रण रखने को कहते हैं।

(ग) गोपियाँ राजधर्म की याद क्यों दिला रही हैं ? सूरदास के पद के आधार पर उत्तर दीजिए।

उत्तर—जब श्रीकृष्ण स्वयं न आकर उद्धव के हाथों गोपियों को योग का संदेश भेजते थे तो गोपियाँ उद्धव से अपना योग संदेश वापस ले जाने को कहती हैं, क्योंकि वे श्रीकृष्ण के प्रेम-दर्शन चाहती हैं। इस पर गोपियाँ राजधर्म की याद दिलाती हुई कहती हैं कि राजा का कर्त्तव्य होता है कि वह अपने प्रजा के हितों की रक्षा करें। उन्हें न तो कभी सताए और न ही कष्ट दे।

(घ) कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है ?

उत्तर—कवि जयशंकर प्रसाद आत्मकथा लिखने से इसलिए बचना चाहते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि उनका जीवन साधारण-सा है। उसमें कुछ भी ऐसा नहीं, जिससे लोगों को किसी प्रकार का आह्लाद प्राप्त हो सके। उनका जीवन पीड़ाओं व अभावों से भरा हुआ है, जिन्हें वह औरों के साथ साझा नहीं करना चाहते, क्योंकि लोग दूसरों के दुखों का परिहास उड़ाते हैं। उनके जीवन में किसी के प्रति कोमल भाव अवश्य था, जो उसके व्यक्तिगत सुखद क्षण हैं। इसे वह किसी को साझा नहीं करना चाहते।

10. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए : 3 × 2 = 6

(क) इंदौर से अजमेर आकर लेखिका के पिता ने अपनी आर्थिक स्थिति को कैसे सुधारा ?

उत्तर—इंदौर से अजमेर आकर मन्नू भंडारी के पिता ने अपने बलबूते और हौंसले से अंग्रेज़ी—हिंदी शब्दकोश के अधूरे काम को आगे बढ़ाना शुरू किया जो अपनी तरह का पहला और अकेला शब्दकोश था। इससे उन्हें यश और प्रतिष्ठा तो बहुत मिली, पर अर्थ नहीं। बिगड़ी हुई आर्थिक स्थिति ने उन्हें हाशिए पर ला दिया।

(ख) 'संस्कृति' पाठ ने आग और सूई-धागे के आविष्कारों से क्या स्पष्ट किया है ?

उत्तर—मानव ने सूई-धागे का आविष्कार कपड़े सीने, शीतोष्ण से बचने के लिए, वस्त्र बनाने आदि के लिए किया होगा। शरीर को सजाने के लिए बनाए जाने वाले वस्त्रों के लिए भी सूई-धागे का आविष्कार हुआ होगा। रज़ाई, गद्दे, टेंट, परदा आदि बनाने के लिए भी सूई-धागे का ही उपयोग होता है। सूई-धागे के आविष्कार के पीछे मनुष्य की आवश्यकता ही रही होगी। अत: स्पष्ट है कि मनुष्य चिंतनशील प्राणी है। उसके मन में सदा कुछ-न-कुछ जानने तथा करने की इच्छा बनी रहती है। मानव ने आग का आविष्कार कड़ी ठंड से स्वयं को बचाने, अंधकार को दूर करने, भोजन पकाने व जंगली जानवरों से स्वयं की रक्षा करने के लिए किया होगा।

(ग) 'नेताजी का चश्मा' पाठ में बच्चों द्वारा मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगाना क्या प्रदर्शित करता है ?

उत्तर— कैप्टन की मृत्यु के पश्चात हालदार को ऐसा लगा कि अब नेताजी की मूर्ति चश्माविहीन ही रह जाएगी। किंतु जब उन्होंने मूर्ति पर सरकंडे से बना चश्मा लगा देखा तो वे भावुक हो गए। यह कार्य बच्चों ने किया था। बच्चों द्वारा मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगाना यह दिखलाता है कि बच्चों में भी देशभक्ति व देशप्रेम की भावना जागृत हो चुकी है। बच्चों के हृदय में भी अपने स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के प्रति आदर-भाव है और देश के निर्माण में वे भी अपने-अपने तरीके से योगदान देते हैं।

(घ) 'लखनवी अंदाज़' पाठ में व्यंग्यात्मक संदेश को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—लखनवी अंदाज़ पाठ में लेखक ने नवाब साहब के माध्यम से नवाबी परंपरा की झूठी शान पर व्यंग्य किया है। जो आज के समय में भी वास्तविकता से बेखबर एक बनावटी जीवन-शैली के आदी हैं। ऐसी परजीवी संस्कृतियों को देखा जा सकता है। इस कहानी में लेखक ने पतनशील सामंती वर्ग पर कटाक्ष किया है, क्योंकि गंध के सहारे पेट नहीं भरा जा सकता। खीरे को केवल सूँघकर फेंक देना दिखावा कहलाता है। नवाब साहब का सेकेंड क्लास में यात्रा करना इस बात को प्रमाणित करता है कि अब उनकी नवाबी खत्म हो चुकी है, परन्तु वे अपने क्रियाकलापों से अपनी झूठी शान दिखाते हैं।

11. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए : 3 × 2 = 6

(क) गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा गया?

उत्तर—सिक्किम की राजधानी गंतोक को मेहनतकश बादशाहों का शहर इसलिए कहा जाता है क्योंकि यहाँ के लोग बहुत परिश्रमी हैं। इस स्थल को मनोहारी बनाए रखने के लिए वहाँ पुरुष ही नहीं, स्त्रियाँ और बच्चे भी कड़ी मेहनत करते हैं। स्त्रियाँ पीठ पर डोकों में बच्चों को बाँधकर, कुदाल को ज़मीन पर मारकर पत्थर तोड़कर पहाड़ी रास्तों को चौड़ा बनाने में योगदान देती है। रास्ता बनाते समय कई बार उन्हें मौत का भी सामना करना पड़ता है। यहाँ के लोग मेहनत से घबराते नहीं हैं और ऐसी कठिनाइयों के बीच में भी प्रसन्नतापूर्वक जीवन व्यतीत करते हैं। पहाड़ी बच्चे पढ़ने के साथ-साथ शाम को मवेशी चराने, पानी भरने और जंगल से लकड़ियाँ लाने का काम करते हैं। मौसम की मुश्किलों का सामना करते हुए अपनी दिनचर्या को बनाए रखना ही उनका जीवन है। अर्थात् यहाँ का जीवन अत्यंत कठिनाइयों से भरा है। लेकिन इन कठिनाइयों को हँसकर झेलते हुए यहाँ के लोगों ने इस शहर को मनोहारी बना दिया है। इसलिए गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' कहा गया है।

(ख) 'माता का अँचल' पाठ में ग्रामीण परिवेश का चित्रण किया गया है। आप ग्रामीण जीवन व शहरी जीवन में क्या अंतर पाते हैं?

उत्तर—'माता का अँचल' पाठ में लेखक ने ग्रामीण परिवार का चित्रण करते हुए गाँव की सीधी-सादी व प्रेम-भाव से युक्त जीवन शैली का वर्णन किया है। जहाँ लोगों के मध्य आत्मीयता की भावना प्रधान होती है। संपूर्ण गाँव एक परिवार के समान सुख-दु:ख में एक-दूसरे के साथ दिखाई देता है। ग्रामीण जीवन में आज भी सामाजिक मूल्यों की जीवंत झाँकियाँ देखने को मिलती हैं। जबकि इसके विपरीत शहरों के लोग एकांकी जीवन व्यतीत करते हैं। उन्हें अपने आस-पड़ोस की भी खबर नहीं होती। शहरों में कोई भी किसी के सुख-दु:ख की परवाह नहीं करता। वास्तव में शहरी लोग एकल जीवनयापन करने की प्रवृत्ति की ओर उन्मुख हो रहे हैं। उनमें आत्मीयता की कमी है। उनके जीवन का लक्ष्य केवल आगे बढ़ना है। पाश्चात्य सभ्यता के पीछे भागते हुए वे अपने संस्कारों व अपनी संस्कृति को अपने ही पैरों तले कुचल रहे हैं। आपसी प्रेम, सौहार्द और सहनशीलता जैसे गुण तो शहरी जीवन में कहीं दिखाई ही नहीं देते।

(ग) सिक्किम के यात्रा-वृत्तांत में लेखिका को सीमा पर तैनात सैनिकों को देखकर किस प्रकार की अनुभूति हुई ?

उत्तर—सिक्किम यात्रा के दौरान लेखिका ने वहाँ तैनात सैनिकों को शून्य से बहुत कम के तापमान में सीमा पर डटे देखा, तो वे भावभीनी श्रद्धा और आनंद से सराबोर हो उठीं। उन्हें सैनिकों की कर्तव्यनिष्ठा पर रोमांच हुआ। उन्हें अहसास हुआ कि ये सैनिक देशवासियों को चैन की नींद देने के लिए इस कँपकँपाती सरदी में जागते रहते हैं। उन्हें प्रतीत हुआ कि इन सैनिकों तथा उनके परिवारों की देखभाल करना हमारा कर्तव्य है, क्योंकि ये सैनिक ही देश के गौरव हैं।

खंड—घ

12. दिए गए बिंदुओं के आधार पर किसी *एक* विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 6

(क) स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव

संकेत बिंदु— • अमृत महोत्सव का अर्थ • इस महोत्सव में होने वाले समारोह • इस महोत्सव का महत्व

(ख) भाग्य और पुरुषार्थ

संकेत बिंदु— • आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है • भाग्यवादी व्यक्ति उदासीन रहता है • परिश्रमी व्यक्ति अपने भाग्य को बदल लेता है

(ग) पर्वतीय-स्थल की यात्रा

संकेत बिंदु— • प्राकृतिक सौंदर्य • यात्रा वर्णन • सांस्कृतिक महत्व।

उत्तर—(क) स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव

संकेत बिंदु— • अमृत महोत्सव का अर्थ • इस महोत्सव में होने वाले समारोह • इस महोत्सव का महत्व

हमारे देश ने 15 अगस्त, 2022 को आज़ादी की 75वीं वर्षगाँठ मनाई। स्वतंत्रता की इसी 75वीं वर्षगाँठ को मनाने के लिए माननीय प्रधानमंत्री ने 75 हफ्ते पहले 12 मार्च, 2021 को गांधी जी के साबरमती आश्रम में स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव का उद्घाटन किया। ये महोत्सव 12 मार्च, 2021 से 15 अगस्त, 2023 तक चला। आज़ादी के इस अमृत महोत्सव को मनाने का उद्देश्य लोगों को स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और त्याग के बारे में जानकारी देना था। इस महोत्सव के ज़रिए देश के उन गुमनाम नायकों को ढूँढ़कर जिन्होंने देश पर जान न्योछावर की, उनकी वीरगाथाएँ सबके सामने लाई गई। इस आयोजन के माध्यम से 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को बढ़ावा दिया गया।

स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव पर अलग-अलग तरीके से कार्यक्रम करके लोगों के मन में देश-प्रेम को जागरूक किया गया है और उन शहीदों को याद किया गया, जिन्होंने स्वतंत्रता के संघर्ष की लड़ाई लड़ी तथा सभी लोगों ने स्वतंत्रता का जो सपना देखा था, उसे पूरा किया।

इसके अलावा स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के माध्यम से हम आज की युवा पीढ़ी को स्वतंत्रता के संघर्ष के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्हें उन सभी चुनौतियों से अवगत करा सकते हैं जो भारत को स्वतंत्रता दिलाने में सामने आई, क्योंकि हमें अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए अपने इतिहास को भी याद करना ज़रूरी है, क्योंकि यह भारत का वह इतिहास है जो किसी को भी आत्मविश्वास से भर देता है।

(ख) भाग्य और पुरुषार्थ

संकेत बिंदु— • आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है • भाग्यवादी व्यक्ति उदासीन रहता है • परिश्रमी व्यक्ति अपने भाग्य को बदल लेता है

मनुष्य संसार की महत्वपूर्ण कृति है। यही कारण है की ईश्वर ने मनुष्य को सब कुछ प्रदान किया है, किंतु उसे आवरण में छिपाकर रख दिया। मनुष्य पुरुषार्थ के बल पर सब कुछ हासिल करता आया है। यदि मनुष्य पुरुषार्थ के बजाय भाग्य का सहारा लेता तो क्या वह बड़े-बड़े प्रतिमान स्थापित कर पाता। मानव पुरुषार्थ के अभाव में सीप में मोती छिपे रह जाते, धरती के भीतर रत्न दबे रह जाते। न फ़सल उगती, न धरती सोना उगलती। यह सत्य है कि भाग्यवादी तो केवल हाथ में हाथ धरकर मुँह ताका करता है। आलसी और निष्क्रिय होकर दैव-दैव पुकारता रहता है, जबकि पुरुषार्थी अपने कार्य के बल पर बड़े-बड़े संकटों पर विजय प्राप्त कर लेता है। अगर भाग्य कुछ होता भी है—मान लीजिए कि जो हमारे लिए तय कर दिया गया वह हमें प्राप्त होगा ही, तो उसके लिए भी तो हमें कार्य करना ही पड़ता है। शक्तिशाली एवं समर्थ सिंह को भी अपना शिकार स्वयं उसके मुख में प्रवेश नहीं करता। पुरुषार्थी व्यक्ति अपने पुरुषार्थ के बल पर भाग्य को भी बदल देने

की क्षमता रखते हैं। विश्व की समस्त उन्नति एवं प्रगति का आधार मनुष्य का पुरुषार्थ ही है, भाग्य नहीं।

(ग) पर्वतीय-स्थल की यात्रा

संकेत बिंदु— • प्राकृतिक सौंदर्य • यात्रा वर्णन • सांस्कृतिक महत्व।

मैंने नैनीताल को एक सुंदर पर्वतीय-स्थल के रूप में चुना। यहाँ बरफ़ से ढके चारों ओर पहाड़ों से घिरे नैनीताल में स्वर्गिक आनंद प्राप्त हो रहा था। बरफ़ीली चोटियों पर सूर्य की स्वर्णिम किरणों का दृश्य अत्यंत सुहावना था। प्रकृति की सुंदरता का इतना सुखद अनुभव मुझे इससे पूर्व कभी नसीब नहीं हुआ। मैंने आईफ़ोन से इस सुंदर छटा को अनेक बार कैद करने की कोशिश की। वे तस्वीरें आज भी मुझे उस आनंद का एहसास कराती हैं। नैनीताल में सड़कें स्वच्छ थीं। यहाँ के घर साफ़-सुथरे थे। अधिकांश घर तराशे गए संगमरमर के बने हुए थे। इसके अतिरिक्त पर्यटकों के ठहराने हेतु यहाँ कई छोटे-बड़े होटल थे। यहाँ एक ताल है जिसे नैनी ताल कहते हैं जिसकी प्रसिद्धि के कारण शहर का नाम भी नैनीताल पड़ गया। नैनीताल के एक किनारे पर 'नयना देवी' का मंदिर है। ताल के एक ओर सड़क व होटल तो दूसरी ओर हरे-भरे वृक्षों से ढके पर्वत हैं। इसके किनारे पर बैठने हेतु बेंचे बनी हुई हैं। ताल में स्वचालित नौकाओं का आनंद उठाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त यहाँ पर देश-विदेश के सामान की खरीदारी भी की जा सकती है। खाने-पीने के लिए यहाँ सभी प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन उपलब्ध हैं। ताल के किनारे बैठकर पर्वतों का अवलोकन मन को शांति प्रदान करता है। नि:संदेह रोगियों के लिए यहाँ की जलवायु औषधियुक्त है। हालाँकि नैनीताल अब एक ऐसे नगर का रूप लेता जा रहा है जहाँ के प्राकृतिक पर्यावरण को आधुनिक विकास की बलिवेदी पर चढ़ाया जा रहा हैं। अब यह उत्तरांचल राज्य की राजधानी है। मैंने वहाँ विशेष प्रकार के पहाड़ी सांस्कृतिक नृत्य भी देखे। इस शहर का विपुल सांस्कृतिक महत्व है। यहाँ के लोग प्राय: ईमानदार व अथक परिश्रमी होते हैं। यहाँ के निवासी प्राय: हिंदी भाषी हैं जो मन के सरल होते हैं। नैनीताल का यह सुखद आनंद मुझे आज भी आकर्षित करता है। निस्संदेह प्रकृति की अनुपम छटा का स्वर्गिक आनंद यहाँ पर घूमकर ही प्राप्त किया जा सकता है।

13. विद्यालय में एक संगीत सम्मेलन करने की अनुमति देने हेतु अपने प्रधानाचार्य से अनुरोध कीजिए। **5**

सेवा में
प्रधानाचार्य जी
अ ब स विद्यालय
नई दिल्ली
दिनांक : 6 दिसंबर 20XX
महोदय

सविनय निवेदन है कि आगामी शनिवार दिनांक 12 दिसंबर 20XX को विद्यालय में एक संगीत-सम्मेलन होने जा रहा है। यह संगीत सम्मेलन खेल प्रांगण में प्रात: 9:00 बजे से प्रारंभ होगा। इस संगीत सम्मेलन में देश-विदेश के कुछ प्रसिद्ध एवं संगीत कला में अनुभवी संगीतकार अपनी कला का प्रदर्शन करने वाले हैं। यह कार्यक्रम बहुत ही भव्य होने वाला है—संगीत का प्रभाव विद्यार्थियों को मानसिक बल प्रदत्त करता है। उनमें एकता की भावना पनपती है। आत्मिक आनंद उन्हें मानवता की ओर अग्रसर करता है।

आपसे विनम्र अनुरोध है कि उपरोक्त संगीत-सम्मेलन के लिए हमें अनुमति प्रदान करें। संबंधित कर्मचारियों को भी प्रांगण की सफाई और संबंधित उपकरण समय पर उपलब्ध कराने हेतु निर्देश जारी कर दें।

हम सभी आपके सदैव आभारी रहेंगे।
धन्यवाद सहित
आपका आज्ञाकारी शिष्य
क० ख० ग०
कक्षा 10 (अ)

अथवा

आप श्रेयस राजपूत/श्रेयसी सिंह हैं। आप छात्रावास में रहते हैं। आपको पिता जी से यह पता चला है कि आपकी माता जी पूरे परिवार का तो ध्यान रखती हैं, किंतु अपने स्वास्थ्य की अकसर अनदेखी करती हैं। माता जी को समझाते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

उत्तर— अ० ब० स० छात्रावास
क० ख० ग० नगर
दिनांक : XX/XX/20XX
आदरणीया माता जी
सादर चरण-स्पर्श

मैं यहाँ कुशलतापूर्वक हूँ और ईश्वर से आपकी कुशलता की कामना करता हूँ। कल मुझे पिता जी का पत्र मिला। यह जानकर मुझे बहुत दुख हुआ कि आप पूरे परिवार का तो ख्याल रखती हैं परंतु अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रखती। आप अपने स्वास्थ्य की अकसर अनदेखी करती हैं। मैं समझता हूँ कि आप सभी को हृदय से प्रेम करती है और सभी की देखभाल में ही पूरा समय व्यतीत करती हैं, किंतु अपने स्वास्थ्य की देखभाल और खान-पान पर भी ध्यान देना भी तो आवश्यक है। यदि आप अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रखेंगी तो बीमार हो सकती हैं। जो न केवल आपके लिए बल्कि सभी के लिए कष्टदायक होगा। परिवार के सभी लोग आपसे प्रेम करते हैं और आपकी कुशलता चाहते हैं। आशा है अब आप अपना ख्याल रखेंगी।

इसी आशा के साथ पत्र समाप्त करता हूँ। आप भी पत्र लिखते रहा कीजिए।
आपका
प्रिय पुत्र
श्रेयस राजपूत

14. 'नेत्रदान' के लिए प्रोत्साहित करने हेतु स्वास्थ्य मंत्रालय के लिए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **4**

अथवा

आप विद्यालय के छात्र संघ के अध्यक्ष हैं। प्रवेश-पत्र की विवरणिका के विमोचन पर विद्यार्थियों को लगभग 40 शब्दों में शुभकामना संदेश लिखिए।

15 मार्च 20XX
नई दिल्ली
प्रिय विद्यार्थियों,
सत्र 20XX-20XX की प्रवेश विवरणिका का प्रकाशन हो रहा है। उच्च शिक्षा हेतु शासन के प्रवेश नियम, विद्यार्थियों के लिए शासन की विभिन्न योजनाओं एवं आचरण नियमों के साथ ही महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा उपलब्ध सुविधाओं का समावेश विवरणिका में किया गया है। इस स्वच्छ एवं स्वस्थ शैक्षणिक वातावरण में विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होगा और आप योग्य नागरिक के रूप में राष्ट्रीय दायित्वों का निर्वहन करेंगे, मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ आपके साथ हैं।
अध्यक्ष
क० ख० ग०

15. आप गोविंद सिंह हैं आप बी०बी०ए० कर चुके हैं। आपको सिटी स्कूल अ०ब०स० नगर में लिपिक पद के लिए आवेदन करना है। इसके लिए आप अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त (बायोडाटा) लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए। **5**

उत्तर—

महोदय/महोदया,

मैंने 'दैनिक भास्कर' समाचार-पत्र में आपका विज्ञापन पढ़ा, जिसमें दर्शाया गया है कि आपको अपने महान विद्यालय के लिए एक योग्य एवं अनुभवी लिपिक की आवश्यकता है।
मैं उपर्युक्त पद के लिए योग्य हूँ और इस विद्यालय में कार्य करने के लिए इच्छुक हूँ। मेरा संक्षिप्त स्ववृत्त निम्नलिखित है—

आवेदित पद का नाम	— लिपिक
नाम	— गोविंद सिंह
पिता का नाम	— कृष्णवीर सिंह
माता का नाम	— सीमा देवी
जन्मतिथि	— 01-01-1998
राष्ट्रीयता	— भारतीय
वैवाहिक स्तर	— अविवाहित
पता	— अ०ब०स० कॉलोनी, नई दिल्ली
ज्ञात भाषाएँ	— हिंदी, अंग्रेज़ी।

शैक्षणिक योग्यताएँ—

क्र० सं०	परीक्षा का नाम	उत्तीर्ण वर्ष	श्रेणी	संस्थान/वि०वि०
1.	बी०बी०ए०	2020	प्रथम	दिल्ली वि०वि० दिल्ली।
2.	सीनियर सेकेंडरी	2017	प्रथम	XXX स्कूल, नई दिल्ली।
3.	हायर सेकेंडरी	2015	प्रथम	XXX स्कूल, नई दिल्ली।

अनुभव—दो वर्ष का लिपिक पद पर कार्य करने का अनुभव।
स्थान :
दिनांक :
उम्मीदवार
हस्ताक्षर

अथवा

नौकरी की खोज के लिए एक प्रभावशाली ई-मेल लिखिए।

उत्तर—To : ZTZ@XXXX.com
Cc >>>@>>>
विषय—संकाय पद के लिए
महोदय/महोदया
मैं आज आपके कॉलेज में एक सहायक के रूप में नौकरी हेतु आवेदन कर रहा हूँ। मुझे आपका नाम डॉ०.....ने दिया था जो दिल्ली विश्वविद्यालय में मेरे प्रिय प्रोफेसरों में से एक हैं। मेरे पास दिल्ली विश्वविद्यालय से स्वदेशी अध्ययन में स्नातक की डिग्री है और मैंने अपनी डिग्री पूरी करते समय कुछ कक्षाओं में अध्यापन कार्य में शोधार्थियों की मदद की। साथ ही मैं दिल्ली में पीएचडी कार्यक्रम हेतु संवाद करने के लिए उत्सुक हूँ। हो सकता है कि हम इस लक्ष्य के साथ एक मीटिंग की योजना बना सकें। मैंने अपना बायोडाटा भेज दिया है। साझा किए गए विचारों के लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ और शीघ्र ही आपसे एक जवाब के रूप में एक सूचना प्राप्त करना चाहता हूँ।
मेल पता : abc@xyz.com

© HOLY FAITH INTERNATIONAL PVT. LTD.

Holy Faith New Style Sample Paper–9

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं
विषय—हिंदी (अ)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश—इसके लिए Holy Faith New Style Sample Paper—1 देखें।

खंड—क

(बहुविकल्पी/लघूत्तरात्मक/अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए : (3 × 1 + 2 × 2) 3 + 4 = 7

उन्नीसवीं शताब्दी से पहले, मानव और पशु दोनों की आबादी भोजन की उपलब्धता तथा प्राकृतिक विपदाओं आदि के कारण सीमित रहती थी। कालांतर में जब औद्योगिक क्रांति के कारण मानव सभ्यता की समृद्धि में भारी वृद्धि हुई, तब उसके परिणामस्वरूप कई पश्चिमी देश ऐसी बाधाओं से लगभग अनिवार्य रूप से मुक्त हो गए। इससे वैज्ञानिकों ने अंदाज़ा लगाया कि अब मानव जनसंख्या विस्फोटक रूप से बढ़ सकती है। परंतु इन देशों में परिवारों का औसत आकार घटने लगा था और जल्दी ही समृद्धि और प्रजनन के बीच एक उलटा संबंध प्रकाश में आ गया था।

जीव विज्ञानियों ने मानव समाज की तुलना जानवरों की दुनिया से कर इस संबंध को समझाने की कोशिश की और कहा कि ऐसे जानवर जिनके अधिक बच्चे होते हैं, वे अधिकतर प्रतिकूल वातावरण में रहते हैं और ये वातावरण प्राय: उनके लिए प्राकृतिक खतरों से भरे रहते हैं। चूँकि इनकी संतानों के जीवित रहने की संभावना कम होती है, इसलिए कई संतानें पैदा करने से यह संभावना बढ़ जाती है कि उनमें से कम-से-कम एक या दो जीवित रहेंगी। इसके विपरीत जिन जानवरों के बच्चे कम होते हैं, वे स्थिर और अनुकूल वातावरण में रहते हैं। ठीक इसी प्रकार यदि समृद्ध वातावरण में रहने वाले लोग केवल कुछ ही बच्चे पैदा करते हैं, तो उनके ये कम बच्चे उन बच्चों को पछाड़ देंगे, जिनके परिवार इतने समृद्ध नहीं थे तथा इनकी आपस की प्रतिस्पद्र्धा भी कम होगी। इस सिद्धांत के आलोचकों का तर्क है कि पशु और मानव व्यवहार की तुलना नहीं की जा सकती है। वे इसके बजाय यह तर्क देते हैं कि सामाजिक दृष्टिकोण में परिवर्तन इस घटना को समझाने के लिए पर्याप्त हैं। श्रम-आश्रित परिवारों में बच्चों की बड़ी संख्या एक वरदान के समान होती है। वे जल्दी काम कर परिवार की आय बढ़ाते हैं। जैसे-जैसे समाज समृद्ध होता जाता है, वैसे-वैसे बच्चे जीवन के लगभग पहले 25-30 सालों तक शिक्षा ग्रहण करते हैं। जीवन के प्रारंभिक वर्षों में उर्वरता अधिक होती है तथा देर से विवाह के कारण संतानों की संख्या कम हो जाने की संभावना बनी रहती है।

(*i*) निम्नलिखित में से कौन-सा/कौन-से ऊपर लिखित गद्यांश का प्राथमिक उद्देश्य है—
कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए— 1

कथन

(*i*) परिवार का आकार बढ़ी हुई समृद्धि के साथ घटता है, इस तथ्य को समझने के लिए दो वैकल्पिक सिद्धांत प्रस्तुत करना।

(*ii*) औद्योगिक क्रांति के बाद अपेक्षित जनसंख्या विस्फोट न होने के कारणों की विवेचना।

(*iii*) औद्योगिक क्रांति से पहले और बाद में पर्यावरणीय प्रतिबंधों और सामाजिक दृष्टिकोण से परिवार का आकार कैसे प्रभावित हुआ, का अंतरसंबंध दर्शाना।

(*iv*) मानव परिवारों के आकार के संबंध में दिए गए उस स्पष्टीकरण की आलोचना जो पूरी तरह से जानवरों की दुनिया से ली गई टिप्पणियों पर आधारित है।

विकल्प

(क) कथन **(*i*)** सही है।
(ख) कथन **(*i*)** व **(*ii*)** सही हैं।
(ग) कथन **(*ii*)** व **(*iii*)** सही हैं।
(घ) कथन **(*iii*)** व **(*iv*)** सही हैं।

उत्तर—(क) कथन **(*i*)** सही है।

(*ii*) गद्यांश में दी गई कौन-सी जानकारी बताती है कि निम्नलिखित में से किस जानवर के कई बच्चे होने की संभावना है ? 1

(क) एक विशाल शाकाहारी जो घास के मैदान में रहता है और अपनी संतानों की भरसक सुरक्षा करता है।
(ख) एक सर्वभक्षी जिसकी आबादी कई छोटे द्वीपों तक सीमित है और जिसे मानव अतिक्रमण से खतरा है।
(ग) एक मांसाहारी जिसका कोई प्राकृतिक शिकारी नहीं है, लेकिन उसे भोजन की आपूर्ति बनाए रखने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।
(घ) एक ऐसा जीव जो मैदानों और झीलों में कई प्राणियों का शिकार बनता है।

उत्तर—(घ) एक ऐसा जीव जो मैदानों और झीलों में कई प्राणियों का शिकार बनता है।

(*iii*) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए—

कथन (A) : पशु और मानव व्यवहार की तुलना की जा सकती है।

कारण (R) : सामाजिक दृष्टिकोण में परिवर्तन तर्क के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

(क) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर—(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(iv) गद्यांश के अनुसार पश्चिमी देशों में विस्फोट क्यों नहीं हुआ? 2

उत्तर—गद्यांश के अनुसार, पश्चिमी देशों में यह इसलिए नहीं हुआ क्योंकि औद्योगिकीकरण से प्राप्त समृद्धि ने परिवारों को बच्चों की शिक्षा की विस्तारित अवधि को वहन करने का सामर्थ्य प्रदान किया था।

(v) अंतिम अनुच्छेद में किसका वर्णन किया गया है ? 2

उत्तर—अंतिम अनुच्छेद में पहले अनुच्छेद में वर्णित घटना के लिए एक वैकल्पिक स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया गया है।

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए :

(3 × 1 + 2 × 2) 3 + 4 = 7

मुझे न साथी रोक सकेंगे, सागर के गर्जन-तर्जन।
मैं अविराम पथिक अलबेला रुके न मेरे कभी चरण,
शूलों के बदले फूलों का किया न मैंने मित्र चयन।
मैं विपदाओं में मुसकाता नव आशा के दीप लिए,
फिर मुझको क्या रोक सकेंगे जीवन के उत्थान-पतन।
मैं अटका कब, कब विचलित मैं, सतत डगर मेरी संबल,
रोक सगी पगले कब मुझको यह युग की प्राचीर निबल।
आँधी हो, ओले वर्षा हों, राह सुपरिचित है मेरी,
फिर मुझको क्या डरा सकेंगे ये जग के खंडन-मंडन।
मुझे डरा पाए कब अंधड़, ज्वालामुखियों के कंपन,
मुझे पथिक कब रोक सके हैं अग्निशिखाओं के नर्तन।
मैं बढ़ता अविराम निरंतर तन-मन में उन्माद लिए,
फिर मुझको क्या डरा सकेंगे, ये बादल-विद्युत नर्तन।

(i) पथिक इनमें से कौन-सा काम करना चाहता है ? कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए— 1

कथन

(i) जीवन पथ में अपने चरण रोकना
(ii) फूलों को अपना मित्र बनाना
(iii) नव आशा का दीप जलाना
(iv) विपदाओं में मुसकाना

विकल्प

(क) कथन ***(i)*** व ***(ii)*** सही हैं।
(ख) कथन ***(ii)*** व ***(iii)*** सही हैं।
(ग) कथन ***(ii)*** व ***(iv)*** सही हैं।
(घ) कथन ***(iii)*** व ***(iv)*** सही हैं।

उत्तर—(घ) कथन ***(iii)*** व ***(iv)*** सही हैं।

(ii) ''शूलों के बदले फूलों का किया न मैंने चयन।'' — पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए—

(क) सुख-सुविधा का मार्ग चुना।
(ख) संघर्षों व चुनौतियों का कठिन मार्ग चुना।
(ग) काँटों से बचकर रहा।
(घ) सदैव फूलों को चुना।

उत्तर—(ख) संघर्षों व चुनौतियों का कठिन मार्ग चुना।

(iii) कथन **(A)** और कारण **(R)** को पढ़कर उपयुक्त विकल्प को चुनिए— 1

कथन (A) : कवि अविराम आराम करना चाहता है।
कारण (R) : उसके तन-मन में आगे बढ़ने का उन्माद है।

(क) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर—(क) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

(iv) कवि को आगे बढ़ने से क्या नहीं रोक सकेंगे ? 2

उत्तर—कवि को जीवन के उत्थान-पतन, सांसारिक बाधाएँ तथा प्राकृतिक आपदाएँ आगे बढ़ने से नहीं रोक पाएँगी।

(v) 'युग की प्राचीर' से क्या तात्पर्य है? उसे कमज़ोर क्यों बताया गया है?

उत्तर—'युग की प्राचीर' का अर्थ है, समय की बाधाएँ। इसे कमजोर इसलिए बताया गया है कि संकल्पवान व्यक्ति बाधाओं व संकटों से घबराता नहीं है। वह उनसे मुकाबला कर उनपर विजय पा लेता है।

खंड—ख

3. 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के निर्देशानुसार सही उत्तर लिखिए :

4 × 1 = 4

(क) मुझे नाट्य-मंचन करना था.....नहीं कर पाया।
उपर्युक्त वाक्य को संयुक्त करने के लिए उचित संयोजक लिखिए।

(ख) सूर्य उदित हुआ और चारों ओर प्रकाश फैल गया।
(सरल वाक्य में)

(ग) 'वह ऐसे बोल रहा था जैसे कोई बड़ा अधिकारी हो।'
रचना के आधार पर उचित वाक्य-भेद बताइए।

(घ) कॉलम-1 को कॉलम-2 के साथ सुमेलित करके लिखिए—

कॉलम-1	कॉलम-2
(1) हमें बस पकड़नी पड़ी।	*(i)* संयुक्त वाक्य
(2) बरसात हुई और सरोवर लबालब हो गए।	*(ii)* मिश्र वाक्य
(3) यदि बस मिल जाती तो मैं समय रहते पहुँच जाता।	*(iii)* सरल वाक्य।

(ङ) उसने अपनी कार खड़ी ही की थी कि आग लग गई।
(रेखांकित उपवाक्य का भेद बताइए)

उत्तर—(क) परंतु

(ख) सूर्योदय होते ही चारों ओर प्रकाश फैल गया।

(ग) मिश्र वाक्य

(घ) (1) सरल वाक्य, (2) संयुक्त वाक्य, (3) मिश्र वाक्य

(ङ) प्रधान उपवाक्य।

© HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

4. 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* के निर्देशानुसार सही उत्तर लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) लड़कियों द्वारा प्रतियोगिता जीत ली गई।
(वाच्य भेद बताइए)

(ख) उसके द्वारा कहानी सुनाई गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ग) बच्चा कहानी सुन रहा है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(घ) मरीज़ से उठा नहीं जा सकता। (वाच्य-भेद बताइए)

(ङ) 'मैं यह भाषा नहीं पढ़ सकूँगा।'—
(कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर—(क) कर्मवाच्य।

(ख) उसने कहानी सुनाई।

(ग) बच्चे के द्वारा कहानी सुनी जा रही है।

(घ) भाववाच्य।

(ङ) भाववाच्य।

5. 'पद-परिचय' पर आधारित निम्नलिखित वाक्यों के पाँच रेखांकित पदों में से किन्हीं *चार* के पद-परिचय लिखिए। 4 × 1 = 4

(क) उसका <u>लखनवी</u> अंदाज़ लेखक को प्रभावित न कर सका।

(ख) उसने प्राकृतिक दृश्यों को <u>देखा</u>।

(ग) उन्होंने खीरे को <u>बड़ी नज़ाकत</u> से बाहर फेंक दिया।

(घ) उसने <u>ऊँचा</u> महल देखा।

(ङ) मैं <u>पुस्तक</u> पढ़ता हूँ।

उत्तर—लखनवी—गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'अंदाज' विशेष्य का विशेषण।

(ख) देखा—सकर्मक, क्रिया, सामान्य भूतकाल, पुल्लिंग, एकवचन।

(ग) बड़ी नज़ाकत से—रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'फेंक दिया' क्रिया का विशेषण)

(घ) ऊँचा—गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन।

(ङ) पुस्तक—जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक।

6. 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) 'भूतल तवा-सा जल रहा है'। काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार बताइए।

(ख) 'आए महंत वसंत।' काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार बताइए।

(ग) **स्तंभ (I) और (II) का सही मिलान करके लिखिए।**

स्तंभ (I)	स्तंभ (II)
(1) लट लटकनि मनु मत्त मधुरगन माधुरी मधुर पियो।	(*i*) अतिशयोक्ति अलंकार
(2) धीरे-धीरे क्षितिज से आ वसंत-रजनी।	(*ii*) मानवीकरण अलंकार
(3) पानी परात को हाथ छुयो नहि नैनन के जल सों पग धोए।	(*iii*) उत्प्रेक्षा अलंकार

(घ) जहाँ उपमेय में उपमान की संभावना या कल्पना की जाती है, वहाँ कौन-सा अलंकार होता है?

(ङ) अतिशयोक्ति अलंकार किसे कहते हैं?

उत्तर—(क) उपमा अलंकार

(ख) रूपक अलंकार/मानवीकरण अलंकार

(ग) (1) उत्प्रेक्षा अलंकार, (2) मानवीकरण अलंकार, (3) अतिशयोक्ति अलंकार

(घ) उत्प्रेक्षा अलंकार।

(ङ) जब किसी बात का वर्णन बहुत बढ़ा-चढ़ा कर किया जाता है तो वहाँ अतिशयोक्ति अलंकार होता है।

खंड—ग

7. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5 × 1 = 5

तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान
धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य!
चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य!
इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा संपर्क
उँगलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क
देखते तुम इधर कनखी मार
और होतीं जब कि आँखें चार
तब तुम्हारी दंतुरित मुसकान
मुझे लगती बड़ी ही छविमान!

(1) कवि ने ..... धन्य माना है।
(क) मुसकान को
(ख) शिशु के दाँत को
(ग) शिशु और उसकी माँ को
(घ) स्वयं को

(2) 'चिर प्रवासी', 'इतर' और 'अन्य' शब्द ..... प्रयुक्त हुए हैं।
(क) कवि के लिए (ख) शिशु के लिए
(ग) शिशु की माँ के लिए (घ) उपर्युक्त सभी

(3) **कथन (1) :** कवि सुंदर मुसकान वाले बच्चे से मिलकर बहुत खुश है।
कथन (2) : बच्चे की माँ उसके सुंदर छवि को निहारकर धन्य समझती है।
दिए गए कथनों के लिए सही विकल्प चुनिए—
(क) कथन (1) सही है और कथन (2) उसका गलत कारण है।
(ख) कथन (1) सही है और कथन (2) उसका सही कारण है।
(ग) कथन (1) गलत और कथन (2) सही है।
(घ) कथन (1) और कथन (2) दोनों सही हैं।

(4) शिशु बाहर से आए व्यक्ति की ओर किस प्रकार देख रहा था?
(क) आश्चर्य से (ख) कौतूहल से
(ग) कनखियों से (घ) उपर्युक्त सभी।

(5) कवि शिशु की दतुंरित मुसकान को देखकर अत्यधिक प्रसन्न होता है: क्योंकि—
(क) नव-जीवन का संचार होता है।

(ख) शरमा जाता है।
(ग) निद्रा आ जाती है।
(घ) ये सभी।

उत्तर—1. (ग), **2.** (क), **3.** (क), **4.** (ग), **5.** (क)।

8. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

5 × 1 = 5

अपने से दो साल बड़ी बहन सुशीला और मैंने घर के बड़े से आँगन में बचपन के सारे खेल खेले-सतोलिया, लँगड़ी-टाँग, पकड़म-पकड़ाई, काली-टीलो.... तो कमरों में गुड्डे-गुड़ियों के ब्याह भी रचाए, पास-पड़ोस की सहेलियों के साथ। यों खेलने को हमने भाइयों के साथ गिल्ली-डंडा भी खेला और पतंग उड़ाने, काँच पीसकर माँजा सूतने का काम भी किया, लेकिन उनकी गतिविधियों का दायरा घर के बाहर ही अधिक रहता था और हमारी सीमा थी घर। हाँ, इतना ज़रूर था कि उस ज़माने में घर की दीवारें घर तक ही समाप्त नहीं हो जाती थीं बल्कि पूरे मोहल्ले तक फैली रहती थीं। इसलिए मोहल्ले के घर में जाने पर कोई पाबंदी नहीं थी, बल्कि कुछ घर तो परिवार का हिस्सा ही थे। आज तो मुझे बड़ी शिद्दत के साथ यह महसूस होता है कि अपनी ज़िंदगी खुद जीने के इस आधुनिक दबाव ने महानगरों के फ्लैट में रहने वालों को हमारे इस परंपरागत 'पड़ोस-कल्चर' से विच्छिन्न करके हमें कितना संकुचित, असहाय और असुरक्षित बना दिया है। मेरी कम-से-कम एक दर्जन आरंभिक कहानियों के पात्र इसी मोहल्ले के हैं। मैंने अपनी किशोरावस्था गुज़ार अपनी युवावस्था का आरंभ किया था।

(1) लेखिका और उसकी बहन सुशीला का बचपन अपने भाइयों से कैसे अलग था?
(क) वे लँगड़ी-टाँग, सतोलिया आदि खेलतीं जबकि उनके भाई गिल्ली-डंडा, पतंग आदि।
(ख) वे घर के काम-काज करती थी और उन्हें खेल खेलने की अनुमति नहीं थी।
(ग) उन्हें खेलने के लिए घर से बाहर जाने की अनुमति नहीं थी।
(घ) उनके और उनके भाइयों के बचपन में कोई अंतर नहीं था।

(2) उपर्युक्त गद्यांश में लेखिका किस ज़माने (समय) की तरफ संकेत कर रही है?
(क) 1960 के बाद के दशक की
(ख) वर्तमान समय की
(ग) आज़ादी (1947) के ठीक पूर्व के दशक की
(घ) आज़ादी (1947) के पश्चात् के दशक की।

(3) परंपरागत पड़ोस कल्चर की क्या विशेषताएं थीं?
(क) लोग रूढ़िवादी और अंधविश्वासी थे।
(ख) मोहल्ले भर को घर-परिवार जैसा ही समझा जाता था।
(ग) लोगों में व्यक्तिगत स्वतंत्रता की प्रबल चाह थी।
(घ) लोगों के घरों की दीवारें एक-दूसरे से सटी रहती थीं।

(4) आधुनिक महानगरों के फ्लैट में रहने वालों का जीवन ..... हो गया है।
(क) सुखी और समृद्ध (ख) असहाय और असुरक्षित
(ग) अशांत और प्रदूषित (घ) मैत्रीपूर्ण और विकसित

(5) लेखिका की आरंभिक कहानियों के अधिकतर पात्रों का संबंध उनके मोहल्ले से है, क्योंकि—
(क) किशोर मन पर उनकी गहरी छाप थी।
(ख) मोहल्ले के लोग बहुत प्रिय थे।
(ग) अन्य लोगों के विषय में सीमित जानकारी थी।
(घ) मोहल्ले के लोग एक परिवार की तरह रहते थे।

उत्तर—1. (ग), **2.** (ग), **3.** (ख), **4.** (ख), **5.** (ग)

9. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए : **3 × 2 = 6**

(क) परशुराम की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर—'लक्ष्मण-परशुराम संवाद' प्रसंग में परशुराम के चरित्र की दो प्रमुख विशेषताएँ हैं—उनका अत्यधिक क्रोधी स्वभाव और आत्म-प्रशंसा करना। वे स्वयं कहते हैं कि वे अकरुण और क्रोधी हैं। राजसभा में प्रवेश करते ही वे राम और लक्ष्मण और सभा में उपस्थित सभी राजाओं को धमकाना आरंभ कर देते हैं। वे अपनी वीरता और विजय गाथाएँ अपने ही मुख से बार-बार बखान करते हैं।

(ख) श्रीराम ने परशुराम के क्रोध को शांत करने के लिए क्या किया था ?

उत्तर—सीता स्वयंवर के समय शिवजी के धनुष को श्री राम ने तोड़ दिया था जिस कारण परशुराम क्रोध से भर उठे थे। उनके क्रोध को शांत करने के लिए राम ने उनसे बिना किसी हर्ष या विषाद के कहा था कि हे नाथ! शिवजी के धनुष को तोड़ने वाला कोई उनका ही दास होगा। यदि वे कोई आज्ञा देना चाहते थे तो उन्हें आदेश करें। उनकी वाणी में सहजता थी, मिठास थी। वे किसी भी प्रकार से परशुराम के गुस्से को बढ़ाने वाली वाणी नहीं बोले थे।

(ग) नन्हें शिशु की दंतुरित मुसकान मृतक में जान कैसे डाल सकती है ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—नागार्जुन द्वारा रचित कविता 'यह दंतुरित मुसकान' वात्सल्य रस प्रधान कविता है। कवि बच्चे की भोली-भाली मुसकान देखकर मोहित हो जाता है। शिशु जब नए-नए निकले छोटे-छोटे दाँतों को दिखाते हुए मुसकाता है तो उसकी मुसकान मृतक व्यक्ति में भी जान डाल सकती है।

(घ) 'संगतकार' किसे कहते हैं ? उसकी आवाज़ में एक हिचक-सी क्यों प्रतीत होती है ?

उत्तर— मुख्य कलाकार का साथ देने वाले कलाकार जो स्वयं सामने न रहकर या चर्चा में न आकर मुख्य कलाकार को आगे बढ़ाने में सहयोग करते हैं। वे अपनी पूरी आवाज़ में नहीं गाते तथा वे हमेशा मुख्य गायक से धीरे स्वर में गाते हैं। ऐसे लोगों को संगतकार कहते हैं। संगतकार की आवाज़ की हिचकिचाहट उसकी कमज़ोरी को प्रदर्शित नहीं करती। इस सारी प्रक्रिया के दौरान संगतकार की आवाज़ हमेशा दबी हुई होती है। ज़्यादातर लोग इसे उसकी कमज़ोरी मान लेते होंगे। लेकिन ऐसा नहीं है। वह तो गायक की आवाज़ को प्रखर बनाने के लिए त्याग करता है और जानबूझकर अपनी आवाज़ को दबा लेता है इसलिए उसकी आवाज़ में एक हिचक प्रतीत होती है।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए : **3 × 2 = 6**

(क) बिस्मिल्ला खाँ की तुलना मृग से क्यों की गई है?

उत्तर— बिस्मिल्ला खाँ शहनाई-वादक थे। उनकी शहनाई से सात सुरों का संगम ईश्वर के दर्शन करवाता था। उनकी नाभि में सुरों की महक समाई हुई थी। वह सुगंध अलौकिक थी। अपनी नाभि की सुगंध से अनभिज्ञ थे। वे इस सुगंध को वन के मृग (हिरन) की तरह सारे वन में भाग-भाग कर ढूँढ़ते थे। वे नमाज़ अदा करने के बाद ईश्वर से सच्चे सुर प्रदान करने की खैरात माँगते थे।

(ख) हालदार साहब कैप्टन को देखकर अवाक क्यों रह गए ? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर— हालदार साहब की कल्पना थी कि कैप्टन प्रभावशाली व्यक्तित्व का स्वामी होगा पर उनकी कल्पना के विपरीत कैप्टन अत्यंत बूढ़ा, कमज़ोर और लंगड़ा आदमी था। ऐसा निर्धन, बूढ़ा तथा कमज़ोर-सा व्यक्ति भी देशभक्ति से ओत-प्रोत हो सकता है यह देखकर हालदार साहब अवाक रह गए।

(ग) 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने खीरा खाने से मना क्यों किया ?

उत्तर— लेखक कुछ समय पहले नवाब साहब द्वारा रखे गए खीरे खाने के आमंत्रण को ठुकरा चुके थे, अत: अब आत्मसम्मान निभाना आवश्यक समझने के कारण उन्होंने खीरा खाने से इनकार कर दिया और कहा 'शुक्रिया, इस वक्त तलब महसूस नहीं हो रही, मेदा भी ज़रा कमज़ोर है, कि बला शौक फरमाएँ।

(घ) मन्नू भंडारी के पिता की कौन-कौन सी विशेषताएँ अनुकरणीय हैं ?

उत्तर— मन्नू भंडारी के पिता में अनेक विशेषताएँ थीं जो अनुकरणीय हैं। जब वह किसी काम को करने के प्रति दृढ़-संकल्प हो जाते थे, तो उसे पूरा करके ही दम लेते थे। परिस्थितियों के अनुकूल जीवन व्यतीत करने में वे कुशल थे। वे अत्यंत स्वाभिमानी थे तथा स्वतंत्रता आंदोलन से भी निरंतर जुड़े रहे।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए : 2 × 4 = 8

(क) 'माता का अँचल' पाठ में बच्चे का अपने पिता से अधिक लगाव है, किंतु विपदा के समय वह पिता के पास न जाकर माँ की शरण में ही जाता है। इसका कारण स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— बच्चे का अपने पिता से अधिक जुड़ाव था, फिर भी विपदा के समय वह पिता के पास न जाकर माँ की शरण लेता है। बच्चे अपने माता-पिता दोनों से स्नेह और प्रेम करते हैं। जब उन्हें अत्यधिक असुरक्षा की भावना घेर लेती है तो वे अपनी माँ से सहारे और सांत्वना की उम्मीद करते हैं। बच्चे का पिता से जुड़ाव बाहरी दुनिया से संबंधित अधिक होता है। पिता के साथ बाहर जाना, मनचाही वस्तुएँ खरीदना और दुनिया के बारे में सीखने की अधिक उत्सुकता बच्चे को जोड़ती है। कोमलता, आत्मीयता, ममत्व की भावना होने के कारण माँ ममता की मूर्ति मानी जाती है। विपदा के समय बच्चे को आत्मीय सुख माँ की छाया में ही प्राप्त होता है। शायद इसीलिए भोलानाथ विपदा के समय अपने पिता को छोड़कर माँ की शरण में जाता है।

(ख) 'साना-साना हाथ जोड़ि...' पाठ में कहा गया है कि कटाओ पर किसी दुकान का न होना वरदान है। ऐसा क्यों ? भारत अन्य प्राकृतिक स्थानों को वरदान बनाने में नवयुवकों की क्या भूमिका हो सकती है ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— किसी भी क्षेत्र विशेष में दुकानें होने से व्यापारिक गतिविधियाँ बढ़ जाती हैं। जिसके कारण ज़्यादा लोगों का आना जाना शुरू हो जाता है। जहाँ जाने आने की सुविधा बढ़ जाती है और वहाँ सुख-सुविधा की तमाम दुकानें भी उपलब्ध हो जाती हैं। इससे प्राकृतिक सौंदर्य नष्ट होता है। इससे पर्यावरण भी प्रदूषित होता है। इसलिए कटाओ में दुकान का न होना एक वरदान ही है। सुख-सुविधाओं के अभाव में वहाँ लोगों की भीड़ न होने से प्रकृति को कोई खतरा नहीं होगा। इस तरह वहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य हमेशा अपने यथार्थ रूप में कायम रहेगा।

(ग) हिरोशिमा पर लिखी कविता लेखक के अंत: व बाह्य दोनों दबाव का परिणाम है, यह आप कैसे कह सकते हैं ?

उत्तर— लेखक जब एक बार जापान घूमने गया तो उसने हिरोशिमा के अस्पताल में जाकर अनेक ऐसे घायल लोगों को देखा, जो हिरोशिमा पर गिराए गए अणु-बम का शिकार हुए थे। वहीं एक दिन जापान की सड़क पर घूमते हुए उसने झुलसे हुए पत्थर पर एक मानव की छाया भी देखी, जो अणु-बम से भाप बन गया था। यह देखकर उसका हृदय व्यथित हो उठा। उसने अनुमान लगा लिया कि वह घटना कितनी दुखद और व्यथापूर्ण रही होगी। इसी व्यथा ने उसे झकझोर कर रख दिया। उसका मन व्याकुल हो उठा और अपने इसी अंत: दबाव से मुक्ति पाने के लिए उसने भारत आकर हिरोशिमा पर कविता लिखी। इसके अतिरिक्त लेखक जैसे प्रसिद्ध व्यक्ति पर यह बाहरी दबाव भी था कि वह अपनी जापान-यात्रा से लौटकर कुछ लिखे। इस प्रकार कहा जा सकता है कि हिरोशिमा पर लिखी कविता लेखक के अंत: और बाह्य दोनों दबाव का ही परिणाम है।

खंड—घ

रचनात्मक लेखन

12. दिए गए बिंदुओं के आधार पर किसी *एक* विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 6

(क) आज की पुकार-संयुक्त परिवार

संकेत बिंदु— • युवा पीढ़ी को रिश्तों की पहचान • मिल-जुलकर रहने की भावना • बुज़ुर्गों की उपस्थिति व महत्ता • अकेलेपन से मुक्ति।

(ख) मुसीबत में ही मित्र की परख होती है

संकेत बिंदु— • प्रस्तावना • अच्छे मित्र की पहचान • मित्र के गुण • निष्कर्ष

(ग) स्मार्ट फ़ोन

संकेत बिंदु— • स्मार्ट फ़ोन की दुनिया• मोबाइल संपत्ति और विपत्ति दोनों रूप में • स्वास्थ्य पर पड़ता प्रभाव • उपसंहार।

उत्तर—(क) आज की पुकार-संयुक्त परिवार

संकेत बिंदु— • युवा पीढ़ी को रिश्तों की पहचान • मिल-जुलकर रहने की भावना • बुज़ुर्गों की उपस्थिति व महत्ता • अकेलेपन से मुक्ति।

हर व्यक्ति के जीवन में परिवार का विशेष महत्व होता है। संयुक्त परिवार एक अविभाजित परिवार होता है जिसमें दो या दो से अधिक पीढ़ियाँ एक साथ प्रेमपूर्वक रहती हैं, उसे संयुक्त परिवार कहते हैं। इन परिवारों में आत्मीयता व समर्पण की भावना होती है। बड़ी-से-बड़ी मुसीबत या परेशानी में भी संयुक्त परिवार अडिग रहता है किंतु आज की युवा पीढ़ी इन रिश्तों की अहमियत से दूर होती जा रही है। वे एकल परिवार को ही अपना परिवार समझते हैं। एकल/एकांकी परिवार में सारी ज़िम्मेदारी एक ही

सदस्य पर रहती है। जबकि संयुक्त परिवार में सब लोग आपस में मिल जुलकर ज़िम्मेदारियों को उठाते हैं। जिस प्रकार छायादार वृक्ष तपती गरमी में व्यक्ति को सुख-शांति प्रदान करता है, उसी प्रकार परिवार में बुजुर्गों की उपस्थिति परिवार को सुरक्षा का वातावरण प्रदान करता है। जहाँ एकल परिवार में व्यक्ति तनाव व अलगाव का शिकार हो जाता है और कई बार जीवन में आई कठिनाइयों को न झेल पाने के कारण जीवन से विमुख हो जाता है। वहीं दूसरी ओर संयुक्त परिवार हमें/व्यक्ति को अकेलेपन से मुक्ति दिलाता है। अत: आज व्यक्ति को संयुक्त परिवार की अत्यंत आवश्यकता है।

(ख) मुसीबत में ही मित्र की परख होती है

संकेत बिंदु— • प्रस्तावना • अच्छे मित्र की पहचान • मित्र के गुण • निष्कर्ष

प्रत्येक मनुष्य को जीवन में एक ऐसे संगी, साथी की आवश्यकता होती है जिससे वह अपने दु:ख-सुख बाँट सके। मित्र न केवल जीवन में सरसता लाता है अपितु भावनात्मक रूप से भी सहायक होता है। आज की स्वार्थी दुनिया में वे लोग सचमुच भाग्यशाली हैं जिन्हें सच्चे मित्र मिल जाते हैं। बहुत से लोग पहनावे, हँसी-मजाक के ढंग और अन्य किसी आकर्षण के कारण मिलना, बोलना शुरू कर देते हैं परंतु यह आवश्यक नहीं कि वे हमारे सच्चे मित्र हों। अत: हमारी जान-पहचान और बोलचाल तो बहुत से लोगों से होती है। परंतु मित्र तो मुसीबत के समय में ही पहचाने जाते हैं। मित्र वही होता है जो न केवल संकट के समय काम आए अपितु हमारा मनोबल भी बढ़ाए। मित्र वही है जो हमें कुमार्ग पर जाने से रोकता है और सद्गुणों का विकास करता है। मित्र हमारा हितैषी होता है और सहायक भी।

साथ में उठने-बैठने और खाने-पीने से बहुत-से लोगों के साथ घनिष्ठ संबंध बन जाते हैं परतु वे सभी मित्र नहीं होते। मित्र तो दीर्घकाल के अनुभव से ही बनता है। दु:ख और कठिनाई के समय जो साथ दे वही मित्र है। मित्र की पहचान इस बात से भी होती है कि वह हमारा कितना हितचिंतक है। जो गलत सलाह दे, गलत रास्ते पर ले जाए या गलती करने पर रोके नहीं वह तो मित्र हो ही नहीं सकता। ऐसा व्यक्ति केवल स्वार्थ-सिद्धि के लिए साथ रहता है और कठिन समय आने पर पीठ दिखा देता है। किसी ने सच ही कहा है।

विपत्ति कसौटी जे कसे ते ही साँचे मीत।

(ग) स्मार्ट फ़ोन

संकेत बिंदु— • स्मार्ट फ़ोन की दुनिया• मोबाइल संपत्ति और विपत्ति दोनों रूप में • स्वास्थ्य पर पड़ता प्रभाव • उपसंहार।

आज की भागदौड़ भरी दुनिया में स्मार्ट फ़ोन अपना अलग स्थान बना चुका है। दिन भर के छोटे-मोटे कार्य स्मार्ट फ़ोन की सहायता से सहज ही पूरे हो जाते हैं। ऐसे में हर मनुष्य को यह अपना परम मित्र लगता है। इसके बिना एक अधूरापन-सा लगने लगता है। किसान वर्ग हो या प्रतिष्ठित, व्यापारी, ऑफ़िस का बाबू हो या कोई क्लर्क, वैज्ञानिक हो या कलाकार ये सभी के हाथों की शान बन गया है। आज स्मार्ट फ़ोन की दुनिया बहुत व्यापक हो गई है। हर क्षेत्र की हर जानकारी यह सामने लाकर रख सकता है।

मोबाइल या स्मार्ट फ़ोन जहाँ व्यक्ति को राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय जगत की सभी ज्ञानवर्धक जानकारियों से जोड़ता है, वहीं बहुत-से गुमराह करने वाले ऐप्स के जाल में भी फँस जाते हैं। कई बार अवांछित गतिविधियों के कारण लोग परेशानियों में पड़ जाते हैं। ये उन्हें कई बार आपराधिक मामलों में फँसा देता है। इस प्रकार बहुमूल्य माने जाने वाला फ़ोन एक विपत्ति भी बन जाता है। युवावर्ग अपनी शान दिखाने के लिए एक-से-एक नया मॉडल खरीदने की होड़ में रहता है। इससे माता-पिता भी परेशान होकर अनावश्यक व्यय के बोझ से दबे रहते हैं।

स्मार्ट फ़ोन ने दुनिया को बहुत छोटा बना दिया है। चैट, मैसेज और वीडियो कॉल से दूर स्थित मित्रों से सहज ही बात हो जाती है परंतु इस सुविधा का मूल्य मनुष्य अपनी सेहत से चुका रहा है। शायद इस बात का अंदाज़ा उसे स्वयं नहीं होता कि वह दिन का अधिकतम समय मोबाइल के साथ बिताता है। इससे निकलने वाली हानिकारक तरंगे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। इसके लगातार प्रयोग से आँखों और गरदन की समस्याएँ होने लगती हैं। आज आवश्यकता है—सचेत होने की और स्मार्ट फ़ोन जितना स्मार्ट बनने की ताकि स्वयं को सुरक्षित रखकर इसका प्रयोग किया जा सके।

13. अपने क्षेत्र के विधायक को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर अपने गाँव में एक बालिका-विद्यालय की स्थापना के लिए अनुरोध कीजिए। 5

प्रेषक :
टी० आर० शर्मा
202, 'ब' ब्लॉक
क० ख० ग० गाँव
दिनांक : 5 मार्च, 20XX
सेवा में,
मुख्य विधायक
क० ख० ग० गाँव
अ० ब० स० ज़िला

विषय— बालिका-विद्यालय की स्थापना के लिए अनुरोध

महोदय,

नम्र निवेदन है कि मैं आपके क्षेत्र के क० ख० ग० गाँव का निवासी हूँ। मैं अपनी बेटी और अपने गाँव वासियों की बेटियों के लिए हमारे अपने गाँव में एक बालिका-विद्यालय की स्थापना के लिए अनुरोध करती हूँ। अधिकतर हमारे गाँववासियों का अपनी बेटियों को विद्यालय न भेजने का मुख्य कारण गाँव में बालिका-विद्यालय का न होना ही है। गाँववासी अपनी बेटियों को दूसरे गाँव या दूर शहर पढ़ने के लिए नहीं भेजना चाहते। अत: आपसे अनुरोध है कि आप हमारे गाँव में एक बालिका-विद्यालय स्थापित कर हमें कृतार्थ करें।

धन्यवाद।

भवदीय
टी० आर० शर्मा।

अथवा

आपका एक मित्र शिमला में रहता है। आप उसके आमंत्रण पर ग्रीष्मावकाश में वहाँ गए थे और प्राकृतिक सौंदर्य का खूब आनंद उठाया था। घर वापस लौटने पर कृतज्ञता करते हुए मित्र को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

उत्तर— परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांक : 21 मार्च 20XX

प्रिय मित्र

सप्रेम नमस्ते। मैं कुशलपूर्वक तुम्हारे घर शिमला से दिल्ली रात नौ बजे पहुँच गया। मैंने तुम्हारे साथ गत सप्ताह जो गरमी की छुट्टियाँ बिताई उसका स्मरण आजीवन रहेगा।

रोज़ शाम पाँच बजे मॉल रोड पर घूमना। वहाँ की ठंडी-ठंडी हवाओं का आनंद मेरे हृदय पर अमिट छाप छोड़ गया। वहाँ के टेढ़े-मेढ़े पहाड़ी रास्ते, पहाड़, हरियाली देख वापस दिल्ली आने का मन नहीं कर रहा था। वहाँ के रमणीक स्थल, प्राकृतिक सुंदरता का आनंद मात्र तुम्हारे साथ ही उठा पाया।

मैं हृदय से आभारी हूँ उन सुखद दिनों का जो मैंने तुम्हारे साथ प्रदूषण रहित शिमला में बिताए। रात में स्वच्छ, तारों से भरा आसमान, घंटों तक रात-रात भर तुम्हारे साथ बातें करना, मन कर रहा है उड़कर वापिस तुम्हारे पास आ जाऊँ।

सरदी की छुट्टियों में तुम भी दिल्ली आना। तुम्हारी मधुर स्मृतियों के साथ।

तुम्हारा मित्र

क० ख० ग०

14. आगामी नवरात्रि से पूर्व आप 'गरबा प्रशिक्षण कार्यशाला' प्रारंभ करने जा रहे हैं। इससे संबंधित समय, स्थान, शुल्क आदि की जानकारी देते हुए एक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में लिखिए। **4**

अथवा

प्रदेशवासियों को होली पर्व पर 40 शब्दों में शुभकामना संदेश लिखिए।

बधाई संदेश

6 मार्च, 20XX

नई दिल्ली

प्रिय मित्रवर

गुलाल का रंग, गुब्बारों की मार
सूरज की किरणें, खुशियों की बहार
चाँद की चाँदनी, अपनों का प्यार
मुबारक हो आपको रंगों का त्योहार

आपको और आपके परिवार को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ।

15. आप गौरव प्रकाश हैं। आप बी०लिब० कर चुके हैं। आप क०ख०ग० पब्लिक स्कूल चंडीगढ़ में लाइब्रेरियन पढ़ने के लिए आवेदन करना चाहते हैं। इसके लिए आप अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त (बायोडाटा) लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए। **5**

उत्तर—सेवा में

क० ख० ग० पब्लिक स्कूल

चंडीगढ़

विषय—लाइब्रेरियन के पद के लिए आवेदन हेतु

महोदय/महोदया

मैंने 'पंजाब केसरी' समाचार पत्र में आपका विज्ञापन पढ़ा जिसमें दर्शाया गया है कि आपको अपने प्रतिष्ठित विद्यालय के पुस्तकालय की देख रेख-करने के लिए एक योग्य एवं अनुभवी लाइब्रेरियन की आवश्यकता है। मैं उपर्युक्त पद के योग्य हूँ और आपके प्रतिष्ठित विद्यालय में कार्य करना चाहता हूँ। मेरा संक्षिप्त स्ववृत्त निम्नलिखित है—

आवेदित पद का नाम	—	लाइब्रेरियन
नाम	—	गौरव प्रकाश
पिता का नाम	—	अर्जुन सिंह
माता का नाम	—	सविता देवी
जन्मतिथि	—	01-01-1998
राष्ट्रीयता	—	भारतीय
वैवाहिक स्थिति	—	अविवाहित
संपर्क सूत्र	—	98XXX9999X
पता	—	क० ख० ग० कॉलोनी चंडीगढ़
ज्ञात भाषाएँ	—	हिंदी, अंग्रेज़ी, पंजाबी

शैक्षणिक योग्यताएँ—

क्रम सं०	परीक्षा का नाम	उत्तीर्ण वर्ष	उत्तीर्ण श्रेणी	संस्थान/विश्वविद्यालय
1.	बी० लिब०	2020	प्रथम	पंजाब विश्वविद्यालय
2.	सीनियर सेकेंडरी	2017	प्रथम	पंजाब स्कूल चंडीगढ़
3.	हायर सेकेंडरी	2015	प्रथम	पंजाब स्कूल चंडीगढ़

अन्य योग्यताएँ—कंप्यूटर प्रशिक्षण

अनुभव—

दो वर्ष का लाइब्रेरियन के पद पर कार्य करने का अनुभव आपसे अनुरोध है कि उपर्युक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए आवेदन पत्र पर सकारात्मक विचार करते हुए मुझे लाइब्रेरियन के पद पर नियुक्त करें।

भवदीय

स्थान—

दिनांक—

हस्ताक्षर—

अथवा

आप नव्या शुक्ला है। आपकी वार्षिक परीक्षा शुरू होने वाली है। आपके मुहल्ले में दिन में कई बार बिजली चली जाती है, जिससे अध्ययन कार्य में बाधा आती है। पावर सुचारु रूप से उपलब्ध कराने के लिए पावर सप्लाई विभाग के मुख्य अधिकारी को ई-मेल 80 शब्दों में लिखकर शिकायत कीजिए।

उत्तर—

To : p & c@gamil.com
CC : upperoffice@gmail.com
BCC : < .....>
Subject : अनियमित विद्युत आपूर्ति के सुधार हेतु
महोदय
मेरा नाम नव्या शुकला है। मैं राजेंद्र नगर की निवासी हूँ। पिछले कई दिनों से मेरे मुहल्ले में लगातार विद्युत आपूर्ति अव्यवस्थित चल रही है। इस समय हमारी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा भी चल रही है। मुहल्ले के सभी लोग ध्यान आकर्षित कर समस्या का निदान करें। अति कृपा होगी।
सधन्यवाद
नव्या शुक्ला

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

Holy Faith New Style Sample Paper–10

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं
विषय—हिंदी (अ)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश— इसके लिए Holy Faith New Style Sample Paper—1 देखें।

खंड—क

(बहुविकल्पी/लघूत्तरात्मक, अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए : (3 × 1 + 2 × 2) 3 + 4 = 7

जीवन का कोई भी रास्ता सफल अथवा निर्बाध नहीं होता। कामयाबी के हर रास्ते में कई मुश्किलों का आना तय है। हर बड़ी सफलता के पीछे अनेक छोटी-छोटी असफलताएँ छिपी रहती हैं। किसी बड़े पत्थर के टुकड़े करने के लिए हमें उस पर असंख्य प्रहार करने पड़ते हैं। अंत में ऐसा प्रहार होता है कि वह पत्थर को दो टुकड़ों में बाँट देता है। लेकिन क्या अंतिम प्रहार से पहले किए गए सारे प्रहार निरर्थक थे ? नहीं। ऊपर से बेशक पहले का हर प्रहार निरर्थक लगता हो लेकिन हर प्रहार पूरी तरह सार्थक था क्योंकि उन प्रहारों में ही अंतिम प्रहार की सफलता छिपी हुई थी। हर चोट ने निरंतर उस पत्थर को टूटने के अधिकाधिक निकट ला दिया था। वास्तव में थोड़ी-बहुत असफलताओं के बिना सफलता संभव ही नहीं।

व्यक्ति अपनी सफलताओं की बजाय असफलताओं से सीखता है। हर असफलता से उसे पुनर्मूल्यांकन का अवसर मिलता है। सफलता के बाद हम कभी अपना पुनर्मूल्यांकन नहीं करते। समस्या आए बगैर हम रास्ता नहीं खोजते। समस्याएँ ही हमें उपाय खोजने के लिए प्रेरित करती हैं, हमें चिंतनशील बनाती हैं। हममें धैर्य का विकास करती हैं। ठोकर खाने के बाद ही हम अपनी असफलता का कारण जानने का प्रयास करते हैं। उसके बाद ही नए सिरे से आगे बढ़ने के लिए अपनी क्षमता का विकास करते हैं। जीवन की हर असफलता किसी बड़ी सफलता का आधार बनती है।

(i) पत्थर पर पड़ने वाले असंख्य प्रहार सिद्ध करते हैं कि— **1**

(क) छोटी-छोटी असफलताओं को जीतकर ही बड़ी सफलता मिलती है।
(ख) बड़ा पत्थर लगातार छोटे प्रहारों से ही टूटता है।
(ग) उनमें ही अंतिम प्रहार की सफलता छिपी है।
(घ) पत्थर बड़े प्रहार से नहीं टूट सकता।

उत्तर— (क) छोटी-छोटी असफलताओं को जीतकर ही बड़ी सफलता मिलती है।

(ii) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है— **1**

(क) सफलता का मार्ग
(ख) सफलता और असफलता
(ग) असफलता से प्रेरणा
(घ) असफलता सफलता का आधार।

उत्तर— (घ) असफलता सफलता का आधार।

(iii) कथन **(A)** और कारण **(R)** को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए— **1**

कथन (A) : व्यक्ति अपनी असफलता से सीखता है।
कारण (R) : असफलता से उसे पुनर्मूल्यांकन का अवसर मिलता है।

(क) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

उत्तर— (घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iv) 'व्यक्ति सफलताओं के बजाय असफलताओं से अधिक सीखता है।' ऐसा क्यों कहा जाता है ? **2**

उत्तर— व्यक्ति सफलताओं के बजाए असफलताओं से अधिक सीखता है ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि हर असफलता से उसे पुनर्मूल्यांकन का अवसर मिलता है।

(v) बड़ी सफलता के पीछे असफलताएँ छिपी रहती हैं—कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। **2**

उत्तर— बड़ी सफलता के पीछे असफलताएँ छिपी रहती हैं का आशय है कि हर कामयाबी के मार्ग में मुश्किलों का आना तय है तथा ये असफलताएँ ही व्यक्ति को चिंतनशील बनाकर उनकी क्षमता का विकास करती हैं।

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए : 5 × 1 = 5

जो रुकावट डालकर होवे कोई पर्वत खड़ा,
तो उसे देते हैं अपनी युक्तियों से वे उड़ा।
बीच में पकड़कर जलधि जो काम देवे गड़बड़ा,
तो बना देंगे उसे वे क्षुद्र पानी का घड़ा।
वन खँगालेंगे, करेंगे व्योम में बाजीगरी,
कुछ अजब धुन काम के करने की हैं उनमें भरी।
सब तरह से आज जितने देश हैं फूले-फले,
बुद्धि, विद्या, धन, विभव के हैं जहाँ डेरे डले।
वे बनाने से उन्हीं के बन गए इतने भले,
वे सभी हैं हाथ से ऐसे सपूतों के पले।
लोग जब ऐसे समय पाकर जनम लेंगे कभी,
देश की और जाति की होगी भलाई भी तभी।

(*i*) इन काव्य-पंक्तियों में कवि ने किसकी ओर संकेत किया है ? **1**

(क) कर्महीन लोगों की ओर
(ख) कर्मनिष्ठ तथा निडर लोगों की ओर
(ग) डरपोक तथा कायर लोगों की ओर
(घ) आलसी तथा अकर्मण्य लोगों की ओर।

उत्तर—(ख) कर्मनिष्ठ तथा निडर लोगों की ओर

(*ii*) धुन के पक्के लोगों से देश पर क्या प्रभाव पड़ा ? **1**

(क) देश की हानि हुई।
(ख) देश की प्रगति हुई।
(ग) देश पिछड़ गया।
(घ) देश की प्रगति रुक गई।

उत्तर—(ख) देश की प्रगति हुई।

(*iii*) इस काव्यांश का उचित शीर्षक है— **1**

(क) अकर्मण्य और आलसी लोग
(ख) कर्महीन देशवासी
(ग) परिश्रमी देशभक्त
(घ) युवा पीढ़ी

उत्तर—(ग) परिश्रमी देशभक्त

(*iv*) परिश्रमी व्यक्ति क्या करते हैं? **2**

उत्तर—परिश्रमी व्यक्ति अपनी बुद्धि के प्रयोग से पर्वत रूपी रुकावटों को दूर करते हैं तथा अपनी विद्या और धन के उचित प्रयोग से देश को प्रगति के मार्ग पर अग्रसर करते हैं।

(*v*) देश और जाति की भलाई कब संभव होगी ? **2**

उत्तर—देश और जाति की भलाई तभी संभव होगी जब कर्मठ और उत्साही लोगों का जन्म होगा।

खंड—ख

3. 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :
4 × 1 = 4

(क) जो भाषण मैंने सभा में दिया, वह अख़बारों में छप गया।
(सरल वाक्य में बदलिए)

(ख) चश्मेवाले का नाम कैप्टन है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ग) रचना के आधार पर वाक्य-भेदों के नाम लिखिए।

(घ) शिक्षक ने कहा कि सबको अपना काम करना है।
(सरल वाक्य में बदलिए)

(ङ) कॉलम-1 को कॉलम-2 के साथ सुमेलित करके लिखिए—

कॉलम-1	कॉलम-2
(1) मज़दूर खूब मेहनत करता है परंतु उसे लाभ नहीं मिलता है।	(*i*) मिश्र वाक्य
(2) जो बिना भेदभाव सभी के कल्याण हेतु जीवन उत्सर्ग कर देता है वही सच्चा नेता होता है।	(*ii*) सरल वाक्य
(3) खाँ साहब ने शहनाई को हमेशा इबादत की तरह बजाया।	(*iii*) मिश्र वाक्य

उत्तर—(क) सभा में दिया गया मेरा भाषण अखबारों में छप गया।

(ख) जो चश्मे वाला है उसका नाम कैप्टन है।

(ग) रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद हैं—(*i*) सरल वाक्य (*ii*) संयुक्त वाक्य (*iii*) मिश्र वाक्य।

(घ) शिक्षक ने सबको अपना काम करने के लिए कहा।

(ङ) मिश्र वाक्य-(1), मिश्र वाक्य-(2), सरल वाक्य -(3)

4. 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 4 × 1 = 4

(क) कॉलम-1 को कॉलम-2 के साथ सुमेलित करके लिखिए-

कॉलम-1	कॉलम-2
(1) शीला से गाया नहीं जाता।	(*i*) कर्मवाच्य
(2) हरीश द्वारा पत्र पढ़ा गया।	(*ii*) कर्तृवाच्य
(3) देवेंद्र ने पुस्तक पढ़ी।	(*iii*) भाववाच्य

(ख) ईशा से सोया नहीं जाता। (वाच्य-भेद बताइए)

(ग) 'मुझसे पत्र नहीं लिखा गया।' (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(घ) सुशीला ने योग्यता प्राप्त की। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ङ) भाववाच्य किसे कहते हैं?

उत्तर—(क) (1)—भाववाच्य, (2)—कर्मवाच्य, (3)—कर्तृवाच्य

(ख) भाववाच्य

(ग) मैंने पत्र नहीं लिखा।

(घ) सुशीला द्वारा योग्यता प्राप्त की गई।

(ङ) जहाँ क्रिया का मुख्य विषय कर्ता या कर्म से भिन्न होता है, उसे भाववाच्य कहते हैं।

5. 'पद-परिचय' पर आधारित निम्नलिखित वाक्यों के *पाँच* रेखांकित पदों में से किन्हीं *चार* के पद-परिचय लिखिए—
4 × 1 = 4

(क) भारतीय वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-3 का सफल प्रक्षेपण किया।

(ख) मेरी बात सुनकर वह बहुत हँसा।

(ग) मैं दसवीं कक्षा में पढ़ता हूँ।

(घ) सूरदास वात्सल्य रस के श्रेष्ठ कवि थे।

(ङ) मैं कल बीमार था इसलिए नहीं आ सका।

उत्तर—(क) भारतीय वैज्ञानिकों —जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक।

(ख) बहुत—परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'बहुत हँसा' क्रिया की मात्रा का बोध करा रहा है।

(ग) दसवीं—संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन।

(घ) कवि—संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग।

(ङ) मैं—पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुषवाचक, पुल्लिंग, एकवचन।

6. अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4 × 1 = 4

(क) ''पदमावती सब सखी बुलाई।
मनु फुलवारी सबै चलि आई।'' काव्य पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार बताइए।

(ख) ''राणा की पुतली फिरी नहीं, तब तक चेतक मुड़ जाता था'' पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार बताइए।

(ग) 'कलियाँ दरवाज़े खोल-खोल जब झुरमुट में मुसकाती हैं? काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार बताइए।

(घ) रूपक अलंकार की परिभाषा लिखिए।

(ङ) ''नील गगन-सा शांत हृदय था रो रहा''। काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार बताइए।

उत्तर—(क) उत्प्रेक्षा अलंकार

(ख) अतिशयोक्ति अलंकार

(ग) मानवीकरण अलंकार

(घ) रूपक अलंकार में उपमेय और उपमान के बीच कोई अंतर नहीं होता।

(ङ) उपमा अलंकार

खंड—ग

7. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5 × 1 = 5

मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया।
आलिंगन में आते-आते मुसक्या कर जो भाग गया।
जिसके अरुण-कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में।
अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में।
उसकी स्मृति पाथेय बनी है थके पथिक की पंथा की।
सीवन को उधेड़ कर देखोगे क्यों मेरी कंथा की?

(1) कवि कैसा स्वप्न देखकर जाग गया?
(क) डरावना (ख) दुःखद
(ग) सुखद
(घ) जिस स्वप्न की उसे प्राप्ति ही नहीं हुई।

(2) कवि 'सीवन को उधेड़ कर देखना' किसे कह रहा है?
(क) अपनी आत्मकथा लिखने को
(ख) फटे पुराने कपड़े सिलने को
(ग) यातनाएँ देने को
(घ) उपर्युक्त सभी

(3) काव्यांश में थका पथिक कौन है?
(क) पाठक (ख) श्रोता
(ग) कवि (स्वयं) (घ) सखा

(4) उपर्युक्त काव्यांश किस कविता से लिया गया है?
(क) छाया मत छूना (ख) उत्साह
(ग) आत्महत्या (घ) आत्मकथ्य

(5) कवि ने भोर को कैसा माना है ?
(क) प्रेम और लाली से युक्त (ख) सुखद
(ग) सुहावना (घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर—1. (घ), **2.** (क), **3.** (ग), **4.** (घ), **5.** (घ)

8. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

5 × 1 = 5

बार-बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर-गृहस्थी जवानी ज़िंदगी सब कुछ होम देने वालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढ़ती है। दुखी हो गए। पंद्रह दिन बाद फिर उसी कस्बे से गुज़रे। कस्बे में घुसने से पहले ही ख़्याल आया कि कस्बे की हृदयस्थली में सुभाष की प्रतिमा अवश्य ही प्रतिष्ठापित होगी, लेकिन सुभाष की आँखों पर चश्मा नहीं होगा।...क्योंकि मास्टर बनना भूल गया।...और कैप्टन मर गया। सोचा, आज यहाँ रुकेगे नहीं, पान भी नहीं खाएँगे, मूर्ति की तरफ देखेंगे भी नहीं, सीधे निकल जाएँगे। ड्राइवर से कह दिया, चौराहे पर रुकना नहीं, आज बहुत काम है, पान आगे कहीं खा लेंगे।

लेकिन आदत से मजबूर आँखें चौराहा आते ही मूर्ति की तरफ़ उठ गईं। कुछ ऐसा देखा कि चीखे, रोको! जीप स्पीड में थी, ड्राइवर ने ज़ोर से ब्रेक मारे। रास्ता चलते लोग देखने लगे। जीप रुकते-रुकते हालदार साहब जीप से कूदकर तेज़-तेज़ कदमों से मूर्ति की तरफ़ लपके और उसके ठीक सामने जाकर अटेंशन में खड़े हो गए।

(1) नेताजी की प्रतिमा कहाँ लगी हुई थी ?
(क) कस्बे की हृदयस्थली में
(ख) कस्बे के बाहर
(ग) कस्बे के मुख्य द्वार पर
(घ) कस्बे के मुख्य मोड़ पर

(2) हालदार साहब बार-बार सोचते, क्या होगा इस कौम का जो—
(क) प्रतिमा पर चश्मा लगाना भूल जाती है।
(ख) नेताओं की प्रतिमा जगह-जगह लगाती है।
(ग) देशवासियों को ही प्रताड़ित करती है।
(घ) देशभक्तों पर हँसती है।

(3) हालदार साहब कितने दिनों बाद कस्बे से गुज़रे ?
(क) दस दिन (ख) पंद्रह दिन
(ग) एक महीना (घ) बीस दिन

(4) कस्बे से गुज़रते समय हालदार साहब ने क्या सोचा ?
(क) आज पान नहीं खाएँगे।
(ख) चौराहे पर नहीं रुकेंगे।
(ग) नेता जी की प्रतिमा की ओर नहीं देखेंगे।
(घ) उपर्युक्त सभी।

(5) कथन (1) : नेताजी की आँखों पर चश्मा न होने की बात खटकती थी।
कथन (2) : नेताजी की मूर्ति संगमरमर की थी।
कथन (3) : मूर्ति की भावना का नहीं बल्कि रंग-रूप का महत्व था।
उपर्युक्त कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए—
(क) कथन (1) और कथन (2) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (1) गलत है किंतु कथन (2) सही है।
(ग) कथन (1) सही है और कथन (2) उसकी सही व्याख्या है।
(घ) कथन (1) सही है किंतु कथन (2) उसकी गलत व्याख्या है।

उत्तर—1. (क), **2.** (घ), **3.** (ख), **4.** (घ), **5.** (ग)

9. पद्य पाठों के आधार पर अग्रलिखित *चार* प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए :

3 × 2 = 6

HOLY FAITH INTERNATIONAL

(क) कवि नागार्जुन ने छोटे बच्चे की मुसकान देखकर क्या कल्पना की ?

(ख) लक्ष्मण ने धनुष टूटने के किन कारणों की संभावना व्यक्त करते हुए राम को निर्दोष बताया ?

(ग) फागुन में ऐसा क्या है जो अन्य ऋतुओं में नहीं होता?

(घ) 'संगतकार' कविता का क्या उद्देश्य है ?

उत्तर—बच्चे की दंतुरित अर्थात छोटे-छोटे, नए-नए दाँत लिए मुसकान कवि के हृदय पटल पर अमिट प्रभाव डालती है। वह मंत्रमुग्ध-सा बच्चे की मुसकान को देखता रह जाता है। मृतक के शरीर में भी यह मुसकान जान डाल सकती है, दंतुरित मुसकान देख कठोर-से-कठोर हृदय भी पिघल जाए। कवि के अनुसार कमल का फूल तालाब छोड़कर उनकी झोंपड़ी में खिल गया है अर्थात छोटे बालक के आ जाने से उनकी झोंपड़ी में आनंद और प्रसन्नता छा गई है।

(ख) परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने कहा कि बचपन में हमने कितने ही धनुष तोड़े, परंतु आपने उन पर कभी क्रोध नहीं किया। इस विशेष धनुष से आपकी क्या ममता है। हमारी नज़र में तो सब धनुष एक समान होते हैं, फिर इस धनुष पर इतना हो-हल्ला क्यों है। इस पुराने धनुष को तोड़ने से हमें कोई लाभ या हानि नहीं होने वाली थी। भइया राम ने तो इस धनुष को छुआ ही था, यह अपने आप ही टूट गया, इसमें भइया राम का कोई दोष नहीं है।

(ग) फागुन माह रोमांच से भरा होता है। वसंत का आना मन को तरंगित कर खुशी से भर देता है। अन्य किसी ऋतु में पेड़ों पर इतनी कोंपलें, पुष्प और पत्ते नहीं होते, जितने फागुन के महीने में होते हैं। इस माह में सबसे अधिक फूल खिलते और महकते हैं। हवा में ठंडक और खुशबू फागुन को अन्य ऋतुओं का ऋतुराज बनाती है।

(घ) 'संगतकार' कविता का मुख्य उद्देश्य, मुख्य गायक का साथ देने वाले संगतकार अथवा गायक के सहयोगी की भूमिका के महत्व पर प्रकाश डालना है। इस कविता के माध्यम से कवि ने संवेदनशीलता विकसित करने का प्रयास किया है कि गायक की सफलता में सहायक प्रत्येक व्यक्ति का अपना विशेष योगदान है। उनके बिना गायक सफलता की सीढ़ियाँ नहीं चढ़ सकता। संगतकारों की विनम्रता उनकी मानवता का परिचायक है। इसे हमें उनकी कमज़ोरी नहीं, बल्कि उनका समर्पण और त्याग समझना चाहिए।

10. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए : **2 × 3 = 6**

(क) सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग 'कैप्टन' क्यों कहते थे ?

उत्तर—कस्बे के लोग एक चश्मे बेचने वाले को कैप्टन कहकर पुकारते थे। वह कोई सेनानी नहीं था, लेकिन उसके अंदर देशभक्ति की भावना और नेताजी के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान का भाव था। नेताजी की बिना चश्मेवाली मूर्ति उसे आहत करती थी, इसलिए वह उनकी मूर्ति पर असली का चश्मा लगा दिया करता था। नेताजी के प्रति उसके सम्मान को देखकर लोग उसे 'कैप्टन' कहते थे।

(ख) बिना विचार, घटना और पात्रों के भी क्या कहानी लिखी जा सकती है ? यशपाल के इस विचार से आप कहाँ तक सहमत हैं ?

उत्तर—किसी भी कहानी को लिखने के लिए उसमें, कहानी, पात्र, संवाद, वातावरण और उद्देश्य की आवश्यकता होती है। पात्रों के संवाद से ही कहानी आगे बढ़ती है। जिसके कारण पाठक के मन में सदैव उत्सुकता बनी रहती है कि कहानी में आगे क्या घटित होने वाला है। घटना तथा विचार के बिना तो कहानी लिखना संभव ही नहीं। हम लेखक के इस विचार से सहमत नहीं है कि बिना विचार, घटना और पात्रों के भी कहानी लिखी जा सकती हैं। अत: बिना विचार, घटना और पात्रों के कहानी नहीं लिखी जा सकती। लेखक (यशपाल जी) ने ऐसा व्यंग्य में कहा है। व्यंग्य में बात का उलटा अर्थ निकलता है। किसी भी कहानी में विचारों, पात्रों और घटना का विशेष महत्व होता है।

(ग) बालगोबिन भगत गृहस्थ थे और सब चीज़ 'साहब' की मानते थे। वे दोनों बातों का पालन कैसे करते थे ?

उत्तर—खेती-बारी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत वेशभूषा से साधु नहीं लगते थे परंतु उनका व्यवहार साधु जैसा था। वे कबीर के भगत थे। कबीर के ही गीत गाते थे। उनके बताए मार्ग पर चलते थे। वे कभी भी झूठ नहीं बोलते थे। वे कभी भी किसी से निरर्थक बातों के लिए नहीं लड़ते थे परंतु ग़लत बातों का विरोध करने में संकोच नहीं करते थे। वे कभी भी किसी की चीज़ को नहीं छूते थे और न ही व्यवहार में लाते थे। उनकी सब चीज़ साहब (कबीर) की थी। उनके खेत में जो पैदावार होती थी उसे लेकर कबीर के मठ पर जाते थे। वहाँ से उन्हें जो प्रसाद के रूप में मिलता था उसी में अपने परिवार का निर्वाह करते थे। बालगोबिन भगत अपनी इन्हीं चारित्रिक विशेषताओं के कारण गृहस्थ होते हुए कबीर के पथ पर चलते रहे।

(घ) 'नवाब साहब खीरा खाने की तैयारी और इस्तेमाल से थककर लेट गए।' इस पंक्ति में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—लखनवी नवाब सदा से ही एक विशेष प्रकार की नफ़ासत, नज़ाकत और खानदानी तहज़ीब के लिए प्रसिद्ध हैं। 'लखनवी अंदाज़' पाठ में लेखक ने नवाब साहब की खानदानी तहज़ीब, नफ़ासत और नज़ाकत पर व्यंग्य किया है। नवाबों के हर क्रिया-कलाप में नवाबी नज़ाकत दिखाई देती है। खीरे को धोना, पोंछना, ध्यान से छीलकर काटना, तौलिए पर सजाना उनकी नफ़ासत के उदाहरण हैं। खीरे को बिना खाए सूँघकर खिड़की से बाहर फेंकना और फिर थक कर लेट जाना। इन सब क्रियाओं द्वारा नवाब यह प्रदर्शित करना चाहते हैं कि खीरा खाने का नवाबी तरीका आसान नहीं होता। यह बहुत मेहनत का काम है।

11. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए : **4 × 2 = 8**

(क) 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर बताइए कि तत्कालीन व वर्तमान समय में बच्चों की खेल-सामग्रियों में क्या परिवर्तन आए हैं ? बच्चों के खेलों में हुए परिवर्तनों का उनके मूल्यों पर कितना प्रभाव पड़ा है ?

उत्तर—प्रस्तुत पाठ में बच्चों की जो दुनिया रची गई है वह वर्तमान के बच्चों के बचपन की दुनिया से पूर्णत: भिन्न हैं। वर्तमान काल में परस्पर स्नेह भाव, दोस्ती, विचारों के आदान-प्रदान आदि की कमी है। आज मित्र-मंडली जैसा शब्द भी खो गया सा लगता है जिसमें परस्पर प्रेमभाव से भरकर, मस्ती में चूर होकर कहीं बाहर खेलने जाएं। फिर पहले की अपेक्षा आज की

दुनिया में प्राकृतिक खेलों का चलन कम हो गया है और कृत्रिम खेल और सामग्री का चलन बढ़ा है। आज की दुनिया कृत्रिम उपादानों से घिरी हुई है। उसमें स्वाभाविकता छिप गई है। तमाशे करना, नाटक खेलना, मिट्टी का घर बनाना, चिड़ियों संग खेलना आदि प्राकृतिक खेल तथा सामग्री अब कहीं नहीं मिलती। आज की दुनिया कंप्यूटर, टी० वी० क्रिकेट आदि खेल तथा सामग्री में उलझ कर रह गई है।

(ख) 'मरदुए क्या जाने कि बच्चों को कैसे खिलाना चाहिए।' इस पंक्ति में निहित भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— प्रस्तुत पंक्ति के माध्यम से लेखक ने पुरुष समाज पर व्यंग्य किया है। यह सत्य है कि नारी की अपेक्षा पुरुष के अंदर वात्सल्य भावना बहुत कम होती है। एक बच्चे को जो लाड-प्यार माँ के रूप में नारी कर सकती है वैसा पिता के रूप में पुरुष नहीं कर सकता। पिता की अपेक्षा माँ बच्चों के मन को झांक कर देख लेती है। वह भावनात्मक रूप से बच्चों के साथ जुड़ी रहती है। इसलिए वह बच्चों की भावनाओं को शीघ्रता से समझ लेती है।

(ग) हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है। आपकी दृष्टि में विज्ञान का दुरुपयोग कहाँ-कहाँ और किस तरह हो रहा है ?

उत्तर— हिरोशिमा पर अणु-बम गिराए जाने की घटना ने संपूर्ण मानवता को हिलाकर रख दिया था। यह विज्ञान का निकृष्टतम प्रयोग था। आज विज्ञान का दुरुपयोग करके मानव विश्व का संहार करने में व्यस्त है। विज्ञान का दुरुपयोग करके परमाणु बम, एटम बम, हाइड्रोजन बम, मिसाइलें तथा अनेक ऐसे विनाशकारी अस्त्र-शस्त्र बनाए जा रहे हैं, जिनसे संसार क्षण भर में नष्ट हो सकता है। विज्ञान द्वारा अनेक विषैली गैसें तैयार की जा रही हैं। इन गैसों से किसी भी देश की जलवायु को विषाक्त करके लोगों को समाप्त किया जा सकता है। इसके साथ-साथ विज्ञान का दुरुपयोग लोगों को आलसी, निकम्मा, चरित्रहीन आदि बनाने में भी हो रहा है। विज्ञान के नए-नए प्रयोग मनुष्य को हिंसा और अनेक कुप्रवृत्तियों की ओर धकेल रहे हैं। विज्ञान के उपकरणों के अंधाधुध प्रयोग के कारण वातावरण में तेज़ी से बदलाव आ रहा है जिससे प्रदूषण का स्तर निरंतर बढ़ता जा रहा है।

खंड—घ

रचनात्मक लेखन

12. दिए गए बिंदुओं के आधार पर किसी *एक* विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 6

(क) परीक्षा से पहले मेरी मनोदशा

संकेत-बिंदु— • परीक्षा नाम से भय • परीक्षा का दिन • पर्याप्त तैयारी • प्रश्न-पत्र देखकर भय दूर हुआ।

(ख) स्मार्ट फ़ोन

संकेत-बिंदु— • स्मार्ट फ़ोन की दुनिया • मोबाइल संपत्ति और विपत्ति दोनों रूप में • स्वास्थ्य पर पड़ता प्रभाव • उपसंहार।

(ग) जंक फ़ूड

संकेत-बिंदु— • जंक फ़ूड क्या होता है ? • युवा पीढ़ी और जंक फ़ूड • जंक फ़ूड खाने के दुष्परिणाम • सावधानियाँ।

उत्तर—(क) परीक्षा से पहले मेरी मनोदशा

संकेत-बिंदु— • परीक्षा नाम से भय • परीक्षा का दिन • पर्याप्त तैयारी • प्रश्न-पत्र देखकर भय दूर हुआ।

परीक्षा एक ऐसा शब्द है जिसे सुनते ही अच्छे-अच्छों के तोते उड़ जाते हैं। परीक्षा का नाम सुनते ही मेरा भी भय से काँप उठना स्वाभाविक है। जैसे-जैसे हमारी दसवीं की वार्षिक परीक्षा की घड़ी नज़दीक आ रही थी वैसे-वैसे मेरी घबराहट और बेचैनी बढ़ती जा रही थी। जितना भी याद करता था घबराहट में सब भूला हुआ-सा लगता था। जबकि मैंने प्रत्येक विषय व अध्याय को बार-बार दोहरा कर अच्छी तरह अभ्यास किया हुआ था, पर फिर भी मन में कहीं-न-कहीं परीक्षा का भय तो था ही।

परीक्षा का दिन आखिर आ ही गया। मैं भगवान का नाम लेकर व माता-पिता का आशीर्वाद लेकर परीक्षा भवन पहुँच गया। प्रश्न-पत्र हाथ में आने तक मेरा मन तरह-तरह की आशंका से घिरा रहा व दिल की धड़कन तेज़ होती गई। घंटी बजते ही कक्ष निरीक्षक ने पहले उत्तर-पुस्तिका दी और फिर प्रश्न-पत्र वितरित किए। मैंने काँपते हाथों से प्रश्न-पत्र पकड़ा और पढ़ना आरंभ किया। प्रथम पृष्ठ के प्रश्नों को पढ़ते ही मेरा मन मयूर की भाँति नृत्य करने लगा। मुझे पहले चारों प्रश्नों के उत्तर भली भाँति स्मरण थे। मेरी घबराहट दूर हो गई। मैंने पूरा प्रश्न-पत्र अच्छी तरह पढ़ा। एक प्रश्न को छोड़कर मुझे सभी प्रश्नों के हल अच्छी तरह याद थे। अब मेरी घबराहट दूर हो गई थी। मैं शांत मन से प्रश्न-पत्र लिखने में व्यस्त हो गया।

(ख) स्मार्ट फ़ोन

संकेत-बिंदु— • स्मार्ट फ़ोन की दुनिया • मोबाइल संपत्ति और विपत्ति दोनों रूप में • स्वास्थ्य पर पड़ता प्रभाव • उपसंहार।

आज की भागदौड़ भरी दुनिया में स्मार्ट फ़ोन अपना अलग स्थान बना चुका है। दिन भर के छोटे-मोटे काय स्मार्ट फ़ोन की सहायता से सहज ही पूरे हो जाते हैं। ऐसे में हर मनुष्य को यह अपना परम मित्र लगता है। इसके बिना एक अधूरापन-सा लगने लगता है। किसान वर्ग हो या प्रतिष्ठित, व्यापारी, ऑफ़िस का बाबू हो या कोई क्लर्क, वैज्ञानिक हो या कलाकार ये सभी के हाथों की शान बन गया है। आज स्मार्ट फ़ोन की दुनिया बहुत व्यापक हो गई है। हर क्षेत्र की हर जानकारी यह सामने लाकर रख सकता है।

मोबाइल या स्मार्ट फ़ोन जहाँ व्यक्ति को राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय जगत की सभी ज्ञानवर्धक जानकारियों से जोड़ता है, वहीं बहुत से गुमराह करने वाले ऐप्स के जाल में भी फँस जाते हैं। कई बार अवांछित गतिविधियों के कारण लोग परेशानियों में पड़ जाते हैं। ये उन्हें कई बार आपराधिक मामलों में फँसा देता है। इस प्रकार बहुमूल्य माने जाने वाला फ़ोन एक विपत्ति भी बन जाता है। यूवावर्ग अपनी शान दिखाने के लिए एक-से-एक नया मॉडल खरीदने की होड़ में रहता है। इससे माता-पिता भी परेशान होकर अनावश्यक व्यय के बोझ से दबे रहते हैं।

स्मार्ट फ़ोन ने दुनिया को बहुत छोटा बना दिया है। चैट, मैसेज और वीडियो कॉल से दूर स्थित मित्रों से सहज ही बात हो जाती है परंतु इस सुविधा का मूल्य मनुष्य अपनी सेहत से चुका रहा है। शायद इस बात का अंदाज़ा उसे स्वयं नहीं होता कि वह दिन का अधिकतम समय मोबाइल के साथ बिताता है। इससे निकलने वाली हानिकारक तरंगें स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। इसके लगातार प्रयोग से आँखों और गरदन की समस्याएँ होने लगती हैं। आज आवश्यकता है—सचेत होने की और स्मार्ट फ़ोन जितना स्मार्ट बनने की ताकि स्वयं को सुरक्षित रखकर इसका प्रयोग किया जा सके।

(ग) जंक फ़ूड

संकेत-बिंदु— • जंक फ़ूड क्या होता है ? • युवा पीढ़ी और जंक फ़ूड • जंक फ़ूड खाने के दुष्परिणाम • सावधानियाँ।

बर्गर, पिज़्ज़ा, नूडल्स, फ्रेंच फ्राइस, कोल्ड ड्रिंक आदि ये सब अल्पाहार जंक फ़ूड कहलाते हैं। आधुनिक समय में हर वर्ग के लोग जंक फ़ूड के दीवाने दिखाई देते हैं। आज की युवा पीढ़ी फल व हरी सब्जियों का सेवन न कर जंक फ़ूड को ही अपना पर्याप्त आहार समझने लगी है। समय के अभाव, सुविधाजनक व स्वादिष्ट होने के कारण युवा वर्ग जंक फ़ूड की ओर अधिक आकर्षित रहता है। जबकि यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इस फूड में पौष्टिक तत्वों की कमी होने के कारण युवा वर्ग व बच्चे में मोटापा, शुगर, हृदय रोग व उच्च रक्तचाप आदि बीमारियों का शिकार हो जाते हैं। जंक फ़ूड खाने में तो स्वादिष्ट होता है किंतु इसमें पोषक तत्वों की कमी होती है। तैलीय होने के कारण इसे पचने में काफ़ी समय लगता है। पोषक तत्वों की कमी के कारण पेट तथा अन्य पाचन अंगों में खिंचाव रहता है। कब्ज व गैस की समस्या उत्पन्न हो जाती है। जंक फ़ूड का नियमित प्रयोग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। जीवन को भरपूर जीने व स्वस्थ रहने के लिए जंक फ़ूड से बचना चाहिए।

13. अपने क्षेत्र की नालियों तथा सड़कों की समुचित सफ़ाई न होने पर स्वास्थ्य अधिकारी को एक पत्र लगभग 100 शब्दों में लिखिए। **5**

उत्तर—परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांक : 29 सितंबर, 20XX
सेवा में
स्वास्थ्य अधिकारी
दिल्ली नगर निगम
नई दिल्ली
विषय—नालियों तथा सड़कों की सफ़ाई न होने की शिकायत करने हेतु।
महोदय
निवेदन है कि हमारे (विवेक विहार) क्षेत्र में पिछले पंद्रह-बीस दिनों से नालियों तथा सड़कों की सफ़ाई नहीं हुई जिसके कारण सड़कों पर ही कूड़ा-कचरा इकट्ठा हो गया है और नालियों की भी समय पर सफ़ाई न होने के कारण निकासी रुक गई है और जलजमाव हो रहा है। घरों से निकलने वाला गंदा पानी अब नालियों से बाहर निकलकर सड़कों पर बह रहा है। सड़कों पर जहाँ-तहाँ गंदगी के ढेर लग गए हैं। इन ढेरों पर मक्खी-मच्छर मँडराते रहते हैं। नालियों में जलजमाव होने के कारण भयंकर दुर्गंध आ रही है। जिस कारण डेंगू या हैज़ा जैसे रोगों के फैलने की आशा बढ़ गई है। सूचना दिए जाने पर कोई सफ़ाई कर्मचारी सफ़ाई हेतु नहीं आ रहा है।
अत: आपसे विनम्र प्रार्थना है कि आप स्वयं इस क्षेत्र का निरीक्षण करें और सुचारु रूप से सड़कों और नालियों को साफ़ करने का निर्देश दें।
आपकी अति कृपा होगी।
सधन्यवाद
भवदीय
एक ज़िम्मेदार नागारिक
क० ख० ग०

अथवा

अपने पिता जी को पत्र द्वारा 100 शब्दों में बताइए कि आपके विद्यालय में वार्षिक उत्सव किस प्रकार मनाया गया। **5**

परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांक : 25 मार्च, 20XX
पूज्य पिता जी
सादर चरण-स्पर्श
आपका पत्र प्राप्त हुआ। घर में सभी सकुशल और सानंद हैं।
वार्षिक उत्सव के कार्य में व्यस्त होने के कारण मैं समय से आपके पत्र का उत्तर न दे पाने के लिए क्षमा चाहता हूँ।
23 अक्टूबर को हमारे विद्यालय के प्रांगण में वार्षिकोत्सव मनाया गया। मुख्यातिथि के रूप में जिलाधीश महोदय को आमंत्रित किया गया था तथा उनकी उपस्थिति में यह उत्सव अत्यंत सफल और रोचक रहा। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात प्रधानाचार्य महोदय ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए गत वर्ष की उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात प्राथमिक कक्षाओं के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिसे अभिभावकों, अध्यापकों व अतिथियों ने विशेष रूप से सराहा। इसके पश्चात सीनियर छात्र-छात्राओं द्वारा मूक अभिनय, लोकनृत्य-प्रस्तुति तथा नाटक भी प्रस्तुत किए गए। आपको यह जानकर अति प्रसन्नता होगी कि मैंने भी लोकनृत्य में भाग लिया। इसके मध्य में जलपान का विशेष आयोजन किया गया था।
जलपान ग्रहण करने के पश्चात मुख्यातिथि के कर-कमलों द्वारा श्रेष्ठ विद्यार्थियों व अध्यापकों को सम्मानित किया गया। अंत में विद्यालय की ओर से सभी विद्यार्थियों को फल बाँटे गए तथा सबको एक पत्रिका भी दी गई। इस प्रकार विद्यालय का वार्षिक उत्सव सायं 4 बजे संपन्न हुआ।
शेष सब कुशल हैं। घर में माता जी को प्रणाम तथा सुधीर व मनीषा को प्यार।
आपका पुत्र
क० ख० ग०

14. विद्यालय के 'रंगायन' द्वारा प्रस्तुत नाटक के बारे में नाम, पात्र, दिन, समय, टिकट-दर आदि की सूचना देते हुए एक विज्ञापन का प्रारूप 40 शब्दों में लिखिए। **4**

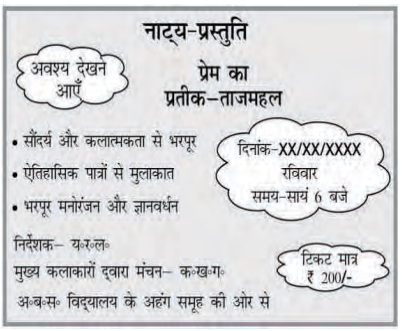

अथवा

अपने मित्र को 'लोहड़ी' पर एक शुभकामना संदेश लगभग 40 शब्दों में लिखिए।

शुभकामना संदेश
13 जनवरी, 20XX
नई दिल्ली
मित्रवर
दिल की खुशी और अपनों का प्यार,
मुबारक हो आपको लोहड़ी का त्योहार।
लोहड़ी की शुभकामनाएँ।
आपको व आपके परिवार को लोहड़ी के पर्व पर ढेर सारी शुभकामनाएँ। हर वर्ष लोहड़ी आपके लिए खुशियाँ लेकर आए।
आर्यन

15. आप अशोक कुमार हैं, आप बीटेक कर चुके हैं। आपको क०ख०ग० कंस्ट्रक्शन कंपनी, दिल्ली में इंजीनियर पद के लिए आवेदन करना है। इसके लिए आप अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त (बायोडाटा) लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए। **5**

उत्तर—आवेदित पद का नाम — सहायक इंजीनियर
उम्मीदवार का नाम — अशोक कुमार
पिता का नाम— प्रमोद कुमार
माता का नाम — शारदा देवी
जन्मतिथि — 01–01–2000
राष्ट्रीयता—भारतीय
वैवाहिक स्थिति— अविवाहित
संपर्क सूत्र —98XXX9999
स्थायी पता — क० ख० ग० दिल्ली
अस्थायी पता — उपर्युक्त
ज्ञात भाषाएँ —हिंदी, अंग्रेज़ी, पंजाबी

शैक्षणिक योग्यताएँ—

क्रम सं०	परीक्षा का नाम	उत्तीर्ण वर्ष	उत्तीर्ण श्रेणी	संस्थान/विश्वविद्यालय
1.	बीटेक	2020	प्रथम	दिल्ली विश्वविद्यालय
2.	सीनियर सेकेंडरी	2018	प्रथम	अ० ब० स० स्कूल, नई दिल्ली
3.	हायर सेकेंडरी	2016	प्रथम	अ० ब० स० स्कूल, नई दिल्ली

अनुभव— ..... वर्ष का प्रशिक्षण (अप्रेंटिस) अनुभव
स्थान :
दिनांक :
अनुभव—
आपसे अनुरोध है कि सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए मेरे आवेदन-पत्र पर सकारात्मक विचार करते हुए मुझे इंजीनियर पद पर नियुक्त करें।
सधन्यवाद
हस्ताक्षर

अथवा

कॉलोनियों के निवासियों को अपने पड़ोस के पार्क में साफ-सफाई बनाए रखने के लिए निर्देश देते हुए एक ई-मेल लिखिए।

To : < .....>
CC : < ..... >
BCC : < .....>
Subject : सार्वजनिक पार्क में साफ़-सफ़ाई बनाए रखने का अनुरोध।
श्रीमान
आपके सूचनार्थ यह है कि हम आपके क्षेत्र में सार्वजनिक पार्क की सफ़ाई के बारे में बेहद चिंतित है, जिस पर ध्यान देने व उचित रख-रखाव की आवश्यकता है। आपसे अनुरोध है कि कॉलोनी के लोगों से पार्क के दिशा-निर्देशों का पालन सख्ती से करवाएँ। इस पार्क को गंदगीमुक्त करने में हमारा सहयोग करें।
धन्यवाद
नागरिक संपर्क प्रकोष्ठ के प्रमुख
XYZ

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

Holy Faith New Style Sample Paper–11

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं
विषय—हिंदी (अ)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश—इसके लिए Holy Faith New Style Sample Paper—1 देखें।

खंड—क

(बहुविकल्पी/लघूत्तरात्मक व अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— (3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7

शोर से होने वाली बहरेपन की बीमारी एक गंभीर स्वास्थ्यगत समस्या है। तेज़ आवाज़ हमारी श्रवण कोशिकाओं पर बहुत दबाव डालती है, जिससे वे स्थायी रूप से चोटिल हो सकती हैं। यदि सुनने की क्षमता एक बार चली गई तो उसे पुनः पाना नामुमकिन है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की 'वर्ल्ड हीयरिंग रिपोर्ट' के मुताबिक विश्व की 1.5 अरब आबादी बहरेपन के साथ जी रही है। ध्वनि प्रदूषण दरअसल ऐसे अवांछित विद्युत चुंबकीय संकेत है, जो इनसान को कई रूपों में नुकसान पहुँचाते हैं। इसीलिए, शोर-प्रेरित बहरेपन पर फ़ौरन ध्यान देने की ज़रूरत है। वैश्विक अध्ययन बताते हैं कि निर्माण कार्य, औद्योगिक कामकाज, जहाज़ बनाने या मरम्मत करने संबंधी काम, अग्निशमन, नागरिक उड्डयन आदि सेवाओं में लगे श्रमिकों में शोर-प्रेरित बहरेपन का खतरा अधिक होता है। आकलन है कि 15 फ़ीसदी नौजवान संगीत-कार्यक्रमों, खेल आयोजनों और दैनिक कामकाज में होने वाले शोर से बहरेपन का शिकार होते हैं। शोर-प्रेरित बहरेपन की समस्या विकासशील देशों में ज़्यादा है, जहाँ तीव्र औद्योगीकरण, अनौपचारिक क्षेत्र के विस्तार और सुरक्षात्मक व शोर-नियंत्रणरोधी उपायों की कमी से लोग चौतरफ़ा शोर-शराबे में दिन बिताने को अभिशप्त हैं। हमें यह समझना ही होगा कि श्रवण-शक्ति का ह्रास न सिर्फ़ इनसान को प्रभावित करता है, बल्कि समाज पर भी नकारात्मक असर डालता है।

(*i*) शोर-प्रेरित बहरेपन का खतरा किस क्षेत्र से जुड़े लोगों को कम है? **1**

(क) जहाज-निर्माण से जुड़े लोगों को
(ख) स्वास्थ्य-सेवाओं से जुड़े लोगों को
(ग) खेल-आयोजनों से जुड़े लोगों को
(घ) संगीत-कार्यक्रमों से जुड़े लोगों को

उत्तर—(घ) संगीत-कार्यक्रमों से जुड़े लोगों को

(*ii*) गद्यांश के संदर्भ में अनुपयुक्त कथन है— **1**

(क) विकासशील देशों में अनौपचारिक क्षेत्र विस्तार की समस्या नहीं है।
(ख) विकासशील देशों में शोर-नियंत्रणरोधी उपायों पर अधिक ध्यान नहीं दिया जाता है।
(ग) कुछ सेवाओं से जुड़े लोग अन्य की तुलना में बहरेपन के अधिक शिकार हैं।
(घ) कुछ खास सेवाओं से जुड़े युवा भी आज बहरेपन का शिकार हो रहे हैं।

उत्तर—(क) विकासशील देशों में अनौपचारिक क्षेत्र विस्तार की समस्या नहीं है।

(*iii*) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— **1**

कथन (A) : वर्तमान में श्रवण शक्ति का ह्रास एक सार्वजनिक समस्या बन गई है।

कारण (R) : आर्थिक विकास की अनियमित होड़ इस समस्या के मूल कारणों में से एक है।

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) सही है, परंतु कारण (R) कथन (A) की गलत व्याख्या करता है।

उत्तर—(ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(*iv*) विकासशील देशों के लोगों के जीवन को अभिशप्त क्यों कहा गया है? **2**

उत्तर—सोचना और महसूस करना दो ऐसे कारक हैं, जिनमें भाषा सही आकार पाती है। जिस व्यक्ति के जीवन का उद्देश्य और मानसिकता जिस स्तर की होगी, उसकी भाषा के शब्द और मुख्यार्थ भी उसी स्तर होंगे। युगों-युगों का लंबा सफ़र तय करके ही भाषा संस्कार का रूप लेती है।

(*v*) तीव्र आवाज़ का हमारे शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है? **2**

उत्तर—आदमी की पहचान उसकी भाषा से होती है। भाषा संस्कार से बनती है। जिसके जैसे संस्कार होंगे, वैसी ही उसकी भाषा होगी। भाषा से ही हमारे भाव, राज्य, संस्कार और प्रांतीयता झलकती है।

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए :

(3 × 1 + 2 × 2) = 3 + 4 = 7

जड़ दीप तो देकर हमें आलोक जलता आप है,
पर एक हममें दूसरे को दे रहा संताप है।
क्या हम जड़ों से भी जगत में है गए बीते नहीं?
हे भाइयो! इस भाँति तो तुम थे कभी जीते नहीं।
हमको समय को देखकर ही नित्य चलना चाहिए,
बदले हवा जब जिस तरह हमको बदलना चाहिए।

विपरीत विश्व प्रवाह के निज नाव जा सकती नहीं,
अब पूर्व की बातें सभी प्रस्ताव पा सकती नहीं।
है बदलता रहता समय, उसकी सभी बातें नई,
कल काम में आती नहीं है आज की बातें कई।
है सिद्धि मूल यही कि जैसा प्रकृति का रंग हो,
तब ठीक वैसा ही हमारा कार्य कृति का ढंग हो।

(*i*) **कथन (A) :** दीपक दूसरों को जलाकर आलोक देता है। 1
कारण (R) : मनुष्य को दीपक के समान स्वयं जलकर दूसरों को आलोकित करने वाला बताया गया है।
उपर्युक्त कथन **(A)** और कारण **(R)** के आधार पर सही विकल्प पहचानिए—
(क) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) गलत है।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी गलत व्याख्या है।
उत्तर—(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी गलत व्याख्या है।

(*ii*) विश्व प्रवाह द्वारा कवि का संकेत किस ओर है? **1**
(क) विश्व की प्रसिद्ध सभ्यताओं का लुप्त होना
(ख) विश्व पर अमेरिका का प्रभाव
(ग) विज्ञान के कारण होने वाले परिवर्तन
(घ) प्राकृतिक आपदाओं का प्रभाव
उत्तर—(ग) विज्ञान के कारण होने वाले परिवर्तन

(*iii*) कथन **(A)** और कारण **(R)** को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए— **1**
कथन (A) : मनुष्य कार्य-कृति का ढंग सुनिश्चित करता है।
कारण (R) : समाज में जैसा परिवर्तन होता है।
(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
उत्तर—(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(*iv*) कवि मनुष्य को किससे हीन बता रहा है और क्यों? **2**
उत्तर—कवि मनुष्य को बेजान पदार्थों से भी हीन बता रहा है क्योंकि वह दूसरों को दुख दे रहा है।

(*v*) कवि मनुष्य को किसके साथ चलने की प्रेरणा दे रहा है?
उत्तर—कवि मनुष्य को समय के साथ चलने की प्रेरणा दे रहा है ताकि वह जीवन में उन्नति कर सके। **2**

खंड—ख

3. 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के निर्देशानुसार सही उत्तर लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) 'बोलचाल की जो भाषा है वही कविता को प्रभावशाली बनाती है।' (सरल वाक्य में बदलिए)
(ख) 'मोहन पुस्तक पढ़कर सो गया'।
(रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)
(ग) दूसरों की मदद करने वालों की सराहना होती है।
(मिश्र वाक्य में बदलिए)
(घ) मोहन ने खाना खाया और चला गया।
(सरल वाक्य में बदलिए)
(ङ) **कॉलम-1 को कॉलम-2 के साथ सुमेलित करके लिखिए—**

कॉलम-1	कॉलम-2
(1) हमें न्यायालय जाना ही पड़ा।	(*i*) संयुक्त वाक्य
(2) कल जो तुम्हारे घर आया था, वह मेरा भाई है।	(*ii*) सरल वाक्य
(3) राम बीमार है इसलिए दफ़्तर नहीं आया।	(*iii*) मिश्र वाक्य

उत्तर—(क) बोलचाल की भाषा कविता को प्रभावशाली बनाती है।
(ख) सरल वाक्य
(ग) जो दूसरों की मदद करता है उसकी सराहना होती है।
(घ) मोहन खाना खाकर चला गया।
(ङ) (1)–(*ii*), (2)–(*iii*), (3)–(*i*)

4. 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के निर्देशानुसार सही उत्तर लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) कॉलम-1 को कॉलम-2 के साथ सुमेलित कीजिए—

कॉलम-1	कॉलम-1
(1) किसानों द्वारा फ़सल काट ली गई	(1) कर्तृवाच्य
(2) बच्चों ने नाटक में अच्छा प्रदर्शन किया।	(2) कर्मवाच्य
(3) वैज्ञानिकों से अंतरिक्ष पर घूमा नहीं जा सकता।	(3) भाववाच्य

(ख) अनेक पाठकों द्वारा दादी की पुस्तक की प्रशंसा की गई।
(कर्तृवाच्य में बदलिए)
(ग) आइए, बैठा जाए। (वाच्य-भेद बताइए)
(घ) खबर सुनकर वह चल भी नहीं पा रही थी।
(भाववाच्य में बदलिए)
(ङ) परीक्षा के बारे में अध्यापक द्वारा क्या कहा गया?
(कर्तृवाच्य में बदलिए)
उत्तर—(क) (1) कर्तृवाच्य—बच्चों ने नाटक में अच्छा प्रदर्शन किया।
(2) कर्मवाच्य—किसानों द्वारा फ़सल काट ली गई।
(3) भाववाच्य—वैज्ञानिकों से अंतरिक्ष पर घूमा नहीं जा सकता।
(ख) अनेक पाठकों ने दादी जी की पुस्तक की प्रशंसा की।
(ग) भाववाच्य
(घ) खबर सुनकर उससे चला भी नहीं जा रहा था।
(ङ) परीक्षा के बारे में अध्यापक ने क्या कहा?

5. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित निम्नलिखित वाक्य के पाँच रेखांकित पदों में से किन्हीं *चार* के पद-परिचय लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) 'देश में विभीषणों की कमी नहीं है।'
(ख) ''कितने मीठे फल हैं''!

(ग) गांधी जी को कौन नहीं जानता।
(घ) 'आराध्या धीरे-धीरे चलती है।'—
(ङ) 'वहाँ चार छात्र बैठे हैं।

उत्तर—(क) विभीषणों की—जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, संबंध कारक।
(ख) मीठे—गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'फल' विशेष्य का विशेषण।।
(ग) गांधी जी—व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक।
(घ) धीरे-धीरे— रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'चलती है' क्रिया की विशेषता।
(ङ) चार—निश्चित संख्यावाचक विशेषण, 'छात्र' विशेष्य की विशेषता।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) 'वह तो बहता समय शिला-सा जम जाए।' काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार बताइए।
(ख) 'बूढ़ा बरगद फिर मुस्काया।'
(काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार बताइए)
(ग) भूप सहस दस एकहि बारा। लगे उठावन टरत न टारा।
(काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार बताइए)
(घ) लागति अवध भयावनि भारी।
मानहु काल राति अँधियारी।।
(काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार बताइए)
(ङ) किस अलंकार में जनु, मनु, मानो आदि वाचक शब्द होते हैं? नाम लिखिए।

उत्तर—(क) उपमा अलंकार
(ख) मानवीकरण अलंकार
(ग) अतिशयोक्ति अलंकार
(घ) उत्प्रेक्षा अलंकार
(ङ) उत्प्रेक्षा अलंकार।

खंड—ग

7. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5 × 1 = 5

मुख्य गायक की गरज में
वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीनकाल से
गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में
खो चुका होता है
या अपने ही सरगम को लाँघकर
चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में
तब संगतकार ही स्थायी को सँभाले रहता है
जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान
जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन
जब वह नौसिखिया था।

(1) प्राचीनकाल से ही मुख्य गायक के स्वर में ..... स्वर मिलाता आता है।
(क) सितारवादक (ख) संगतकार
(ग) तबलावादक (घ) आयोजक।

(2) मुख्य गायक कहाँ खो जाता है ?
(क) तारसप्तक में (ख) बचपन में
(ग) अनहद में (घ) श्रोताओं में।

(3) संगतकार की क्या भूमिका होती है ?
(क) मुख्य गायक के गायन के स्थायी को सँभाले रखना।
(ख) मुख्य गायक की सेवा करना।
(ग) मुख्य गायक को अनहद ले जाना।
(घ) उपर्युक्त सभी।

(4) 'जटिल तानों के जंगल में'—पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?
(क) उपमा (ख) रूपक
(ग) मानवीकरण (घ) उत्प्रेक्षा।

(5) काव्यांश में नौसिखिया किसे कहा गया है ?
(क) संगतकार को (ख) कवि को
(ग) संगीत को (घ) मुख्य गायक को।

उत्तर—1. (ख), **2.** (क), **3.** (क), **4.** (ख), **5.** (घ)

8. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5 × 1 = 5

ठाली बैठे, कल्पना करते रहने की पुरानी आदत है। नवाब साहब की असुविधा और संकोच के कारण का अनुमान करने लगे। संभव है, नवाब साहब ने बिलकुल अकेले यात्रा कर सकने के अनुमान में किफ़ायत के विचार से सेकंड क्लास का टिकट खरीद लिया हो और अब गवारा न हो कि शहर का कोई सफ़ेदपोश उन्हें मँझले दर्ज़े में सफ़र करता देखे। अकेले सफ़र का वक्त काटने के लिए ही खीरे खरीदे होंगे और अब किसी सफ़ेदपोश के सामने खीरा कैसे खाएँ? हम कनखियों से नवाब साहब की ओर देख रहे थे। नवाब साहब कुछ देर गाड़ी की खिड़की से बाहर देखकर स्थिति पर गौर करते रहे।

'ओह', नवाब साहब ने सहसा हमें संबोधित किया,' आदाब-अर्ज़', जनाब, खीरे का शौक फ़रमाएँगे।

नवाब साहब का सहसा भाव-परिवर्तन अच्छा नहीं लगा। भाँप लिया, आप शराफ़त का गुमान बनाए रखने के लिए हमें भी मामूली लोगों की हरकत में लथेड़ लेना चाहते है। जवाब दिया, 'शुक्रिया, किबला शौक फरमाएँ।'

(1) लेखक की पुरानी आदत क्या थी?
(क) सपने देखना
(ख) इधर-उधर की गप्पे हाँकना
(ग) कल्पना करते रहना
(घ) दूसरों के जीवन में ताक-झाँक करना।

(2) लेखक ने नवाब साहब के बारे में क्या अनुमान लगाया?
(क) नवाब साहब अकेले यात्रा करना चाहते होंगे।
(ख) बचत के विचार से सेकंड क्लास का टिकट लिया होगा।
(ग) वक्त काटने के लिए खीरे खरीदे होंगे।
(घ) उपर्युक्त सभी।

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

(3) लेखक नवाब साहब की ओर कैसे देख रहे थे?
(क) नज़रें झुकाकर (ख) आँखें तरेरकर
(ग) कनखियों से (घ) आश्चर्य से।

(4) 'शहर का कोई सफ़ेदपोश उन्हें मँझले दर्ज़े में सफ़र करता देखे' में 'उन्हें' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?
(क) लेखक के लिए (ख) नवाब साहब के लिए
(ग) लोगों के लिए (घ) खीरे के लिए।

(5) (1) ट्रेन के डिब्बे में लखनऊ के नवाबी नस्ल के नवाब बैठे थे।
(2) उनके सामने दो ताजे खीरे तौलिए पर रखे थे।
(3) नवाब साहब कनखियों से लेखक की ओर देख रहे थे।
उपर्युक्त कथनों के आधार पर उचित विकल्प चुनिए—
(क) कथन (1) सही है किंतु (2) और (3) गलत हैं
(ख) कथन (1) गलत है किंतु (2) और (3) सही हैं
(ग) कथन (1) और (3) सही हैं किंतु (2) गलत है
(घ) कथन (1) और (2) सही हैं, किंतु (3) गलत है।

उत्तर—1. (ग), **2.** (घ), **3.** (ग), **4.** (ख), **5.** (घ)

9. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए : 3 × 2 = 6

(क) हालदार साहब के लिए कौन-सा कौतूहल दुर्दमनीय हो उठा, जिसे पान वाले से पूछे बिना नहीं रह सके ?

(ख) अजमेर आने से पहले लेखिका और उसका परिवार कहाँ रहता था ?

(ग) अपने पिता से मन्नू भंडारी के वैचारिक मतभेद को अपने शब्दों में लिखिए।

(घ) काशी में ऐसा कौन-सा आयोजन होता है, जिसमें बिस्मिल्ला खाँ अवश्य शामिल होते थे ?

उत्तर—(क) हालदार साहब जब तीसरी बार कस्बे से गुज़रे और चौराहे पर रुके, पान का बीड़ा खाया, तब उन्होंने मूर्ति को गौर से देखा। मालूम पड़ा कि मूर्ति का चश्मा बदला हुआ है। मूर्ति का चश्मा बदलने का कारण जानने के लिए उनमें कौतूहल दुर्दमनीय हो उठा। परिणामस्वरूप उन्होंने पानवाले से पूछ ही लिया कि यह तुम्हारे नेताजी की मूर्ति का चश्मा हर बार कैसे बदल जाता है।

(ख) अजमेर से पहले लेखिका का परिवार इंदौर में रहता था। इंदौर में रहते हुए उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी थी। नगर में लेखिका के पिता जी की बड़ी प्रतिष्ठा और सम्मान था। वे कांग्रेस के साथ-साथ समाज-सुधार के कामों से भी जुड़े हुए थे। आर्थिक स्थिति अच्छी होने के कारण वे बहुत दरिया-दिल थे। अपनी दरिया-दिली के कारण वे लोगों में प्रसिद्ध थे।

(ग) लेखिका के पिता दोहरे व्यक्तित्व के व्यक्ति थे। एक ओर वे आधुनिकता के समर्थक थे तो दूसीर ओर औरतों को केवल रसोई तक सीमित नहीं देखना चाहते थे। उनके अनुसार औरतों को अपनी प्रतिभा और क्षमता का उपयोग घर के बाहर देश की स्थिति सुधारने के लिए करना चाहिए। इससे यश, प्रतिष्ठा और सम्मान सब कुछ मिलता था। जहाँ पिता जी आधुनिक विचारों के समर्थक थे, वहीं वे दकियानूसी विचारों के भी थे। उन्हें अपनी इज्ज़त प्यारी थी। जहाँ वे औरतों को रसोई से बाहर देखना चाहते थे, वहीं उन्हें यह भी बर्दाश्त नहीं होता था कि वह लड़कों के साथ स्वतंत्रता की लड़ाई में कदम—से-कदम मिलाकर चलें। वे औरतों की स्वतंत्रता को घर की चारदीवारी से दूर नहीं देखना चाहते थे, परंतु लेखिका के लिए पिताजी की दी आज़ादी के दायरे में चलना कठिन था। इसलिए उसकी अपने पिता से वैचारिक टकराहट थी।

(घ) हनुमान जयंती के अवसर पर काशी के संकटमोचन मंदिर में पाँच दिनों तक शास्त्रीय और उपशास्त्रीय संगीत की श्रेष्ठ सभा का आयोजन होता। इस सभा में बिस्मिल्ला खाँ का शहनाई वादन अवश्य ही होता है।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए : 3 × 2 = 6

(क) 'निराला' की कविता 'उत्साह' में किस सामाजिक बदलाव की अपेक्षा की गई है ? उसकी प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

उत्तर—'उत्साह' कविता एक आह्वान गीत है। किसी को जब संकट के समय बुलाया जाता है, तो उसमें क्रंदन ध्वनि होती है, 'गरजने' शब्द में भी एक क्रांति, क्रंदन भाव छिपा है। फुहार, रिमझिम, बरसना सौम्य शब्द हैं। निराला एक विद्रोही, क्रांति भाव के कवि हैं। वे समाज में क्रांति के माध्यम से परिवर्तन लाना चाहते हैं। वे जोश के साथ क्रांति चेतना को लाना चाहते हैं। इस प्रकार उत्साह कविता में सुंदर कल्पना और क्रांति चेतना दोनों को समावेश है।

(ख) सफलता के चरम शिखर पर पहुँचने के दौरान यदि व्यक्ति लड़खड़ाता है, तब उसे सहयोगी किस प्रकार सँभालते हैं ?

उत्तर—सफलता के चरम शिखर पर पहुँचने के दौरान यदि व्यक्ति लड़खड़ाते हैं तब उसे उसके सहयोगी सांत्वना देते हैं। उसका हौंसला बढ़ाते हैं। असफलता को भूलने की सलाह देते हैं। यदि आवश्यकता हो तो आर्थिक सहायता भी देते हैं।

(ग) धनुष भंग करने वाली सभा में एकत्रित जन 'हाय-हाय' क्यों पुकारने लगे थे ? 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' पाठ के आधार पर अपने विचार लिखिए।

उत्तर—लक्ष्मण ने परशुराम की क्रोधाग्नि को भड़काते हुए कहा कि मैं ब्राह्मण समझकर आपको बचा रहा हूँ। यह ब्राह्मण देवता घर में ही वीर हैं। रण में वीर योद्धाओं से शायद आपका सामना कभी नहीं हुआ। लक्ष्मण के कड़वे वचन सुनकर परशुराम पुन: क्रोधित हो उठे और जैसे ही उन्होंने लक्ष्मण को मारने के लिए अपना फरसा सँभाला तो लक्ष्मण-वध की संभावना से सभा में हाय-हाय की पुकार मच गई।

(घ) गोपियों ने किन-किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं ?

उत्तर—गोपियों ने उद्भव को कमल-पत्र, तेल की मटकी, कड़वी ककड़ी आदि के उदाहरण देते हुए उलाहने दिए हैं। उलाहना देते हुए वे कहती हैं कि हम तुम्हारी तरह कमल-पत्र और तेल की मटकी नहीं हैं, जो कृष्ण के पास रहकर भी उनके प्रेम से अछूती रह सकें। तुम्हारा यह योग संदेश हम गोपियों के लिए उपयुक्त नहीं है। हमें योग संदेश कड़वी ककड़ी के समान प्रतीत होता है। हमने कृष्ण को मन, वचन और कर्म से हारिल लकड़ी की तरह जकड़ रखा है। हम तुम्हारी तरह निष्ठुर नहीं हैं कि समीप बहती हुई कृष्ण रूपी प्रेम नदी का स्पर्श भी न कर सकें।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए : 2 × 4 = 8

(क) ''आप चैन की नींद सो सकें इसीलिए तो हम यहाँ पहरा दे रहे हैं।''—एक फ़ौजी के इस कथन पर जीवन-मूल्यों की दृष्टि से चर्चा कीजिए।

उत्तर—आप चैन की नींद सो सकें, इसीलिए तो हम पहरा देते हैं। कहने का भाव यह है कि देश की सीमा पर बैठे फौज़ी कड़कड़ाती ठंड में, जब वहाँ का तापमान-15 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच जाता है तथा पेट्रोल को छोड़कर सब कुछ जम जाता है। उस समय भी ये फौजी जी-जान से देश की रक्षा में लगे रहते हैं। हमें देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए क्योंकि वे ऐसी कठिन व कठोर परिस्थितियों में रहते हैं, जिसके हम अपने घरों में चैन की नींद सो सकें। लोग देश की एकता और शांति को बनाए रखते हैं। ताकि देश के लोग भय मुक्त रह सकें।

(ख) 'माता का अँचल' शीर्षक की उपयुक्तता बताते हुए कोई अन्य शीर्षक सुझाइए।

उत्तर—किसी भी साहित्य रचना का शीर्षक उसके मुख्य पात्र, कथावस्तु या देश काल पर आधारित होता है। 'माता का अँचल' कहानी का मुख्य पात्र भोलानाथ है। पूरी कहानी भोलानाथ के इर्द-गिर्द ही घूमती है। भोलानाथ का जुड़ाव अपने पिता से अधिक होता था। अपनी माता से दूध पीने और खाना खाने तक उसका नाता था। पूरी कहानी भोलानाथ और इसके पिता से संबंधित घटनाओं पर ही आधारित है। परंतु अंत में साँप को देखकर घबराया हुआ वह अपनी माँ के अँचल में छिप जाता है, पिता उसे गोद लेने का प्रयास करते हैं, परंतु वह अपनी माँ के प्रेम से भरे अँचल में शांति व सुरक्षा का अनुभव करता है। इस घटना से यह पता चलता है कि बच्चा चाहे अपने पिता से कितना भी निकट हो, लेकिन विपत्ति आने पर वह माँ की गोद में ही सुरक्षित महसूस करता है। इसलिए इस कहानी के लिए 'माता का अँचल' शीर्षक उपयुक्त है। इस कहानी के अन्य शीर्षक 'माँ की ममता', 'सुनहरा बचपन', 'मेरा बचपन' भी हो सकते हैं।

(ग) एक संवेदनशील युवा नागरिक के रूप में पर्यावरण प्रदूषण को रोकने में आपकी क्या भूमिका हो सकती है? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ को दृष्टि में रखते हुए उत्तर दीजिए।

उत्तर—अपने शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाना हमारा परम कर्तव्य है। इसके लिए हमें अधिक-से-अधिक पेड़-पौधे लगाने चाहिए और उनकी देखभाल करनी चाहिए। पेड़ों की कटाई पर रोक लगाई जानी चाहिए तथा इसके लिए कठोर कानून बनाए जाने चाहिए। लोगों को पर्यावरण की शुद्धता के प्रति जागरूक करना चाहिए। हमें सड़कों, गलियों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर कूड़ा-करकट नहीं डालना चाहिए। सार्वजनिक परिवहन प्रणाली का प्रयोग करना चाहिए। जल प्रदूषण को रोकने के लिए नदियों में कूड़ा नहीं फेंकना चाहिए। इसके अलावा दैनिक जीवन में जो वस्तुएँ पर्यावरण को नुकसान न पहुँचाएँ उनका प्रयोग करना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण का अभियान चलाकर आसपास के लोगों को जागरूक करना चाहिए। इस प्रकार से हम पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति अपनी ज़िम्मेदारियों को निर्धारित कर सकते हैं।

खंड—घ

रचनात्मक लेखन

12. दिए गए बिंदुओं के आधार पर किसी *एक* विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 6

(क) विज्ञापन की दुनिया

संकेत-बिंदु—• विज्ञापन का युग • भ्रमजाल और जानकारी • विज्ञान से लाभ और हानि • सामाजिक दायित्व

(ख) प्रकृति का प्रकोप

संकेत-बिंदु—• प्रकृति संसाधनों का दोहन • प्रकृति का दानव स्वरूप • कारण • समाधान

(ग) काल करे सो आज कर

संकेत-बिंदु—• समय की कीमत • अर्थ स्पष्टीकरण • समय का सदुपयोग क्यों • सदुपयोग कैसे।

उत्तर—(क) विज्ञापन की दुनिया

संकेत-बिंदु—• विज्ञापन का युग • भ्रमजाल और जानकारी • विज्ञान से लाभ और हानि • सामाजिक दायित्व।

विज्ञापन का अर्थ है— विशेष ज्ञान या विशेष जानकारी। जब तक किसी वस्तु विशेष का विज्ञापन न हो, लोगों तक उसका ज्ञान पहुँचता ही नहीं। ऐसे में उस वस्तु को उपभोक्ता नहीं मिलते। उपभोक्ता भी उन्हीं वस्तुओं की ओर आकर्षित होते हैं जिनका विज्ञापन रुचिकर होता है। अच्छा विज्ञापन बाज़ार में किसी भी वस्तु की माँग तय करता है। कहा जा सकता है कि आज का युग विज्ञापन का युग है।

विज्ञापन हमें हर नए उत्पाद तथा उसकी समस्त जानकारी से अवगत कराता है। अच्छे से अच्छा उत्पाद बाज़ार में बिना अच्छे विज्ञापन के टिक नहीं पाता। चाहे कोई विचार हो या अभियान, उत्पाद हो या संस्था सभी को विज्ञापन की आवश्यकता पड़ती है। आजकल तो लोग विज्ञापन भी रुचि से देखते हैं। विज्ञापन के सम्मोहन से किसी का बच निकलना आसान नहीं है। इसी कारण बहुत बार विज्ञापन में झूठ दिखाकर या गुणों को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत कर उपभोक्ता वर्ग के साथ धोखा भी किया जाता है। बहुत बार लोग विज्ञापन के भ्रमजाल में फँस जाते हैं और गलत उत्पाद ले लेते हैं। ऐसे में हाथ लगती है निराशा। यही कारण है आम आदमी या तो उत्पादन के विषय में निश्चय नहीं कर पाता या फिर गलत वस्तु का चयन कर हानि उठाते हैं।

आज हम सभी का दायित्व है कि झूठ के प्रचार से बचें। न झूठ बोलें और न ही उसे बढ़ावा दें। झूठे या भ्रामक विज्ञापन जनता का विश्वास तोड़ते हैं। भूल-भुलैया में फँसे उपभोक्ता के साथ धोखा करने वाले विज्ञापनों को ही दिखाना चाहिए जिनमें सत्य हो। थोड़े से लाभ के लिए हमें अपनी नैतिकता और सामाजिक कर्तव्य से मुँह नहीं मोड़ना चाहिए।

(ख) प्रकृति का प्रकोप

संकेत-बिंदु—• प्रकृति संसाधनों का दोहन • प्रकृति का दानव स्वरूप • कारण • समाधान

ईश्वर की मानव पर सदा से ही विशेष कृपा रही है। मानव को उसने न केवल श्रेष्ठ शरीर दिया अपितु प्रकृति भी वरदान स्वरूप दी। प्रकृति से ही मानव को सभी जीवनोपयोगी वस्तुएँ मिलती हैं। यदि मनुष्य ने समय के साथ इतनी तरक्की की तो प्रकृति ने भी मनुष्य का पूरा साथ दिया। इसी प्रगति की दौड़ में भागते-भागते मनुष्य प्रकृति को पीछे छोड़ बहुत आगे चला आया। उसने प्रकृति से इतना अधिक छीन लिया है कि अब प्रकृति भी उसके विरुद्ध विकराल

रूप धारण कर चुकी है। प्रकृति की मार आज अलग-अलग जगह अलग-अलग रूप में पड़ रही है। कहीं भीषण सरदी है तो कहीं तपती गरमीं, कहीं सूखा है तो कहीं अतिवृष्टि के कारण बाढ़। असंतुलित मौसम चक्र के कारण कृषि पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। एक विपत्ति से निपटो तो दूसरी मुँह खोले खड़ी रहती है। वर्षा न होने के कारण धरती का बड़ा भाग बंजर हो जाता है। कहीं खेती होती है तो फसल पर नए कीट और बीमारियाँ प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। अचानक सुनामी आकर सभी कुछ तबाह कर देती है। यह सब प्रकृति का क्रुद्ध रूप ही तो है।

आज चाहे मौसम अनियंत्रित हो, अनचाहे रोम फैल रहे हों या ध्रुवों पर बर्फ़ पिघल रही हो, यह सभी प्रकृति के विनाश का संकेत हैं। यदि प्रकृति का विनाश हुआ तो संपूर्ण सृष्टि का विनाश निश्चित है। मनुष्य ने प्रकृति को इतना दूषित कर दिया है कि इस संकट से बचना आसान नहीं है। चारों ओर फैलता प्रदूषण, कचरे के ढेर, अनावश्यक दोहन, परमाणु हथियारों की विनाश लीलाएँ और जंगलों का नाश प्रकृति का शोषण ही है। इस शोषण की सीमा जब पार हो गई तो प्रकृति भी सौम्य और शीतल मातृरूपा से दानवरूपा बन गई। प्रकृति का प्रकोप इन्हीं कारणों से संपूर्ण धरती भुगत रही है।

यदि मनुष्य इस प्रकोप से बचना चाहता है तो उसे प्रकृति से फिर वही नाता जोड़ना पड़ेगा जो पहले था। प्रकृति से मधुर संबंध स्थापित कर उसे शांत किया जा सकता है। धरती पर रहने वाले जीव-जंतुओं के प्रति दया और करुणा रखकर पर्यावरण में संतुलन बनाया जा सकता है। पेड़-पौधों की रक्षा कर तथा नए पौधे लगाकर पर्यावरण की रक्षा हो सकती है। प्रदूषण फैलाने वाले साधनों का न्यूनतम उपयोग कर धरती की रक्षा हो सकती है। आस-पास साफ़-सफ़ाई रखकर तथा कूड़े-कचरे के निपटान के उपाय अपनाकर नित नई बीमारियों को पनपने से रोका जा सकता है। प्रकृति मानव की सहचरी है। पुन: प्रकृति के निकट आकर और इससे प्रेम संबंध स्थापित कर इस प्रकोप से बचना संभव है।

(ग) काल करे सो आज कर

संकेत-बिंदु— • समय की कीमत • अर्थ स्पष्टीकरण • समय का सदुपयोग क्यों • सदुपयोग कैसे।

समय बहुमूल्य है। नीतिकारों का कथन है 'दीर्घसूत्री विनश्यर्ति अर्थात समय पर काम न करने वाला स्वयं नाश को प्राप्त होता है। बीता समय लौटकर नहीं आता जो लोग आज का समय व्यर्थ बिताकर सभी कार्य कल पर छोड़ देते हैं, वे सफलता से दूर ही रहते हैं। समय का सम्मान करने वाले प्रत्येक वर्तमान क्षण का लाभ उठाते हैं। ऐसे लोग 'कल कर लेंगे' की प्रवृत्ति छोड़कर सभी कार्य नियम से समय पर पूरे कर लक्ष्य को प्राप्त करते हैं। कल-कल करने वाले पछताते हैं क्योंकि या तो कार्य करने का समय ही नहीं बचता या फिर उस पर कार्य का महत्व ही नहीं रह जाता।

खोया धन पुन: मिल सकता है, खोई प्रतिष्ठा भी अर्जित की जा सकती है। परंतु जो समय हाथ से निकल गया वह पुन: नहीं आ सकता। रेत के समान मुट्ठी से फिसलता समय फिर हवा में मिल जहाँ उड़ जाता है प्रयास करने पर भी वे कण फिर एकत्र नहीं किए जा सकते। समय का सदुपयोग करके जीवन को सफल और सार्थक बनाया जा सकता है। समय से कार्य पूरे कर धन तथा सफलता दोनों मिलते हैं। ऐसे लोगों को दु:खी होकर पछताना नहीं पड़ता। जो समय को व्यर्थ करता है, समय उसका साथ नहीं देता। ऐसा व्यक्ति स्वयं नाश को प्राप्त हो जाता है। जीवन में अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए केवल परिश्रम ही नहीं समय नियोजन भी अनिवार्य है। कुछ पलों की देरी से गाड़ी छूट सकती है फिर उसके पीछे भागते रहने से कोई लाभ नहीं होता। समय निकल जाने के बाद परिश्रम का भी उचित फल नहीं मिलता। संसार में महान तथा सफल लोग समय के प्रति सजग रहते हैं। समयानुसार कार्य कर तथा समय पर अवसर का लाभ उठाकर सफलता अर्जित करते हैं।

ईश्वर के दिए अनमोल जीवन में एक-एक पल महत्वपूर्ण है। अत: आलस छोड़कर समय का सही उपयोग कर सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ी जा सकती हैं। संयम और समय-सारिणी ही समय के सदुपयोग को सार्थक बनाती हैं।

जो व्यक्ति क्षणों को महत्व नहीं देता वह उतने वर्ष अपने लक्ष्य से दूर हो जाता है। बहुत बार तो समय की मार ऐसी पड़ती है कि लक्ष्य अप्राप्य ही हो जाते हैं। चाहे विद्यार्थी हो, व्यवसायी हो, वैज्ञानिक हो या अन्य किसी क्षेत्र से संबंध रखने वाला जो समय के पाबंद होकर चलते हैं उन्हें जीवन में बार-बार प्रयास करने का समय मिलता है जिससे उनकी सफलता निश्चित हो जाती है। समय पर काम करने वाले अपने सभी कार्य पूरे कर लेते हैं। कुछ भी शेष नहीं पड़ा रह जाता। यह उनकी आदत भी बन जाती है और दिनचर्या भी। ऐसे लोगों को हर जगह सम्मान प्राप्त होता है।

13. समाज में बढ़ते अपराध को रोकने के लिए नागरिकों को जागरूक करने का आग्रह करते हुए किसी दैनिक अख़बार के संपादक को 100 शब्दों में पत्र लिखिए। **5**

उत्तर—

14/131, सुभाष नगर, रोहतक
दिनांक : 26 सितंबर, 20XX
संपादक टाइम्स
रोहतक

विषय : बढ़ते अपराध के प्रति नागरिकों को जागरूक कराने का आग्रह करने हेतु।

मान्यवर

मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के माध्यम से समाज में बढ़ते अपराध को रोकने के लिए नागरिकों को जागरूक करने का आग्रह करना चाहता हूँ। आशा है आप मेरे पत्र की गंभीरता को समझते हुए अपने समाचार-पत्र में इसे अपने स्तंभ में प्रकाशित करेंगे।

बड़े खेद का विषय है कि आजकल समाज में हर ओर गुंडागर्दी तथा अपराध-वृत्ति का इतना अधिक बोलबाला है कि दिन-दहाड़े स्कूली बच्चों का अपहरण करना तथा महिलाओं की चूड़ियाँ, चेन तथा अन्य वस्तुएँ छीन लेना एक आम बात हो गई है। घर हो या बाहर कहीं भी कोई वस्तु सुरक्षित नहीं है। जब तक नागरिक स्वयं जागरूक नहीं होगे, तब तक प्रशासन भी इसे रोकने में असमर्थ रहेगा। अत: मैं चाहता हूँ कि आप अपने समाचार-पत्र द्वारा नागरिकों को जागरूक बनाएँ ताकि वे स्वंय भी इसे रोकने में सहयोग दें व समय रहते अपनी तथा परिवार की सुरक्षा कर सकें। आशा है कि आप इस समस्या के प्रति अपने समाचार-पत्र के माध्यम से नागरिकों को जागरूक करने में सहयोग करेंगे।

धन्यवाद सहित
भवदीय
क० ख० ग०

अथवा

कंप्यूटर लैब में हिंदी में काम करने की सुविधा के लिए 'हिंदी फॉण्ट' की व्यवस्था कराने का आग्रह करते हुए प्राचार्य/प्राचार्या को लगभग 100 शब्दों में आवेदन पत्र लिखिए। **5**

उत्तर—

परीक्षा भवन नई दिल्ली
दिनांक : 25 जुलाई, 20XX
प्रधानाचार्य
अ० ब० स० स्कूल
नई दिल्ली

विषय—कंप्यूटर में हिंदी फॉण्ट उपलब्ध करवाने का आग्रह करने हेतु।

महोदय

आपसे विनम्र अनुरोध है कि हम कक्षा दसवीं के छात्र चाहते हैं कि अपने विद्यालय में प्राप्त कंप्यूटर शिक्षा को अधिक बेहतर और आधुनिक बनाया जाए। आप तो जानते हैं कि अब हर क्षेत्र में कंप्यूटर ज्ञान कितना आवश्यक हो गया है। बिना कंप्यूटर ज्ञान के किसी भी क्षेत्र में रोज़गार नहीं मिलता है। अंग्रेजी भाषा में हम कंप्यूटर पर टाइपिंग करने में समर्थ हैं किंतु हम कंप्यूटर पर हिंदी भाषा में काम करने में असमर्थ हैं क्योंकि हमारी कंप्यूटर लैब में रखे किसी भी कंप्यूटर में हिंदी फॉण्ट की सुविधा नहीं है जिसके कारण हम हिंदी भाषा में न तो टाइपिंग कर पाते हैं और न ही हिंदी भाषा से संबंधित जानकारी को (डाउनलोड) संकलित कर पाते हैं। अत: आपसे निवेदन है कि आप कंप्यूटर शिक्षा की उपयोगिता को समझते हुए हमारी इस माँग को स्वीकार कर हमें अनुगृहीत करें।

सधन्यवाद

आपका शिष्य

क० ख० ग०

14. अपनी पुरानी साइकिल की बिक्री के लिए 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **4**

अथवा

दीपावली पर्व पर अपने मित्र को 40 शब्दों में शुभकामना संदेश लिखिए।

बधाई संदेश

6 अक्टूबर, 20XX

नई दिल्ली

प्रियवर,

दीपावली की शुभ बेला में,

अपने मन का अंधकार मिटाएँ।

मिठाइयाँ खाएँ, दीप जलाएँ,

और दीपों के इस त्योहार को मनाएँ।

आपको और आपके परिवार को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

आलोक

15. आप तनीशा अग्रवाल हैं। आप एम०ए०, बी०एड० हैं। आपको सिद्धार्थ इंटरनेशनल स्कूल अ०ब०स० नगर में हिंदी अध्यापिका पद के लिए आवेदन करना है। इसके लिए आप अपना स्ववृत्त (बायोडाटा) लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए। **5**

उत्तर—

महोदय/महोदया

मैंने दैनिक जागरण समाचार-पत्र में आपका विज्ञापन पढ़ा। आपको अध्यापक पद के लिए एक अध्यापक (हिंदी) की आवश्यकता है। अध्यापक पद के लिए मैं सभी वांछित शर्तें पूरी करती हूँ और इस पद के लिए उपयुक्त हूँ, तथा आपके प्रतिष्ठित विद्यालय में काम करने का इच्छुक हूँ। मेरा संक्षिप्त स्ववृत्त निम्नलिखित है—

नाम — नीशा अग्रवाल

पिता का नाम — अरुण अग्रवाल

माता का नाम — सीमा अग्रवाल

जन्मतिथि — 01-01-1998

राष्ट्रीयता —भारतीय

लिंग — स्त्री

ज्ञात-भाषाएँ—हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, संस्कृत

शैक्षणिक योग्यताएँ—

क्रम सं०	परीक्षा का नाम	उत्तीर्ण वर्ष	उत्तीर्ण श्रेणी	संस्थान/विश्वविद्यालय
1.	बी०एड०	2022	प्रथम	दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली
2.	एम० ए०	2020	प्रथम	दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली
3.	बी० ए०	2018	प्रथम	दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली
4.	सीनियर सेकेंडरी	2015	प्रथम	सिटी पब्लिक स्कूल अ० ब० स० नगर
5.	हायर सेकेंडरी	2013	प्रथम	सिटी पब्लिक स्कूल अ० ब० स० नगर

अनुभव— 6 माह शिक्षण प्रशिक्षण अनुभव।

स्थान — अ० ब० स०

दिनांक — 25-10-20XX

हस्ताक्षर—

अथवा

आप अथर्व प्रताप हैं। आप अ०ब०स० नगर में रहते हैं। आपने एक स्मार्ट बोर्ड मँगवाया था, उसकी पैकिंग ठीक नहीं थी, वह क्षतिग्रस्त भी हो गया है। इसकी शिकायत करते हुए इसे लौटाने के लिए स्मार्ट टेक कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधक को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए।

From :

To : abc@gmail.com

CC :

BCC :

विषय : क्षतिग्रस्त स्मार्ट बोर्ड लौटाने के विषय में।

प्रबंधन महोदय

मैंने पिछले सप्ताह अपनी स्मार्ट टेक कंपनी का एक स्मार्ट बोर्ड मँगवाया था। वह मुझे आम ही प्राप्त हुआ है जिसकी पैकिंग भी अच्छी तरह से नहीं हुई थी। उसका बॉक्स पहले से ही फटा और खुला हुआ था। जिसके कारण स्मार्ट बोर्ड भी क्षतिग्रस्त हो गया है।

अत: आपसे निवेदन है कि आप इसे शीघ्र लौटाकर नया स्मार्ट बोर्ड भेजने का कष्ट करें। आपकी अति कृप्या होगी।

सधन्यवाद

भवदीय

अथर्व प्रताप

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.